केंद्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGTHAN

क्षेत्रीय कार्यालय-जयपुर

Regional Office-Jaipur

पाठ्य-सामग्री (Study Material)

कक्षा – बारहवीं

विषय-हिंदी (आधार)

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा वर्ष 2021-22 (प्रथम सत्र) के लिए जारी नवीनतम पाठ्यक्रम एवं प्रतिदर्श प्रश्नपत्र पर आधारित

संरक्षक एवं मार्गदर्शक

श्री बी. एल. मोरोडिया
उपायुक्त,
के. वि. सं., जयपुर संभाग

श्री डी. आर. मीना
सहायक आयुक्त,
के. वि. सं., जयपुर संभाग

संयोजक एवं निर्देशक

श्री राजेश कुमार शुक्ल
प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, कोटा

उपायुक्त महोदय का सन्देश

बी.एल. मोरोड़िया
उपायुक्त

B.L. MORODIA
Deputy Commissioner

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
Kendriya Vidyalaya Sangathan
क्षेत्रीय कार्यालय /REGIONAL OFFICE
92, गांधीनगर मार्ग, बजाज नगर,
92, GANDHI NAGAR MARG, BAJAJ NAGAR,
जयपुर / JAIPUR – 302015 (RAJASTHAN)
Website: www.rojaipur.kvs.gov.in
E-Mail :kvsjpr@gmail.com /kvsjpr@rediffmail.com
Tel.:0141-2704572 Fax -0141-2706882.

No.F. 230350(9)/2021-KVS(JPR)

Dated: 15/09/2021

संदेश

प्रिय श्री राजेश कुमार शुक्ल,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 कोटा द्वारा कक्षा बारहवीं के हिन्दी कोर विषय के विद्यार्थियों हेतु नवीन पाठ्यक्रम व पैटर्न आधारित पाठ्यसामग्री के निर्माण हेतु तीन दिवसीय संभाग स्तरीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जो जयपुर संभाग के विद्यालयों के हिन्दी विषय के स्नातकोत्तर शिक्षकों द्वारा तैयार किया जानी है। आशा है कि उक्त कार्यशाला में भाग लेकर सभी शिक्षक पूर्ण निष्ठा और लगन से अपेक्षित पाठ्यसामग्री को तैयार करेंगे जिसका अध्ययन कर कक्षा बारहवीं के विद्यार्थी आगामी Term-I बोर्ड परीक्षा 2021-22 की तैयारी करने के प्रयोजन से अधिक से अधिक लाभान्वित होंगे।

मैं, उक्त पाठ्यसामग्री के निर्माण कार्य से जुड़े सभी शिक्षकों का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापन करता हूँ एवं यह अपेक्षा करता हूँ कि सीबीएसई के नवीन पाठ्यक्रम व पैटर्न आधारित पाठ्यसामग्री के निर्माण से विद्यार्थियों द्वारा उच्च स्तरीय अंक प्राप्ति का उद्देश्य अवश्य पूर्ण होगा।

आपका शुभेच्छु

बनवारी लाल मोरोड़िया
15/9/2021

(बी.एल. मोरोड़िया)

श्री राजेश कुमार शुक्ल,
प्राचार्य,
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 ,
कोटा ।

प्राक्कथन

ज्ञान की अविराम खोज और उसकी अभिनव मीमांसा अनादि काल से मनुष्य सभ्यता को निरंतर गति देती आ रही है। ज्ञान के क्षेत्र का विस्तार किसी भी क्षेत्र की प्रगति और उन्नति की अनिवार्य शर्त है। विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन हेतु उचित एवं सार्थक पाठ्य-सामग्री उपलब्ध करवाना शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न एवं अत्यंत महत्वपूर्ण सोपान रहा है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग द्वारा विद्यार्थियों की शैक्षिक उन्नति, विषय को सुगम बनाने और अति उत्तम परीक्षा परिणाम को दृष्टि में रखते हुए अनुभवी शिक्षकों द्वारा निर्मित यह पाठ्य-सामग्री प्रस्तुत की जा रही है, जिसमें प्रथम सत्र में आ रहे सभी पाठों की विषयवस्तु का सारांश, बहुविकल्पीय प्रश्न और आदर्श प्रश्न-पत्र दिए गए हैं। विद्यार्थियों की वैयक्तिक भिन्नता को दृष्टि में रखते हुए पाठ्यसामग्री में भाषागत सरलता एवं विषयगत स्पष्टता पर विशेष ध्यान दिया गया है। आशा है कि महत्वपूर्ण प्रश्न बैंक का अभ्यास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सम्यक ज्ञान वृद्धि में सहायक होगा।

इस अवसर पर मैं श्री बी.एल. मोरोडिया जी, माननीय उपायुक्त एवं श्री डी.आर मीणा जी, माननीय सहायक आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने जयपुर संभाग के स्नातकोत्तर हिन्दी शिक्षक बंधुओं के साथ मेरे प्रति अपना विश्वास प्रकट करते हुए कक्षा बारहवीं हिन्दी (केन्द्रिक) के प्रथम सत्र की विषयवस्तु का सारांश, बहुविकल्पीय प्रश्न और आदर्श प्रश्न पत्र निर्माण हेतु इस त्रिदिवसीय कार्यशाला का महत्वपूर्ण दायित्व हमें सौंपा।

मैं उक्त पाठ्यसामग्री के निर्माण, त्रुटिसुधार एवं संपादन कार्यो से जुड़े सभी विद्वान शिक्षकों के प्रति हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ और आशा करता हूँ कि सहयोगी शिक्षकगण भविष्य में भी के.वि.सं. की आवश्यकतानुसार अपना मूल्यवान योगदान प्रदान करते रहेंगे और अपने ज्ञानामृत से विद्यार्थियों को लाभान्वित करवाते रहेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सी.बी.एस.ई के नवीनतम पाठ्यक्रम एवं परीक्षा पद्धति पर आधारित इस अध्ययन सामग्री के निर्माण से केन्द्रीय विद्यालय संगठन के विद्यार्थियों का सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने का पावन उद्देश्य अवश्यमेव पूर्ण होगा।

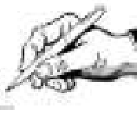

सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाओं के साथ...............

राजेश कुमार शुक्ल
प्राचार्य एवं संयोजक
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 कोटा

दिनांक 14-09-2021 से 16-09-2021 तक आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला के माध्यम से पाठ्यसामग्री निर्माण में योगदानकर्त्ता स्नातकोत्तर शिक्षक

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	विद्यालय का नाम
1	श्रीमती ज्योति साजनानी	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3,जयपुर
2	श्रीमती आरती भंडारी	केन्द्रीय विद्यालय,क्रमांक 2, जयपुर
4	श्रीमती दीप्ति गुप्ता	के. वि. लालगढ़ जाटान
5	श्री राधाचरण	के. वि. क्रमांक 5 (प्रथम पारी), जयपुर
6	श्री खादिम हुसैन	केंद्रीय विद्यालय सी. सु. बल, अनूपगढ़
7	श्री बी.एन. जाजोरिया	केन्द्रीय विद्यालय 3 नाल बीकानेर
8	डॉ. नीरज दइया	केंद्रीय विद्यालय, क्रमांक-1, बीकानेर
9	श्री गिरिराज धरण व्यास	केंद्रीय विद्यालय क्र 2 सेना जोधपुर
10	श्री राम किशन जाटव	के वि क्रमांक 2 कोटा
11	श्री अनिल कुमार	के वि अविकानगर
12	डॉ सोनल शर्मा	के वि आंतरिक सुरक्षा अकादमी आबू पर्वत
13	श्री महेंद्र कुमार मीना	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 (वायुसेना) जोधपुर
14	डॉ. मनोज कुमार गुप्ता	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 कोटा, राजस्थान
15	श्री विक्रम सिंह छापोला	केंद्रीय विद्यालय सी. सु. ब. डाबला
16	श्री राजेन्द्र कुमार सिंगोदिया	केन्द्रीय विद्यालय देवली जिला टोंक
17	श्री राजा राम	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1, बीकानेर
18	श्रीमती कविता	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 4, जयपुर
19	श्रीमती शिवलता सोलंकी	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 कोटा
20	श्री सुरेश कुमार मीना	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जयपुर
21	श्री राम निवास बाँयला	केंद्रीय विद्यालय ईटाराणा , अलवर
22	श्री गोपी राम खोरवाल	केन्द्रीय विद्यालय, ब्यावर
23	श्रीमती मुक्की मीना	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जयपुर
24	श्रीमती मंजू मीना	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक -1 अजमेर
25	श्री दिलीप कुमार शर्मा	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 अजमेर
26	श्री सीताराम जाट	केंद्रीय विद्यालय वायुसेना, जैसलमेर
27	डॉ. बिजेन्द्र कुमार सोनी	केन्द्रीय विद्यालय सवाई माधोपुर
28	श्रीमती अंजली चौधरी	केंद्रीय विद्यालय बारां
29	श्री भूरा राम बैरवा	केंद्रीय विद्यालय अलवर
30	श्री कैलाश चन्द रैगर	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-2 वायुसेना जोधपुर
31	डॉ. सतीश चन्द मीना	केन्द्रीय विद्यालय, भरतपुर

32	श्री धर्मेन्द्र शर्मा	केंद्रीय विद्यालय सूरतगढ़ छावनी
33	डॉ. मुकेश कुमार टेलर	केंद्रीय विद्यालय झुंझुनू
34	श्री बंशी धर वर्मा	केन्द्रीय विद्यालय, फुलेरा
35	श्री राजकुमार घसिया	केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल उत्तरलाई
36	श्री सुरेश कुमार चौहान	केंद्रीय विद्यालय बनाड़ जोधपुर
37	श्री महेश चंद मीना	केन्द्रीय विद्यालय गंगापुर सिटी
38	श्री सोहन लाल शर्मा	केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, पोकरण
39	श्री विजय कुमार माथुर	केंद्रीय विद्यालय चूरू
40	श्री राम राय माली	केंद्रीय विद्यालय भीलवाड़ा
41	श्री गुलझारी लाल	के. वि. क्रमांक 1 प्रतापनगर, उदयपुर
42	श्री गणेश राम बैरवा	केंद्रीय विद्यालय देवगढ़
43	श्री हरभजन मीना	केंद्रीय विद्यालय श्रीगंगानगर छावनी
44	श्री चन्द्र प्रकाश राजावत	केन्द्रीय विद्यालय क्र.1 (वायुसेना) जोधपुर
45	श्री देवेन्द्र कुमार	केन्द्रीय विद्यालय एनटीपीसी अंता
46	श्री मनोहर लाल मंडीवाल	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2, बीकानेर
47	श्री ओमप्रकाश	केंद्रीय विद्यालय इंद्रपुरा
48	श्रीमती नीलम	केंद्रीय विद्यालय, खेतड़ी नगर
49	श्री मुकेश कायल	केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, खाजूवाला
50	श्रीमती नीतू गुप्ता	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 6 जयपुर
51	श्री मनप्रीत सिंह गिल	केंद्रीय विद्यालय जालिपा कैंट बाड़मेर
52	श्रीमती अनुप्रिया	केंद्रीय विद्यालय झालावाड़
53	श्री मनोज कुमार शर्मा	केंद्रीय विद्यालय ,डूँगरपुर
54	श्रीमती नविता मीणा	केन्द्रीय विद्यालय बांसवाड़ा
55	श्री नौरत राम कुड़िया	केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद
56	श्री राकेश कुमार गोयल	के. वि. क्रमांक 5 (द्वितीय पारी), जयपुर
57	श्री मगनाराम माली	केंद्रीय विद्यालय चित्तौड़गढ़
58	श्रीमती शरद जैन	केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2, जयपुर

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय/बिंदु	पृष्ठ संख्या
1.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा वर्ष 2021-22 (प्रथम सत्र) के लिए जारी प्रश्नपत्र-प्रारूप (अंकभार-विभाजन)	8
2.	अपठित गद्यांश	9
3.	अपठित काव्यांश	34
4.	‘अभिव्यक्ति और माध्यम’ पुस्तक के प्रश्नोत्तर	50
5.	‘आरोह भाग-2’ पुस्तक के काव्य-खंड के काव्यांश-आधारित प्रश्नोत्तर (पाठों के क्रम के अनुसार)	60
6.	‘आरोह भाग-2’ पुस्तक के गद्य-खंड के गद्यांश-आधारित प्रश्नोत्तर (पाठों के क्रम के अनुसार)	79
7.	‘आरोह भाग-2’ पुस्तक के पठित पाठों (काव्य-खंड एवं गद्य-खंड दोनों) से सीधे पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर (पाठों के क्रम के अनुसार)	91
8.	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक ‘वितान भाग-2’ से पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर (पाठों के क्रम के अनुसार)	103
9.	आदर्श प्रश्नपत्र	119
10.	प्रथम सत्र के आतंरिक मूल्यांकन हेतु निर्देश	187

1. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा वर्ष 2021-22 (प्रथम सत्र) के लिए जारी प्रश्नपत्र-प्रारूप (अंकभार-विभाजन)

		विषयवस्तु	उपभार	कुलभार
1	**अपठित गद्यांश (चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)**		**15**	
	अ	दो अपठित गद्यांशों में से कोई एक गद्यांश करना होगा। (450-500 शब्दों के) (1 अंक x 10 प्रश्न)	10	**10**
	ब	दो अपठित पद्यांशों में से कोई एक पद्यांश करना होगा। (250-250 शब्दों के) (1 अंक x 5 प्रश्न)	05	**05**
2	**कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन ('अभिव्यक्ति और माध्यम' पुस्तक के आधार पर)**		**05**	
	अ	अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से बहुविकल्पात्मक प्रश्न (1 अंक x5 प्रश्न)	05	**05**
3	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग – 2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न**		**15**	
	अ	पठित काव्यांश पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
	ब	पठित गद्यांश पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
	स	पठित पाठों पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
4	**अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न**		**05**	
	अ	पठित पाठों पर पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 अंक x 05 प्रश्न)	05	
5	**आंतरिक मूल्याङ्कन**			**10**
		श्रवण तथा वाचन	10	
कुल अंक				**50**

सत्र-1 2021-22 में निम्नलिखित पाठ सम्मिलित किए गए हैं –

पाठ्यपुस्तक - आरोह भाग – 2

काव्य खंड	**गद्य खंड**
1. हरिवंश राय बच्चन - एक गीत	1. महादेवी वर्मा - भक्तिन
2. कुँवर नारायण - कविता के बहाने	1. जैनेन्द्र कुमार - बाज़ार दर्शन
2. रघुवीर सहाय - कैमरे में बंद अपाहिज	1. धर्मवीर भारती - काले मेघा पानी दे
2. गजानन माधव मुक्तिबोध - सहर्ष स्वीकारा है	
अभिव्यक्ति और माध्यम	**अनुपूरक पाठ्यपुस्तक - वितान भाग – 2**
विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन	मनोहर श्याम जोशी - सिल्वर वैडिंग
पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया	आनंद यादव - जूझ

2. अपठित गद्यांश

अपठित गद्यांश- 01

पर्युषण पर्व जैन समाज का सबसे महत्त्वपूर्ण पर्व है। इस पर्व की मुख्य बातें भगवान महावीर के मूल पांच सिद्धांतों पर आधारित है। अहिंसा यानि किसी को कष्ट नहीं पहुंचाना, सत्य, अस्तेय यानि चोरी न करना, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह यानि जरूरत से ज्यादा धन एकत्रित न करना। जैन धर्म के श्वेताम्बर और दिगम्बर दोनों ही समुदाय यह पर्व श्रद्धा से मनाते है। श्वेताम्बर समाज आठ दिन तक पर्युषण पर्व मनाता है और दिगम्बर समाज दस दिन तक दसलक्षण के रूप में पर्युषण पर्व मनाता है। श्वेताम्बर समाज पर्युषण पर्व के समापन पर संवत्सरी पर्व मनाता है, जबकि दिगम्बर समाज पर्युषण के समापन पर क्षमावाणी पर्व मनाता है।

दस लक्षण पर्व प्रकृति और पर्यावरण से भी जुड़ा हुआ है। मानसून के दौरान मनाया जाने वाला यह पर्व पूरे समाज को प्रकृति से जुड़ने की सीख भी देता है। इसे धर्म से इसलिए जोड़ा गया है, क्योंकि जो भी सकारात्मक कार्य होता है, वह आखिर मे धर्म ही तो है। पर्यावरण असंतुलन पूरी दुनिया में आज सबसे ज्यादा चिंता का विषय है। प्रकृति और पर्यावरण का सन्तुलन तब बिगड़ता है जब इंसान में क्रोध, अहंकार, माया, लोभ, असत्य, असंयम, स्वच्छंदता, परिग्रह, वासना आदि के भाव पैदा होते है। इन्हीं बुरे भावों पर नियंत्रण के लिए दस धर्म पालन रूपी ब्रेक लगा दिया गया है। इसके पीछे भावना यही होती है कि प्रकृति और पर्यावरण का सन्तुलन बना रहे। साथ ही हम धर्म का पालन करने के साथ ध्यान भी करते रहें।

जैन धर्म के अनुयायी क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, अकिंचन्य, ब्रह्मचर्य के माध्यम से आत्मसाधना करते है। ये दस धर्म जीने की कला सिखाने के साथ पाप को धोने का काम करते है। देखने में आ रहा है कि वर्तमान में लोग एक दूसरे की भावना को नहीं समझकर एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे है। आपस का प्रेम समाप्त होता जा रहा है। आत्मिक ऊर्जा समाप्त होती जा रही है। इन सबसे बचने के लिए पर्युषण पर्व इंसान के जीवन में संजीवनी का काम करने वाला है। क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, अकिंचन्य धर्म से मानसिक स्वस्थता आती है। मन और मस्तिष्क में किसी के लिए, किसी भी प्रकार से शत्रुता, नीचा दिखाने के विचार नहीं रह जाते हैं और न ही किसी के प्रति वैर-भाव रहता है। संयम, तप, ब्रह्मचर्य से शारीरिक स्वस्थता आती है। जैन ग्रंथों में पर्युषण की परिभाषा देते हुए कहा गया है- 'परि समंतात उषंते दह्याते पापकर्माणि यस्मिन तत् पर्यूषणम' अर्थात जो पाप कमों को जलाता है, पाप का क्षय कर आत्मधर्मों को उद्घाटित करता है, आत्मगुणों को प्रकट करता है, उसे पर्युषण कहते हैं। गाँठ ग्रंथि- कषाय, मोह आदि रूपी गाँठ के खुलने की जो कला सिखाता है, पर्युषण पर्व कहते है।

दस दिन के संकल्प भी है। ये इस प्रकार है – मैंने जो पाप किए हैं, उनका प्रायश्चित करता हूँ। मैं अब आगे से पाप नहीं करूँगा । विनम्र बनकर अपनी गलती को स्वीकार करूंगा। अपने दुख का कारण अपने कर्मों को समझूंगा। वृक्ष, पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु का उतना ही उपयोग करूंगा, जितना जीने के लिए आवश्यक होगा। प्रतिदिन 5 मिनट आत्मचिंतन कर आत्मशक्ति को पहचानने का पुरुषार्थ करूंगा। प्राणी मात्र का सहयोग करूंगा। शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए काम करूंगा आदि। यह पर्व समुचे प्राणि-जगत को सुख शांति का संदेश देता है। इस पर्व में संकल्प लिया जाता है कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जीव मात्र को कभी भी किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाएंगे। किसी से कोई वैर भाव नहीं रखेंगे। संसार के समस्त प्राणियों से जाने-अनजाने में की गई गलतियों के लिए क्षमा याचना करेंगे।

1.पर्युषण पर्व के मूल सिद्धांत किसने दिए है ?

1. गौतम बुद्ध ने
2. महावीर स्वामी ने
3. वासुपूज्य देव ने
4. श्री कृष्ण ने

2. दस लक्षण पर्व क्या है?

1. प्रकृति एवम् पर्यावरण के अंतरंग संबंधों को याद करने का पर्व
2. दस दिन का उपवास
3. संवत्सरी पर्व का उपनाम जो केवल श्वेताम्बर मनाते है
4. महावीर स्वामी का जन्म दिवस

3. क्षमा याचना पर्व कब मनाया जाता है ?

1. पर्युषण पर्व के पहले दिन
2. पर्युषण पर्व के दौरान आठ दिनों तक
3. पर्युषण पर्व की समाप्ति पर
4. पर्युषण के तीन दिन पहले

4. महावीर के पाँच अणुव्रत सिद्धांत में कौनसा सही नहीं है -

1. सदा सत्य बोलना
2. किसी भी जीव को न मारना
3. परिग्रह करना
4. अस्तेय

5. विश्व की सबसे बडी चिंता क्या है?

1. हिंसाग्रस्त समाज
2. लोगों की आत्मिक ऊर्जा का समापन
3. ब्रह्मचर्य का पालन न करना
4. पर्यावरण असंतुलन

6. प्रकृति और पर्यावरण के बिगडने का मूल कारण क्या है ?

1. मानव में विकारों का उत्पन्न होना
2. मनुष्य द्वारा दस संकल्प लेना
3. ब्रह्मचर्य के माध्यम से आत्म साधना करना
4. क्षमा, दया, मार्दव एवम शौच

7. पर्युषण पर्व किस धर्म के लोग मनाते है ?

1. श्वेताम्बर जैन
2. दिगम्बर जैन
3. समस्त धर्मावलम्बी
4. समस्त जैन धर्मावलम्बी

8. पर्युषण पर्व कितने दिन तक मनाया जाता है ?

1. आठ दिन
2. श्वेताम्बर आठ दिन तक और दिगम्बर दस दिन तक मनाते है

3. दस दिन

4. श्वेताम्बर दस दिन तक और दिगम्बर आठ दिन तक मनाते है

9. गलत कथन का चयन कीजिए –

1. पर्युषण पर्व के दौरान दस धर्म का पालन किया जाता है।

2. संयम, तप, एवम् ब्रह्मचर्य से तन की शुद्धि प्राप्त होती है।

3. क्षमा, शौच, सत्य, मार्दव से मन की स्वस्थता प्राप्त होती है।

4. पर्युषण पर्व की समाप्ति के बाद संकल्प लिए जाते है।

10. कौनसा एक पर्युषण पर्व का संकल्प नहीं है –

1. मैं पने पापों का प्रायश्चित करता हूँ।

2. मैं पंच तत्वों का सम्यक उपयोग करूँगा ।

3. मैं प्राणी मात्र का उपयोग स्वयं के हित में करूँगा ।

4. मैं शिक्षा और स्वास्थ्य के लिये काम करूँगा ।

उत्तरमाला-

1 (2) महावीर स्वामी ने

2 (2) प्रकृति एवम् पर्यावरण के अंतरंग संबंधों को याद करने का पर्व

3 (3) पर्युषण पर्व की समाप्ति पर

4 (3) परिग्रह करना

5 (4) पर्यावरण असंतुलन

6 (1) मानव में विकारों का उत्पन्न होना

7 (4) समस्त जैन धर्मावलम्बी

8 (2) श्वेताम्बर आठ दिन तक और दिगम्बर दस दिन तक मनाते हैं

9 (4) पर्युषण पर्व की समाप्ति के बाद संकल्प लिए जाते हैं ।

10 (3) मैं प्राणी मात्र का उपयोग स्वयं के हित में करूँगा ।

अपठित गद्यांश- 02

जिस प्रकार हमारे शरीर के लिए भोजन आवश्यक है, उसी प्रकार हमारे मस्तिष्क को भी भोजन की आवश्यकता है। मस्तिष्क का सर्वोत्तम भोजन पुस्तकें है। इनका अपना ही आनंद है, जो किसी अन्य वस्तु में नहीं मिल सकता। अध्ययन करते समय हम जीवन की चिंताओं और दुखों को भूल जाते है।

अध्ययन कई प्रकार का होता है। पहला प्रकार, हल्का-फुल्का अध्ययन अर्थात समाचार-पत्रों, पत्र-पत्रिकाओं आदि की पढाई करना होता है, जिनसे वर्तमान की घटनाओं के विषय में विस्तृत ज्ञान प्राप्त होता है। इनके द्वारा हमें विश्व के प्रत्येक भाग की घटनाओं और क्रियाकलापों के विषय में सब कुछ पता चलता रहता है। आज के युग में हम इस प्रकार के हल्के-फुल्के अध्ययन से अलग नहीं रह सकते। बिना समाचार पत्रों के हम कुएँ के मेढ़क के समान हो जाएंगे। इसलिए ऐसे अध्ययन, जो आनंदमय है और शिक्षाप्रद भी, को अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसके बाद यात्रा और साहसिक कार्यों से सम्बद्ध पुस्तकें आती है। सामान्यतया व्यक्ति दैनिक जीवन की कठोर वास्तविकताओं से दूर भागना चाहता है, किंतु

साहसिक कार्य करने की भावना मानव के रक्त में होती है। यात्रा और साहसिक कार्यों का वर्णन करने वाली पुस्तकें हमारे मन में भी साहस और निर्भीकता की भावना पैदा करती है। खाली समय को आनंद से बिताने का सबसे अच्छा साधन है- उपन्यास। शाम के समय अथवा गाडी में यात्रा करते समय उपन्यास पढने से बेहतर कोई मनोरंजन नहीं है। कुछ समय के लिए पाठक अपने व्यक्तित्व और सत्ता को ही भूल जाता है। वह उपन्यास के किसी चरित्र के साथ एकाकार हो जाता है। इससे उसे अपार सुख मिलता है।

इनके अतिरिक्त गम्भीर अध्ययन की पुस्तकें होती है। जिनमें साहित्य, इतिहास, दर्शन आदि की पुस्तकें आती है, जो सभी काल मे पढ़ी जाने योग्य कृतियाँ होतीं है। ऐसी पुस्तकें गम्भीर और विचारशील व्यक्तियों के लिए होती है। साहित्य का विद्यार्थी सभी युगों के सर्वोत्कृष्ट विद्वानों के सम्पर्क में आता है और अपने अपने चिंतन के लिए उपयोगी आहार प्राप्त करता है। वे उसे जीवन के आध्यात्मिक मूल्यो की पूरी जानकारी देते है। इस प्रकार वह अपने जीवन को श्रेष्ठ और महान बना सकता है। उसका दृष्टिकोण व्यापक हो जाता है और मानव के प्रति उसकी सहानुभूति बढ़ जाती है।

बेकन ने कहा था कि “कुछ पुस्तकों का केवल स्वाद चखना चाहिए, कुछ को निगल जाना चाहिए और कुछ को अच्छी प्रकार से चबाकर पचा लेना चाहिए।“ किसी पुस्तक को पाठ्य-पुस्तक के रूप में पढ़ने से अनिवार्यता की भावना आ जाती है। यह अनिवार्यता उपयोगी हो सकती है, परंतु उससे रुचि का हनन हो जाता है। पुस्तकों का वास्तविक प्रेमी तो हर समय इनकी संगति में आनंद का अनुभव करता है। पढने की आदत मनुष्य के सभ्य होने का चिह्न है। यह मनोरंजन का अच्छा साधन है और खाली समय को व्यतीत करने का सबसे अच्छा उपाय है। पुस्तकों का खजाना किसी भी राजा के खजाने से बडा होता है। पुस्तकें कला, साहित्य, विज्ञान और ज्ञानरूपी सोने की खानें हैं।

1. साहित्य, इतिहास, दर्शन आदि से सम्बंधित पुस्तकें किस श्रेणी में आती है ?

1. सामान्य
2. गम्भीर
3. साहसिक
4. मनोरंजन

2. अध्ययन करते समय मनुष्य किस मनोदशा में पहुँच जाता है?

1. उच्च
2. सामान्य
3. निम्न
4. मध्यम

3. समाचार पत्रों के अभाव में मनुष्य की दशा कैसी हो सकती है?

1. स्वाभाविक
2. निर्भीक जीव के समान
3. आनंदमय
4. कुएँ के मेंढक के समान

4. व्यक्ति के मन में साहस और निर्भीकता की भावना कब पैदा होती है?

1. यात्राएँ करके
2. तर्क वितर्क करके
3. साहसिक पुस्तकें पढ़कर
4. गम्भीर चिंतन करके

5. लेखक के अनुसार खाली समय को आनंद के साथ बिताने का सबसे अच्छा साधन क्या है?

1. विद्वानों के विचार सुनना
2. यात्राएँ करना
3. उपन्यास पढ़ना
4. समाचार पत्र पढ़ना

6. मनुष्य के सभ्य होने का चिह्न किसे माना गया है?

1. आदर सहित बात करना
2. पढ़ने की आदत
3. सभी को समान समझना
4. खाली समय व्यतीत करना

7. गम्भीर अध्ययन की पुस्तकें किसका मनोरंजन करती है?

1. सामान्य जन का
2. विचारशील व्यक्तियों का
3. साहित्य के विद्यार्थियों का
4. उच्च वर्ग के व्यक्तियों का

8. पुस्तकों का प्रेमी किसकी संगति में हर समय आनंद का अनुभव करता है?

1. विद्वानों की
2. बुद्धिजीवियों की
3. अध्यापकों की
4. पुस्तकों की

9. किस प्रकार के अध्ययन की अनदेखी नहीं की जा सकती है ?

1. शिक्षाप्रद
2. आनंददायक
3. शिक्षाप्रद और आनंददायक
4. गम्भीर

10. प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ?

1. पुस्तकों का महत्त्व
2. यात्रा का महत्त्व
3. पाश्चात्य विचारकों का महत्त्व
4. समाचार पत्रों का महत्त्व

उत्तरमाला-

1 (2) गम्भीर

2 (1) उच्च

3 (4) कुएँ के मेंढक के समान

4 (3) साहसिक पुस्तकें पढ़कर

5 (3) उपन्यास पढ़ना

6 (2) पढ़ने की आदत

7 (2) विचारशील व्यक्तियों का

8 (4) पुस्तकों की

9 (3) शिक्षाप्रद और आनंददायक

10 (1) पुस्तकों का महत्त्व

अपठित गद्यांश- 03

नीति रोजगार पैदा करने की होनी चाहिए, लेकिन सारी कवायद विकास दर हासिल करने की है। नीति-नियंताओं का मानना है कि विकास दर बढ़ेगी तो रोजगार के मौके भी बनेंगे। लेकिन अर्थनीति की यह पद्धति बहुत पहले ही विफल हो चुकी है। हम रोजगार विहीन विकास दर के दौर से गुजर रहे हैं। महामारी के साथ जीने की आदत डाल लेने के बाद लगता है कि अब हमें बेरोजगारी के साथ भी जीने की आदत डालनी होगी, लेकिन बेरोजगारी के साथ जी पाना उतना ही कठिन है, जितना दवा, ऑक्सीजन और टीके के बगैर महामारी के साथ जी पाना। महामारी का तो हमने टीका बना लिया, लेकिन बेरोजगारी का फिलहाल कोई तोड़ हाथ नहीं लगा है। इस दिशा में कोई ठोस पहल भी नहीं दिख रही। अब तो यहाँ तक कहा जाने लगा है कि बेरोजगारी कहीं महामारी से आगे न निकल जाए। महामारी की रफ्तार थमने के बाद भी बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। महामारी की अवधि के दौरान एक करोड़ से अधिक लोगों की नौकरियाँ जा चुकी हैं। यह सिलसिला अभी भी जारी है।

देश में ऊँची बेरोजगारी दर के पीछे एक बड़ा कारण सार्वजनिक क्षेत्र का लगातार सिमटते जाना भी है। आँकड़े बताते हैं कि जिन देशों में सार्वजनिक क्षेत्र मजबूत है, वहाँ बेरोजगारी दर उसी अनुपात में कम है। सार्वजनिक क्षेत्र की मजबूती के मामले में भारत की स्थिति दुनिया तो दूर अपने पड़ोसियों से भी खराब है। रोजगार के लिहाज से सार्वजनिक क्षेत्र को अच्छा इसलिए माना जाता है, क्योंकि यहाँ नौकरियाँ निजी क्षेत्र की बनिस्पत अधिक सुरक्षित होती हैं। संकट काल में भी साथ सार्वजनिक क्षेत्र ही देता है। महामारी के दौरान यह साफ हो चुका है, लेकिन दुखद यह कि हमारी नीतियाँ निजी क्षेत्र के नाम हैं, जिसका उद्देश्य रोजगार पैदा करना नहीं, अधिक से अधिक मुनाफा कमाना होता है। सार्वजनिक क्षेत्र में एक तो अवसर घटते जा रहे हैं, और फिर जहाँ अवसर हैं भी, वहाँ नियुक्तियाँ नहीं हो रही हैं।

1. आज किस प्रकार की नीति-निर्माण की आवश्यकता है ?

1. विकास दर बढ़ाने वाली ।
2. रोजगार पैदा करने वाली ।
3. गरीबी दूर करने वाली ।
4. स्वास्थ्य सेवाएँ बढ़ाने वाली ।

2. नीति-निर्माण कर्ताओं का क्या मानना है ?

1. रोजगार बढ़ने से विकास दर बढ़ती है ।
2. विकास दर बढ़ाने से रोजगार बढ़ता है
3. रोजगार और विकास दर एक साथ बढ़ते है ।

4. विकास दर का रोजगार से कोई संबंध नहीं है।

3. महामारी के साथ जीने की आदत डाल लेने के बाद लगता है कि अब हमें बेरोजगारी के साथ भी जीने की आदत डालनी होगी, ऐसा क्यों कहा जा रहा है ?

1. महामारी बढ़ती ही जा रही है ।
2. महामारी का कोई इलाज़ नहीं होने के कारण
3. महामारी की तरह बेरोजगारी भी बढ़ती जा रही है
4. बेरोजगारी का भी कोई स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है

4. किस दिशा में ठोस पहल के अभाव की बात की जा रही है ?

1. विकास दर बढ़ाने की दिशा में
2. रोजगार बढ़ाने की दिशा में
3. महामारी से लड़ने की दिशा में
4. टीके के निर्माण की दिशा में

5. बेरोजगारी के महामारी से आगे निकालने की बात क्यों की जा रही है ?

1. महामारी की रफ्तार बहुत धीमी पड़ गई है इसलिए
2. रोजगार के अवसर लगातार बढ़ते जा रहे है इसलिए
3. बेरोजगारी को दूर करने के लिए स्थायी एवं ठोस नीतियों का अभाव है इसलिए
4. महामारी और बेरोजगारी दोनों का कोई संबंध नहीं होने के कारण

6. देश में बेरोजगारी की ऊँची दर होने के पीछे बड़ा कारण किस को माना जा सकता है ।

1. स्थायी नीति का अभाव
2. सार्वजनिक क्षेत्र का सिमटना
3. निजी क्षेत्र का विस्तार
4. योग्य मानव शक्ति का अभाव

7. रोजगार के लिहाज से किस क्षेत्र को अच्छा माना जाता है?

1. निजी क्षेत्र को
2. स्वरोजगार को
3. सार्वजनिक क्षेत्र को
4. मिश्रित क्षेत्र को

8. निजी क्षेत्र का उद्देश्य मुख्य रूप से क्या होता जा रहा है ?

1. रोजगार पैदा करना
2. अपना मुनाफा कमाना
3. बेरोजगारी भत्ता देना
4. अपने व्यवसाय को बढ़ाना

9. सार्वजनिक क्षेत्र का लगातार सिमटते जाने से देश के युवाओं पर इसका क्या असर हो रहा है ?

1. उनको नौकरियों के अवसर मिल रहे हैं

2. निजी क्षेत्र का दायरा भी सिमट रहा है

3. युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम होते जा रहे हैं

4. युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं

10. 'सार्वजनिक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय अलग कर लिखा जाएगा-

1. सर्वजन+ ईक

2. सार्वजन+इक

3. सर्वजन+इक

4. सर्व+जननिक

उत्तरमाला-

1. (2) रोजगार पैदा करने वाली

2. (2) विकास दर बढ़ाने से रोजगार बढ़ता है

3. (3) महामारी की तरह बेरोजगारी भी बढ़ती जा रही है

4. (2) रोजगार बढ़ाने की दिशा में

5. (3) बेरोजगारी को दूर करने के लिए स्थायी एवं ठोस नीतियों का अभाव है इसलिए

6. (2) सार्वजनिक क्षेत्र का सिमटना

7. (3) सार्वजनिक क्षेत्र को

8. (2) अपना मुनाफा कमाना

9. (3) युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम होते जा रहे हैं

10. (3) सर्वजन+इक

अपठित गद्यांश- 04

जहाँ भी दो नदियाँ आकर मिल जाती है, उस स्थान को अपने देश में 'तीर्थ' कहने का रिवाज है। और यह केवल रिवाज की ही बात नहीं है, हम सचमुच मानते हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है, उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु, भारत आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें असली संगम वे स्थान, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं।

नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना प्रकार के आँसू और उमंग, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। अतः जहाँ भाषाओं का मिलन होता है, यहाँ वास्तव में विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं, उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं और इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है, वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है।

हमारी भाषाएँ जितनी ही तेजी से जगेंगी, हमारे विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा। भारतीय केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएँ, बल्कि भारत की अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुँचे और उनकी कृतियों की चर्चा हो। भाषाओं के जागरण का आरंभ होते ही एक प्रकार का अखिल भारतीय मंच आप-से-आप प्रकट

होने लगा है। आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा उत्पन्न हो गई है कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है, उनमें कौन-कौन ऐसे लेखक है, तथा कौन सी विचारधारा वहाँ प्रभुसत्ता प्राप्त कर रही है।

1. आधुनिक संगम-स्थल किसको माना है?

1. नदियों के संगम को
2. भाषाओं के संगम
3. लोगो के संगम को
4. तीरथों के संगम को

2. अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है, उससे कहीं अधिक पुण्य कहाँ मिलता है ?

1. सागर में स्नान करने से
2. कुएं पर स्नान करने से
3. तालाब में स्नान करने से
4. संगम में स्नान करने से

3. दो नदियों का मिलन किसका प्रतीक है?

1. संगम
2. तीर्थ
3. सागर
4. मिलन

4. विभिन्न जनपदों के हृदय का मिलन कब होता है ?

1. जब भाषाओं का संगम होता
2. जब नदियों का संगम होता है
3. जब लोगों का मिलन होता है
4. जब सड़कों का मिलन होता है

5. भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत किसे कहा गया है।

1. नदियों के संगम में स्नान करने वालों को
2. भाषाओं के संगम में भाग लेने वालों को
3. देश की रक्षा में लड़ने वालों को
4. धार्मिक प्रवचन देने वालों को

6. स्वराज प्राप्ति के उपरांत विभिन्न भाषाओं के लेखकों में क्या जिज्ञासा उत्पन्न हुई?

1. एक दूसरे का सहयोग करने की
2. एक दूसरे का विरोध करने की
3. अन्य भाषाओं की प्रगति को जानने की
4. अपनी भाषा की प्रगति को जानने की

7. श्रद्धा भाव से भारतवासियों का नदियों में स्नान करना किसका प्रतीक है ?

1. आस्था का

2. विश्वास का

3. विनम्रता का

4. एकता का

8. हमारे प्रदेशों के पारस्परिक ज्ञान में वृद्धि कैसे संभव है ?

1. विभिन्न भाषाओं के विकसित होने से

2. विभिन्न लोगों के काम करने से

3. आपसी विचार- विनिमय से

4. आपसी सहयोग करने से

9. अखिल भारतीय मंच अपने आप कैसे प्रकट होने लगता है ?

1. लोगों के जागरण से

2. भाषाओं के जागरण से

3. संतों के जागरण से

4. युवाओं के जागरण से

10. 'उल्लास' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए

1. उल्+लास

2. उत्+लास

3. उल्ल+लस

4. उन+लास

उत्तरमाला-

1. (2) भाषाओं के संगम

2. (3) संगम में स्नान करने से

3. (1) संगम

4. (1) जब भाषाओं का संगम होता

5. (2) भाषाओं के संगम में भाग लेने वालों को

6. (3) अन्य भाषाओं की प्रगति को जानने की

7. (1) आस्था का

8. (1) विभिन्न भाषाओं के विकसित होने से

9. (2) भाषाओं के जागरण से

10. (2) उत्+लास

अपठित गद्यांश- 05

हम लोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते हैं जिसको जो रूप अच्छा लगे उसे ही अपने मन में स्वीकार करें। ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा है जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के हैं, क्योंकि हमें उनकी हर बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है।पर ऐसे लोगों का साथ करना और बुरा है जो हमारी ही बात को ऊपर रखते हैं क्योंकि ऐसी दशा में

न तो हमारे ऊपर कोई दबाब रहता है और न हमारे लिए कोई सहारा रहता है।दोनों अवस्थाओं में जिस बात का भय रहता है उसका पता युवा पुरुषों को प्राय: कम रहता है।यदि विवेक से काम लिया जाए तो भय नहीं लगता, पर युवा पुरुष प्राय: विवेक से काम नहीं लेते हैं। आश्चर्य की बात है कि लोग एक घोड़ा लेते हैं, तो उसके गुण-दोष कितना परखकर लेते हैं।पर किसी को मित्र बनाने में उसके पूर्व आचरण और प्रकृति आदि का कुछ भी विचार और अनुसंधान नहीं करते।वे उसमें बातें अच्छी ही अच्छी मानकर अपना पूरा विश्वास जमा देते हैं।हँसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग, थोड़ी चतुराई या साहस से दो चार बातें किसी में देखकर लोग शीघ्र ही किसी को अपना बना लेते हैं।हम यह नहीं सोचते दोस्ती का उद्देश्य क्या है ? जीवन में उसका कुछ मूल्य है।यह एक ऐसे साधन हैं जिसमें आत्म-शिक्षा का कार्य सुगम हो जाता है।महापुरुषों का मत है कि विश्वासपात्र मित्र से भारी रक्षा होती है।जिसे ऐसा मित्र मिल जाए मानो उसे खजाना मिल गया।मित्र एक औषधि के समान है।

मृत्युंजय और संघमित्र की मित्रता पाटलिपुत्र के जन-जन की जानी बात थी। मृत्युंजय जन-जन द्वारा 'धन्वंतरि' की उपाधि से विभूषित वैद्य थे और संघमित्र समस्त उपाधियों से विमुक्त 'भिक्षु'। मृत्युंजय चरक और सुश्रुत को समर्पित थे, तो संघमित्र बुद्ध के संघ और धर्म को।प्रथम का जीवन की संपन्नता और दीर्घायुष्य में विश्वास था तो द्वितीय का जीवन के निराकरण और निर्वाण में।दोनों ही दो विपरीत तटों के समान थे, फिर भी उनके मध्य बहने वाली स्नेह-सरिता उन्हें अभिन्न बनाए रखती थी।

वैद्यराज अपनी वार्ता में संघमित्र से कहते- निर्वाण (मोक्ष) का अर्थ है- आत्मा की मृत्यु पर विजय।संघमित्र हँसकर कहते- देह द्वारा मृत्यु पर विजय मोक्ष नहीं है।देह तो अपने आप में व्याधि है।तुम देह की व्याधियों को दूर करके कष्टों से छुटकारा नहीं दिलाते, बल्कि कष्टों के लिए अधिक सुयोग जुटाते हो।देह व्याधि से मुक्ति तो भगवान की शरण में है।वैद्यराज ने कहा- मैं तो देह को भगवान के समीप जीते जी बने रहने का माध्यम मानता हूँ।पर दृष्टियों का यह विरोध उनकी मित्रता के मार्ग में कभी बाधक नहीं हुआ।दोनों अपने कोमल हास और मोहक स्वर से अपने-अपने विचारों को प्रस्तुत करते रहते।

1. हम लोग किसके समान होते हैं?

1. मिट्टी के समान
2. पक्की मिट्टी की मूर्ति के समान
3. कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान
4. कागज की तस्वीर के समान

2. कैसे लोगों का साथ हमारे लिए बुरा होता है?

1. हमसे अधिक वाचाल
2. हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के
3. हमसे अधिक बड़े
4. हमसे अधिक हँसमुख

3. मित्र बनाते समय हमें किस चीज की परख करनी चाहिए ?

1. शरीर की सुंदरता की
2. आचरण एवं प्रवृत्ति
3. उसका डील-डौल
4. उसके माता-पिता

4. विश्वासपात्र मित्र से क्या लाभ हैं?

1. हमारी बड़ी भारी रक्षा होती है

2. हमारी बड़ी भारी हानि होती है

3. हमारा कभी भी नुकसान हो सकता है

4. समाज में हमारी बुराई होती है

5. विश्वासपात्र मित्र किसके समान है ?

1. जीवन की एक औषधि के समान

2. जीवन की एक बुराई के समान

3. जीवन को समाप्त कर देता है

4. बुराई में बुरे काम की सीख देता है

6. मृत्युंजय और संघमित्र की मित्रता कहाँ प्रसिद्ध थी ?

1. बोधगया

2. पाटलिपुत्र

3. पटेल नगर

4. पुष्यनगर

7. 'धन्वंतरि' की उपाधि से विभूषित वैद्य कौन था?

1. संघमित्र

2. मृत्युंजय

3. संघमित्र और मृत्युंजय दोनों

4. इनमें से कोई नहीं

8. जीवन के निराकरण और निर्वाण में किसका विश्वास था ?

1. मृत्युंजय

2. संघमित्र

3. धनंजय

4. पुष्यमित्र

9. मृत्युंजय और संघमित्र के विषय में क्या सही नहीं है ?

1. मृत्युंजय और संघमित्र में वैचारिक भिन्नता थी।

2. मृत्युंजय और संघमित्र में वैचारिक समानता थी।

3. वे नदी के दो तट थे।

4. उपर्युक्त सभी

10. देह के विषय में संघमित्र के क्या विचार हैं ?

1. देह द्वारा मृत्यु पर विजय मोक्ष नहीं है।

2. देह अपने आप में व्याधि है।

3. देह-व्याधि से मुक्ति केवल भगवान की शरण में जाने से होगी।

4. उपर्युक्त सभी सही हैं।

उत्तरमाला-

1. (3) कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान
2. (2) हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के
3. (2) आचरण एवं प्रवृत्ति
4. (1) हमारी बड़ी भारी रक्षा होती है
5. (1) जीवन की एक औषधि के समान
6. (2) पाटलिपुत्र
7. (2) मृत्युंजय
8. (2) संघमित्र
9. (2) मृत्युंजय और संघमित्र में वैचारिक समानता थी ।

10 (4) उपर्युक्त सभी सही हैं ।

अपठित गद्यांश- 06

जर्मनी के सुप्रसिद्ध विचारक नीत्शे ने, जो विवेकानंद का समकालीन था, घोषणा की कि 'ईश्वर मर चुका है ।' नीत्शे के प्रभाव में यह बात चल पड़ी कि अब लोगों को ईश्वर में दिलचस्पी नहीं रही।मानवीय प्रवृत्तियों को संचालित करने में विज्ञान और बौद्धिकता निर्णायक भूमिका निभाते हैं – यह स्वामी विवेकानंद को स्वीकार नहीं था।उन्होंने धर्म को बिलकुल नया अर्थ दिया।स्वामी जी ने माना कि ईश्वर की सेवा का वास्तविक अर्थ गरीबों की सेवा है।उन्होंने साधुओं-पंडितों, मंदिर-मस्जिद, गिरिजाघरों-गोपाओं की इस परंपरागत सोच को नकार दिया कि धार्मिक जीवन का उद्देश्य संन्यास के उच्चतर मूल्यों को पाना या मोक्ष-प्राप्ति की कामना है।उनका कहना है कि ईश्वर का निवास निर्धन-दरिद्र-असहाय लोगों में होता है, क्योंकि वे 'दरिद्र-नारायण' हैं।'दरिद्र-नारायण' शब्द ने सभी आस्थावान स्त्री-पुरुषों में कर्तव्य-भावना जगाई कि ईश्वर की सेवा दीन-हीन प्राणियों की सेवा है।अन्य किसी भी संत-महात्मा की तुलना में स्वामी विवेकानंद ने इस बात पर ज्यादा बल दिया कि प्रत्येक धर्म गरीबों की सेवा करे और समाज के पिछड़े लोगों को अज्ञान, दरिद्रता और रोगों से मुक्त करने के उपाय करे।ऐसा करने में स्त्री-पुरुष, जाति-संप्रदाय, मत-मतांतर या पेशे-व्यवसाय से भेदभाव न करे।परस्पर वैमनस्य या शत्रुता का भाव मिटाने के लिए हमें घृणा का परित्याग करना होगा और सबके प्रति प्रेम और सहानुभूति का भाव जगाना होगा।

विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है।यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की जरूरत है।वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र- सभी को भाई मानें और गर्व से कहें- हम सब भाई भारतवासी हैं।मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है।हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके।विचारों में विवेकानंद गांधी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन उन्नीसवीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

1. 'नीत्शे' कौन था ?

1. वैज्ञानिक
2. डॉक्टर
3. वकील
4. विचारक

2. नीत्शे ने क्या घोषणा की थी ?

1. ईश्वर सर्वव्यापक है
2. ईश्वर मर चुका है
3. ईश्वर जन्म लेगा
4. उपर्युक्त सभी

3. नीत्शे की घोषणा के पीछे क्या सोच थी ?

1. लोग भयभीत रहें
2. लोग भाग्य भरोसे बैठे रहें
3. मानव अपनी बुद्धि व विज्ञान की सहायता से जीवन को चलाए
4. इनमें से कोई नहीं

4. 'नीत्शे' का संबंध किस देश से है ?

1. फ्रांस
2. भारत
3. जर्मनी
4. अमेरिका

5. धर्म के विषय में स्वामी विवेकानंद के विचार थे-

1. संन्यास धारण करना
2. संतों की सेवा करना
3. पूजा-पाठ करना
4. ईश्वर की सेवा का वास्तविक अर्थ गरीबों की सेवा करना है

6. पारंपरिक विचारों के अनुसार धार्मिक जीवन का उद्देश्य था-

1. गरीबों की सेवा करना
2. मोक्ष प्राप्ति की कामना
3. समाज के पिछड़े लोगों को सहायता करना
4. इनमें से कोई नहीं

7. स्वामी विवेकानंद ने हर धर्म के लोगों के बारे में सबसे अधिक बल किस पर दिया ?

1. गरीबों की सेवा करना
2. समाज के पिछड़े लोगों को ज्ञान देना
3. दरिद्रता और रोगों से मुक्त करने के उपाय करना
4. उपर्युक्त सभी

8. आपसी भेदभाव मिटाने के लिए क्या किया जाना चाहिए ?

1. स्त्री-पुरुष, जाति-संप्रदाय, मत-मतांतर या पेशे-व्यवसाय से भेदभाव न करे
2. हमें घृणा का परित्याग करना होगा
3. सबके प्रति प्रेम और सहानुभूति का भाव जगाना होगा

4. उपर्युक्त सभी

9. विवेकानंद के मत में भारतीयों को कैसी शिक्षा की जरूरत है ?

1. जो हमें संस्कारी बनाए
2. जो हमदर्द इंसान बना सके
3. जो परोपकारी बना सके
4. उपर्युक्त सभी

10. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है –

1. मोक्ष-प्राप्ति
2. सुप्रसिद्ध विचारक नीत्शे
3. दरिद्र-नारायण की सेवा ही ईश्वर सेवा
4. इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला-

1. (3) विचारक
2. (2) ईश्वर मर चुका है
3. (3) मानव अपनी बुद्धि व विज्ञान की सहायता से जीवन को चलाए
4. (3) जर्मनी
5. (4) ईश्वर की सेवा का वास्तविक अर्थ गरीबों की सेवा करना है
6. (2) मोक्ष प्राप्ति की कामना
7. (4) उपर्युक्त सभी
8. (4) उपर्युक्त सभी
9. (4) उपर्युक्त सभी
10. (3) दरिद्र-नारायण की सेवा ही ईश्वर सेवा

अपठित गद्यांश- 07

पृथ्वी की सतह पर जितने भी प्राणी हैं, उनमें मानव सर्वोत्कृष्ट माना जाता है। उसकी उत्कृष्टता का प्रमुख कारण उसका विवेक और उसका ज्ञान है। भारतीय विश्वास के अनुसार मानव तीन प्रकार के ऋणों को लेकर पैदा होता है ,ये तीन ऋण हैं-देव ऋण,पितृ ऋण और ऋषि ऋण। जन्म से ही मानव को प्राप्त इन्द्रियों और शरीर के लिए वह अपने पितृ-पितामहों का ऋणी है। अन्न पैदा करने वाली पृथ्वी ,जल बरसाने वाले मेघ और प्रकाश देने वाला सूर्य इत्यादि प्राकृतिक शक्तियों को भारतीयों ने देवता माना है। उनके प्रति हमारा ऋण ही देव ऋण है। मनुष्य पैदा होते ही अनेक विद्वानों और विज्ञानियों की आविष्कृत ज्ञान राशि को सहज ही प्राप्त कर लेता है। हर व्यक्ति को नए सिरे से प्रयोग और आविष्कार नहीं करना पड़ता है,अतः मनुष्य अपने गुरुओं और अतीत के ऋषियों का ऋणी है। विद्या का पठन-पाठन ही ऋण मुक्त होने का एक मात्र मार्ग है और विद्या का यही पठन- पाठन शिक्षा कहलाता है। अति प्राचीन काल से ही भारतवर्ष में शिक्षा की प्रथा चली आ रही है। समय-समय पर उसमें परिवर्तन हुए हैं। इस क्रम का अंतिम रूप वर्तमान शिक्षा प्रणाली है। इसमें अनेक गुण और दोष देखे जा रहे हैं।

प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली को गुरुकुल प्रणाली कहा जा सकता है। इस प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता थी- गुरु का प्राधान्य। गुरु उदार ,निःस्पृह और चरित्र वान होते थे। शिष्य गुरु के साथ रहकर उनकी सेवा करते थे और भिक्षा माँगकर गुरु के परिवार का तथा अपना खर्च चलाते थे। उस काल में भी शिक्षा के लिए पुस्तकों का सहारा लिया जाता था परन्तु विद्या जीवन से विच्छिन्न कभी नहीं की गई। उसमें आध्यात्मिकता पर विशेष बल दिया जाता था ।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली की नींव भारत में अंग्रेजों ने डाली थी। अंग्रेजों के संपर्क में आने से पूर्व ही, ज्ञान-विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में इस देश ने अभूतपूर्व प्रगति की थी। दर्शन,ज्योतिष,गणित,औषधि विज्ञान , धर्मशास्त्र,काव्य-शास्त्र,व्याकरण आदि में भारत का कोई सानी नहीं था। परन्तु नवीन उद्भावनाओं का मार्ग अवरुद्ध हो जाने के कारण भारतीय ज्ञान गतानुगतिक और परंपरायुक्त हो चला था। इसके विपरीत पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान नये जीवन सन्दर्भों की ताजगी लिये था। जहाँ भारतीय ज्ञान-विज्ञान का लक्ष्य आध्यात्मिक और पारलौकिक था, वहीं पाश्चात्य का भौतिक और इहलौकिक था। इस देश की विद्या वर्ग या जाति विशेष तक सीमित थी पर पाश्चात्य विद्या सर्वसुलभ थी। अतः आधुनिक शिक्षा प्रणाली का आरम्भ एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना है। पाश्चात्य शिक्षा में कई गुण होने पर भी अंग्रेजी को माध्यम के रूप में स्वीकार करने के कारण वह केवल बुद्धिजीवियों के बीच ही प्रचलित हो सकी। जनसाधारण का एक बड़ा भाग आज भी निरक्षर है।

1. किसी भी जीव की उत्कृष्टता का कारण बताया है?

1. पृथ्वी की सतह पर जन्म लेना
2. उसका विवेक और ज्ञान
3. केवल मानव के रूप में जन्म लेना
4. उसकी धन संपदा

2. भारतीय विश्वास के अनुसार मानव किन ऋणों को लेकर पैदा होता है ?

1. देव ऋण
2. पितृ ऋण
3. ऋषि ऋण
4. उपर्युक्त सभी

3. भारतीय विश्वास के अनुसार देव ऋण किसके प्रति होता है ?

1. देवताओं के प्रति
2. मानवों के प्रति
3. प्रकृति के प्रति
4. गुरु के प्रति

4. मनुष्य पर ऋषि ऋण का भार कैसे पड़ता है ?

1. प्रकृति का भोग करने पर
2. आविष्कार करने पर
3. आविष्कृत ज्ञान राशि को प्राप्त करने पर
4. भीख माँगने पर

5. भारतीय प्रारंभिक शिक्षा प्रणाली में किन विषयों पर ज्यादा बल दिया गया?

1. आध्यात्म पर
2. पारलौकिक विषयों पर

3. दोनों पर

4. इनमें से किसी पर नहीं

6. आधुनिक शिक्षा पद्धति से पूर्व भारतीयों ने ज्ञान-विज्ञान के किन क्षेत्रों पर प्रगति की?

1. दर्शन,गणित व धर्मशास्त्र में
2. ज्योतिष,काव्य शास्त्र व व्याकरण में
3. औषधि विज्ञान व आध्यात्म में
4. उपर्युक्त सभी में

7. पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान किन अर्थों में भारतीय प्राचीन ज्ञान-विज्ञान से भिन्न है?

1. पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान भौतिक व पारलौकिक है
2. पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान आध्यात्मिक व पारलौकिक है
3. पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान भौतिक व इहलौकिक है
4. पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान भौतिक व आध्यात्मिक है

8. गद्यांश में प्रयुक्त "निःस्पृह" शब्द का क्या अर्थ है ?

1. इच्छारहित
2. दयालु
3. स्वाभिमनी
4. पवित्र

9. इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक निम्न में होगा?

1. भारतीय शिक्षा प्रणाली
2. शिक्षा का महत्त्व
3. बदलता मानव
4. आधुनिक शिक्षा प्रणाली

10. आपके विचार से लेख में किस प्रकार की शिक्षा पर बल दिया गया है?

1. प्राचीन व नवीन ज्ञान युक्त शिक्षा पर
2. अंग्रेजी भाषा में प्राचीन व नवीन ज्ञान युक्त शिक्षा पर
3. मातृभाषा में प्राचीन व नवीन ज्ञान युक्त शिक्षा पर
4. आध्यात्मिक व पारलौकिक शिक्षा पर

उत्तरमाला-

1. (2) उसका विवेक और ज्ञान
2. (4) उपर्युक्त सभी
3. (3) प्रकृति के प्रति
4. (4) आविष्कृत ज्ञान राशि को प्राप्त करने पर
5. (3) दोनों पर

6. (4) उपर्युक्त सभी में

7. (3) पाश्चात्य ज्ञान-विज्ञान भौतिक व इहलौकिक है

8. (1) इच्छारहित

9. (1) भारतीय शिक्षा प्रणाली

10. (3) मातृभाषा में प्राचीन व नवीन ज्ञान युक्त शिक्षा पर

अपठित गद्यांश- 08

चुनाव पूर्व सर्वेक्षण एवं एक्जिट पोल का लोकतंत्र में क्या महत्त्व है ? यह प्रश्न विचारणीय है। लोकतंत्र रूपी वृक्ष जनता द्वारा रोपा और सींचा जाता है,इसके पल्लवन एवं पुष्पन में मीडिया की विशेष भूमिका होती है। भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है। लोकतांत्रिक राष्ट्र में नागरिकों को विशिष्ट अधिकार और स्वतंत्रताएँ प्राप्त होती हैं। भारतीय संविधान ने भी अनुच्छेद 19(।) के अंतर्गत नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रदान की है ,लेकिन जनता के व्यापक हित पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली स्वतंत्रता बाधित भी की जानी चाहिए ।

भारत जैसे अल्पशिक्षित देश में इस प्रकार के सर्वेक्षण अनुचित हैं। देश की आम जनता पर मीडिया द्वारा किए जाने वाले चुनाव पूर्व सर्वेक्षण और चुनाव के तुरंत पश्चात् किए जाने वाले एक्जिट पोल का भ्रामक प्रभाव पड़ता है। वह विजयी होती पार्टी की ओर झुक जाती है। आज भी सामान्य लोगों के बीच ये आम धारणा है कि हम अपना वोट ख़राब नहीं करेंगे,जीतने वाले प्रत्याशी को ही वोट देंगे और इसी पूर्व आंकलन (जो कि कोई गारंटी नहीं कि सत्य और पूर्ण निष्पक्ष है) के चक्कर में पड़कर आम जनता अपने बहुमूल्य वोट का भाग्य निर्धारित करती है। इसी खेल में कई बार हारने वाला प्रत्याशी चंद वोटों के अंतर से विजयी हो जाता है। कई बार तो इनके एक्जिट पोल का सर्वेक्षण पूर्णतया फेल हो जाता है और वास्तविक परिणाम के ठीक विपरीत इनका आंकलन ठहरता है। ये धन के लालच में हारती पार्टी को जीतती दिखाते हैं ,कई बार जीतती पार्टी को हारा हुआ साबित करने में अपनी पूरी ताकत झोंक देते हैं।

वर्तमान में बाजारवाद अपने उत्कर्ष पर है और मीडिया इसके दुष्प्रभाव से अनछुआ नहीं है। यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि आज मीडिया भी अधिकाधिक संख्या में प्रसार और धन पाने को बुभुक्षित है। मीडिया सत्ताधारी और मजबूत राजनीतिक दलों के प्रभाव में भी रहता है। ये दल धन के बल पर लोक रुझान को अपने पक्ष में दिखाने में सफल हो जाते हैं और सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया को ही धता बता देते हैं। इस प्रकार सत्ता एवं धन इन सर्वेक्षणों को प्रभावित करते हैं। इन्हें दूध का धुला नहीं कहा जा सकता। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक राष्ट्र में जहाँ जनता निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से अपना मत अभिव्यक्त करती है,वहाँ इन सर्वेक्षणों के औचित्य-अनौचित्य पर विचार किया जाना चाहिए ।

न्यायालय को यदि संविधान के अनुसार चलने की बाध्यता है ,तो संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति प्राप्त है। वह अपने अधिकारों का प्रयोग करके कोई सार्थक प्रयास कर सकती है। साथ ही साथ,आम जनता को भी सजग होना चाहिए कि यदि ये पूर्वानुमान ही सटीक व सच्चे हैं तो फिर अलग –अलग चैनल के अलग-अलग पूर्वानुमान क्यों? एक समान क्यों नहीं ?

1. प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली स्वतंत्रता क्यों बाधित होनी चाहिए?

1. श्रेष्ठ लोकतंत्र की स्थापना के लिए
2. पार्टियों पर लगाम रखने के लिए
3. मीडिया को काबू रखने के लिए
4. संविधान की रक्षा के लिए

2. संविधान के अनुच्छेद 19(।) के अंतर्गत भारतीय नागरिकों को किसका अधिकार है ?

1. वोट देने का
2. चुनाव में प्रत्याशी होने का
3. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
4. एक्जिट पोल में काम करने का

3. चुनाव पूर्व एक्जिट पोल कौन करता है ?

1. आम जनता
2. मीडिया
3. चुनाव आयोग
4. राजनीतिक पार्टियाँ

4. वोट देते समय आम जनता की क्या धारणा होती है?

1. पैसे देने वाले को वोट देंगे
2. हमारी जाति के व्यक्ति को वोट देंगे
3. जीतने वाले प्रत्याशी को वोट देंगे
4. किसी को भी वोट दे देंगे

5. लेखन ने "दूध का धुला न होना" किसके लिए प्रयुक्त किया है ?

1. आम जनता को
2. सत्ताधारी पार्टी को
3. चुनाव पूर्व सर्वेक्षण और एक्जिट पोल को
4. संसद को

6. क्या वर्तमान में मीडिया चुनावों के परिणाम प्रभावित कर पाने में सक्षम है ?

1. हाँ
2. नहीं
3. सर्वदा
4. इनमें से कोई नहीं

7. भारतीय संविधान में संशोधन करने की शक्ति किसके पास है ?

1. मीडिया के पास
2. न्यायालय के पास
3. आम जनता के पास
4. संसद के पास

8. "सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया को ही धता बता देते हैं" इस कथन का भाव है –

1. सकारात्मक
2. अहंकार युक्त
3. संशयात्मक

4. उपहासात्मक

9. लेख में प्रयुक्त शब्द "बुभुक्षित"का शाब्दिक अर्थ है-

1. लालची
2. प्यासा
3. भूखा
4. व्यापारी

10. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा?

1. चुनाव प्रक्रिया
2. लोकतंत्र
3. आधुनिक मीडिया
4. चुनाव पूर्व सर्वेक्षण एवम् एक्जिट पोल

उत्तरमाला-

1. (1) श्रेष्ठ लोकतंत्र की स्थापना के लिए
2. (3) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
3. (2) मीडिया
4. (3) जीतने वाले प्रत्याशी को वोट देंगे
5. (3) चुनाव पूर्व सर्वेक्षण और एक्जिट पोल को
6. (1) हाँ
7. (3) संसद के पास
8. (4) उपहासात्मक
9. (3) भूखा
10. (3) चुनाव पूर्व सर्वेक्षण एवम् एक्जिट पोल

अपठित गद्यांश- 09

जैसे-जैसे टीकाकरण बढ़ रहा है, देश में कोरोना की तीसरी लहर का खतरा टलता दिख रहा है। दूसरी लहर से सबक लेते हुए सरकारों ने जिस तरह इस बार तैयारियाँ कर रखी हैं , निश्चित ही ऐसी कोई लहर आई भी तो उससे निपटना मुश्किल नहीं होगा। हमारी व्यवस्था की यही खासियत भी होनी चाहिए कि हम संकट से पहले सतर्क हों। जिस तरह महामारी विशेषज्ञों ने अगले दो महीनों में महामारी को समाप्त करने के लिए ज्यादा सतर्कता बरतने की सलाह दी है, वैसे ही एक सलाह पर्यावरणविदों की ओर से भी आ रही है। उनका मानना है कि अगले तीन महीनों में देश में खासकर उत्तर भारत में प्रदूषण का संकट ज्यादा गहरा सकता है। उनको आशंका है कि लंबे चले आंदोलन के कारण नाराज हुए किसानों को इस बार पराली न जलाने के लिए समझाना काफी मुश्किल होगा। इसलिए पंजाब सहित आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बाकायदा इस आशंका को देखते हुए सरकार के साथ मिलकर करीब 10000 कर्मचारियों को निगरानी के लिए गाँव-गाँव में तैनात करने की योजना बनाई है। पिछले साल नए कृषि कानूनों के खिलाफ जैसे – जैसे रोष बढ़ रहा था, उसका एक परिणाम पर्यावरण पर भी देखने को मिला

था। पंजाब में पराली जलाने के मामले 46% तक बढ़ गए थे, जिससे दिल्ली और प्रदेश के कई जिलों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (ए.क्यू.आई.) खतरनाक स्तर पर पहुँच गया था।

पर्यावरण जानकारों की चिंता ऐसे समय में आई है जब हाल ही में शिकागो विश्वविद्यालय की एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वायु प्रदूषण के कारण 40% भारतीयों की औसत आयु 9 साल तक घट सकती है। पर्यावरण प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है और कोरोना की तीसरी लहर में भी सबसे ज्यादा डर बच्चों को लेकर ही है। ऐसे में कोरोना के साथ- साथ संभावित पर्यावरण संकट से सामना करने के लिए भी ठोस योजना बनाने की जरूरत है। पराली के समाधान के लिए मौसमी योजनाएं बनती हैं, लेकिन किसानों को संतुष्ट नहीं कर पाने से सार्थक परिणाम नहीं आ पाते। बड़ी संख्या में किसानों ने पराली जलाना बंद किया परंतु उनको टीस है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी उन्हें इंसेंटिव नहीं मिल रहा है। ऐसी तमाम परेशानियों के बीच किसान कृषि कानूनों को लेकर पहले से आशंकित हैं। यही कारण है कि वे मजबूरी में गुस्से पर नियंत्रण ना रखकर अपना ही नुकसान कर लेते हैं। हालांकि वह इस बात को बखूबी जानते हैं कि पराली जलाने से उठा धुआँ सिर्फ सरकारों तक नहीं जाता, उनके अपने बच्चों के भविष्य को सबसे पहले धूमिल करता है। धरने प्रदर्शन से शुरू होकर महा पंचायतों तक पहुँच चुका किसान आंदोलन अपना स्वरूप बदल रहा है। यदि यह पर्यावरण संकट का भी कारण बन जाए तो निश्चित ही इस गतिरोध को समाप्त करने में अब देर नहीं करनी चाहिए। किसान संगठन और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि वे सामाजिक व प्राकृतिक पर्यावरण को बनाए रखें। प्रकृति को किसान से बेहतर कौन समझता है। जिस तरह प्रकृति संतुलन बनाती है वैसा ही संतुलन सरकार और संगठनों में बन जाए तो डेढ़ साल से छाई यह धुंध छट जाए।

1. टीकाकरण बढ़ने से किस का खतरा टलता दिख रहा है -

1. कोरोना महामारी की दूसरी लहर का
2. पोलियो बीमारी का
3. कोरोना महामारी की तीसरी लहर का
4. उपर्युक्त सभी का

2. व्यवस्था की क्या खासियत होनी चाहिए -

1. देश में कोई भी महामारी ना आए
2. व्यवस्था संकट से पहले सतर्क हो जाए
3. महामारी पर शीघ्र नियंत्रण प्राप्त कर ले।
4. महामारी के आने से पहले उससे निपटने की तैयारी कर ले

3. किसका मानना है कि अगले तीन महीनों में देश में खासकर उत्तर भारत में प्रदूषण का संकट ज्यादा गहरा सकता है।

1. पर्यावरणविदों का
2. महामारी विशेषज्ञों का
3. किसानों का
4. राज्य सरकारों का

4. पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने किस आशंका को देखते हुए 10000 कर्मचारियों को गांवों में तैनात करने की योजना बनाई है -

1. कोरोना महामारी की समस्या बढ़ने की आशंका
2. किसान आंदोलन के ज्यादा भड़कने की आशंका
3. पराली के कारण पर्यावरण प्रदूषण बढ़ने की आशंका
4. उपर्युक्त सभी आशंकाओं के कारण

5. शिकागो विश्वविद्यालय की एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण के कारण कितने प्रतिशत भारतीयों की औसत आयु 9 साल तक घट सकने की बात कही गई है।

1. 30%
2. 40%
3. 35%
4. 20%

6. पराली की समस्या के समाधान के लिए बनने वाली योजनाएं सफल क्यों नहीं हो पाती -

1. किसानों को संतुष्ट नहीं कर पाने के कारण
2. योजनाओं का सही क्रियान्वयन ना होने के कारण
3. जन समर्थन ना मिलने के कारण
4. उपर्युक्त सभी

7. लेखक के अनुसार किस गतिरोध को समाप्त करने में अब देर नहीं करनी चाहिए -

1. पराली जलाने की समस्या से संबंधित गतिरोध
2. किसान आंदोलनों से संबंधित गतिरोध
3. पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित गतिरोध
4. टीकाकरण से संबंधित गतिरोध

8. किसान संगठन और सरकार दोनों की क्या जिम्मेदारी है -

1. कोरोना महामारी को ना फैलने दें
2. टीकाकरण अभियान को बढ़ाएं
3. सामाजिक और प्राकृतिक वातावरण को बनाए रखें
4. पराली जलाने की समस्या का समाधान करें

9. पराली जलाने की समस्या मुख्यतः भारत के किस क्षेत्र की समस्या है-

1. पश्चिमी क्षेत्र की
2. उत्तरी क्षेत्र की
3. पूर्वी क्षेत्र की
4. दक्षिणी क्षेत्र की

10. इस गद्यांश में मुख्यतः किस समस्या को उठाया गया है -

1. पराली जलाने से उत्पन्न पर्यावरण प्रदूषण की समस्या
2. किसान आंदोलनों की समस्या
3. कोरोना महामारी की समस्या
4. कृषि कानूनों की समस्या

उत्तरमाला-

1 (3) कोरोना महामारी की तीसरी लहर का

2 (2) व्यवस्था संकट से पहले सतर्क हो जाए

3 (1) पर्यावरणविदों का

4 (3) पराली के कारण पर्यावरण प्रदूषण बढ़ने की आशंका

5 (2) 40%

6 (1) किसानों को संतुष्ट नहीं कर पाने के कारण

7 (2) किसान आंदोलनों से संबंधित गतिरोध

8 (3) सामाजिक और प्राकृतिक वातावरण को बनाए रखें

9 (2)उत्तरी क्षेत्र की

10 (1) पराली जलाने से उत्पन्न पर्यावरण प्रदूषण की समस्या

अपठित गद्यांश- 10

सोशल मीडिया बिन अब चैन कहां। पौ फटे या हो सूरज अस्त, हम हो चुके हैं स्क्रीन परस्त। दरअसल आदमी की खुद को जाहिर करने की और औरों की खबर लेने की तलब का कोई हिसाब नहीं। सोशल मीडिया का ताना-बाना मनोवैज्ञानिक आधार पर इसी प्यास को तसल्लीबख्श तरीके से बुझाने को बुना गया है। बच्चे, जवान, बुजुर्ग अब आपस में शिकवे नहीं कर सकते, क्योंकि नन्हीं गुलगुल यूट्यूब पर ट्रिगर्ड इंसान के दर्शन कर रही है तो दादी रात ढले प्रसाद के लिए कसार बनाने की नूतन विधि सीख रही है। सब लगे हैं ।

फर्क यह आ चुका है कि गुलगुल को दादी की कहानियां नहीं चाहिए और दादी भी करती है अब स्क्रीन से प्यार। आभासी दुनिया के लुत्फ़ किन कीमतों पर हैं, यह विश्लेषण का विषय है। कह सकते हैं कि सोशल मीडिया आदमी की जात की तरह गुण और दोष से लबरेज है। जहां कमरे में अधलेटे पति का 'चाय बना दो' संदेश उसी घर की रसोई में तैनात पत्नी के मोबाइल पर उभर सकता है, वहीं दो परस्पर दूर देशों में रहने वाले भी उतने ही समय में संवाद स्थापित कर सकते हैं। अब इस कमाल को नज़दीकियों का ढलना कहें कि दूरियों का पिघलना?

कुछ बातें अवश्य गंभीर है। राजनीति करने वाले किसी दल द्वारा पोषित आईटी सेल के विरोधी के लिए डॉक्टर्ड वीडियो या गढ़े गए मीम उन लोगों के मन मस्तिष्क पर खूब असर डाल सकते हैं, विरोधी दल के किए-धरे को मटिया मेट कर डालने की हद तक। लोकतांत्रिक देश के लिए यह खतरनाक है क्योंकि जमीनी काम से ज्यादा स्क्रीन के लिए तैयार की गई पकी अधपकी कथाओं पर यकीन अंततः देश के लिए ठीक नहीं। समस्या यह है कि यकीन करने वाले भी कम नहीं है क्योंकि वह फेक न्यूज़ ,भाषाई अशुद्धियों, समय की बर्बादी, सांप्रदायिक जहर, स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव आदि पहलुओं को जानकर भी उन्हें भुलाए बैठे हैं ।

सोशल मीडिया तनाव कम करने का भी माध्यम है। मगज में उगते विचारों का, गले में तैरते तरानों का,जहन में पलते बैर का, दिल में उमड़ती दोस्ती का यानी कि हर इंसानी अभिव्यक्ति का निपटान यहीं तो हो रहा है अब। फिर लाइक का हिसाब किताब भी अपरिहार्य हो गया है। बेशुमार लाइक पाने वाले की ठसक उसकी चाल ढाल से रिसती है, तो ज्ञानियों के अंतर्मन में कम लाइक्स के चलते एक खारापन रड़कता है। जीवन को सरल, सरस बना सकने वाले इस वरदान को अभिशाप में बदलने वाले भी उभर ही आते हैं जो इंसानियत पर धब्बा लगाने को आमादा हैं ।

सोशल मीडिया सही अर्थों में जुड़ने का आह्वान है, पर इसका बेजा इस्तेमाल राष्ट्र, समाज व परिवार के समय को कुतर रहा है। आज यह वैश्विक संस्कृति का अभिन्न अंग है। इससे निजात नामुमकिन है क्योंकि लत बड़ी चीज है। मानव जाति की बढ़ती आभासी मौजूदगी के चलते ही दिनों दिन इसके मंच उन्नत बनाए जा रहे हैं। भले ही इनसे इनके आकाओं के वृहद आर्थिक हित जुड़े हैं, लेकिन निचोड़ यही है कि तकनीक के साथ यूजर का बौद्धिक उत्थान वक्त की मांग है

1. वर्तमान में लोग किसके आदी होते जा रहे हैं -

1. नशे के

2. सोशल मीडिया के

3. दूसरों की खबर जानने के

4. उपर्युक्त सभी के

2. बच्चे, जवान, बुजुर्ग अब आपस में शिकवे क्यों नहीं करते।

1. सभी सोशल मीडिया पर व्यस्त हैं।

2. सभी अपनी समस्या का समाधान इंटरनेट पर प्राप्त कर लेते हैं

3. ये सभी अब स्क्रीन परस्त हो गए हैं

4. उपर्युक्त सभी

3. सोशल मीडिया का गुण नहीं हैं।

1. इससे स्थान संबंधी दूरियाँ कम हुई हैं

2. इससे सामाजिक संबंधों की नजदीकियाँ समाप्त हो रही हैं

3. इसने दूर दराज के लोगों को आपस में जोड़ दिया है।

4. इससे समय की बचत होती है।

4. गद्यांश के अनुसार लोगों के मन मस्तिष्क पर खूब असर डाल रहे हैं -

1. राजनीति करने वाले दल

2. डॉक्टर्ड वीडियो या गढ़े गए मीम

3. आई. टी. सैल के विरोधी

4. उपर्युक्त सभी

5. लोकतान्त्रिक देश के लिए क्या खतरनाक है -

1. सोशल मीडिया की झूठी कथाओं पर जनता का यकीन

2. जमीनी काम पर ज्यादा यकीन

3. सोशल मीडिया पर जनता का कम विश्वास

4. इनमें से कोई नहीं

6. सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव है-

1. फेक न्यूज़

2. सांप्रदायिक जहर

3. स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

4. उपर्युक्त सभी

7. सोशल मीडिया पर कौन-कौन सी इंसानी अभिव्यक्तियों का निपटान हो रहा है -

1. मस्तिष्क में आए नए विचारों का

2. दोस्ती का

3. जहन में पलते बैर का

4. उपर्युक्त सभी

8. 'जीवन को सरल, सरस बना सकने वाले इस वरदान को अभिशाप में बदलने वाले भी उभर ही आते हैं। ' इस पंक्ति में वरदान किसे कहा गया है -

1. दूरदर्शन को
2. पुस्तकों को
3. सोशल मीडिया को
4. इनमें से कोई नहीं

9. सोशल मीडिया के मंच दिनोंदिन अधिक उन्नत क्यों बनाए जा रहे हैं -

1. मानव जाति की बढ़ती आभासी मौजूदगी के कारण
2. सोशल मीडिया के आकाओं के वृहद आर्थिक हित पूरे होने के कारण
3. वैश्विक संस्कृति का अभिन्न अंग होने के कारण
4. सोशल मीडिया निर्माताओं का बौद्धिक उत्थान होने के कारण

10. नूतन का विलोम शब्द बताइए-

1. पुरातन
2. नवीन
3. प्राचीन
4. नया

उत्तरमाला-

1 (2) सोशल मीडिया के

2 (4) उपर्युक्त सभी

3 (2) इससे सामाजिक संबंधों की नजदीकियाँ समाप्त हो रही हैं

4 (2) डॉक्टर्ड वीडियो या गढ़े गए मीम

5 (1) सोशल मीडिया की झूठी कथाओं पर जनता का यकीन

6 (4) उपर्युक्त सभी

7 (4) उपर्युक्त सभी

8 (3) सोशल मीडिया को

9 (1) मानव जाति की बढ़ती आभासी मौजूदगी के कारण

10 (1) पुरातन

3. अपठित काव्यांश

अपठित पद्यांश- 01

हम थे अभी-अभी गुलाम, यह ना भूलना
करना पड़ा हमें सलाम, यह ना भूलना
रोते फिरे उमर तमाम, यह ना भूलना
था फूट का मिला इनाम, यह ना भूलना
बीती गुलामियां न लौट आए फिर कभी
तुम भावना भरो, स्वतंत्र भावना भरो,
तुम भावना भरो ।
है देश एक, लक्ष्य एक, कर्म एक हैं
एक सौ चालीस कोटि है शरीर, मर्म एक हैं
पूजा करो, पढ़ो नमाज, धर्म एक हैं
बदनाम हो अगर स्वराज, शर्म एक है
चाहो कि एकता बनी रहे जनम-जनम
तुम भेद ना करो, मनुष्य-भेद ना करो,
तुम भेद ना करो ।
बगिया हरी-हरी, वसुंधरा भरी-भरी
फिर क्यों रहे मनुष्य की दशा मरी मरी
फैले कुटी-कुटी, महल-महल, तरी तरी
घर में बिरादरी, समाज में बराबरी,
ऐसा न हो कि कोटि-कोटि ही दुखी रहे ---
तुम वेदना हरो, उदार वेदना हरो,
तुम वेदना हरो ।

1. पद्यांश में कवि ने क्या न भूलने की बात कही है ?

1. गुलामी के दिन को
2. देश के विभाजन को
3. 1 और 2 दोनों
4. अंग्रेजी भाषा के वर्चस्व को

2. एकता बनाए रखने के लिए पद्यांश में क्या परामर्श दिया गया है ?

1. हमें आपस में प्रेम पूर्वक रहना चाहिए
2. हमें किसी से बात नहीं करनी चाहिए
3. हमें एकांकीपन का जीवन जीना चाहिए
4. हमें अन्य देशों से मित्रता नहीं करनी चाहिए

3. कवि के अनुसार हमारे देश की धरती कैसी हैं ?

1. अन्न से भरी हुई

2. मेहनत करने वालों से पूर्ण

3. केवल हरियाली से परिपूर्ण

4. सभी प्रकार के संसाधनों से युक्त

4. 'था फूट का मिला इनाम'' पंक्ति के अनुसार फूट का क्या परिणाम सामने आया ?

1. हमारा देश स्वतंत्र हो गया

2. हमारा देश दो टुकड़ों में बँट गया

3. हमारा देश उन्नति के शिखर पर पहुंच गया

4. हमारा देश अंग्रेजी भाषा सीख गया

5. कवि ने शर्म की बात किसे कहा है ?

1. राष्ट्र की छवि को धूमिल करने वाली गतिविधियों को

2. धार्मिक हित के लिए राष्ट्रहित की अवहेलना करने को

3. सभी समुदायों के साथ प्रेम पूर्वक रहने को

4. एक दूसरे से ईर्ष्या करने को।

उत्तरमाला-

1 (3) 1 और 2 दोनों

2 (1) हमें आपस में प्रेम पूर्वक रहना चाहिए

3 (4) सभी प्रकार के संसाधनों से युक्त

4 (2) हमारा देश दो टुकड़ों में बँट गया

5 (1) राष्ट्र की छवि को धूमिल करने वाली गतिविधियों को

अपठित पद्यांश- 02

मधु की एक बूंद के पीछे, मानव ने क्या-क्या दुख देखे !
मधु की एक बूंद , धूमिल घन दर्शन और बुद्धि के लेखे !
मधु की एक बूंद से भी यदि, जुड़ न सके मन का अपनापा,
क्यों दे श्रमिक पसीना, सैनिक लहू, करें क्यों जाया जापा ?
मधु की एक बूंद बिन, रीते पाँचों कोश और पाँचों जन,
मधु की एक बूंद बिन, हमसे सभी योजनाएं सौ योजन ।
मधु की एक बूंद बिन, ईश्वर शक्तिमान भी शक्ति-हीन है ।
मधु की एक बूंद सागर है, हर जीवात्मा मधुर मीन है ।
मधु की एक बूंद पृथ्वी में, मधु की एक बूंद, रवि-शशि में,
मधु की एक बूंद कविता में, मधु की एक बूंद है कवि में ।
मधु की एक बूंद के पीछे, मैंने अब तक कष्ट सहे शत,
मधु की एक बूंद मिथ्या है-- ऐसी कोई बात कहे मत ।

1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है –

1. मधु की एक बूंद

2. श्रम बिंदु

3. आत्मानंद

4. सृष्टि का रहस्य

2. 'मधु की एक बूंद' सूचक है –

1. शराब की

2. जीवन के क्षणिक आनंद की

3. शहद की

4. मधुर स्वाद की

3. मानव अनेक कष्ट सहता है, इसका कारण है –

1. धन की लालसा

2. यश की इच्छा

3. आनंद प्राप्ति की इच्छा

4. प्रशंसा पाने की भावना

4. प्रस्तुत कविता में कवि ने क्या निषेध किया है ?

1. मदिरापान का निषेध

2. असत्य भाषण का

3. धूम्रपान का

4. जीवन के सुखों की वासना का

5. प्रस्तुत कविता का संबंध साहित्य के किस वाद से है –

1. प्रगतिवाद से

2. प्रयोगवाद से

3. छायावाद से

4. रहस्यवाद से

उत्तरमाला-

1 (1) मधु की एक बूंद

2 (2) जीवन के क्षणिक आनंद की

3 (2) प्रयोगवाद से

4 (4) जीवन के सुखों की वासना का

5 (3) आनंद प्राप्ति की इच्छा

अपठित पद्यांश- 03

नीड़ का निर्माण फिर-फिर,
नेह का आह्वान फिर-फिर!

वह उठी आँधी कि नभ में
छा गया सहसा अँधेरा,
धूलि धूसर बादलों ने
भूमि को इस भाँति घेरा,
रात-सा दिन हो गया, फिर
रात आई और काली,
लग रहा था अब न होगा
इस निशा का फिर सवेरा,
रात के उत्पात-भय से
भीत जन-जन, भीत कण-कण
किंतु प्राची से उषा की
मोहिनी मुसकान फिर-फिर!
नीड़ का निर्माण फिर-फिर,
नेह का आह्वान फिर-फिर!

1. 'छा गया सहसा अँधेरा' पंक्ति का भाव है

1. सहसा बादलों का छा जाना
2. सहसा धूल भरी आँधी चलना
3. सहसा जीवन में कष्टों का आगमन
4. सहसा बिजली का चले जाना

2. रात आने पर कवि को लगा

1. रात में रास्ता भटक जाने का डर
2. मुसीबतों का समाप्त न होने का डर
3. रात में अकेले होने का डर
4. निशा न समाप्त होने का डर

3. उषा की मोहिनी मुस्कान सन्देश देती है

1. सवेरा होने पर अँधेरा दूर हो जाता है
2. सुबह सबका मन मोह लेती है
3. सवेरा होने पर सभी काम में लग जाते हैं
4. दुःख के बाद सुख का आगमन होता है

4. कवि घोंसले का पुनर्निर्माण चाहता है क्योंकि

1. कवि घोंसला बनाने की कला जानता है
2. कवि घोंसला बना कर पक्षियों को आश्रय देना चाहता है
3. कवि आशावादी है
4. कवि चाहता है कि पक्षी घोंसला बनाये

5. पद्यांश सन्देश देता है

1. कष्टों से नहीं घबराना

2. दुखों का अंत जरूर होता है

3. जीवन में आशावादी होना

4. उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला-

1. (3) सहसा जीवन में कष्टों का आगमन

2. (2) मुसीबतों का समाप्त न होने का डर

3. (4) दुःख के बाद सुख का आगमन होता है

4. (3)कवि आशावादी है

5. (4) उपर्युक्त सभी

अपठित पद्यांश- 04

नवीन कंठ दो कि मैं नवीन गान गा सकूँ,
स्वतंत्र देश की नवीन आरती सजा सकूं।
नवीन दृष्टि का नया विधान आज हो रहा,
नवीन आसमान में विहान आज हो रहा,
खुली दसों दिशाएँ खुले कपाट ज्योति द्वार के-
विमुक्त राष्ट्र सूर्य भासमान आज हो रहा ।
युगांत की व्यथा लिए अतीत आज रो रहा।
दिगंत में वसंत का भविष्य बीज बो रहा ,
कुलीन जो उसे नहीं गुमान या गरूर है ,
समर्थ शक्ति पूर्ण जो किसान या मजूर है।
भविष्य द्वार मुक्त से स्वतंत्र भाव से चलो ,
मनुष्य बन मनुष्य से गले मिले चले चलो ,
समान भाव के प्रकाशवान सूर्य के तले
समान रूप गंध फूल फूल से खिले चलो।
सुदीर्घ क्रांति झेल खेल की ज्वलंत आग से
स्वदेश बल संजो रहा कड़ी थकान खो रहा।
प्रबुद्ध राष्ट्र की नवीन वंदना सुना सकूँ
नवीन बीन दो कि मैं अगीत गान गा सकूँ
नए समाज के लिए नवीन नींव पड़ चुकी
नए मकान के लिए नवीन ईंट गढ़ चुकी
सभी कुटुंब एक कौन पास कौन दूर है
नए समाज का हर एक व्यक्ति एक नूर है।

1. कवि नई आवाज की आवश्यकता क्यों महसूस कर रहा है?

1. ताकि वह स्वतंत्र देश के लिए नए गीत गा सके

2. ताकि वह नई आरती सजा सके

3. ताकि वह लोगों के अंदर नई जागरूकता ला सके

4. उपर्युक्त सभी

2. नए समाज का हर एक व्यक्ति एक नूर है – पंक्ति में नूर का अर्थ बताइए।

1. नूरमहल है
2. हीरा है
3. चंद्रमा है
4. प्रकाश के गुणों से युक्त है

3. कवि मनुष्य को क्या परामर्श देता है ?

1. आजादी के बाद हमें मिलकर आगे बढ़ना है
2. सूर्य व फूलों के समान समानता का भाव अपनाना है
3. एक नए समाज की रचना करनी है
4. उपर्युक्त सभी

4. कवि के अनुसार कुलीन की क्या विशेषता है?

1. जो घमंड नहीं दिखाता है
2. जो धनी हो
3. जो देश की आजादी में योगदान दें
4. इनमें से कोई नहीं

5. मनुष्य बन मनुष्य से गले मिलो चले चलो- पंक्ति का अर्थ है

1. आगे बढ़ना
2. गले मिलना
3. समाज को आगे बढ़ाना
4. मिलकर देश की उन्नति के विषय में सोचना

उत्तरमाला-

1. (4) उपर्युक्त सभी
2. (4) प्रकाश के गुणों से युक्त है
3. (4) उपर्युक्त सभी
4. (1) जो घमंड नहीं दिखाता है
5. (4) मिलकर देश की उन्नति के विषय में सोचना

अपठित पद्यांश- 05

बजता है समय अधीर पथिक
मैं नहीं सदाएँ देती हूँ।
हूँ पड़ी राह से अलग भला
किस राही का क्या लेती हूँ ?
मैं भी न जान पाई अब तक

क्यों था मेरा निर्माण हुआ ?
सूखी लकड़ी के जीवन का
जाने सर्वस्व क्यों मान हुआ ?
जाने किसकी दौलत हूँ मैं
अनजान, गाँठ से घिरी हुई।
जाने किसका हूँ स्वप्न
न जाने किस्मत किसकी फिरी हुई।
तुलसी के पत्ते चले गए
पूजोपहार बन जाने को
चन्दन के फूल गए जग में
अपना सौरभ फैलाने को।
जो दूब पड़ोसिन है मेरी,
वह भी मंदिर में जाती है।
पूजतीं कृषक-वधुएँ आकर,
मिट्टी भी आदर पाती है।
बस, एक अभागिन हूँ जिसका
कोई न कभी भी आता है।
झंझा से लेकर काल-सर्प तक
मुझको छेड़ बजाता है।

1. काव्यांश में तुलसी के पत्ते की यह उपयोगिता बताई गई है कि वे
1. पूजे जाते हैं
2. दवाई के रूप में प्रयुक्त होते हैं
3. जहाँ होते हैं, वहाँ मच्छर नहीं होते
4. पूजा की सामग्री एवं चढ़ावे के रूप में काम आते हैं

2. कविता के अनुसार 'दूब' घास को ले जाया गया
1. लॉन में लगाने के लिए
2. मंदिर में
3. घर-घर में
4. घर के आँगन में

3. काव्यांश में वर्णित चन्दन के फूल कहाँ चले गए और क्यों?
1. सूख गए – कड़ी धूप के कारण
2. झड़ गए- समय आ गया था
3. सांसारिक लोगों के हाथों – सुगंध फैलाने
4. सूखकर – औषधियों के उपयोग के लिए

4. काव्यांश में स्वयं को अभागिन बताने वाला है
1. एक सूखा आम का पेड़
2. मार्ग में पड़ी नीम की सूखी शाखा

3. पथिक की गाँठ से गिरी हुई धनराशि

4. एक सूखी लकड़ी

5. काव्यांश में निहित संदेश है कि

1. सूखी लकड़ी की पूजा नहीं होती

2. समय आने पर मिट्टी भी पूजी जाती है

3. उपयोगी न रहने पर व्यक्ति की उपेक्षा होती है

4. स्वार्थ ही सर्वोपरि है

उत्तरमाला-

1. (4) पूजा की सामग्री एवं चढ़ावे के रूप में काम आते हैं

2. (2) मंदिर में

3. (3) सांसारिक लोगों के हाथों – सुगंध फैलाने

4. (4) एक सूखी लकड़ी

5. (3) उपयोगी न रहने पर व्यक्ति की उपेक्षा होती है

अपठित पद्यांश- 06

लाखों रहते जीव यहाँ पर सबकी अपनी है पहचान
तुम भी सोचो, हम भी सोचें किसे कहेंगे हम इंसान।
कोयल मीठे बोल बोलती, एक नहीं सारी वैसी
जो वह मीठा न बोले तो क्या होगी उसकी पहचान ?
शेर साहसी होते सारे, यह जाने दुनिया सारी
एक साहसी हो एक कायर, क्या होगी उसकी पहचान ?
बस वर्षा का जल पीना है, चातक यह वचन निभाता है
यहाँ-वहाँ पानी-पीते घूम, क्या होगी उसकी पहचान ?
मैं कहता हूँ मैं इंसान, तुम कहते हो मैं इंसान
सब पापों का दोषी है जो, क्या उसे कहोगे तुम इंसान ?
कोई हत्या करता घूमे, कोई लूट मचाता है
सबका हक जो मारकर बैठे, क्या उसे कहोगे तुम इंसान ?
मानवता का गुण हो जिसमें,
बस है मानवता की पहचान,
सबके दुख को अपना समझे,
उसे कहेंगे हम इंसान।

1. उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है-

1. कोयल

2. शेर

3. चातक

4. इंसान की पहचान

2. चातक का जीवन मूल्य है कि वह :-

1. पानी नहीं पीता है

2. केवल वर्षा का जल पीता है

3. खाना नहीं खाता है

4. नदी का पानी पीता

3. मनुष्य की पहचान है :

1. वह कपड़े पहनता है

2. वह जंगल में रहता है

3. उसमें मनुष्यता होती है

4. उपर्युक्त सभी

4. मनुष्य ने अपनी पहचान खो दी है, इसका कारण है :

1. वह अन्य जीव-जंतुओं का हक मार कर बैठ गया

2. वह हत्या और लूट में लिप्त होकर मानवता को खो चुका है

3. मनुष्य-मनुष्य के चारित्रिक गुण एक समान नहीं रहे

4. उपर्युक्त सभी

5. 'इंसान में इंसानियत होनी चाहिए, इसी से उसकी पहचान है। यहाँ 'इंसानियत' शब्द का पर्याय है-

1. मानवता

2. मानव

3. व्यक्ति

4. ईमानदारी

उत्तरमाला-

1. (4) इंसान की पहचान

2. (2) केवल वर्षा का जल पीता है

3. (3) उसमें मनुष्यता होती है

4. (1) वह अन्य जीव-जंतुओं का हक मार कर बैठ गया

5. (1) मानवता

अपठित पद्यांश- 07

मैं तो सांसों का पंथी हूं
साथ आयु के चलता
मेरे साथ सभी चलते हैं
बादल भी, तूफान भी

कलियां देखीं बहुत, फूल भी
लतिकाएं भी तरु भी
उपवन भी, वन भी, कानन भी
घनी घाटियां, मरु भी
टीले भी, गिरि-शृंग-तुंग भी
नदियां भी, निर्झर भी
कल्लोलिनियां, कुल्याएं भी
देखे सरि-सागर भी
इनके भीतर इनकी-सी ही
प्रतिमाएं मुस्कातीं
हर प्रतिमा की धड़कन में
अनगिनत कलाएं गातीं
अनदेखी इन आत्माओं से
परिचय जनम-जनम का
मेरे साथ सभी चलते हैं
जाने भी, अनजान भी
सूर्योदय के भीतर मेरे
मन का सूर्योदय है
किरणों की लय के भीतर
मेरा आश्वस्त हृदय है
मैं न सोचता कभी कौन
आराध्य, किसे आराधू
किसे छोड़ दें और किसे
अपने जीवन में बांधू
दृग की खिड़की खुली हुई
प्रिय मेरा झांकेगा ही
मानस-पट तैयार, चित्र
अपना वह आंकेगा ही
अपनो को मैं देख रहा हूं
अपने लघु दर्पण में
मेरे साथ सभी चलते हैं
प्रतिबिंबन, प्रतिमान भी
दूर्वा की छाती पर जितने
चरण-चिह्न अंकित हैं
उतने ही आंसू मेरे
सादर उसको अर्पित हैं
जितनी बार गगन को छूते
उन्नत शिखर अचल के
उतनी बार हृदय मेरा
पथ में एकाकीपन मिलता

वही गीत है हिय का
पथ में सूनापन मिलता है
वही पत्र है प्रिय का
दोनों को पढ़ता हूं मैं
दोनों को हृदय लगाता
दोनों का सौरभ-कण लेकर
फिर आगे बढ़ जाता
मेरा रक्त, त्वचा यह मेरी
और अस्थियां बोलें
मेरे साथ सभी चलते हैं।
आदि और अवसान भी।

1. साँसों का मुसाफिर किसे कहा गया है?

1. कवि
2. मनुष्य
3. प्रकृति
4. जीवन

2. देखे सरि-सागर भी- पंक्ति में 'सरि-सागर' का अर्थ है?

1. समस्त सागर।
2. सरिता-गागर।
3. नदी-नीरनिधि।
4. सुर-सागर

3. 'मन का सूर्योदय' से आप क्या समझते है?

1. खिन्नता।
2. प्रसन्नता।
3. आसन्नता।
4. भिन्नता।।

4. अपनों को मैं देख रहा हूँ अपने लघु दर्पण में- पंक्ति में लघु दर्पण किसे कहा गया है?

1. हृदय
2. आँखें
3. मस्तिष्क
4. जीवन

5. जीवन में एकांत को कवि किस रूप में देखता है?

1. हृदय का रूप
2. आँखों के सपने।
3. लघुता के रूप में

4. महानता के रूप में।

उत्तरमाला-

1 (1) कवि

2 (3) नदी-नीरनिधि।

3 (2) प्रसन्नता।

4 (1) हृदय

5 (1) हृदय का रूप

अपठित पद्यांश- 08

नए युग में विचारों की नई गंगा बहाओ तुम,
कि सब कुछ जो बदल दे,
ऐसे तूफान में नहाओ तुम।
अगर तुम ठान लो तो
आँधियों को मोड़ सकते हो।
अगर तुम ठान लो तो
तारे गगन के तोड़ सकते हो,
अगर तुम ठान लो तो
विश्व के इतिहास में अपने-
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो,
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है-
उसी विश्वास को फिर आज
जन-जन में जगाओ तुम।
पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे,
तुम्हारी देह के श्रम सीकरों में शक्ति है इतनी-
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है।
इशारा कर वही इस देश को
फिर लहलहाओ तुम।

1. यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ निश्चय कर ले तो क्या- क्या कर सकते हैं?

1. पुराने विचारों को बदल सकते हैं
2. आँधियों का रुख मोड़ सकते हैं
3. विश्व के इतिहास में केवल अपना नाम लिख सकते हैं।
4. परिस्थितियों के अनुरूप नहीं बदल सकते हैं

2. आशय स्पष्ट कीजिए- “कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे।”

1. खून पसीना एक कर देना।
2. लोगों को नया जीवन दिला देना।
3. परिश्रम से मिट्टी में भी सोने के फूल खिला देना।

4. मन में दृढ़ निश्चय कर लेना

3. प्रस्तुत काव्यांश में किस मुहावरे का प्रयोग किया गया है?

1. आसमान के तारे तोड़ना
2. एड़ी चोटी का जोर लगा देना
3. कलम तोड़ना
4. खून पसीना एक करना

4. भारतीय नवयुवकों से क्या आग्रह किया जा रहा है?

1. पुराने विचारों पर विश्वास करने का
2. धूल-मिट्टी को साफ करने का आसमान के तारे तोड़ना
3. नए युग में नए विचारों की नदी बहाने का
4. चांदी के फूल खिलाने का

5. भारतीय नवयुवक किन्हें नया जीवन दिला सकते हैं?

1. भारतीय नेताओं को
2. भारत के करोड़ों दीन-हीन लोगों को
3. भारत की संस्कृति को
4. भारत के साहित्य को

उत्तरमाला-

1 (2) आँधियों का रुख मोड़ सकते हैं

2. (3) परिश्रम से मिट्टी में भी सोने के फूल खिला देना।

3. (1) आसमान के तारे तोड़ना

4. (2) धूल-मिट्टी को साफ करने का आसमान के तारे तोड़ना

5. (3) भारत की संस्कृति को

अपठित पद्यांश- 09

मेरी भूमि तो है पुण्यभूमि वह भारती,
सौ नक्षत्र लोक करें आके आप आरती।
नित्य नये अंकुर असंख्य वहाँ फूटते,
फूल झड़ते हैं, फल पकते हैं,टूटते।
सुरसरिता ने वहीं पाई है सहेलियाँ,
लाखों अठखेलियाँ ,करोड़ों रंगरेलियाँ।
नंदन विलासी सुरवृंद,बहु वेशों में ,
करते विहार हैं हिमाचल प्रदेशों में।
सुलभ यहाँ जो स्वाद,उसका महत्त्व क्या?
दुःख जो न हो, तो फिर सुख में है सत्व क्या ?

दुर्लभ जो होता है, उसी को हम लेते हैं ,
जो भी मूल्य देना पड़ता है,वही देते हैं ।
हम परिवर्तनमान, नित्य नये हैं तभी,
ऊब ही उठेंगे कभी एक स्थिति में सभी ।
रहता प्रपूर्ण हमारा रंगमंच भी,
रुकता नहीं है लोक नाट्य कभी रंच भी ।

1. कवि ने पुण्य-भूमि किसे कहा है?

1. स्वर्ग को
2. नाटक के रंगमंच को
3. भारत को
4. युद्ध क्षेत्र को

2. कवि ने हिमाचल प्रदेश की क्या विशेषता बताई है?

1. ये बहुत सुंदर है
2. यहाँ नदियाँ बहती हैं
3. अनेक देवता यहाँ विहार करने आते हैं
4. यहाँ फूल झड़ते हैं

3. “दुःख जो न हो, तो फिर सुख में है सत्व क्या ?” इस कथन का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए-

1. सुख इतना है कि दुःख का अहसास ही नहीं होता
2. सुख में ज्यादा खुश और दुःख में ज्यादा दुखी नहीं होना चाहिए
3. सुखी रहने के लिए ,पहले दुखी होना जरुरी है
4. सुख का आनन्द दुःख सहने के पश्चात् ही पता चलता है

4. “नित्य नये” कहने के पीछे क्या अर्थ है ?

1. हम बहुरुपिए हैं
2. हम अपना व्यवहार बदलते रहते हैं
3. हम मुकर जाते हैं
4. हम गतिशील हैं

5. पद्यांश में प्रयुक्त शब्द “रंच ” का अर्थ है ?

1. ज़रा
2. नवीन
3. अभिनय
4. सरल

उत्तरमाला-

1. (3) भारत को
2. (3) अनेक देवता यहाँ विहार करने आते हैं

3. (4) सुख का आनन्द दुःख सहने के पश्चात् ही पता चलता है

4. (4) हम गतिशील हैं

5. (1) ज़रा

अपठित पद्यांश- 10

न हाथ एक शस्त्र हो,न साथ एक अस्त्र हो ,
न अन्न वीर वस्त्र हो ,हटो नहीं ,डटो वहीं,
बढ़े चलो, बढ़े चलो ।
रहे समक्ष हिमशिखर,तुम्हारा प्रण उठे निखर,
भले ही जाए तन बिखर ,रुको नहीं ,झुको नहीं,
बढ़े चलो, बढ़े चलो ।
घटा घिरी अटूट हो,अधर में कालकूट हो,
वही सुधा का घूँट हो,जिए चलो,मरे चलो,
बढ़े चलो, बढ़े चलो ।
गगन उगलता आग हो,छिड़ा मरण का राग हो,
लहू का अपने फाग हो,अड़ो वहीं,गड़ो वहीं,
बढ़े चलो, बढ़े चलो ।
चलो नई मिसाल हो,जलो नई मिसाल हो,
बढ़ो नया कमाल हो,झुको नहीं,रुको नहीं ,
बढ़े चलो, बढ़े चलो ।
अशेष रक्त तोल दो,स्वतंत्रता का मोल दो,
कड़ी युगों की खोल दो,डरो नहीं,मरो नहीं,
बढ़े चलो, बढ़े चलो ।

1. कवि ने प्रस्तुत काव्यांश में प्रेरित किया है –

1. आगे बढ़ने के लिए
2. शांत रहने के लिए
3. नई फसल लगाने के लिए
4. विध्वंश करने की

2. “भले ही जाए तन बिखर ,रुको नहीं ,झुको नहीं” पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहते हैं कि-

1. स्वास्थ्य की चिंता कभी नहीं करनी चाहिए
2. युद्ध में सबसे आगे रहना चाहिए
3. बिना हथियार के भी लड़ना चाहिए
4. प्राण देकर भी देश की रक्षा करनी है

3. “घटा घिरी अटूट हो,अधर में कालकूट हो” पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहते हैं कि-

1. कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ आ जाएँ
2. चाहे कैसा भी मौसम हो
3. चाहे कैसा भी भोजन मिले
4. चाहे बिलकुल भी भोजन न हो

4. “गगन उगलता आग हो,छिड़ा मरण का राग हो,लहू का अपने फाग हो,अड़ो वहीं,गड़ो वहीं” पंक्तियों के माध्यम से कवि का क्या सन्देश है-

1. कैसी भी स्थितियाँ हों, हमें गीत गाते रहना चाहिए
2. हर हाल में हमें अपना मानसिक संतुलन बनाकर रखना चाहिए
3. कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ हों, हमें उनका सामना करना चाहिए
4. दुनिया के समक्ष कभी अपना आत्मसम्मान नहीं गिराना चाहिए

5. काव्यांश में प्रयुक्त शब्द “कालकूट” का पर्यायवाची निम्न में से है-

1. काला सर्प
2. जहर
3. ज्वाला
4. संघर्ष

उत्तरमाला-

1. (1) आगे बढ़ने के लिए
2. (4) प्राण देकर भी देश की रक्षा करनी है
3. (1) कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ आ जाएँ
4. (3) कितनी भी विपरीत परिस्थितियाँ हों,हमें उनका सामना करना चाहिए
5. (2) जहर

4. 'अभिव्यक्ति और माध्यम' पुस्तक के प्रश्नोत्तर

1. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन

1. भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ पर खुला था ?

(1) सन 1861 कलकत्ता में
(2) सन 1556 गोवा में
(3) सन 1556 मद्रास में
(4) सन 1526 नागपुर में

2. सरकारी कामकाज पर पैनी नज़र रखते हुए गड़बड़ियों को उजागर करने वाली पत्रकारिता कहलाती है ?

(1) खोजी पत्रकारिता
(2) विशेषीकृत पत्रकारिता
(3) वॉचडॉग पत्रकारिता
(4) एड्वोकेसी पत्रकारिता

3. संवाददाताओं को उनकी रुचियों और ज्ञान के आधार पर कार्य का विभाजन कहलाता है ?

(1) बीट
(2) लाइव
(3) पीट
(4) डेस्क

4. हिंदी का पहला समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' किस प्रकार का पत्र था ?

(1) दैनिक पत्र
(2) साप्ताहिक पत्र
(3) पाक्षिक पत्र
(4) मासिक पत्र

5. जब तक खबर के दृश्य नहीं आते एंकर, दर्शकों को रिपोर्टर से मिली जानकारियों के आधार पर सूचना पहुँचाता है | कहलाता है ?

(1) एंकर-पैकेज
(2) एंकर-बाइट
(3) ड्राई-एंकर
(4) एंकर-विजुअल

6. समाचारों को संकलित करने का कार्य कौन करता है ?

(1) सम्पादक
(2) दर्शक
(3) श्रोता
(4) संवाददाता

उत्तर-

1. सन 1556 गोवा में,
2. वॉचडॉग पत्रकारिता,
3. बीट,
4. साप्ताहिक,
5. ड्राई एंकर ,

2. पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया

पाठ के प्रमुख एवं ध्यातव्य बिंदु-

पत्रकारीय लेखन

● अखबार या अन्य समाचार माध्यमों में काम करने वाले पत्रकारअपने पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचानेके लिए लेखन के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं। इसे ही पत्रकारीय लेखन कहते हैं।

● पत्रकारिता या पत्रकारीय लेखन के अंतर्गत संपादकीय, समाचार, आलेख, रिपोर्ट, फ़ीचर, स्तम्भ, कार्टून आदि आते हैं।

● पत्रकारीय लेखन का प्रमुख उद्देश्य- सूचना देना, जागरूक और शिक्षित बनाना, मनोरंजन करना आदि।

● पत्रकारीय लेखन का संबंध समसामयिक घटनाओं, समस्याओं और मुद्दों से है।

● पत्रकारीय लेखन एवं साहित्यिक और सृजनात्मक लेखन में मुख्य अंतर यह है कि पत्रकारीय लेखन में तथ्यों कि प्रधानता होती है। पत्रकार इसमें कल्पना का पुट नहीं दे सकता जबकि साहित्यिक एवं सृजनात्मक लेखन में कल्पना की प्रधानता होती है।

पत्रकार को लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

● उसकी लेखन शैली और भाषा सहज, सरल एवं रोचक होनी चाहिए ताकि आसानी से सबकी समझ में आ जाए।

● वाक्य छोटे एवं सहज होने चाहिए।

● भाषा को प्रभावी बनाने के लिए अनावश्यक विशेषणों,जार्गन्स (ऐसी शब्दावली जिससे बहुत कम पाठक परिचित होते हैं) और क्लीशे / पिष्टोक्ति (एक ऐसा वाक्य, विचार, या कला का तत्त्व जो बहुत अधिक प्रयोग होने की वजह से अपना मूल अर्थ खो चुका है) का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

पत्रकार के प्रकार

पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं-

● पूर्णकालिक पत्रकार- इस श्रेणी के पत्रकार किसी समाचार संगठन मेंकाम करने वाले नियमितवेतनभोगी कर्मचारी होते हैं।

● अंशकालिक पत्रकार(स्ट्रिंगर)-इस श्रेणी के पत्रकार किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाले कर्मचारी होते हैं।

● फ्रीलांसर यानी स्वतंत्र पत्रकार-इसश्रेणी के पत्रकारों का संबंध किसी विशेष अखबार से नहीं होता है बल्कि वे भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखते हैं।

समाचारलेखन

● पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-पहचाना रूप समाचार लेखन है।

● अखबारों में समाचार मुख्यतः पूर्णकालिक या अंशकालिक पत्रकार लिखते हैं, जिन्हें संवाददाता या रिपोर्टर कहते हैं।

● समाचार उलटा पिरामिड-शैली (इंवर्टेड पिरामिड शैली) में लिखे जाते हैं।

● यह समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय एवं उपयोगी शैली है।

● उलटा पिरामिड-शैली में किसी भी घटना के सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना को सबसे ऊपर रखा जाता है उसके बाद घटते हुए महत्त्वक्रम मेंसूचनाएँ प्रस्तुत कीजातीहैं।

● समाचार में इंट्रो (मुखड़ा), बॉडी और समापन के क्रम में तथ्य या सूचनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।

● उलटा पिरामिड-शैली कहानी या कथा लेखन शैली की उलटी है क्योंकि कहानी या कथा लेखन शैली में क्लाइमेक्स बिलकुल अंत में आता है जबकि उलटा पिरामिड-शैली में क्लाइमेक्स शुरू में ही आ जाता है।

● उलटा पिरामिड-शैली का प्रयोग 19वीं सदी के मध्य में शुरू हो गया था लेकिन इसका विकास अमेरिका में गृहयुद्ध के दौरान हुआ।

समाचार लेखन और छह ककार

किसी समाचार को लिखते हुए जिन छह सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है, वे हैं-

1. क्या हुआ?
2. किसके साथ हुआ?/कौन था?
3. कब हुआ?
4. कहाँ हुआ?
5. कैसे हुआ?
6. क्यों हुआ?

● क्या, किसके साथ (या कौन), कब, कहाँ, कैसेऔर क्यों को ही छह ककारों के रूप में जाना जाताहै।

● समाचार के मुखड़े (इंट्रो) यानी पहले पैराग्राफ़ या शुरुआती दो-तीन पंक्तियों में आमतौर पर तीन या चार ककारोंको आधार बनाकर खबर लिखी जाती है। ये चार ककार हैं- क्या, कौन, कब और कहाँ? इसके बाद समाचार की बॉडी में और समापन के पहले बाकी दो ककारों- "कैसे और क्यों" काजवाब दिया जाता है। इस तरह छह ककारों के आधार पर समाचार तैयार होता है। इनमें से पहलेचार ककार- क्या, कौन, कब और कहाँ- सूचनात्मक और तथ्यों पर आधारित होते हैं जबकि बाकी दो ककारों-कैसे और क्यों- में विवरणात्मक, व्याख्यात्मकऔर विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर दिया जाता है।

फ़ीचर

● फ़ीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है।

● फ़ीचरलेखन का उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना एवं उनका मनोरंजन करना है।

समाचार एवं फ़ीचर में अंतर

● समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर ज़ोर दिया जाता है यानी समाचार लिखते हुए रिपोर्टर उसमें अपने विचार नहीं डाल सकता जबकि फ़ीचर में लेखक के पास अपनी राय, दृष्टिकोण और भावनाओं को ज़ाहिर करने का अवसर होता है।

● समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखें जाते हैं जबकि फ़ीचर लेखन की कोई निश्चित शैली नहीं है।

● फ़ीचर लेखन की भाषा समाचारों के विपरीत सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाली होती है।

● फ़ीचर में समाचारों की तरह शब्दों की कोई अधिकतम सीमा नहीं होती। फ़ीचर आमतौर पर समाचार रिपोर्ट से बड़े होते हैं। अखबारों और पत्रिकाओं में 250 शब्दों से लेकर 2000 शब्दों तक के फ़ीचर छपते हैं।

फ़ीचर लेखन के समय ध्यान रखने योग्य बातें

● फ़ीचर को सजीव बनाने के लिए उसमें उस विषय से जुड़े पात्रों की मौजूदगी ज़रूरी है।

● कहानी को पात्रों के ज़रिये कहा जाए यानी पात्रों के माध्यम से उस विषय के विभिन्न पहलुओं को सामने लाया जाए।

● कहानी को बताने का अंदाज़ ऐसा हो कि पाठक ऐसा महसूस करें कि वे खुद देख और सुन रहे हैं।

● फ़ीचर को मनोरंजक होने के साथ-साथ सूचनात्मक होना चाहिए।

● फ़ीचर का प्रारम्भ आकर्षक और उत्सुकता पैदा करने वाला होना चाहिए।

● फीचर लेखन का कोई निश्चित ढांचा या फार्मूला नही है |

● आप फीचर कही से भी शुरू कर सकते हैं |

● हर फीचर का प्रारम्भ, मध्य और अंत होता है | प्रारम्भ आकर्षक और जिज्ञासापूर्ण होना चाहिए |

● यदि आप व्यक्तिपरक फीचर तैयार कर रहे है तो उसकी शुरुआत ऐसी घटनाओं से कर सकते हैं, जिसने उसके जीवन की दिशा ही बदल दी |

● इसके बाद कुछ करीबी लोगों के दिलचस्प, आकर्षक और खास वक्तव्यों को उद्धृत करते हुए उसके जीवन के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया जा सकता है |

● फीचर लेखन की प्रक्रिया में निम्नलिखित अपेक्षाएँ रहती हैं :-

1 विषय चयन : समसामयिक विषय का चयन, जनरुचि के अनुकूल |

2 सामग्री संकलन : विभिन्न स्थलों पर जाकर सामग्री एकत्रित करना |

3 निरीक्षण शक्ति : तर्कशक्ति ,सूक्ष्म निरीक्षण शक्ति का प्रयोग |

फ़ीचर के प्रकार

● समाचार फ़ीचर, खोजपरक फ़ीचर, साक्षात्कार फ़ीचर, जीवनशैली फ़ीचर, रूपात्मक फ़ीचर, व्यक्तिचित्र फ़ीचर, यात्रा फ़ीचर और विशेषरुचि के फ़ीचर प्रमुख हैं।

विशेष रिपोर्ट

● अखबारों एवं पत्रिकाओं में सामान्य समाचारों के अलावा गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर जो रिपोर्टें प्रकाशित होती हैं, उन्हें विशेष रिपोर्ट कहते हैं।

विशेष रिपोर्ट के प्रकार

● खोजी रिपोर्ट (इंवेस्टिगेटिव रिपोर्ट)- खोजी रिपोर्ट में रिपोर्टर मौलिक शोध और छानबीन के ज़रिये ऐसी सूचनाएँ या तथ्य सामने लाता है जो सार्वजनिक तौर पर पहले से अनुपलब्ध हैं। खोजी रिपोर्ट का प्रयोग आमतौर पर भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गड़बड़ियों को उजागर करने के लिए किया जाता है।

● इन-डेप्थ रिपोर्ट- इन-डेप्थ रिपोर्टमें सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध तथ्यों, सूचनाओं, और आँकड़ों की गहरी छानबीन की जाती है और उसके आधार पर किसी घटना, समस्या या मुद्दे से जुड़े महत्त्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाया जाता है।

● विश्लेषणात्मक रिपोर्ट- विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में किसी घटना या समस्या से जुड़े तथ्यों के विश्लेषण और व्याख्या पर विशेष बल दिया जाता है।

● विवरणात्मक रिपोर्ट- विवरणात्मक रिपोर्ट में किसी घटना या समस्या के विस्तृत और बारीक विवरण को प्रस्तुत करने की कोशिश की जाती है।

विचारपरक लेखन

● समाचार पत्रों में समाचार एवं फ़ीचर के अतिरिक्त संपादकीय, लेख, पत्र, टिप्पणी, वरिष्ठ पत्रकारों व विशेषज्ञों के स्तम्भ छपते हैं। ये सभी विचारपरक लेखन के अंतर्गत आते हैं।

संपादकीय

● संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर लिखे गए विचारात्मक लेख को, जिसे संबंधित समाचार पत्र की राय भी कहा जाता है, संपादकीय कहलाता है।

● संपादकीय किसी एक व्यक्ति का विचार या राय न होकर समग्र समाचार पत्र समूह की राय होता है, इसलिए संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम नहीं लिखा जाता है।

● संपादकीय पृष्ठ को समाचार पत्र का सबसे महत्त्वपूर्ण पृष्ठ माना जाता है। इसे संबंधित समाचारपत्र की आवाज़ भी कहा जाता है।

● संपादकीय लिखने का दायित्व संबंधित समाचारपत्र के संपादक एवं उसके सहयोगियों पर होता है। कोई बाहर का लेखक या पत्रकार संपादकीय नहीं लिख सकता।

स्तम्भ लेखन

● यह एक प्रकार का विचारात्मक लेखन है।

● कुछ महत्त्वपूर्ण लेखक अपने खास वैचारिक रुझान एवं लेखन शैली के लिए जाने जाते हैं। ऐसे लेखकों की लोकप्रियता को देखकर समाचार पत्र उन्हें अपने समाचार पत्र में नियमित स्तम्भ लेखन की जिम्मेदारी प्रदान करते हैं।

● किसी समाचार पत्र में किसी ऐसे लेखक द्वारा किया गया विशिष्ट व नियमित लेखन जो अपनी विशिष्ट शैली व वैचारिक रुझान के कारण समाज में ख्याति प्राप्त हो,स्तम्भ लेखन कहलाता है।

संपादक के नाम पत्र

● समाचार पत्रों में संपादकीय पृष्ठ पर तथा पत्रिकाओं की शुरुआत में संपादक के नाम आए पत्र प्रकाशित किए जाते हैं।

● यह प्रत्येक समाचार पत्र का नियमित स्तम्भ होता है।

● इसके माध्यम से समाचार पत्र अपने पाठकों को जनसमस्याओं तथा मुद्दों पर अपने विचार एवं राय व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। यह स्तम्भ जनमत को प्रतिबिम्बित करता है।

लेख

● सभी अखबार संपादकीय पृष्ठ पर समसामयिक मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकारों और उन विषयों के विशेषज्ञों के लेख प्रकाशित करते हैं। इन लेखों में किसी मुद्दे या विषय पर विस्तार से चर्चा की जाती है।

● सभी अखबार संपादकीय पृष्ठ पर समसामयिक मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकारों और उन विषय के विशेषज्ञों के लेख प्रकाशित करते है | इन लेखों में किसी विषय या मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की जाती है | लेख विशेष रिपोर्ट और फीचर से इस मामले में अलग है कि उसमें लेखक के विचारों को प्रमुखता दी जाती है लेकिन ये विचार तथ्यों और सूचनाओं पर आधारित होतें है और लेखक उन तथ्यों और सूचनाओं के विश्लेषण अपने तर्कों के जरिए अपनी राय प्रस्तुत करता है |

● लेख लिखनें के लिए पर्याप्त तैयारी की आवश्यकता पड़ती है | इसके लिए पर्याप्त सामग्री जुटानी पड़ती है |

आलेख

● आलेख एक प्रकार के लेख होते हैं, जो संपादकीय पृष्ठ पर संपादित होते हैं |ये संपादकीय से हटकर होते हैं | इन लेखों की अनिवार्य शर्त यह होती है कि वे किसी समाचार या घटनाक्रम पर आधारित होते हैं |इस प्रकार के लेख किसी भी क्षेत्र से संबंधित हो सकते हैं – राजनीति , विज्ञान , समाज , साहित्य , खेल फैशन , फिल्म, व्यापार पर्यटन आदि | इनमें सूचनाओं का होना अनिवार्य है | आजकल सभी अखबारों की यही कोशिश रहती है कि ऐसे लेख प्रकाशित किए जाएँ ,जिसमें समाचारों और सूचनाओं का अधिक से अधिक समावेश हो |

साक्षात्कार/इंटरव्यू

● किसी पत्रकार द्वारा किसी व्यक्ति विशेष से उसके विषय में अथवा किसी विषय विशेष या मुद्दे पर उसकी राय और भावनाएँ जानने के लिए किया गया प्रश्नोत्तरात्मक संवाद साक्षात्कार कहलाता है।

● एक सफ़ल साक्षात्कार के लिए पत्रकारको संबंधित व्यक्ति एवं विषय के संबंध में अच्छा ज्ञान होना चाहिए साथ ही संवेदनशीलता, कूटनीति, धैर्य, और साहस जैसे गुण भी होने चाहिए।

पाठ से बहुविकल्पात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. पत्रकारीय लेखन में सर्वाधिक महत्त्व किस बात का है ?

(1) ऐतिहासिक घटनाक्रम का

(2) समसामयिक घटनाओं का

(3) भविष्यवाणियों का

(4) निजी मत का

प्रश्न 2. पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ?

(1) तीन
(2) चार
(3) पाँच
(4) छह

प्रश्न 3. इनमें से कौन-सा पत्रकार का प्रकार नहीं है ?

(क) फ्रीलांसर पत्रकार
(ख) अंशकालिक (स्ट्रिंगर) पत्रकार
(ग) पूर्णकालिक पत्रकार
(घ) अस्वतंत्र पत्रकार ।

प्रश्न 4. किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाले पत्रकार को कहते हैं -

(1) स्वतंत्र पत्रकार
(2) पूर्णकालिक पत्रकार
(3) अंशकालिक पत्रकार (स्ट्रिंगर)
(4) फ्रीलांसर पत्रकार

प्रश्न 5. समाचार लेखन की प्रचलित शैली को किस नाम से जाना जाता है ?

(1) उलटा पिरामिड शैली
(2) सीधा पिरामिड शैली
(3) कथात्मकशैली
(4) विवेचनात्मक शैली ।

प्रश्न 6. समाचार लेखन का अवयव (अंग) है-

(1) इंट्रो
(2) बॉडी
(3) समापन
(4) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 7. समाचार लेखन के कितने ककार होते हैं ?

(1) दो
(2) तीन
(3) पाँच
(4) छह

प्रश्न 8. समाचार पत्र का संपादन करने वाले को क्या कहते हैं ?

(1) संवाददाता
(2) प्रकाशक
(3) रिपोर्टर
(4) संपादक

प्रश्न 9. समाचार की बॉडी और समापन में मुख्यत: किन ककारों को रखा जाता है ?

(1) क्या और कब
(2) कौन और कहाँ
(3) कैसे और क्यों
(4) कब और कैसे

प्रश्न 10. ऐसी शब्दावली जिससे बहुत कम पाठक परिचित होते हैं, कहलाती है-

(1) क्लीशे
(2) पिष्टोक्ति
(3) जार्गन्स
(4) दोहराव

प्रश्न 11. सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना को सबसे ऊपर रखना और उसके बाद घटते हुए महत्त्व के क्रम में सूचनाएँ देना कहलाता है ?

(1) सीधा पिरामिड शैली
(2) उलटा पिरामिड शैली
(3) कथात्मक शैली
(4) विश्लेषणात्मक शैली।

प्रश्न 12. पत्रकारीय लेखन के अंतर्गत शामिल है-

(1) संपादकीय
(2) समाचार
(3) फ़ीचर
(4) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से फ़ीचर का प्रकार है -

(1) साक्षात्कारफ़ीचर
(2) व्यक्तिचित्र फ़ीचर
(3) खोजपरक फ़ीचर
(4) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 14. वह लेख, जिसमें किसी मुद्दे के प्रति समाचारपत्र की अपनी राय प्रकट होती है, कहलाता है

(1) संपादकीय
(2) साक्षात्कार
(3) फ़ीचर
(4) स्तम्भ

प्रश्न 15. पत्रकारीय लेखन में किस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जाता है ?

(1) अलंकारिक भाषा
(2) संस्कृतनिष्ठ भाषा
(3) गूढ़ भाषा
(4) आम बोलचाल की भाषा।

प्रश्न 16. ऐसा सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन; जिसके माध्यम से सूचनाओं के साथ-साथ मनोरंजन पर भी ध्यान दिया जाता है, कहलाता है-

(1) संपादकीय
(2) फ़ीचर
(3) स्तम्भ लेखन
(4) साक्षात्कार

प्रश्न 17. फ़ीचर-लेखन का प्रमुख उद्देश्य क्या है ?

(1) पाठकों को सूचना देना
(2) पाठकों का मनोरंजन करना
(3) पाठकों को शिक्षित करना
(4) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं।

प्रश्न 18. अखबारों और पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले फ़ीचर की शब्द-सीमा लगभग कितनी होती है ?

(1) 200 से 500 शब्द

(2) 250 से 2000 शब्द

(3) 300 से 1000 शब्द

(4) 500 से 2500 शब्द ।

प्रश्न 19. भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गड़बड़ियों को उजागर करने के लिए किस रिपोर्ट का इस्तेमाल किया जाता है ?

(1) खोजी रिपोर्ट

(ख) इन-डेप्थ रिपोर्ट

(ग) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

(घ) विवरणात्मक रिपोर्ट।

प्रश्न 20. किस रिपोर्ट में सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध तथ्यों, सूचनाओं और आंकड़ों की गहरी छानबीन की जाती है?

(1) खोजी रिपोर्ट

(2) विश्लेषणात्मकरिपोर्ट

(3) इन-डेप्थरिपोर्ट

(4) विवरणात्मकरिपोर्ट।

प्रश्न 21. पत्रकारीय लेखन के लिए पत्रकार कच्चा माल किससे प्राप्त करते है ?

(1) संपादकीय से

(2) साक्षात्कार से

(3) संपादक के नाम पत्र से

(4) फ़ीचर से ।

प्रश्न 22. संपादकीय लेखन में संपादक का नाम न लिखने का क्या कारण है ?

(1) संपादकीय व्यक्ति विशेष की आवाज़ होती है

(2) संपादकीय में व्यक्ति विशेष के विचार न होकर पूरे समाचार-पत्र समूह की आवाज़ होती है

(3) संपादकीय लिखने का कार्य केवल संपादक करते हैं

(4) इनमें से कोई नहीं ।

प्रश्न 23. स्तंभ लेखन किस प्रकार का लेखन है ?

(1) विचारपरक लेखन

(2) विश्लेषणात्मक लेखन

(3) विवेचनात्मक लेखन

(4) वस्तुपरक लेखन ।

प्रश्न 24. किसी समाचार संगठन में काम करने वाले नियमित वेतनभोगी पत्रकार किस नाम से जाने जाते हैं?

(1) अंशकालिक पत्रकार

(2) पूर्णकालिक पत्रकार

(3) फ्रीलांसर पत्रकार

(4) स्ट्रिंगर

प्रश्न 25. एक सफ़ल साक्षात्कार के लिए पत्रकारमेंकिस गुण का होना आवश्यक है ?

(1) संवेदनशीलता

(2) धीरज

(3) साहस

(4) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 26 देश –विदेश में घटनें वाली घटनाओं को संकलित करके उन्हें समाचार के रूप में संपादित करना

कहलाता है :-
(1) पत्रकारिता
(2) संवाददाता
(3) समाचार
(4) इनमे से कोई नहीं

प्रश्न 27 पत्रकारीय लेखन का प्रमुख धर्म क्या है ?

(अ) विचार प्रकट करना (ब) मुद्रित करवाना
(स) सूचना प्रदान करना (द) इनमें से कोई नहीं |

प्रश्न 28 पत्रकारीय लेखन की भाषा कैसी होनी चाहिए ?

(अ) संस्कृतनिष्ठ (ब) मुहावरेदार और प्रभावी
(स) सहज, सरल, रोचक और प्रभावी (द) तत्सम शब्दावली युक्त और प्रभावी |

प्रश्न 29 क्या पत्रकारीय लेखन की भाषा में बातों का दोहराव होना चाहिए ?

(अ) हाँ (ब) कभी –कभी (स) नहीं (द) कोई नहीं

प्रश्न 30 उल्टा पिरामिड शैली की क्या विशेषता है ?

(अ) महत्वपूर्ण बात सबसे पहले लिखी जाती है (ब) व्याख्या पहले आती है
(स) विश्लेषण किया जाता है (द) इनमें से कोई नही |

प्रश्न 31 उल्टा पिरामिड शैली का विकास कब हुआ ?

(अ) अमेरिका में गृहयुद्ध के समय (ब) रूस की क्रांति के समय
(स) विश्व युद्ध के समय (द) इनमें से कोई नही |

प्रश्न 32 समाचार लेखन के कितनें अंग हैं ?

(अ) 3 (ब) 4 (स) 6 (द) 2

प्रश्न 33 क्या ,कौन ,कब ,कहाँ का प्रयोग समाचार लेखन में कहाँ किया जाता है ?

(अ) मुखड़ा (इंट्रो) में (ब)बॉडी (स) समापन (द) इनमें से कोई नही

प्रश्न 34 समाचार लेखन में कैसे और क्यों का स्थान कहाँ होता है ?

(अ) बॉडी में (ब) समापन (स) मुखड़ा (द) इनमें से कोई नही

प्रश्न 35 फीचर का उद्देश्य क्या है ?

(अ) सूचना देना ,शिक्षित करना, मनोरंजन करना |
(ब) आम जनता की राय |
(स) जन समस्याओं को उठाना |
(द) इनमें से कोई नहीं |

प्रश्न 36 ऐसा लेखन जिसको पढ़कर पाठकों को महसूस हो कि वे उस घटना को देख रहे हैं, क्या कहलाता है?

(अ) संपादकीय (ब) आलेख (स) फीचर (द) लेख

प्रश्न 37 अखबारों और पत्रिकाओं मे सामान्य समाचारों के अलावा गहरी छानबीन और व्याख्या के आधार पर एक रिपोर्ट लिखी जाती है , वह रिपोर्ट कहलाती है ?

(अ) फीचर (ब) विशेष रिपोर्ट (स) आलेख (द) इनमें से कोई नही

प्रश्न 38 अख़बार की आवाज किसे माना जाता है ?

(अ) विशेष रिपोर्ट (ब) संपादकीय (स) लेख (द) इनमें से कोई नही

प्रश्न 39 अख़बार किसी घटना ,समस्या या मुद्दे पर अपनी राय किसके द्वारा प्रकट करते हैं ?

(अ) संपादकीय के द्वारा (ब) समाचार के द्वारा (स) रिपोर्ट के द्वारा (द) इनमें से कोई नही

प्रश्न 40 संपादक के नाम पाठकों के पत्र लिखे जातें है :-

(अ) संपादकीय पृष्ठ पर (ब) मुख्य पृष्ठ पर (स) अंतिम पृष्ठ पर (द) किसी भी पृष्ठ पर

प्रश्न 41 समसामयिक मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकारों और उन विषयों के विशेषज्ञों के प्रकाशित होतें है :-

(अ) लेख (ब) समाचार (स) फीचर (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 42 विवरणात्मक रिपोर्ट मे किसी घटना या समस्या का प्रस्तुत किया जाता है :-

(अ) विस्तृत और बारीक विवरण (ब) विश्लेषण और व्याख्या

(स) आंकड़ों की गहरी छानबीन (द) इनमें से कोई नही

उत्तरमाला

1-ख	2- क	3- घ	4- ग	5- क	6- घ	7- घ	8- घ
9- ग	10- ग	11- ख	12- घ	13- घ	14- क	15- घ	16- ख
17- घ	18- ख	19- क	20- ग	21- ख	22- ख	23- क	24- ख
25- घ	26-अ	27-स	28-स	29-स	30-अ	31-अ	32-अ
33-अ	34-अ	35-अ	36-स	37-ब	38-ब	39-अ	40-अ
41-अ	42-अ						

5.'आरोह भाग-2' पुस्तक के काव्य-खंड के काव्यांश-आधारित प्रश्नोत्तर (पाठों के क्रम के अनुसार)

1. दिन जल्दी जल्दी ढलता है-श्री हरिवंश राय बच्चन

भावार्थ- कवि कहते हैं कि दिन भर के थके हुए पथिक (मुसाफिर /राही) को जब यह महसूस होता हैं कि उसकी मंजिल अब बहुत करीब हैं। लेकिन मंजिल तक पहुंचने से पहले रास्ते में ही कही रात न हो जाए , यह सोच वह अपने कदम तेजी से अपनी मंजिल की ओर बढ़ाने लगता है। क्योंकि दिन बहुत तेजी से गुजर रहा है । लक्ष्य-प्राप्ति के लिए उसे दिन जल्दी ढलता प्रतीत होता है। रात होने पर पथिक को अपनी यात्रा बीच में ही समाप्त करनी पड़ेगी, इसलिए थकित शरीर में भी उसका उल्लसित, तरंगित और आशान्वित मन उसके पैरों की गति कम नहीं होने देता। अर्थात् मेरी मंजिल मेरे बहुत पास हैं मगर मैं धीरे- धीरे चला तो, मंजिल पर पहुंचने से पहले रास्ते में ही कहीं रात न हो जाय और मैं अपनी मंजिल तक पहुंच ही न पाऊं। यह सोच कर ही थके हुए मुसाफिर के कदमों में भी जान आ जाती हैं और वह तेजी से चलने लगता हैं। क्योंकि दिन बहुत जल्दी-जल्दी ढलता हैं। ना केवल मनुष्य बल्कि प्रकृति के अन्य सभी जीव-जंतु भी दिन ढलने के साथ ही अपने घरों को लौटने लगते हैं। और उनके परिजनों व बच्चों को उनके लौटने का इंतजार भी रहता हैं। यहां पर कवि चिड़िया का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि चिड़िया को जब यह ध्यान आता है कि उसके छोटे-छोटे बच्चे भोजन , स्नेह व सुरक्षा पाने की आशा में घोंसलों से बाहर झाँक-झाँक कर उसकी राह देख रहे होंगे। तो उसके दिन भर के थके हुए पंखों में एक नई जान आ जाती है और वह तेजी के साथ अपने घोंसले की तरफ उड़ने लगती है।ताकि रात होने से पहले वह अपने बच्चों के पास पहुंच जाय। क्योंकि चिड़िया को भी मालूम हैं कि दिन बहुत तेजी से निकल रहा है । कवि की पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। इसीलिए कवि अकेले हैं। उदास है। निराश और दुखी भी हैं। कवि को लगता है कि पथिक को अपनी मंजिल तक पहुंचना था। इसलिए वह तेज कदमों से चलने की कोशिश करता है। और चिड़िया को जैसे ही अपने बच्चों का ख्याल आता है तो वह तेजी से उड़ते हुए अपने घोंसले तक पहुंचने की कोशिश करती है। लेकिन कवि कहते हैं कि उन्हें तो कही जाना भी नहीं हैं और न ही उनका कोई इंतजार कर रहा हैं। इसीलिए उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहते हैं कि मुझसे मिलने के लिए घर में कौन बेचैन बैठा है। किसके लिए मैं अपने कदमों में तेजी लाऊं। इस विचार से कवि के पांव शिथिल पड़ जाते हैं और उनके कदमों की गति धीमी पड़ जाती है और उनका हृदय व्याकुलता से भर जाता है । रात में एकाकीपन और उसकी प्रिया की वियोग-वेदना उसे अशांत कर देगी। इससे उसका हृदय पीड़ा से बेचैन हो उठता है। अर्थात् कवि के मन में जब यह प्रश्न आता है कि उनसे मिलने के लिए कौन व्याकुल है। किसके लिए वो अपने कदमों की गति को तेज करें। यह बात उनके पैरों की गति को धीमा कर देती हैं। और वो अपने हृदय में पीड़ा का अनुभव करने लगते हैं । दरअसल कवि के जीवन में प्रेम की कमी है और प्रेम की कमी से उनके जीवन की गति धीमी पड़ गयी है। इंसान के जीवन में समय व प्रेम दोनों महत्वपूर्ण हैं। इसीलिए व्यक्ति को समय का सदुपयोग करना और प्रेम के महत्व को समझना आवश्यक हैं।

काव्यांश- 1

दिन जल्दी – जल्दी ढलता है !
हो जाए न पथ में रात कहीं
मंजिल भी तो है दूर नहीं –
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी – जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

प्रश्न -1 'हो जाए न पथ में'- यहाँ किस पथ की ओर कवि ने सकेत किया हैं?

क) जीवन पथ की ओर ख) रास्ते की ओर

ग) संसार की ओर घ) उपर्युक्त सभी ।

प्रश्न -2 इस पद्यांश में "पथ" किसका प्रतीक है ?

क) जीवन पथ का
ख) मानव जीवन के संघर्ष का
ग) कठिन राहों का
घ) आसान रास्तों का

प्रश्न -3 "दिन जल्दी-जल्दी ढलता है" पंक्ति के माध्यम कवि क्या संकेत करना चाहता है ?

क) समय परिवर्तनशील है
ख) समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता
ग) उक्त दोनों
घ) जल्दी से शाम होने वाली है

प्रश्न- 4 पथिक जल्दी जल्दी मंजिल की और क्यों बढ़ता है ?

क) मंजिल समीप है
ख) कहीं रास्ते में ही रात ना हो जाए
ग) रात होने वाली है
घ) उक्त सभी

प्रश्न -5 "जल्दी - जल्दी" में कौनसा अलंकार है ?

क) उपमा अलंकार
ख) रूपक अलंकार
ग) यमक अलंकार
घ) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार

उत्तर संकेत-

1 -क , 2-ख , 3- ग, 4- घ, 5-घ

काव्यांश- 2

"बच्चे प्रत्याशा में होंगे ,
नीड़ों से झांक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !"

प्रश्न -1 बच्चे माँ की प्रत्याशा में क्यों होंगे ?

क) माँ का स्नेह पाने के लिए
ख) भोजन पाने के लिए
ग) उक्त दोनों
घ) माँ के साथ बाहर घूमने की आशा में

प्रश्न -2 "बच्चे प्रत्याशा में होंगे ,नीड़ों से झांक रहे होंगे" पंक्ति में कौनसा रस है ?

क) शृंगार रस
ख) वीर रस
ग) वात्सल्य रस
घ) हास्य रस

प्रश्न -3 निम्न में से क्या सोचकर चिड़िया के पंख चंचल नहीं होते हैं ?

क) बच्चे इंतजार कर रहे है
ख) बच्चे भूखे है
ग) बच्चों को खाना खिलाना है
घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न -4 "नीड़ों से झांक रहे होंगे" पंक्ति में कौनसा बिम्ब है ?

क) दृश्य
ख) श्रव्य
ग) दृश्य गतिशील
घ) श्रव्य गतिशील

प्रश्न - 5 - घर जाते हुए कवि के पग शिथिल क्यों हो जाते हैं?

क) घर पर उसका कोई इंतजार नहीं कर रहा
ख) घर जाकर वह क्या करेगा?
ग) उसे अपने घर जाने की जल्दी नहीं
घ) उसे अपना घर अच्छा नहीं लगता

उत्तर संकेत-

1 -ग , 2-ग , 3- घ, 4- ग, 5-क

काव्यांश- 3

"मुझसे मिलने को कौन विकल ?

मैं होऊं किसके हित चंचल ?

यह प्रश्न शिथिल करता पद को , भरता उर में विह्वलता है !

दिन जल्दी – जल्दी ढलता है !"

प्रश्न - 1 मुझसे मिलने को कौन विकल? 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' गीत का यह प्रश्न उर में क्या भरता है?

क) शिथिलता ख) चंचलता ग) विह्वलता घ) आश्चर्य

प्रश्न -2 कवि के मन में कौनसा प्रश्न नहीं उठता है ?

क) मुझसे मिलने को कौन व्याकुल है ख) मै किसके लिए जल्दी चलूँ

ग) मेरा कौन इंतजार कर रहा है घ) मेरा कोई इंतजार कर रहा है।

प्रश्न 3- कवि की व्याकुलता का क्या कारण है ?

क) माता से वियोग ख) पिता से वियोग

ग) पत्नी से वियोग घ) भाई - बहनों से वियोग

प्रश्न -4- मैं होऊं किसके हित चंचल ? इस पंक्ति में कौनसा अलंकार है ?

क) अनुप्रास व यमक ख) प्रश्न व वियोग शृंगार ग) प्रश्न व संयोग शृंगार घ) उपमा

प्रश्न - 5 - घर जाते हुए कवि के पग शिथिल क्यों हो जाते हैं?

क) घर पर उसका कोई इंतजार नहीं कर रहा ख) घर जाकर वह क्या करेगा?

ग) उसे अपने घर जाने की जल्दी नहीं घ) उसे अपना घर अच्छा नहीं लगता

उत्तर संकेत-

1 -ग , 2-घ , 3- ग, 4- ख, 5- क

2. कविता के बहाने – कुँवर नारायण

सारांश- प्रस्तुत कविता कुँवर नारायण के काव्य संग्रह 'इन दिनों' से अवतरित है । इस कविता में कवि ने आधुनिक यांत्रिक (मशीनीकरण के) युग में कविता के अस्तित्व को देखने का प्रयास किया है साथ ही इस कविता के माध्यम से कवि वर्तमान आधुनिक युग में कविता के महत्त्व को बनाये रखने का संदेश देता है ।

कवि कविता के अस्तित्व को लेकर आशंकित है कि कहीं इस मशीनीकरण के युग में कविता का महत्त्व कम ना हो जाए क्योंकि आधुनिक समय में टेलीविजन , मोबाइल फोन , सिनेमाघर ,इंटरनेट आदि लोगों के मनोरंजन के साधन हो गए हैं । ऐसे समय में कविता के महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए कवि ने कविता को एक यात्रा माना है । जिस प्रकार एक यात्री यात्रा के दौरान अनेक लोगों से ,अनेक रास्तों से होकर गुजरता है उसी प्रकार एक कवि भी अपनी कविता की रचना हेतु शब्द, भाव, कल्पना, जड़, चेतन, अतीत, वर्तमान, भविष्य, सुख, दुख, संयोग, वियोग आदि से होकर गुजरता है । ऐसे में कविता अपने-पराये , छोटा–बडा, अमीर–गरीब ,जाति–धर्म आदि में कोई भेदभाव नहीं करती है । कवि ने कविता की तुलना चिडियाँ की उडान से, फूलों की महक से व बच्चों के खेल से की है ।

कविता का भावार्थ - कविता के बहाने कविता का प्रमुख भाव है कि आधुनिक युग में हमें कविता के अस्तित्व को बचाकर रखना होगा क्योंकि कविता अपने भाव और जीवन मूल्यों की सुगंध मानव सभ्यता को अनंतकाल तक प्रदान करती रहती है । कविता एक निश्छल बच्चे की तरह होती है जो सभी भेदभावों से ऊपर उठकर वसुधैव कुटुम्बकम की

भावना निहित रखती है और सभी को अपना मानती है। कविता का उद्देश्य है कि अपना–पराया, छोटा–बडा, अमीर-गरीब , जाति–धर्म आदि के आधार पर पाए जाने वाले सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर सभी प्रेम , सहयोग व भाईचारे की भावना से रहें। यह कविता प्राचीन जीवन मूल्यों को वर्तमान के साथ जोडकर भविष्य की ओर बढने की प्रेरणा देती है।

पहला काव्यांश

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर , उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने ?

प्रथम पद का भावार्थ - जिस प्रकार एक चिड़िया स्वच्छंद होकर खुले आसमान में उड़ सकती है, वह इस घर से उस घर, बाहर-भीतर प्रत्येक जगह मुक्त होकर उडती है परंतु उसकी उड़ान सीमित होती है | वह आसमान की एक निश्चित ऊँचाई तक उड़ सकती है किंतु कवि का मानना है कि कविता की उड़ान चिड़िया की उड़ान से कहीं ज्यादा है। कविता में खुले आसमान से लेकर पाताल की गहराईयों को नापने की शक्ति होती है। कविता अपने भावों से बाहर, भीतर (व्यक्ति के अंतर्मन व बाह्य वेशभूषा, आचरण, संसार में व्याप्त जड, चेतन, वर्तमान, अतीत, भविष्य) तक अपनी कल्पना और भाव के माध्यम से उड़ान भरती है। कवि चिड़िया की उड़ान के माध्यम से कविता की उडान को बताना चाहता है कि कविता की उड़ान असीमित है।

प्रश्न 1. कविता के पंख लगाकर उड़ने से क्या तात्पर्य है ?
(क) सुंदर लेख लिखना
(ख) कल्पना करना
(ग) व्यर्थ लिखना
(घ) अर्थ स्पष्ट करना

प्रश्न 2. बाहर भीतर , इस घर - उस घर इन शब्दों में प्रयुक्त अलंकार है ?
(क) उपमा अलंकार
(ख) अनुप्रास अलंकार
(ग) मानवीकरण अलंकार
(घ) व्यतिरेक अलंकार

प्रश्न 3. चिड़िया क्या जाने , इस काव्य पंक्ति में कौनसा अलंकार प्रयुक्त हुआ है ?
(क) मानवीकरण अलंकार
(ख) अनुप्रास अलंकार
(ग) प्रश्न अलंकार
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 4.कवि के अनुसार चिड़िया कहाँ-कहाँ उड़ती है ?
(क) जंगल में
(ख) खेत में
(ग) बाहर भीतर ,इस घर , उस घर
(घ) उपवन में

दूसरा काव्यांश

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जानें !
बाहर भीतर
इस घर , उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जानें ?

दूसरे पद का भावार्थ - कवि फूलों के खिलने के माध्यम से कविता का खिलना बताता है कि जिस प्रकार फूल खिलकर वातावरण को सुगंधित कर देते हैं। फूलों की महक सभी को अपनी ओर लुभाती है और मनुष्य उन फूलों की महक का आनंद लेता है परंतु ये फूल एक निश्चित समय के बाद मुरझा जाते हैं और अपनी महक खो देते हैं। परंतु कविता की रचना जब एक बार हो जाती है तो वह बिना मुरझाये सभी रसों (श्रृंगार रस, वीर रस, करूण रस, हास्य रस, वात्सल्य रस, भक्ति रस, भयानक रस, वीभत्स रस, रौद्र रस, अद्भुत रस, शांत रस आदि) का अनंतकाल तक पाठक वर्ग को अपने भाव (अर्थ) से आनंद प्रदान करती रहती है। अतः कविता बिना मुरझाए अतीत, वर्तमान व भविष्य में अपना अस्तित्व बनाए रखती है|

प्रश्न 5." बिना मुरझाए महकने के माने " से क्या तात्पर्य है ?
(क) अपनी महक फैलाना
(ख) अनंतकाल तक कविता का अर्थ प्रदान करना
(ग) अनंतकाल तक सुगंध फैलाना
(घ) बिना मुरझाए लगातार महक प्रदान करना

प्रश्न 6. कविता का खिलना अर्थ प्रदान करता है ?
(क) मानव मूल्यों की सुगंध बिखेरना
(ख) कविता में अत्यधिक अलंकारों का प्रयोग करना
(ग) कविता में नवीन शब्दावली का प्रयोग
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 7. कविता की एक बार रचना होने पर क्या होता है ?
(क) कविता अपनी महक बिखेरती है
(ख) कविता अनंतकाल तक अपना अस्तित्व बनाए रखती है
(ग) कविता मुरझाने लगती है
(घ) कविता आनंदित करती है

प्रश्न 8. फूल खिलकर प्रदान करते हैं ?
(क) फल
(ख) शहद
(ग) दुर्गंध
(घ) महक

प्रश्न 9. 'फूल क्या जानें' इस पंक्ति मे अलंकार है ?
(क) अनुप्रास
(ख) उपमा
(ग) यमक अलंकार
(घ) प्रश्न अलंकार

तीसरा काव्यांश

कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर , वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने ।

तीसरे पद का भावार्थ - कवि ने कविता की तुलना बच्चों के खेल से की है बच्चों के खेल में जिस प्रकार अनेक प्रकार के खिलौने होते हैं उसी प्रकार कविता की रचना में भी शब्द, भाव, कल्पना, विचार आदि कविता के खिलौने मात्र हैं । जिस प्रकार बच्चे घर–घर जाकर खेल खेलते हैं उनके लिए सभी घर समान होते हैं । वे अपने पराये में भेदभाव नहीं जानते हैं । बच्चे ईर्ष्या, द्वेष, जलन, घृणा, जातिगत भेदभाव, धार्मिक भेदभाव, भाषायी भेदभाव आदि से परे होते हैं । बच्चे सभी को प्रेम की भावना से देखते हैं । अतः कवि कहता है कि कविता भी अपने भावों से सभी पाठकों को समान अर्थ प्रदान करती है । वह किसी में कोई भेदभाव नहीं करती है । सभी वर्ग के लोगों को एकजुटता का संदेश देती है । उसी प्रकार बच्चे भी सभी घरों की दूरियाँ मिटा देने का भाव रखते हैं । कवि के अनुसार निश्छल हृदय बच्चे ही कविता के भावों को सही रूप में ग्रहण कर सकते है क्योंकि कविता के भाव को समझने के लिए सभी संकीर्णताओं, भेदभावों से ऊपर उठना होगा । जिस प्रकार बच्चा नवीन ऊर्जा और जोश से भरपूर होता है उसी प्रकार कविता भी मानव मन में नई चेतना व ऊर्जा का संचार करती है।

प्रश्न 10. कवि के अनुसार कविता किसका खेल है ?

(क) बच्चों का
(ख) शब्दों का
(ग) बारिश का
(घ) फूलों का

प्रश्न 11. कवि ने कविता को एक खेल बताया है । इस कविता के खिलौने (उपकरण) क्या हैं ?

(क) जड़, चेतन, अतीत, वर्तमान,भविष्य
(ख) संयम, परिष्कार, साफ-सुथरापन
(ग) कैरम, कॉक, बल्ला, गेंद
(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 12 . 'सब घर एक कर देने के माने' से क्या तात्पर्य है ?

(क) प्रेम के साथ रहना
(ख) सभी का एक साथ मिलजुलकर रहना
(ग) अपने पराये में भेदभाव नहीं रखना
(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 13. कवि द्वारा कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हैं ?

(क) कविता और बच्चे दोनो में नवीन ऊर्जा का संचार करने की शक्ति होती है ।
(ख) कविता की तरह ही बच्चे भी भविष्य की ओर कदम बढाते हैं ।
(ग) बच्चो की तरह कविता भी भेदभाव से परे होती है ।
(घ) उपर्युक्त सभी ।

प्रश्न.14 . पुराने मूल्यों में वर्तमान के मूल्यों को जोड़कर भविष्य की ओर कदम कौन बढाता है ?

(क) चिडियां और फूल

(ख) कवि
(ग) संयमी व्यक्ति
(घ) बच्चा और कविता

15. 'कविता के बहाने' से कवि किसका संबंध बताना चाहता है ?
(क) कविता और प्रकृति का
(ख) कविता और बच्चे का
(ग) कविता और भविष्य का
(घ) उपर्युक्त सभी प्रश्न

उत्तर संकेत –

1. (ख) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ग) 5. (ख) 6. (क) 7. (ख) 8. (घ) 9. (घ) 10. (ख)
11. (क) 12. (ग) 13. (घ) 14. (घ) 15. (घ)

3. कैमरे में बंद अपाहिज (रघुवीर सहाय)

कविता का सारांश- इस कविता में कवि ने समाज तथा मीडिया के अपाहिजों (दिव्यांगों) के प्रति संवेदनहीन रवैये को बताया है। मीडियाकर्मी तरह-तरह के व्यर्थ सवाल पूछकर उसकी पीड़ा को भुनाना चाहता है। दूरदर्शन कार्यक्रम संचालक उसके कष्टों को दूर करने की बजाय उन्हें लोगों को सुनाकर सहानुभूति अर्जित करना चाहते हैं ताकि यह कार्यक्रम लोकप्रिय हो सके। इस तरह करुणा जगाने के मकसद से शुरु हुआ कार्यक्रम क्रूर बन जाता है तथा मीडिया की संवेदनहीनता का बोध कराती पंक्ति 'परदे पर वक्त की कीमत है' इस कार्यक्रम की वास्तविकता को सामने ले आती है ।

इस कविता में कवि ने शारीरिक चुनौती झेल रहे लोगों की पीड़ा के साथ –साथ मीडिया (दूरसंचार माध्यमों) की संवेदनहीनता को भी प्रकट किया है । यह कविता टेलीविजन स्टूडियों के भीतर की हकीकत को दुनिया के सामने उजागर करती है कि किस प्रकार व्यावसायिक दबाव के कारण साक्षात्कारकर्ता /प्रस्तुतकर्ता का रवैया अपाहिज व्यक्ति के प्रति संवेदनहीन हो जाता है ।

विशेष पठनीय बिन्दु :-

• रघुवीर सहाय ने इस कविता में आम बोलचाल की भाषा में समाज की दारुण विडम्बनाओं, विद्रूपताओं एवं विसंगतियों का सीधा - सपाट चित्रण किया है।
• कवि ने अपाहिज (दिव्यांग) के माध्यम से समाज में उपेक्षित वर्ग की पीड़ा का व्यावसायिक लाभ प्राप्त करने के मीडिया के छद्म स्वरूप पर तीखी टिप्पणी की है ।
• मीडिया के द्वारा अपने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शारीरिक चुनौती झेलते व्यक्ति (दिव्यांग) से कैमरे के सामने किस तरह से प्रश्न पूछे जाते हैं और उससे किस प्रकार की भाव-भंगिमा-प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है, उसकी एक बानगी कवि ने बड़ी बेबाकी से प्रस्तुत की है।
• कवि के द्वारा अक्षम या कमज़ोर वर्ग की पीड़ा और दृश्य – संचार माध्यम के बीच संबंधों का रेखांकन किया गया है।
• इस कविता में मीडिया के सामाजिक सरोकारों पर व्यावसायिकता के हावी होने और मीडिया के छद्म एवं विद्रुप स्वरूप का चित्रण किया गया है।
• मीडिया का उद्देश्य स्वयं एवं समाज को अक्षम और कमज़ोर व्यक्ति की पीड़ा के प्रति संवेदनशील बनाने का दावेदार होना चाहिए किन्तु यथार्थ ठीक उल्टा है।
• कारोबारी दबाव के चलते मीडिया का रवैया असंवेदनशील हो जाता है । यह 'करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता' है ।
• पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का अधैर्य स्पष्ट रूप में व्यक्त हुआ है।
• यह कविता अहं की ध्वनित अभिव्यक्ति है , पत्रकारिता के बढ़ते वर्चस्व का प्रमाण है।

काव्य-सौन्दर्यगत विशेषताएँ –

कहानीपन और नाटकीयता,
बोलचाल की भाषा के शब्दः– बनाने के वास्ते, संग रुलाने हैं।
कोष्ठकगत वाक्यों का प्रयोग
सांकेतिकता– परदे पर वक्त की कीमत है।
बिंब :–फूली हुई आँख की एक बड़ी तस्वीर ।

पहला काव्यांश

"हम दूरदर्शन पर बोलेंगे
हम समर्थ शक्तिवान
हम एक दुर्बल को लाएँगे
एक बंद कमरे में
उससे पूछेंगे तो आप क्या अपाहिज हैं ?
तो आप क्यों अपाहिज हैं ?"
आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा
देता है ?
(कैमरा दिखाओ इसे बड़ा बड़ा)
हाँ तो बताइए आपका दुख क्या है
जल्दी बताइए वह दुख बताइए
बता नहीं पाएगा ।

1. यह कविता किस संग्रह से उद्धृत है ?

1) हँसो- हँसो जल्दी हँसो
2) लोग भूल गए हैं
3) सीढ़ियों पर धूप में
4) दिनमान

2. कविता में कौन लोग स्वयं को समर्थ एवं शक्तिवान मानते हैं ?

1) साहित्यकार
2) दूरदर्शन संचालक
3) राजनेता
4) दर्शक

3 .काव्यांश में .... दुर्बल कहा गया है ?

1) दर्शक को
2) महिला को
3) दिव्यांगजन को
4) लेखक को

4. मीडिया के संबंध में कौनसा कथन असत्य है ?

1) मीडिया की सोच अहंवादी है
2) वह स्वयं को सर्व शक्तिमान समझता है
3) आम आदमी को शक्तिहीन मानता है
4) अपाहिज व्यक्ति के प्रति सहानुभूति रखता है

5. मीडिया के द्वारा पूछे गए प्रश्नों से क्या झलकता है ?

1) करुणा
2) संवेदनशीलता
3) संवेदनहीनता
4) सहानुभूति

दूसरा काव्यांश

सोचिए
बताइए
आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है
कैसा
यानी कैसा लगता हैं
(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा?)
सोचिए
बताइए
थोड़ी कोशिश करिए
(यह अवसर खो देंगे?)
आप जानते हैं कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते
हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे
इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का
करते हैं?

1) कवि ने दूरदर्शन के कार्यक्रम-संचालकों की किस मानसिकता को उजागर किया हैं?
(1) उनकी व्यंग्यात्मक शक्तियों पर
(2) उनकी कोरी व्यावसायिकता पर
(3) उनकी समझदारी पर
(4) उनकी मानसिक कमजोरी पर

2) दूरदर्शन संचालकों द्वारा अपाहिज को संकेत में बताने का उद्देश्य क्या हैं?
(1) संचालक संकेत द्वारा अपाहिज को बताते हैं कि वह अपना अनुभव बताए
(2) संचालक संकेत द्वारा अपाहिज को बताते हैं कि वह अपना दर्द इस प्रकार बताए जैसा वे चाहते हैं।
(3) संचालक संकेत द्वारा अपाहिज को बताते हैं कि वह अपना दैनिक कार्य कैसे करते हैं, वह बताएं
(4) उपर्युक्त सभी

3) दूरदर्शन वाले किस अवसर की प्रतीक्षा में रहते हैं?
(1) अपाहिज रो पड़े, ताकि उनका कार्यक्रम रोचक बन सके।
(2) अपाहिज से उत्तर पाने की आकांक्षा
(3) अपाहिज से इशारा पाने की आकांक्षा
(4) इनमें से कोई नहीं

4) कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए साक्षात्कारकर्त्ता (मीडियाकर्मी) अपाहिज को क्या करवाते हैं?
(1) रुला देते हैं
(2) हँसा देते हैं

(3) नचा देते हैं
(4) गाना गवा देते हैं

5. दूरदर्शन कार्यक्रम-संचालक अपाहिज से किस प्रकार के प्रश्न पूछता है?
(1) अर्थपूर्ण
(2) तर्कसंगत
(3) भावपूर्ण
(4) अर्थहीन

तीसरा काव्यांश

फिर हम परदे पर दिखलाएँगे
फूली हुई आँख की एक बड़ी तसवीर
बहुत बड़ी तसवीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा है आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों को एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा
बस करो
नहीं हुआ
रहने दो
परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुसकुराएँगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गई)
धन्यवाद।

1) कार्यक्रम-संचालक परदे पर फूली हुई आँख की तसवीर क्यों दिखाना चाहता हैं?
(1) वह लोगों को उसके कष्ट के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर बता सके।
(2) वह लोगों को उसकी अपंगता दिखाना चाहता है ।
(3) वह अपंग व्यक्ति की आँख दिखाना चाहता है ।
(4) इनमें से कोई नहीं ।

2) एक और कोशिश '-इस पंक्ति का क्या तात्पर्य हैं?
(1) वे अपाहिज को रोती मुद्रा में दिखाकर अपने कार्यक्रम की लोकप्रियता बढ़ाना चाहते हैं ।
(2) वे अपाहिज को लेकर एक सफल कार्यक्रम बनाना चाहते हैं ।
(3) वे अपाहिज के प्रति सहानुभूति प्रकट करना चाहते हैं ।
(4) उपर्युक्त सभी

3) संचालक किस बात पर मुसकुराता हैं?
(1) उसे अपने कार्यक्रम के पूरा होने की खुशी है।
(2) उसे अपने कार्यक्रम के सफल होने की खुशी है।

(3) उसे अपने कार्यक्रम की लोकप्रियता की खुशी है।
(4) उसे अपने कार्यक्रम के पात्र पर गर्व है ।

4) अपाहिज क्या नहीं बता पाएगा?

(1) अपना सुख
(2) अपना दुःख
(3) अपना सामर्थ्य
(4) अपनी शक्ति

5) प्रस्तुतकर्ता 'बस करो, नहीं हुआ, रहने दो' क्यों कहता है?

(1) अपाहिज और दर्शक नहीं रोए
(2) प्रस्तुतकर्ता और दर्शक नहीं रोए
(3) अपाहिज और प्रस्तुतकर्ता नहीं रोए
(4) कैमरा खराब हो गया

उत्तर संकेत :-

क - काव्यांश (1)

प्रश्न-:	1	2	3	4	5
उत्तर :-	2	2	3	4	3

ख - काव्यांश (2)

प्रश्न-:	1	2	3	4	5
उत्तर :-	2	2	1	1	4

ग -काव्यांश (3)

प्रश्न-:	1	2	3*	4	5
उत्तर :-	1	1	2	2	1

स्पष्टीकरण*3 -: उसका कार्यक्रम सिर्फ पूरा हुआ है किन्तु लोकप्रिय हुआ या नहीं हुआ, यह अभी पता नहीं है क्योंकि जो विकलांग है वह रो नहीं पाया और कार्यक्रम के पात्र पर गर्व होने का तो उसका कोई मतलब ही नहीं है ।

4. सहर्ष स्वीकारा है-गजानन माधव मुक्तिबोध

सारांश- 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता गजानन माधव मुक्तिबोध के कविता संग्रह "भूरी-भूरी खाक धूल" से ली गई है, यह कविता जीवन के सुख- दुःख, संघर्ष- अवसाद को समान रूप से खुशी खुशी स्वीकार करने की प्रेरणा देती है। कवि के जीवन में कोई है (अज्ञात सत्ता) जो उसके लिए विशिष्ट है उसी की प्रेरणा के चलते कवि ने वे सभी स्थितियाँ परिस्थितियाँ सहर्ष रूप से स्वीकार की है जो उनकी स्वयं की है मौलिक है क्योंकि ये सभी जड चेतन परिस्थितियाँ उस अज्ञात सत्ता को प्यारी है। यहाँ कवि की चाहत और स्नेह उस अज्ञात सत्ता के प्रति अत्यंत गहन रूप से अभिव्यक्त हुई है, वह अज्ञात सत्ता कवि की दिवंगत माँ, पत्नी, बहन, सहचरी कोई भी हो सकती है, जिसने कवि के जीवन के आंतरिक तथा बाह्य दोनों रूपों को प्रभावित किया है। कवि का जीवन अज्ञात सत्ता के स्नेह से बहुत ज्यादा सराबोर हो चुका है, अब उस ममता के अतिहस्तक्षेप के कारण कवि उसे भूल जाना चाहता है, क्योंकि कवि को लगने लगा है कि उसके चलते उसका स्वयं का

व्यक्तित्व कमज़ोर पड़ने लगा है, कवि उस के बिना अपने भविष्य को लेकर चिंतित होने लगा है। अति किसी चीज़ की अच्छी नहीं, हर समय की भावार्द्रता भी कमज़ोर करती है।

कवि उस अज्ञात सत्ता को भूलने का दंड माँगता है और दंड स्वरूप पाताली अँधेरी गुफाओं के विवरों में खो जाना चाहता है। कवि धुएँ के बादलों में खो जाना चाहता है। परंतु यह भी कवि को संभव नहीं लग रहा क्योंकि कवि के अनुसार वह जहाँ भी जाएगा उसकी यादों का धुँधलका तो वहाँ भी रहेगा, अपने आप को उस अज्ञात सत्ता से दूर कर पाना कवि को संभव नहीं लग रहा।

पहला काव्यांश

"ज़िंदगी में जो कुछ भी है , जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है ;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।
गरबीली ग़रीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार- वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल - पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है -
संवेदन तुम्हारा है !"

(1) कवि के जीवन में जो भी है वो उसने किस रूप में स्वीकार किया है?

(अ) जैसा था वैसा ही
(ब) परिवर्तित रूप में
(स) हँसी- खुशी प्रसन्नतापूर्वक
(द) जैसा किसी को पसंद है

(2) क्या कारण है कि कवि ने अपने जीवन की प्रत्येक चीज़ को सहर्ष स्वीकार किया है?

(अ) कवि को प्रत्येक चीज़ पर गर्व है
(ब) कवि की प्रत्येक चीज़ उस अज्ञात सत्ता को प्यारी है
(स) कवि ने बड़ी मेहनत से इस चीज़ों को प्राप्त किया है
(द) कवि को ये चीज़ें बहुत प्यारी है

(3) कवि किस चीज़ को अपनी स्वयं की मौलिक मानता है?

(अ) गंभीर विचार वैभव
(ब) व्यक्तित्व की दृढ़ता
(स) भीतर की सरिता
(द) उपर्युक्त सभी

(4) कवि किसे संबोधित करके अपनी बात कह रहा है? या कविता में वह कौन है जिसे कवि की ये सभी चीज़ें प्यारी है?

(अ) कवि की माँ
(ब) कवि की प्रेयसी
(स) कवि की पत्नी
(द) अज्ञात है, स्पष्ट नहीं है

(5) 'भीतर की सरिता' से कवि का क्या आशय है?

(अ) पाताल में बहने वाली नदी

(ब) मन में बहने वाली भावनाओं, संवेदनाओं की नदी

(स) जमीन में थोड़ा नीचे बहने वाला रेजाणीपानी

(द) अंदर की ओर बहने वाली सरिता

(6) सहर्ष स्वीकारा है कविता से प्रेरणा मिलती है कि-

(अ) जीवन में आने वाली प्रत्येक परिस्थिति को हँसी- खुशी स्वीकार करना चाहिए

(ब) जो अभिनव तथा मौलिक है वे त्याज्य है

(स) जीवन में कोई ऐसा होना चाहिए जिसे आपकी प्रत्येक चीज़ प्यारी हो

(द) सचमुच के पाताली अँधेरी गुफाओं के विवरों में खो जाना चाहिए

(7) कवि ने अपनी ग़रीबी को ग़रबीली कहा है क्योंकि-

(अ) कवि किसी की ग़रीबी पर गर्व कर रहा है

(ब) कवि की ग़रीबी पर कोई गर्व करता है

(स) कवि को अपनी ग़रीबी पर स्वाभिमान है, गर्व है

(द) कवि की ग़रीबी ग़रबाने वाली है

(8) कवि अपने द्वारा उपार्जित चीज़ों को मौलिक क्यों कहता है?

(अ) क्योंकि कोई है जिसे ये चीज़ें बेहद प्यारी है

(ब) क्योंकि कवि को स्वयं को इन चीज़ों से प्यार है

(स) क्योंकि इनको प्राप्त करने के पीछे किसी की प्रेरणा है

(द) क्योंकि ये सब कवि का स्वयं का प्रतिफल है, इन पर किसी का प्रभाव नहीं है

(9) निम्नलिखित में से किस पंक्ति में पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार है?

(अ) पल- पल में जो कुछ भी जाग्रत है

(ब) जिंदगी में जो कुछ है, जो भी है

(स) भीतर की सरिता यह अभिनव सब

(द) ग़रबीली ग़रीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब

(10) अज्ञात सत्ता की संवेदनाएँ किसमें है?

(अ) व्यक्तित्व की दृढ़ता में

(ब) भीतर की सरिता और विचार- वैभव में

(स) जो कुछ भी जाग्रत और अपलक है

(द) कवि की मौलिकता में

उत्तर संकेत – (1) स, (2) ब, (3) द, (4) द, (5) ब, (6) अ, (7) स, (8) द, (9) अ, (10) स ।

दूसरा काव्यांश

"जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर - भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात- भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है! "

(1) कवि किसके बारे कह रहा है कि जाने उसके साथ क्या रिश्ता है?

(अ) प्रियतमा के बारे में

(ब) अज्ञात प्रियजन के बारे में

(स) पत्नी के बारे में

(द) माँ के बारे में

(2) कवि क्या उड़ेलता है जो भर- भर कर फिर से आ जाता है?

(अ) हृदय में भरा हुआ दुःख

(ब) मानसिक संवेदनाएँ

(स) झरने का मीठा पानी

(द) हृदय में भरा हुआ स्नेह

(3) मीठे पानी का सोता किसे कहा गया है?

(अ) वह जल स्त्रोत जहाँ से मीठा पानी निकलता है

(ब) स्नेह रूपी मीठे पानी का स्त्रोत

(स) वह भूजल जहाँ से मीठा पानी निकल रहा है

(द) अज्ञात प्रियजन की आत्मीयता

(4) क्या कारण है कि कवि के दिल का झरना कभी खाली नहीं होता?

(अ) कवि का स्नेह रूपी जल चारों तरफ से सिमट कर फिर से भर आता है

(ब) कवि के हृदय में हमेशा जल- स्त्रोत बहता रहता है

(स) क्योंकि इसके पीछे अज्ञात प्रियजन की प्रेरणा है

(द) कवि इस मीठे पानी के स्त्रोत को कभी समाप्त नहीं होने देना चाहता

(5) कवि के भीतर क्या है? 'भीतर वह ऊपर तुम' पंक्ति के आधार पर बताइए

(अ) अज्ञात प्रियजन की यादें

(ब) मुस्कुराता हुआ चाँद

(स) मीठे पानी का सोता

(द) विचारों का वैभव

(6) कविता में अज्ञात प्रियजन के चेहरे की तुलना किससे की गई है?

(अ) मीठे पानी के स्त्रोत से

(ब) दिल के झरने से

(स) भीतर की सरिता से

(द) चाँद से

(7) कवि 'तुम' शब्द से किसे संबोधित कर रहा है?

(अ) अज्ञात प्रियजन को

(ब) मुस्कुराते हुए चाँद को

(स) मीठे पानी के स्त्रोत को

(द) दिल में बहने वाले झरने को

(8) चाँद के मुस्काने से क्या आशय है?

(अ) चाँद का मुस्कुराना

(ब) अपनी चाँदनी बिखेरना

(स) चाँद में दाग का होना

(द) चाँद द्वारा व्यंग्य हँसी हँसना

(9) कवि पर अज्ञात प्रियजन का मुस्कुराता चेहरा किसकी तरह खिल रहा है?

(अ) मीठे पानी के सोते की तरह

(ब) धरती की तरह

(स) चाँदनी बिखेरते हुए चाँद की तरह

(द) दिल में बहने वाले झरने की तरह

(10) "मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!" पंक्ति से पता चलता है कि-

(अ) अज्ञात प्रियजन अभी भी चाँद की तरह कवि से दूर है

(ब) कवि के जीवन में चाँदनी मुस्कुराती रहती है

(स) चाँद धरती पर मुस्कुराना छोड़कर कवि पर मुस्कुराने लगा है

(द) कवि को अज्ञात प्रियजन के अपने आसपास होने का अहसास है

उत्तर संकेत – (1) ब, (2) द, (3) ब, (4) अ, (5) स, (6) द, (7) अ, (8) ब, (9) स, (10) द ।

तीसरा काव्यांश

"सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता हैं।
नहीं सहा जाता हैं।
ममता के बादल की मँडराती कोमलता-
भीतर पिराती है
कमज़ोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है
बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है!!"

(1) कविवर गजानन माधव मुक्तिबोध किसे भूल जाने की बात कह रहे है?

(अ) अपनी प्रेयसी को

(ब) दक्षिणी ध्रुव की अमावस्या को

(स) अज्ञात प्रियजन को

(द) ममता के बादलों को

(2) अंधकार–अमावस्या के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया गया है?

(अ) सचमुच

(ब) दंड दो कि

(स) तुम्हें भूल जाने की

(द) दक्षिणी ध्रुवी

(3) दक्षिणी ध्रुवी अंधकार- अमावस्या से अंधकार की विशेषता में क्या अर्थ जुड़ गया है?

(अ) इससे अंधकार का घनत्व और अधिक बढ़ जाता है

(ब) दक्षिणी ध्रुव पर अंधकार छा जाता है

(स) अमावस्या जैसा अंधकार फैल जाता है

(द) कवि दक्षिणी ध्रुव के अंधकार में खो जाता है

(4) कवि अपने लिए किस प्रकार के दंड की याचना कर रहा है?

(अ) कवि अँधेरे में नहाना चाहता है

(ब) कवि रमणीय उज़ाले में जाना चाहता है

(स) कवि अपने प्रियजन से दूर होकर एकाकी जीवन जीना चाहता है

(द) कवि दक्षिणी ध्रुव पर जाना चाहता है

(5) कवि ने व्यक्तिगत संदर्भ में किस स्थिति को अमावस्या कहा है?

(अ) दक्षिणी ध्रुव पर जाने की स्थिति

(ब) प्रियजन के स्नेह से स्वयं को दूर करने की स्थिति

(स) अंधकार मे नहा लेने की स्थिति

(द) रमणीय उज़ाले को सहन करने की स्थिति

(6) क्या कारण है कि कवि गहन अंधकार में खो जाने की याचना करता है?

(अ) कवि वर्तमान जीवन से निराश हो चुका है

(ब) कवि अंधकार में जीने के लिए दक्षिणी ध्रुव पर जाना चाहता है

(स) कवि सब कुछ भूल कर नए सीरे से जीवन शुरु करना चाहता है

(द) कवि से प्रियजन का रमणीय स्नेह रूपी उज़ाला अब सहन नहीं होता है

(7) कवि दक्षिणी ध्रुवी अंधकार को कहाँ झेलना चाहता है?

(अ) दक्षिणी ध्रुव पर

(ब) अपने शरीर पर, चेहरे पर, हृदय में

(स) रमणीय उजाले पर

(द) ममता के बादलों पर

(8) ममता के बादलों की मँडराती कोमलता का कवि पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(अ) कवि रमणीय उज़ाले में खो जाता है

(ब) कवि दक्षिणी ध्रुवी अंधकार अमावस्या में खो जाता है

(स) कवि को भीतर से पीड़ा देने लगी है

(द) कवि उन बादलों के धुँए में लापता हो जाता है

(9) किस कारण से कवि भीतर से पीड़ित होता है?

(अ) प्रियजन के अतिशय स्नेह और ममता के बादलों की मँडराती कोमलता से

(ब) दक्षिणी ध्रुवी अंधकार अमावस्या में खो जाने के कारण

(स) प्रियजन के रमणीय उजाले की चकाचौंध से

(द) आत्मा के कमज़ोर तथा अक्षम हो जाने के कारण

(10) दक्षिणी ध्रुवी अंधकार- अमावस्या में कौनसा अलंकार है?

(अ) उपमा अलंकार

(ब) अनुप्रास अलंकार

(स) अतिशयोक्ति अलंकार

(द) रूपक अलंकार

(11) कवि की आत्मा कैसी हो गई है?

(अ) कमज़ोर तथा निर्बल

(ब) सुदृढ़ तथा बलशाली

(स) सहनशील

(द) भविष्य में डराने वाली

(12) कवि से अब क्या नहीं सहा जा रहा है?

(अ) दक्षिणी ध्रुवी अंधकार अमावस्या की रात्रि

(ब) ममता के बादल की मँडराती कोमलता

(स) प्रियजन के अतिशय स्नेह से आच्छादित उज़ाला

(द) प्रियजन द्वारा दिया जाना वाला दंड

(13) कवि की छटपटाती छाती को किससे डर लग रहा है?

(अ) भविष्य से

(ब) कमज़ोर तथा अक्षम आत्मा से

(स) ममता के बादलों से

(द) बहलाती सहलाती आत्मीयता से

(14) कवि से किस प्रकार की आत्मीयता बर्दाश्त नहीं होती है?

(अ) डराने वाली

(ब) कमज़ोर तथा अक्षम

(स) संवेदना तथा सहारा देने वाली

(द) अतिशय स्नेह देने वाली

(15) कवि की छटपटाती छाती को भवितव्यता क्यों डराती है?

(अ) अतिशय स्नेह द्वारा पराश्रित होने के कारण

(ब) आत्मा के कमज़ोर तथा अक्षम होने के कारण

(स) अंधकार को शरीर तथा अंतर में पाने के कारण

(द) बहलाने तथा सहलाने के कारण

उत्तर संकेत – (1) स, (2) द, (3) अ, (4) स, (5) ब, (6) द, (7) ब, (8) स, (9) अ, (10) द, (11) अ, (12) स, (13) अ, (14) द, (15) अ।

चौथा काव्यांश

"सचमुच मुझे दंड दो कि हो जाऊँ
पाताली अँधेरे की गुहाओं में विवरों में
धुएँ के बादलों में
बिलकुल मैं लापता
लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है !!
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
या मेरा जो होता-सा लगता हैं, होता-सा संभव हैं
सभी वह तुम्हारे ही कारण के कार्यों का घेरा है, कार्यों का वैभव है
अब तक तो जिंदगी में जो कुछ था, जो कुछ है
सहर्ष स्वीकारा है
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा हैं।"

(1) कवि गजानन माधव मुक्तिबोध ने अपने लिए दंड की याचना क्यों की है?

(अ) कवि अपने प्रियजन से दुःखी हो गया है

(ब) कवि को अब अतिशय स्नेह मिलना समाप्त हो गया है
(स) कवि अपने जीवन से निराश हो गया है
(द) कवि अतिशय स्नेह की पराश्रितता को भूल कर स्वावलम्बी बनना चाहता है

(2) कवि अपने लिए किस प्रकार के दंड की याचना करता है?

(अ) कवि अपने प्रियजन के अत्यधिक स्नेह से दूर जाना चाहता है
(ब) कवि धुएँ के बादलों में लापता हो जाना चाहता है
(स) कवि पाताली अँधेरी गुफाओं के विवरों में खो जाना चाहता है
(द) उपर्युक्त सभी

(3) कवि कहाँ लापता हो जाना चाहता है?

(अ) धुएँ के बादलों में
(ब) अँधेरी गुफाओं में
(स) पाताल में
(द) पाताल के विवरों में

(4) पाताली अँधेरी गुफाओं में विवरों का क्या अर्थ है?

(अ) चट्टान
(ब) धुएँ के बादल
(स) कंदराएँ
(द) सुरंग

(5) कवि पाताली अँधेरी गुफाओं के विवरों में क्यों खो जाना चाहता है?

(अ) कवि बेहद दुःखी हो गया है
(ब) कवि स्वयं का अस्तित्व भी अनुभव नहीं करना चाहता
(स) कवि अपने स्नेहहीन जीवन से बहुत निराश हो गया है
(द) कवि का प्रियजन उससे दूर हो गया है

(6) धुएँ के बादलों में लापता होने से क्या आशय है?

(अ) अपने आप के अस्तित्व को भी अनुभव ना कर पाना
(ब) किसी के द्वारा कवि को ढूँढ ना पाना
(स) धुएँ के बादलों में अपनी जीवनलीला समाप्त कर लेना
(द) पाताली अँधेरी गुफाओं के विवरों में खो जाना

(7) लापता हो जाने पर भी कवि को किसका सहारा महसूस होता है?

(अ) अपनी प्रेयसी का
(ब) परमात्मा का
(स) अज्ञात प्रियजन का
(द) धुएँ के बादलों का

(8) लापता हो जाने पर भी कवि को अपने प्रियजन का सहारा क्यों महसूस होता है?

(अ) कवि आशावादी है इसलिए
(ब) प्रियजन के अत्यधिक स्नेह और उसी के कार्य- कारण के घेरे के कारण
(स) कवि कहीं लापता नहीं हो सकता इसलिए
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(9) पाताली अँधेरी गुफाओं में विवर किसका प्रतीक है?

(अ) शांत और एकांत स्थान का
(ब) सागर के किनारे की गुफाएँ

(स) धूएँ के बादलों का

(द) कंदराओं का

(10) कवि के द्वारा किए जाने वाले कार्यों के पीछे किसकी प्रेरणा है?

(अ) धुएँ के बादलों की

(ब) पाताली गुफाओं की

(स) अतिशय स्नेह की

(द) विशिष्ट प्रियजन की

(11) "इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है

या मेरा जो होता-सा लगता हैं, होता-सा संभव हैं" उक्त पंक्तियों का आशय है-

(अ) कवि का जो कुछ भी है वह संभव नहीं है

(ब) कवि के जीवन में जो कुछ भी है वह उस अभीष्ट प्रियजन के कारण है

(स) कवि का स्वयं का कुछ भी नहीं है

(द) कवि के लिए उसका कुछ होना कवि को संभव नहीं लग रहा

(12) कवि को जिंदगी में जो कुछ भी है वह सहर्ष स्वीकार क्यों है?

(अ) क्योंकि कवि इससे अधिक प्राप्त करने का इच्छुक नहीं है

(ब) क्योंकि कवि लालच में नहीं पड़ना चाहता

(स) कवि जानता है कि इससे अधिक उसे नहीं मिल सकता

(द) क्योंकि उस अज्ञात प्रियजन ने कवि की उपलब्धियों को अपना माना है

(13) कवि ने अपने व्यक्तित्व निर्माण में किसका सहयोग माना है?

(अ) अपनी उपलब्धियों को

(ब) कार्य कारण के घेरे को

(स) अभीष्ट प्रियजन को

(द) गरबीली गरीबी को

(14) 'लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है !!' इन पंक्तियों में निहित अलंकार की पहचान कीजिए-

(अ) विरोधाभास अलंकार

(ब) रूपक अलंकार

(स) अनुप्रास अलंकार

(द) यमक अलंकार

(15) घोर एवं गहन अंधकार किस काव्य पंक्ति का प्रतीकार्थ है?

(अ) लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है

(ब) धुएँ के बादलों में बिल्कुल मैं लापता

(स) या मेरा जो होता सा लगता है

(द) सचमुच मुझे दंड दो कि हो जाऊँ मैं

उत्तर संकेत – (1) द, (2) अ, (3) अ, (4) स, (5) ब, (6) अ, (7) स, (8) ब, (9) अ, (10) द, (11) ब, (12) द, (13) स, (14) अ, (15) ब, ।

6.'आरोह भाग-2' पुस्तक के गद्य-खंड के गद्यांश-आधारित प्रश्नोत्तर (पाठों के क्रम के अनुसार)

1. भक्तिन-महादेवी वर्मा

पाठ का सार-भक्तिन महादेवी जी का प्रसिद्ध संस्मरणात्मक रेखाचित्र है ,जो स्मृति की रेखाएं में संकलित है इस रेखा चित्र में लेखिका ने अपनी सेविका भक्तिन के अतीत और वर्तमान का परिचय देते हुए उसके व्यक्तित्व का बहुत दिलचस्प वर्णन किया है। महादेवी के घर में काम करने से पहले उसने कैसे एक संघर्षशील, स्वाभिमानी और कर्मठ जीवन जिया। कैसे पितृसत्तात्मक मान्यताओं और छल छद्म भरे समाज में अपनी बेटियों के हक की लड़ाई लड़ती रही और उसमें हार कर कैसे जिंदगी की राह पूरी तरह बदल लेने के निर्णय तक पहुंची इसका अत्यंत संवेदनशील शाब्दिक चित्रण किया है। भक्तिन महादेवी जी के जीवन में आकर छा जाने वाली एक परिस्थिति के रूप में दिखलाई पड़ती है। जिसके कारण लेखिका के व्यक्तित्व के कई अनछुए आयाम उद्घाटित होते हैं, इसी कारण अपने व्यक्तित्व का जरूरी अंश मानकर वे भक्तिन को खोना नहीं चाहती। प्रस्तुत संस्मरण भक्तिन के बहाने स्त्री अस्मिता की संघर्षपूर्ण आवाज के रूप में भी पढ़ा जाना चाहिए।

पहला गद्यांश

सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन अंजना की पुत्री ना होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बंध सकी वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने - अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि सूचक नाम किसी को बताती नहीं । केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया: पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग ना करूं। उपनाम रखने की प्रतिभा होती।, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन जैसे कवित्वहीन नाम को पाकर भी गदगद हो उठी ।

प्रश्न-1 भक्तिन के सेवा धर्म की तुलना किससे की गई है?

(अ) हनुमान (ब) तुलसीदास (स) मीराबाई (द)लक्ष्मण

प्रश्न-2 भक्तिन अपना असली नाम क्यों छुपा कर रखती थी?

(अ) उसे नाम पसंद नहीं था (ब) जीवन नाम के अनुरूप नहीं था

(स) पिता की याद दिलाता था (द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-3- भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था?

(अ) महादेवी (ब) कमला (स) लक्ष्मी/लछमिन (द) राधा

प्रश्न-4 भक्तिन के पिता क्या थे?

(अ) कुम्हार (ब) गोपालक (स) व्यापारी (द) लोहार

प्रश्न-5 पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है में मेरे लिए किस और संकेत करता है?

(अ) भक्तिन के लिए (ब)लक्ष्मी के लिए (स) कुमाता के लिए (द) लेखिका के लिए

प्रश्न-6 'अनामधन्या' से क्या तात्पर्य है?

(अ) जाना माना (ब)जिसे कोई नहीं जानता (स) जिसे सब जानते हैं (द) कोई उत्तर नहीं

प्रश्न-7 'मेरे लिए दुर्वह है', में दुर्वह क्या है?

(अ).जिसे ढोना कठिन हो (ब) वहन करना (स) आसानी से ढोना (द) कोई नहीं

प्रश्न-8 इतिवृत्त से क्या तात्पर्य है

(अ) इति करना (ब) आरंभ से अंत तक (स) वृतांत (द) कोई नहीं

उत्तर माला

(1)अ (2) ब (3)स (4) ब (5) द (6) ब (7) अ (8) ब

दूसरा गद्यांश

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने- पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ ना बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया । इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गांव की सीमा में पहुंचते ही झड़ गए। हाय ! लक्ष्मी अब आई की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूति पूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई। पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह घर में पानी भी बिना पिए उल्टे पैरों ससुराल लौट पड़ी।

प्रश्न 1 भक्तिन को उसके पिता की बीमारी का समाचार कब मिला?

अ) जब उनके बचने के लिए कोई उम्मीद ना थी

ब) जब वे ठीक हो गए ।

स) जब उनकी मृत्यु हो गई

द) जब भक्ति में उनसे मिलने गई

प्रश्न 2 विमाता ने समय रहते भक्तिन को समाचार क्यों नहीं भेजा?

अ) भक्तिन का पिता का अगाधप्रेम

ब) विमाता ईर्ष्यालु थी

स) विमाता को संपत्ति भक्तिन को दिए जाने का भय था

द) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 3 सास ने भक्तिन से उसके पिता की मृत्यु का समाचार क्यों छुपाया?

अ) रोने पीटने के अपशकुन से बचने के लिए

ब) भक्तिन को दुखी नहीं करना चाहती थी

स) सास भक्तिन से बहुत प्यार करती थी

द) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 4 सास द्वारा भक्तिन को विदा करने को अप्रत्याशित अनुग्रह कहा गया क्योंकि

अ) सास द्वारा समाचार छिपाए जाने के कारण

ब) सास प्यार से मायके भेजने के कारण

(स) सास द्वारा ताने मारने के कारण

(द) बहू के जाने पर सास द्वारा द्रवित होने के कारण

प्रश्न 5 भक्तिन उल्टे पैरों ससुराल क्यों लौट आई?

अ) पिता का अंतिम संस्कार हो चुकने के कारण

(ब) विमाता द्वारा अशिष्ट व्यवहार करने के कारण

(स) मायके में अपमान होने के कारण

(द) उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला

(1) स (2)द (3)अ (4) अ (5)द

तीसरा गद्यांश

जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख की अपेक्षा दुख ही अधिक है जब उसने गेहुँए रंग और बटिया जैसे मुख वाली पहली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जिठानियों ने ओंठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की ।उचित भी था, क्योंकि सास तीन-तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मचिया के ऊपर विराजमान पुरखिन के पद पर अभिषिक्त हो चुकी थी और दोनों जिठानियाँ काक-भुशडी जैसे काले लालों की क्रमबद्ध सृष्टि करके इस पद के लिए उम्मीदवार थी। छोटी बहू के लीक छोड़कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया ।

(1)जीवन के दूसरे परिच्छेद मे से क्या आशय है?

(अ) वैवाहिक जीवन (ब) अवैवाहिक जीवन (स) संन्यासी जीवन (द) मिश्रित जीवन

(2) भक्तिन ने कितनी लड़कियों को जन्म दिया था ?

(अ)पाँच (ब)दो (स) चार (द) तीन

प्रश्न 3 भक्तिन के पुत्र न होने पर उसकी सास द्वारा उपेक्षा प्रकट करना किस कारण उचित था ?

(अ) क्योंकि वह लड़कियों को पसंद नहीं करती थी (ब) क्योंकि वह स्वयं तीन पुत्रों को जन्म दे चुकी थी
(स)क्योंकि वह भक्तिन से घृणा करती थी (द) क्योंकि वह अधिक पुत्रियां चाहती थी

प्रश्न 4 गद्यांश में छोटी बहू संबोधन किसके लिए है?

(अ) महादेवी वर्मा (ब) सास (स)भक्तिन (द) छोटी जेठानी

प्रश्न -5 लीक छोड़ कर चलने से क्या अभिप्राय है ?

(अ) पुरानी परंपरा पर चलना (ब) नए तरीके को छोड़कर पुराने पर चलना
(स) सभी के साथ मिलकर चलना (द) पुरातन तरीके से अलग हटकर नए तरीके से चलना

उत्तरमाला

1 अ 2 द 3 ब 4 स 5 द

चौथा गद्यांश

अपीलहीन फैसला हुआ कि चाहे उन दोनों में एक सच्चा हो चाहे दोनों झूठे; पर जब वे एक कोठरी से निकले ,तब उनका पति -पत्नी के रूप में रहना ही कलयुग के दोष का परिमार्जन कर सकता है। अपमानित बालिका ने ओठ काटकर लहू निकाल लिया और माँ ने आग्नेय नेत्रों से गले पड़े दामाद को देखा। संबंध कुछ सुखकर नहीं हुआ, क्योंकि दामाद अब निश्चिंत होकर तीतर लडाता था और बेटी विवश क्रोध से जलती रहती थी। इतने यत्न से संभाले हुए गाय-ढोर, खेती-बाड़ी जब पारिवारिक द्वेष में ऐसे झुलस गए कि लगान अदा करना भी भारी हो गया, सुख से रहने की कौन कहे। अंत में एक बार लगान न पहुंचने पर जमींदार ने भक्तिन को बुलाकर दिन भर कड़ी धूप में खड़ा रखा। यह अपमान तो उसकी कर्मठता में सबसे बड़ा कलंक बन गया, अतः दूसरे दिन ही भक्तिन कमाई के विचार से शहर आ पहुंची ।

प्रश्न :1 कोठरी से निकलने के बाद दोनों को पति -पत्नी घोषित किए जाने वाले फैसले को किसकी उपमा दी गई ?

(अ) नीतिगत फैसला (ब)अपील हीन फैसला (स)असाधारण फैसला (द)गलत फैसला

प्रश्न 2 ऐसा फैसला किसने दिया ?

(अ) हाईकोर्ट ने (ब) सेशन कोर्ट (स)पंचायत ने (द) राजा ने

प्रश्न 3 इस घटना से भक्तिन की गृहस्थी पर क्या प्रभाव पड़ा ?

(अ) उसे घर संभालने के लिए दामाद मिल गया (ब) पारिवारिक जीवन सुखमय हो गया
(स) खेत खलियान बर्बाद हो गए (द) समाज में आदर सम्मान बढ़ गया

प्रश्न -4 भक्तिन की कर्मठता पर लगा कलंक क्या था ?

(अ) लगान न चुकाने पर सजा मिलना (ब) दामाद का दिन भर तीतर लड़ाना
(स) पारिवारिक द्वेष होना (द) जमींदार द्वारा बुलाया जाना

प्रश्न 5 भक्तिन गांव छोड़कर शहर क्यों चली गई ?

(अ) लगान से बचने के लिए (ब) गांव के जीवन से ऊब जाने के कारण
(स) शहरी जीवन के प्रति आकर्षण के कारण (द) कमाई करने के लिए

उत्तरमाला

1 ब 2 स 3 स 4 अ 5 द

पांचवा गद्यांश

भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था, इसी से किशोरी से युवती होते ही बड़ी लड़की भी विधवा हो गई। भइयऊ से पार न पा सकने वाले जेठों और काकी को परास्त करने के लिए कटिबद्ध जिठौतों ने आशा की एक किरण दिखाई । विधवा बहिन के गठबंधन के लिए बड़ा जिठैत अपने तीतर लडाने वाले साले को बुला लाया, क्योंकि उसका गठबंधन हो जाने पर सब कुछ उन्हीं के अधिकार में रहता। भक्तिन की लड़की भी मों से कम समझदार नहीं थी, इसी से उसने वर को नापसंद कर दिया। बाहर के बहनोई का आना चचेरे भाइयों के लिए सुविधाजनक नहीं था, अतः यह प्रस्ताव जहाँ-का-तहाँ रह गया। तब वे दोनों माँ-बेटी खूब मन लगाकर अपनी संपत्ति की देख-भाल करने लगे और 'मान न मान मैं तेरा मेहमान' की कहावत चरितार्थ करने वाले वर के समर्थक उसे किसी-न-किसी प्रकार पति की पदवी पर अभिषिक्त करने का उपाय सोचने लगे।

(I) भक्तिन के हठी दुर्भाग्य के संबंध में कौन सी अवधारणा शामिल नहीं है?

(क) भक्तिन की माता -पिता का बिछोह

(ख) सौतेली माँ से मिले कष्ट

(ग) परिवार का सुख

(घ) पति की असमय मृत्यु

(II) भक्तिन के जेठ और जिठानियाँ किस बात के लिए कटिबद्ध थे?

(क) भक्तिन की संपत्ति छीनने के लिए

(ख) भक्तिन और उसकी बेटी को अलग करने के लिए

(ग) भक्तिन और उसकी बेटियों को साथ रखने के लिए

(घ) भक्तिन की हर संभव सहायता करने के लिए

(III) भक्तिन की विधवा बेटी का पुनर्विवाह करवाने के मूल में जिठौते की कौन सी मंशा छिपी थी ?

(क) सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वाह

(ख) भक्तिन के साथ अपने रिश्ते का निर्वाह

(ग) भक्तिन की जायदाद पर गिद्धदृष्टि

(घ) चचेरी बहन का घर बसने की शुभेच्छा

(IV) चचेरे भाइयों के लिए असुविधाजनक क्या था?

(क) अपनी पसंद के वर से भक्तिन की बेटी का विवाह होना

(ख) भक्तिन की पसंद के वर से चचेरी बहन का विवाह होना

(ग) भक्तिन की बेटी का पुनर्विवाह होना

(घ) भक्तिन और उसकी बेटी द्वारा जायदाद संभाले रखना

(V) भक्तिन की विधवा पुत्री द्वारा अपने चचेरे भाइयों की पसंद के वर से इंकार करने का मुख्य कारण क्या था?

(क) वर का सुंदर होना

(ख) भक्तिन को वर पसंद न आना

(ग) चचेरे भाइयों की बदनीयती का ज्ञान होना

(घ) जिम्मेदारियां न संभाल पाने का भय होना

उत्तरमाला

1-ग 2-घ 3-ग 4-ख 5-ग

2. बाजार दर्शन-जैनेन्द्र कुमार

पाठ का सारांश-लेखक अपने मित्र की कहानी बताता है कि एक बार वे बाजार में मामूली चीज लेने गए, परंतु वापस बंडलों के साथ लौटे। लेखक के पूछने पर उन्होंने पत्नी को दोषी बताया। लेखक के अनुसार, पुराने समय से पति इस विषय

पर पत्नी की ओट लेते हैं। इसमें मनीबैग अर्थात पैसे की गरमी भी विशेष भूमिका अदा करता है। पैसा पावर है, परंतु उसे प्रदर्शित करने के लिए बैंक-बैलेंस, मकान-कोठी आदि इकट्ठा किया जाता है। पैसे की पर्चेजिंग पावर के प्रयोग से पावर का रस मिलता है। लोग संयमी भी होते हैं। वे पैसे को जोड़ते रहते हैं तथा पैसे के जुड़ा होने पर स्वयं को गर्वीला महसूस करते हैं। मित्र ने बताया कि सारा पैसा खर्च हो गया। मित्र की अधिकतर खरीद पर्चेजिंग पावर के अनुपात से आई थी, न कि जरूरत की।

लेखक कहता है कि फालतू चीज की खरीद का प्रमुख कारण बाज़ार का आकर्षण है। मित्र ने इसे शैतान का जाल बताया है। यह ऐसा सजा होता है कि बेहया ही इसमें नहीं फँसता। बाजार अपने रूपजाल में सबको उलझाता है। इसके आमंत्रण में आग्रह नहीं है। ऊँचे बाजार का आमंत्रण मूक होता है। यह इच्छा जगाता है। हर आदमी को चीज की कमी महसूस होती है। चाह और अभाव मनुष्य को पागल कर देता है। असंतोष, तृष्णा व ईर्ष्या से मनुष्य सदा के लिए बेकार हो जाता है। लेखक का दूसरा मित्र दोपहर से पहले बाज़ार गया तथा शाम को खाली हाथ वापस आ गया। पूछने पर बताया कि बाज़ार में सब कुछ लेने योग्य था, परंतु कुछ भी न ले पाया। एक वस्तु लेने का मतलब था, दूसरी छोड़ देना। अगर अपनी चाह का पता नहीं तो सब ओर की चाह हमें घेर लेती है। ऐसे में कोई परिणाम नहीं होता। बाज़ार में रूप का जादू है। यह तभी असर करता है जब जेब भरी हो तथा मन खाली हो। यह मन व जेब के खाली होने पर भी असर करता है। खाली मन को बाजार की चीजें निमंत्रण देती हैं। सब चीजें खरीदने का मन करता है।

जादू उतरते ही फैंसी चीजें आराम नहीं, खलल ही डालती प्रतीत होती हैं। इससे स्वाभिमान व अभिमान बढ़ता है। जादू से बचने का एकमात्र उपाय यह है कि बाज़ार जाते समय मन खाली न रखो। मन में लक्ष्य हो तो बाजार आनंद देगा। वह आपसे कृतार्थ होगा। बाजार की असली कृतार्थता है-आवश्यकता के समय काम आना। मन खाली रखने का मतलब मन बंद नहीं करना है। शून्य होने का अधिकार बस परमात्मा का है जो सनातन भाव से संपूर्ण है। मनुष्य अपूर्ण है। मनुष्य इच्छाओं का निरोध नहीं कर सकता। यह लोभ को जीतना नहीं है, बल्कि लोभ की जीत है। मन को बलात बंद करना हठयोग है। वास्तव में मनुष्य को अपनी अपूर्णता स्वीकार कर लेनी चाहिए। सच्चा कर्म सदा इस अपूर्णता की स्वीकृति के साथ होता है। अत: मन की भी सुननी चाहिए क्योंकि वह भी उद्देश्यपूर्ण है। मनमानेपन को छूट नहीं देनी चाहिए। लेखक के पड़ोस में भगत जी रहते थे। वे लंबे समय से चूरन बेच रहे थे। चूरन उनका सरनाम (प्रसिद्ध) था। वे प्रतिदिन छह आने पैसे से अधिक नहीं कमाते थे। वे अपना चूरन थोक व्यापारी को नहीं देते थे और न ही पेशगी ऑर्डर लेते थे। छह आने पूरे होने पर वे बचा चूरन बच्चों को मुफ़्त बाँट देते थे। वे सदा स्वस्थ रहते थे। उन पर बाज़ार का जादू नहीं चल सकता था। वे निरक्षर थे। बड़ी-बड़ी बातें जानते नहीं थे। उनका मन अडिग रहता था। पैसा भीख माँगता है कि मुझे लो। वह निर्मम व्यक्ति पैसे को अपने आहत गर्व में बिलखता ही छोड़ देता है। पैसे में व्यंग्य शक्ति होती है। पैदल व्यक्ति के पास से धूल उड़ाती मोटर चली जाए तो व्यक्ति परेशान हो उठता है। वह अपने जन्म तक को कोसता है, परंतु यह व्यंग्य चूरन वाले व्यक्ति पर कोई असर नहीं करता। लेखक ऐसे बल के विषय में कहता है कि यह कुछ अपर जाति का तत्व है। कुछ लोग इसे आत्मिक, धार्मिक व नैतिक कहते हैं। लेखक कहता है कि जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है। संचय की तृष्णा और वैभव की चाह में व्यक्ति की निर्बलता ही प्रमाणित होती है। वह मनुष्य पर धन की और चेतन पर जड़ की विजय है। एक दिन बाज़ार के चौक में भगत जी व लेखक की राम-राम हुई। उनकी आँखें खुली थीं। वे सबसे मिलकर बात करते हुए जा रहे थे। लेकिन वे भौचक्के नहीं थे और ना ही वे किसी प्रकार से लाचार थे। भाँति-भाँति के बढ़िया माल से चौक भरा था किंतु उनको मात्र अपनी जरूरत की चीज से मतलब था। वे रास्ते के फैंसी स्टोरों को छोड़कर पंसारी की दुकान से अपने काम की चीजें लेकर चल पड़ते हैं। अब उन्हें बाजार शून्य लगता है। फिर चाँदनी बिछी रहती हो या बाज़ार के आकर्षण बुलाते रहें, वे उसका कल्याण ही चाहते हैं।

लेखक का मानना है कि बाज़ार को सार्थकता वह मनुष्य देता है जो अपनी जरूरत को पहचानता है। जो केवल पर्चेजिंग पॉवर के बल पर बाज़ार को व्यंग्य दे जाते हैं, वे न तो बाजार से लाभ उठा सकते हैं और न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। ये कपट को बढ़ाते हैं जिससे सद्भाव घटता है। सद्भाव नष्ट होने से ग्राहक और बेचक रह जाते हैं। वे एक-दूसरे को ठगने की घात में रहते हैं। ऐसे बाज़ारों में व्यापार नहीं, शोषण होता है।

कपट सफल हो जाता है तथा बाजार मानवता के लिए विडंबना है और जो ऐसे बाजार का पोषण करता है जो उसका शास्त्र बना हुआ है, वह अर्थशास्त्र सरासर औंधा है, वह मायावी शास्त्र है, वह अर्थशास्त्र अनीतिशास्त्र है।

पहला गद्यांश

उनका आशय था कि यह पत्नी की महिमा है। उस महिमा का मैं कायल हैं। आदिकाल से इस विषय में पति से पत्नी की ही प्रमुखता प्रमाणित है। और यह व्यक्तित्व का प्रश्न नहीं जीव का प्रश्न है। स्त्री माया न जोड़े, तो क्या मैं जोड़ें। फिर भी सच सच है और वह यह कि इस बात में पत्नी की ओट ली जाती है। मूल में एक और तत्व की महिमा सविशेष है। वह तत्त्व है मनीबैग, अर्थात पैसे की गरमी या एनर्जी। पैसा पावर है। पर उसके सबूत में आस-पास माल-टाल न जमा हो तो क्या वह खाक पावर है. पैसे को देखने के लिए बैंक-हिसाब देखिए, पर माल-असबाब मकान-कोठी तो अनदेखें भी दीखते हैं। पैसे की इस पर्चेजिंग पावर के प्रयोग में ही पावर का रस है। लेकिन नहीं। लोग संयमी भी होते हैं। वे फ़िल सामान को फ़िज़ूल समझते हैं। वे पैसा बहाते नहीं हैं और बुद्धमान होते हैं। बुद्ध और संयमपूर्वक वे पैसे को जोड़ते जाते हैं, जोते जाते हैं। वे पैसे की पावर को इतना निश्चय समझते हैं कि इसके प्रयोग की परीक्षा उन्हें दरकार नहीं है। बस खुद पैसे के । होने पर उनका मन गर्व से भरा फूला रहता है।

1. लेखक के अनुसार पत्नी की महिमा का क्या कारण हैं।
क) उसका महत्त्वपूर्ण होना
ख) उसका महत्त्वहीन होना
ग) उसका शिक्षित होना
घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. सामान्य लोग अपनी पावर का प्रदर्शन किस तरह करते हैं?
क) कम खर्च करके
ख) वस्तु परअधिक खर्च करके
ग) टैक्स भरकर
घ) केवल अच्छा खा-पीकर

3. आपके अनुसार स्त्री की आड़ में किस सच को छिपाया जा रहा है?
क) मनी बैग लुटा कर
ख) मनी बैग खोलकर
ग) मनी बैग की गर्मी/पावर दिखाकर
घ) अपने किसी झूठ को

4. सामान्यतः संयमी व्यक्ति क्या करते है?
क) पैसे की शान दिखाते हैं
ख) पैसे को बुद्धि और संयम से पावर बनाते हैं
ग) पर्चेसिंग पावर दिखाते हैं
घ) फ़िज़ूल खर्च करते हैं

5. पावर का असली रस किस में समझा जाता है?
क) कम खर्ची में
ख) अच्छी सेहत में
ग) पर्चेजिंग पावर में
घ) पैसे की गर्मी में

उत्तर : 1 ग 2 ख 3 ग 4 ख 5 ग

दूसरा गद्यांश

बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लें, वह भी लें। सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है।

1. 'बाज़ार का जादू' आँख की राह से काम करता है?

क) हम हर वस्तु से नजरें चुरा लेते हैं
ख) हम हर वस्तु को देखकर लालायित हो उठते हैं
ग) हम आँखें बंद कर लेते हैं
घ) हम जादू-टोने पर विशवास करने लगते हैं

2. खाली मन से क्या तात्पर्य है ?

क) मन उचाट होना
ख) मन में किसी वस्तु के प्रति इच्छा विशेष न होना
ग) मन काबू में न होना
घ) मन उदास होना

3. बाजार का जादू किन स्थितियों में सर्वाधिक प्रभावित करता है?

क) जेब और मन भरे हों
ख) जेब भरी और मन खाली हो
ग) जेब खाली और मन भी खाली हो
घ) विकल्प ख) एवं ग) दोनों

4. कैसी इच्छा-शक्ति वाले लोग बाजार के जादू से मुक्त नहीं हो सकते?

क) दृढ़ इच्छाशक्ति वाले
ख) कमज़ोर इच्छाशक्ति वाले
ग) विकल्प 1 और 2 दोनों
घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. बाज़ार का जादू कैसा है ?

क) कमज़ोर करने वाला
ख) मजबूत करने वाला
ग) चुम्बक की तरह खींचने वाला
घ) धन प्रदान करने वाला

उत्तर 1ख 2 ख 3 ग 4 क 5 ग

तीसरा गद्यांश

पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है। वह यह कि बाजार जाओ तो मन खाली न हो। मन खाली हो, तब बाज़ार में न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का तपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाज़ार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाज़ार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाज़ार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना।

1. बाजार के जादू की पकड़ से बचने का सीधा-सा उपाय क्या हैं?

क) खाली मन बाज़ार जाओ

ख) भरे मन बाज़ार जाओ

ग) कुछ खरीदना न भी हो तो बाज़ार जाओ

घ) जब पैसे हो तब ही बाज़ार जाओ

2. मनुष्य को बाज़ार कब नहीं जाना चाहिए ?

क) खाली मन

ख) भरे मन

ग) भरी जेब

घ) पत्नी के साथ

3. बाज़ार की सार्थकता किसमें है?

क) हमारी इच्छा पूरी करने में

ख) हमारी आवश्यकता पूरी करने में

ग) अच्छी सेल लगाने में

घ) सस्ती वस्तुएं उपलब्ध करवाने में

4. बाज़ार से कब आनन्द मिलता हैं?

क) जब ग्राहक को सस्ती वस्तु मिले

ख) जब अच्छी खासी छूट मिले

ग) जब लक्ष्य स्पष्ट हो भटकाव न हो

घ) जब उधार पर सामन मिल सके

5. बाज़ार की सच्ची कृतार्थता कब है?

क) सस्ती वस्तु उपलब्ध करवाने में

ख) आवश्यकता के समय काम आना

ग) जब महँगाई हो

घ) जब उधार पर सामन मिल सके

उत्तर: 1ख 2 क 3 ख 4 ग 5 ख

चौथा गद्यांश

हाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति-ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाज़ार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी।

1. बाज़ार को सार्थकता कौन देते है ?

क) खूब खरीदारी करने वाले

ख) कम खरीदारी करने वाले

ग) जरूरत की खरीदारी करने वाले

घ) एक साथ कई वस्तुएं खरीदने वाले

2. 'पर्चेजिंग पावर' का क्या तात्पर्य है ?

क) खरीदने की शक्ति

ख) बेचने की शक्ति
ग) मोल-भाव करने की शक्ति
घ) अधिक खरीदने की शक्ति

3. ....लोग बाज़ार का बाजारूपन बढ़ाते हैं?
क) विक्रय-शक्ति से संपन्न लोग
ख) क्रय-शक्ति से संपन्न लोग
ग) जरूरत मंद लोग
घ) अधिक छूट लेने वाले लोग

4. बाज़ारवाद परस्पर सद्भाव में ह्रास कैसे लाता हैं।
क) जब जरूरत की चीजें खरीदी जाती हैं
ख) जब बिना जरूरत की चीजें खरीदी जाती हैं
ग) जब ऊँचे मूल्य पर चीजें खरीदी जाती हैं
घ) जब छूट के साथ चीजें खरीदी जाती हैं

5. बाज़ार को पर्चेजिंग पावर वाले लोगों की क्या देन हैं?
क) सकारात्मक शक्ति
ख) विनाशक शक्ति
ग) पर्चेजिंग शक्ति
घ) विक्रय शक्ति

उत्तर: 1 ग 2 क 3 ख 4 ख 5 ख

3. काले मेघा पानी दे-धर्मवीर भारती

पाठ सारांश-'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में लोक-प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वंद्व का चित्रण किया गया है। विज्ञान का अपना तर्क है और विश्वास का अपना सामर्थ्य| इनकी सार्थकता के विषय में शिक्षित वर्ग असमंजस में है। लेखक ने इसी दुविधा को लेकर पानी के संदर्भ में प्रसंग रचा है। आषाढ़ का पहला पखवाड़ा बीत चुका है। ऐसे में खेती व अन्यकार्यों के लिए पानी न हो तो जीवन चुनौतियों का घर बन जाता है। यदि विज्ञान इन चुनौतियों का निराकरण नहीं कर पाता तो उत्सवधर्मी भारतीय समाज किसी-न-किसी जुगाड़ में लग जाताहै, प्रपंच रचता है और हर कीमत पर जीवित रहने के लिए अशिक्षा तथा बेबसी के भीतर से उपाय और काट की खोज करता है।

पाठ सारांश पर आधारित अतिलघूत्तरात्मकप्रश्न :

1-लेखक ने जीजी की किस बात को मानने से इनकार कर दिया?

उत्तर-लेखक ने इन्दर सेना पर पानी फेंकने से इनकार कर दिया था |

2-जीजी ने रूठे लेखक को किस प्रकार मनाया?

उत्तर-लेखक को विभिन्न तर्कों के द्वारा समझाया

3.-'गगरी फूटी बैल पियासा' के माध्यमसे लेखक ने आज के समाज की किस समस्या को दर्शाया है?

उत्तर- भ्रष्टाचार

4.-जीजी सभी धार्मिक कार्य लेखक के हाथों से क्यों करवाती थी?

उत्तर-सब का पुण्य लेखक को ही मिले

5.-जीजी गाँधीजी की बातें कब से करनेलगी थी?

उत्तर-जब से जीजी का लड़का आन्दोलन में पुलिस की लाठी खा चुका था

6.-'काले मेघा पानी दे' पाठ में मेढक मंडली के लोग पानी के साथ क्या माँगते थे?

उत्तर - गुड़धानी
7-'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी अक्सर किस नेता की बात करती थी?
उत्तर-गाँधी जी की
8-'काले मेघा पानी दे' में लेखक ने किसे निर्मम बर्बादी कहा है?
उत्तर-पानी
9- जो चीज़ मनुष्य पाना चाहता है, उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे – यह कथन किसका है?
उत्तर-जीजी का
10.-किस वस्तु का दान महत्त्वपूर्ण है?
उत्तर-जो वस्तु तुम्हारे पास बहुत कम है
11-'काले मेघा पानी दे' में लेखक ने किस भाषा का प्रयोग किया है?
उत्तर-सामान्य बोलचाल की ब्रजभाषा का
12.'काले मेघा पानी दे' में किस के द्वंद का सुन्दर चित्रण किया है
उत्तर- प्रचलित विश्वास और विज्ञान
13.लेखक किसका विरोध करता था?
उत्तर- अंधविश्वासों का
14. इस गद्यांश में लेखक क्या संदेश देता है?
उत्तर- हमारे मन में देश के लिए त्याग की भावना होनी चाहिए
15. 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी अक्सर किस नेता की बात करती थी?
उत्तर- गाँधी जी की

पहला गद्यांश

"शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब होती थी| जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर हो जाती, फिर उसमें पपड़ी पड़ कर ज़मीन फटने लगती, लू ऐसी कि चलते-चलते आदमी आधे रास्ते में लू खा कर गिर पड़े| ढोर-ढंगर प्यास के मारेमरने लगते, लेकिन बारिश का कहीं नाम-निशान नहीं, ऐसे में पूजा-पाठ कथा-विधान सब करके लोग जबहार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती यह इंदर सेना| वर्षा के बादलों के स्वामी हैं, इंद्र और इंद्र की सेना टोली बांध कर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए| पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो| एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों और पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर-भर कर इन पर क्यों फेंकते हैं| कैसी निर्मम बरबादी है पानी की|"

(i) गाँव की हालत खराब क्यों होती थी?
(1) बाढ़ के कारण
(2) सूखे के कारण
(3) भूकंप के कारण
(4) महामारी के कारण
(ii) गाँव के कैसे दृश्य का वर्णन है?
(1) जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर हो जाती
(2) भयंकर लू चलती

(3) ढोर-ढंगर प्यास के मारे मरने लगते
(4) सभी विकल्प ठीक हैं

(iii) गाँव के लोग बरसात के लिए क्या उपाय करते?
(1) पूजा-पाठ आदि अनुष्ठान करते
(2) सरकार से प्रार्थना करते
(3) गाँव छोड़कर चले जाते
(4) सभी विकल्प ठीक हैं

(iv) इंदर-सेना किसे प्रसन्न करने का प्रयास करती थी?
(1) भगवान शिव को
(2) वर्षा के राजा इंद्र को
(3) लोगों को
(4) सभी विकल्प ठीक हैं

(v) लेखक को क्या बात समझ नहीं आती थी?
(1) लोग पूजा पाठ क्यों करते हैं
(2) इंदर सेना क्यों बनी है
(3) लोग इतनी कठिनाई से इकट्ठा किया पानी बरबाद क्यों कर रहे हैं
(4) सभी विकल्प ठीक है

उत्तरमाला- i – 2, ii – 4, iii–1, iv – 2, v – 3

दूसरा गद्यांश

"हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं परत्याग का कहीं नामो-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जांचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दलके दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल प्यासेके प्यासे रह जाते हैं। आखिर कब बदलेगी ये स्थिति ??...

(i) आज हम देश के लिए क्या नहीं करना चाहते?
(1) सेवा
(2) त्याग
(3) मेहनत
(4) कोई भी विकल्प ठीक नहीं है

(ii) हम चटखारे लेकर क्या करते हैं?
(1) भ्रष्टाचार
(2) अपने भ्रष्टाचार की बातें
(3) दूसरों के भ्रष्टाचार की बातें
(4) सभी विकल्प ठीक हैं

(iii) हमारा एकमात्र लक्ष्य क्या रह गया है?
(1) समाजसेवा
(2) स्वार्थसिद्धि
(3) भ्रष्टाचार
(4) त्याग

(iv) काले मेघा उमड़ने के बावजूद गगरी फूटी और बैल प्यासा क्यों रह जाता है?

(1) हमारे अपने भ्रष्टाचार के कारण

(2) बारिश न होने के कारण

(3) गगरी और बैल में ही कमी होने के कारण

(4) कोई भी विकल्प ठीक नहीं है

(v) इस गद्यांश में लेखक क्या संदेश देता है?

(1) हमें दूसरों के काम पर ध्यान देना चाहिए

(2) हमें सभी को पानी पिलाना चाहिए

(3) हमें दूसरों के भ्रष्टाचार की बातें करनी चाहिए

(4) हमारे मन में देश के लिए त्याग की भावना होनी चाहिए

उत्तरमाला- i – 2, ii – 3, iii –2, iv – 1, v – 4

7.'आरोह भाग-2' पुस्तक के पठित पाठों (काव्य-खंड एवं गद्य-खंड दोनों) से सीधे पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर (पाठों के क्रम के अनुसार)

1. दिन जल्दी जल्दी ढलता है-हरिवंशराय बच्चन

प्रश्न -1 दिन जल्दी-जल्दी ढलता है गीत किसके द्वारा लिखित है?

क) हरिवंश राय बच्चन ख) आलोक धन्वा
ग) कुंवर नारायण घ) रघुवीर सहाय

प्रश्न -2 हरिवंश राय बच्चन किस वाद के प्रवर्तक माने जाते हैं ?

क) समाजवाद ख) पूंजीवाद ग) प्रयोगवाद घ) हालावाद

प्रश्न-3 दिन जल्दी जल्दी ढलता है - कविता हरिवंश राय बच्चन के किस काव्य संग्रह से ली गई है ?

क) मधुशाला ख) मधुबाला ग) आत्मपरिचय घ) निशा निमंत्रण

प्रश्न-4 हरिवंश राय बच्चन किस मंत्रालय में हिंदी विशेषज्ञ थे ?

क) सूचना मंत्रालय ख) गृह मंत्रालय
ग) रक्षा मंत्रालय घ) विदेश मंत्रालय

प्रश्न-5 दिन जल्दी जल्दी ढलता है कविता में कवि हताश और दुखी क्यों है ?

क) आर्थिक हानि के कारण ख) परिवार से बिछुड़ने के कारण
ग) अपराध के कारण घ) इनमे से कोई नहीं

प्रश्न -6 'एक गीत' कविता में कवि ने समय को कैसा माना है?

क) स्थिर ख) परिवर्तनशील ग) तीव्र घ) उग्र

प्रश्न -7 शीघ्र अपने बच्चों के पास पहुँचने की इच्छा चिड़िया की किस क्रिया से प्रकट होती है

क) चहचहाने से ख) तेज़ उड़ने से
ग) पीड़ा में तड़पने से घ) जल्दी-जल्दी दाना चुगने से

प्रश्न -8 दिन जल्दी जल्दी ढलता है कविता में दिन का पंथी किसे माना गया है ?

क) कवि को ख) सूर्य को ग) चिड़िया को घ) उक्त सभी को

प्रश्न -9 नीड का निर्माण फिर-फिर एक –

क) आत्मकथा ख) डायरी ग) खंड काव्य घ) काव्यसंग्रह

प्रश्न -10 "दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता में कवि हताश और दुखी क्यों है?

क) पत्नी से तलाक होने के कारण ख) प्रियतमा की निष्ठुरता के कारण
ग) संतान सुख से वंचित होने के कारण घ) परिवार से बिछुड़ने के कारण

उत्तर संकेत-

1 -क 2-घ , 3- घ, 4- घ, 5-ख, 6-ख, 7-ख, 8-ख 9-क, 10- घ

2. कविता के बहाने–कुँवर नारायण

प्रश्न 16." कविता के बहाने " कविता किस कवि के द्वारा रचित है ?

(क) शमशेर बहादुर सिंह
(ख) रघुवीर सहाय
(ग) कुँवर नारायण

(घ) आलोक धन्वा

प्रश्न17. " कविता के बहाने " कविता किस काव्य संग्रह से अवतरित है ?

(क) निशा निमंत्रण

(ख) आत्मजयी

(ग) इन दिनों

(घ) कोई दूसरा नहीं

प्रश्न 18. निम्न में से कौनसा काव्य संग्रह कुँवर नारायण का नहीं है ?

(क) निशा निमंत्रण

(ख) आत्मजयी

(ग) कोई दूसरा नहीं

(घ) इन दिनों

प्रश्न 19." कविता के बहाने " कविता में किस भाषा का प्रयोग हुआ है ?

(क) ब्रज भाषा

(ख) साहित्यिक संस्कृत भाषा

(ग) साहित्यिक खडी बोली

(घ) अवधी भाषा

प्रश्न 20. कविता को कवि कुँवर नारायण ने किसके समान बताया है ?

(क) फूलों के समान

(ख) बच्चों के समान

(ग) चिडियाँ के समान

(घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 21. कविता के बहाने कविता का प्रमुख उद्देश्य है ?

(क) बच्चों सी चंचलता व नवीन उर्जा का संचार करना

(ख) प्रेम ,सहयोग , व भाईचारे की भावना का विकास करना

(ग) समाज में सभी को एक समान भाव से देखने की प्रवृती विकसित करना

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 22. कालांतर तक मानव सभ्यता को प्रभावित करते हैं ?

(क) कविता के शब्द

(ख) कविता की आलंकारिकता

(ग) कविता में निहित भाव और मूल्य

(घ) कविता की गेयता

प्रश्न 23 . कविता के बहाने, कविता के अनुसार समाज से भेदभाव कब समाप्त हो सकते हैं ?

(क) एकसमान भाव से देखने पर

(ख) पथ प्रशस्त करने से

(ग) गुहार लगाने से

(घ) सहायता करने से

प्रश्न 24.कविता के बहाने कविता है ?

(क) छंदबद्ध कविता

(ख) छंदमुक्त कविता

(ग) गेयात्मक

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर संकेत –

16. (ग) 17.(ग) 18. (क) 19. (ग) 20. (ख) 21 (घ) 22 (ग) 23 (क) 24 (ख)

3. कैमरे में बंद अपाहिज-रघुवीर सहाय

1. 'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे हम समर्थ शक्तिवान'-का निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(1) इन पंक्तियों में संवेदना की ध्वनित अभिव्यक्ति है, पत्रकारिता के सामाजिक सरोकारों को दर्शाया गया है।

(2) इन पंक्तियों में अहं की ध्वनित अभिव्यक्ति है , पत्रकारिता का बढ़ता वर्चस्व दर्शाया गया है ।

(3) इन पंक्तियों में अहं की ध्वनित अभिव्यक्ति है , पत्रकारिता की संवेदनशीलता को दर्शाया गया है।

(4) इन पंक्तियों में दिव्यांग की सहज और पत्रकारिता की क्रूर अभिव्यक्ति है।

2. हम एक दुर्बल को लाएँगे– पंक्ति का व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए।

(1) पत्रकारिता के क्षेत्र में क्रूरता का खोखला प्रदर्शन एक परिपाटी बन गई है।

(2) पत्रकारिता के क्षेत्र में ममता का खोखला प्रदर्शन एक परिपाटी बन गई है।

(3) पत्रकारिता के क्षेत्र में करुणा का खोखला प्रदर्शन एक परिपाटी बन गई है।

(4) पत्रकारिता के क्षेत्र में साम्प्रदायिकता का खोखला प्रदर्शन एक परिपाटी बन गई है।

3. आप क्या अपाहिज हैं**?** तो आप क्यों अपाहिज हैं**? -** पंक्ति द्वारा कवि किस विशिष्ट अर्थ की अभिव्यक्ति करने में सफल हुआ है**?**

(1) पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का अधैर्य व्यक्त हुआ है।

(2) पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते संवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का अधैर्य व्यक्त हुआ है।

(3) पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते करुणा बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का अधैर्य व्यक्त हुआ है।

(4) पत्रकारिता में व्यावसायिकता के चलते संवेदनहीनता बढ़ती जा रही है। यहाँ अपेक्षित उत्तर प्राप्त करने का धैर्य व्यक्त हुआ है।

4. 'कैमरे में बंद अपाहिज ' कविता किस काव्य संग्रह से ली गई है –

1. लोग भूल गए है 2. लोग याद रखते है 3. अपनों की याद 4. भूल गए

5. ' इस कविता में किस पर व्यंग्य किया गया है –

1. दर्शकों पर 2. कैमरामैन पर

3. मीडिया की व्यावसायिकता पर 4. समाज पर

6. दूरदर्शन पर किस उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम दिखाया जा रहा है **?**

1.धार्मिक 2.सामाजिक 3.राजनैतिक 4.वैज्ञानिक

7. 'दोनों को एक साथ रुलाने से ' किसकी ओर संकेत किया जा रहा है **?**

1. अपाहिज व्यक्ति और उसका परिवार 2. अपाहिज व्यक्ति और दर्शक

3. मीडियाकर्मी और दर्शक 4 . उपर्युक्त सभी

8. कार्यक्रम के आयोजक अपाहिज व्यक्ति से क्या प्रश्न पूछते है **?**

1. क्या आप अपाहिज है ? 2. आप अपाहिज क्यों है ?

3. आपका अपाहिजपन तो दुख देता होगा ? 4. उपर्युक्त सभी

9. अभिकथन और कारण को ध्यान पूर्वक पढ़कर सही विकल्प चयन कीजिए –

अभिकथन – हमें दिव्यांग (अपाहिज) लोगों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए |

कारण- दिव्यांग (अपाहिज) व्यक्ति भी हमारे ही समाज एवं देश के नागरिक है |

1.अभिकथन और कारण दोनों सही है 2. अभिकथन सही और कारण गलत है

3. अभिकथन गलत और कारण सही है 4. अभिकथन और कारण दोनों गलत है

10. दिए गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए –

(अ) कथन – अतिशय व्यावसायिकता की प्रवृत्ति का होना अच्छी बात है |

(ब) कथन – व्यावसायिकता के साथ मानवता का होना भी आदर्श समाज के लिए आवश्यक है |

1. दोनों कथन सही है 2. दोनों कथन गलत है

3. केवल कथन 'अ' सही है 4. केवल कथन 'ब' सही है

11. कथन – 'कैमरे में बंद अपाहिज कविता' एक बेहतरीन कविता है |

कारण – **1.** वह अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा को भलीभाँति प्रकट करती है |

कारण – **2.** इस कविता के माध्यम से कवि ने मीडियाकर्मियों के साथ – साथ समाज को भी संवेदनशील बनाने का संदेश दिया गया है |

1. केवल 1 कारण सही है 2. केवल कारण 2 सही है

3. 1 और 2 दोनों कारण सही है 4. 1 और 2 दोनों ही कारण गलत है

12. उक्त काव्यांश की भाषिक विशेषता है **?**

1) प्रतीक का प्रयोग 2) कोष्ठकों का प्रयोग 3) अलंकार प्रयोग 4) प्रतीक का प्रयोग

13. इस कविता के कवि का नाम लिखिए **-**

1) रघुवीर सिंह 2) आलोक धन्वा 3) रघुवीर सहाय 3) रघुवीर प्रसाद

14. दूरदर्शन वालों के अनुसार कार्यक्रम में क्या कमी रह गई **?**

(1) दर्शक रोने लगते है

(2) वे दर्शक और अपाहिज को एक साथ रुलाने में सफल हो गए

(3) वे दर्शक और अपाहिज को एक साथ रुलाने में असफल हो गए

(4) इनमे से कोई नही

15. हम दूरदर्शन पर बोलेंगे , हम समर्थ शक्तिवान' पंक्ति में भाव है –

1) दया का 2) करुणा का 3) ईर्ष्या का 4) अहं का

उत्तर संकेत :-

प्रश्न	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
उत्तर	2	3	1	1	3	2	2	4	1	4	3	2	3	3	4

4. सहर्ष स्वीकारा है-गजानन माधव मुक्तिबोध

(1) गजानन माधव मुक्तिबोध हिंदी साहित्य की कौनसी धारा के कवि है?

(अ) प्रयोगवाद के
(ब) प्रगतिवाद के
(स) नई कविता के
(द) साठोत्तरी कविता के

(2) निम्नलिखित में से गजानन माधव मुक्तिबोध का जन्म वर्ष तथा जन्म स्थान कौनसा है?

(अ) 1923 नागपुर
(ब) 1917 श्योपुर
(स) 1925 इंदौर
(द) 1917 जयपुर

(3) गजानन माधव मुक्तिबोध की कविताओं को सर्वप्रथम किस पत्रिका में स्थान मिला?

(अ) द्वीतिय सप्तक में
(ब) धर्मयुग में
(स) तारसप्तक में
(द) केसरी में

(4) सहर्ष स्वीकारा है कविता का मूल भाव क्या है?

(अ) प्रियजन को भूलकर अपना जीवन जीना चाहिए
(ब) प्रियजन में पूर्ण विश्वास रखना चाहिए
(स) जो भी दंड मिले उसे सहर्ष स्वीकार करना चाहिए
(द) जीवन में जो भी मिला है उसे सहर्ष स्वीकार करना चाहिए

(5) निम्नलिखित रचनाकारों को तथा उनकी रचना को सुमेलित कीजिए-

(a) कुँवरनारायण	(i) सहर्ष स्वीकारा है
(b) हरिवंशराय बच्चन	(ii) कैमरे में बंद अपाहिज़
(c) गजानन माधव मुक्तिबोध	(iii) दिन जल्दी जल्दी ढलता है
(d) रघुवीर सहाय	(iv) कविता के बहाने

	(a)	(b)	(c)	(d)
(अ)	(i),	(ii),	(iv),	(iii)
(ब)	(iii),	(iv),	(ii),	(i)
(स)	(iv),	(iii),	(i),	(ii)
(द)	(ii),	(iii),	(iv),	(i)

(6) निम्न कविताएँ जिस काव्य संग्रह से ली गई है, उससे मिलान कीजिए-

(a) सहर्ष स्वीकारा है	(i) लोग भूल गए है
(b) कविता के बहाने	(ii) निशा निमंत्रण
(c) कैमरे में बंद अपाहिज़	(iii) भूरी भूरी खाक धूल
(d) दिन जल्दी जल्दी ढलता है	(iv) इन दिनों

	(a)	(b)	(c)	(d)
(अ)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(ब)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(स)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(द)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

(7) 'मौलिक' शब्द में मूल शब्द है?

(अ) मौलि
(ब) मौल
(स) मूल
(द) इक

(8) गजानन माधव मुक्तिबोध की कविताओं में किस संरचना के कारण लम्बे वाक्य होते है?

(अ) वाक्य विन्यास संरचना के कारण
(ब) शब्द विन्यास संरचना के कारण
(स) दार्शनिक संरचना के कारण
(द) मराठी संरचना के कारण

(9) सहर्ष स्वीकारा है कविता में जीवन के संघर्ष- अवसाद, उठा- पटक, सुख- दुःख को किस भाव से स्वीकार करने की प्रेरणा मिलती है?

(अ) सम्यक भाव से
(ब) अनमने भाव से
(स) गम्भीरता के भाव से
(द) गर्व के भाव से

(10) निम्नलिखित में से सही कथन का चुनाव कीजिए-

(अ) गरबीली गरीबी में रूपक अलंकार है
(ब) गरबीली विशेष्य तथा गरीबी विशेषण है
(स) गरबीली विशेषण तथा गरीबी विशेष्य है
(द) गरबीली उपमेय तथा गरीबी उपमान है

(11) सही कथन का चुनाव कीजिए-

कथन (i) कवि ने अपने वैचारिक वैभव को मौलिक माना है

कथन (ii) कवि ने अपने व्यक्तित्व की दृढ़ता को मौलिक माना है

कथन (iii) कवि ने अपने दुःखो को मौलिक माना है

कथन (iv) कवि ने अपने अंतर्मन की भावनाओं को मौलिक माना है

(अ) केवल (i), (iii), तथा (iv) सही है

(ब) केवल (ii), (iii), तथा (iv) सही है

(स) सभी सही है

(द) केवल (i), (ii), तथा (iv) सही है

(12) गजानन माधव मुक्तिबोध ने अपने प्रियजन की तुलना किससे की है?

(अ) मुस्कुराते हुए चाँद से
(ब) मीठे पानी के झरने से
(स) पाताली अँधेरी गुहाओं के विवरों से
(द) धूएँ के बादलों से

(13) कवि गजानन माधव मुक्तिबोध के लिए रमणीय उज़ाला असहनीय क्यों हो गया है?

(अ) कवि आत्मनिर्भर बनना चाहता है
(ब) स्नेह की अतिशयता से कवि डरने लगा है
(स) प्रियजन के रमणीय उज़ाले ने कवि को चारों ओर से घेर लिया है
(द) उपर्युक्त सभी

(14) कवि गजानन माधव मुक्तिबोध को ममता के बादल की कोमलता भीतर से पीड़ा क्यों देती है?

(अ) कवि ममता के बादलों की कोमलता को सहर्ष रूप से स्वीकार नहीं कर पा रहा है
(ब) कवि धूएँ के बादलों में लापता हो जाना चाहता है
(स) कवि सचमुच के दंड की याचना कर रहा है
(द) प्रियजन के अतिशय स्नेह से कवि की आत्मा कमज़ोर और अक्षम हो गई है

(15) अपने प्रियजन को भूलना चाह कर भी कवि ऐसा क्यों नहीं कर पाता?

(अ) कवि को प्रियजन के हमेशा अपने आस- पास रहने का अहसास रहता है
(ब) कवि के जीवन में जो भी है वह उसी प्रियजन की प्रेरणा के कारण है
(स) अपनी प्रत्येक उपलब्धि में कवि को उसी का अस्तित्व समर्थन महसूस होता है
(द) उपर्युक्त सभी

(16) 'आच्छादित' शब्द में कौनसा प्रत्यय है?

(अ) इत
(ब) ईत
(स) दित
(द) आच्छाद

(17) दिल में किस प्रकार का झरना बह रहा है?

मीठे पानी के सोते से क्या तात्पर्य है?

(अ) संवेदनाओं का
(ब) गंभीर विचारों का
(स) कभी समाप्त ना वाले स्नेह से

(द) व्यक्तित्व की दृढ़ता से

(18) कवि गजानन माधव मुक्तिबोध रमणीय उज़ाले को छोड़कर गहन अंधकार में क्यों जाना चाहता है?

(अ) कवि अपनी उपलब्धियों से निराश हो गया है
(ब) आत्मनिर्भर बनने के लिए
(स) अपना क्षोभ प्रकट करने के लिए
(द) अपने स्वाभिमान की वज़ह से

(19) कवि गजानन माधव मुक्तिबोध ने अपने प्रियजन की आत्मीयता को किस प्रकार की बताया है?

(अ) दंडित करने वाली
(ब) दुःख पहुँचाने वाली
(स) बहलाने सहलाने वाली
(द) निराश कर देने वाली

(20) कविता के माध्यम से बताइए कि कवि के लिए क्या असंभव है?

(अ) अपने प्रियजन को भूल जाना, उससे दूर चले जाना

(ब) पाताली अँधेरी गुफाओं में खो जाना, धुएँ के बादलों में लापता हो जाना

(स) दक्षिणी ध्रुव पर जाना, अंधकार में डूब जाना

(द) सचमुच का दंड पाना, विवरों में खो जाना

उत्तर संकेत – (1) स, (2) ब, (3) स, (4) द, (5) स, (6) ब, (7) स, (8) द, (9) अ, (10) स, (11) द, (12) अ, (13) द, (14) द, (15) द, (16) अ, (17) स, (18) ब, (19) स, (20) अ

5. भक्तिन-महादेवी वर्मा

1. भक्तिन में कौन सा दुर्गुण है ?
(अ) झूठ बोलने का
(ब) इधर-उधर रखे हुए पैसे छुपाने का
(स) स्वयं के स्वभाव में परिवर्तन न करना
(द) उक्त सभी।

2. भक्तिन के आ जाने से महादेवी मैं क्या परिवर्तन हुआ?
(अ) वह खुश रहने लगी
(ब) वह ग्रामीण भोजन करने लगी
(स) वह ऊब गई
(द) कुछ परिवर्तन नही हुआ

3.भक्तिन को किसका डर लगता है?
(अ) कुत्ते से (ब) चिड़िया से (स) कारागार की ऊंची दीवारों से (द)या किसी से भी नहीं

4.लेखिका ने "नरो वा कुंजरो वा" वाक्यांश किस संदर्भ में कहा है?
(अ) महाभारत का प्रसंग बताने के लिए
(ब) भक्तिन के चरित्र के विषय में बताने के लिए
(स) नर और कुंजर का अर्थ स्पष्ट करने के लिए
(द) मनुष्य और देवता में अंतर बताने के लिए

5. भक्तिन द्वारा भंडार घर की मटकी में छुपा कर रखे गए रुपयों को चोरी न मानने के पीछे क्या तर्क दिया गया है?
(अ) यह आपातकाल के लिए बचाई गई राशि है
(ब) यह धन के अपव्यय को रोकना है
(स) यह भक्तिन की स्वयं की कमाई है
(द) यह धन का एक स्थान पर संचयन है
6. भक्तिन के जीवन का परम कर्तव्य किसे कहा गया है?
(अ) अपना जीवन सुधारना
(ब) लेखिका को प्रसन्न रखना
(स) चोरी करना
(द) लेखिका का विरोध करना वहीं पर
7. भयभीत होने पर भी भक्तिन लेखिका के साथ कहाँ जाने के लिए तैयार थी?
(अ) स्वर्ग (ब) गांव (स) तीर्थ स्थान (द)कारागार
8.भक्तिन के पैतृक गांव का नाम क्या था?
(अ)फर्रुखाबाद (ब)झूँसी (स) डुमराव (द)पटना
9.भक्तिन के चरित्र में (व्यक्तित्व में)कौन सा गुण नहीं था?
(अ)कर्तव्यनिष्ठा (ब)सत्यवादिता (स)समर्पण भाव (द)त्याग की प्रवृत्ति
10. भक्तिन का जीवन कैसा था?
(अ)दर्द भरा (ब)प्रसन्नता भरा (स)संघर्ष भरा (द) नफरत भरा
उत्तरमाला
1.अ 2.ब 3. स 4. ब 5. अ 6. ब 7. द 8. ब 9. ब 10. स

6. बाज़ार दर्शन-जैनेन्द्र कुमार

1. बाज़ार दर्शन पाठ किस विधा की रचना हैं?
(i) कहानी
(ii) जीवनी
(iii) निबन्ध
(iv) संस्मरण
2. जैनेंद्र कुमार के किस उपन्यास ने उन्हें मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार के रूप में प्रतिष्ठा दिलाई ?
(i) सुनीता
(ii) त्यागपत्र
(iii) अनाम स्वामी
(iv) परख
3. लेखक ने बाज़ार दर्शन पाठ में चूरन वाले को अकिंचित्कर कहा हैं जिसका अर्थ है:-
(i) भिखारी
(ii) अर्थहीन
(iii) व्यापारी
(iv) ठग

4. जैनेंद्र कुमार के मित्र ने बाज़ार को क्या संज्ञा दी हैं?

(i) जी का जंजाल

(ii) आफत का घर

(iii) आँखों का भ्रम

(iv) शैतान का जाल

5. बाज़ार के आमंत्रण की विशेषता हैं?

(i) वह मूक होता हैं

(ii) वह चाह जगाता हैं

(iii) मनुष्य को लगता है कि उसके पास परिमित है और बाज़ार अतुलित

(iv) उपर्युक्त सभी

6. बाज़ार दर्शन पाठ का प्रतिपाद्य हैं-

(i) बाज़ार के उपयोग का विवेचन

(ii) बाजार का लाभ

(iii) बाज़ार न जाने की सलाह

(iv) बाज़ार जाकर खर्च करने की सलाह

7. बाज़ार के जादू का प्रभाव कब विशेष रूप से होता है ?

(i) जब ग्राहक के साथ उसकी पत्नी होती है

(ii) जब ग्राहक का मन खाली होता है

(iii) जब ग्राहक का मन भरा होता है

(iv) जब मन खाली और जेब भरी होती हैं

8. बाजारूपन से क्या तात्पर्य ?

(i) बाज़ार से सामान खरीदना

(ii) बाज़ार से अनावश्यक वस्तु खरीदना

(iii) बाज़ार को सजाकर आकर्षक बनाना

(iv) बाज़ार से केवल आवश्यक वस्तुओं को ही खरीदना

9. बाज़ार दर्शन पाठ की भाषा है ?

(i) साहित्यिक ब्रज भाषा

(ii) सामान्य हिंदी भाषा

(iii) तत्सम शब्दावली युक्त हिंदी भाषा

(iv) बाज़ारू हिंदी

10. बाज़ार में सद्भावना घटाने ,बाजारूपन बढ़ाने ,कपट, शोषण जो बढ़ाने वाले अर्थशास्त्र को लेखक ने कहा है-

(i) सरासर औंधा शास्त्र

(ii) मायावी शास्त्र

(iii) अनीति शास्त्र

(iv) उपयुर्क्त सभी

11. बाज़ार व्यक्ति में क्या देखता है?

(i) उसका लिंग

(ii) उसकी जाति

(iii) उसका धर्म और क्षेत्र

(iv) उसकी क्रय शक्ति

उत्तर संकेत-

प्रश्न	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
उत्तर	(iii)	(ii)	(ii)	(iv)	(iv)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)	(iv)	(iv)

7. काले मेघा पानी दे-धर्मवीर भारती

(1) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के लेखक कौन हैं?

(i) धर्मवीर भारती

(ii) जैनेन्द्र कुमार

(iii) हरिवंशराय बच्चन

(iv) प्रेमचंद

(2) 'काले मेघा पानी दे' पाठ साहित्य की किस विधा की रचना है?

(i) एकांकी

(ii) उपन्यास

(iii) निबंध

(iv) संस्मरण

(3) अनावृष्टि दूर करने के लिए गाँव के बच्चों की टोली से चिढ़ने वाले लोग उन्हें क्या कहते थे?

(i) मेंढक मण्डली

(ii) शरारती मण्डली

(iii) शेर मण्डली

(iv) गधा मण्डली

(4) कीचड़ से लथपथ किशोर मण्डली पर लोग क्या फेंकते थे?

(i) पानी

(ii) पत्थर

(iii) सब्जी

(iv) फल

(5) गाँव में वर्षा करवाने का अंतिम उपाय क्या था?

(i) पाठ पूजा

(ii) इन्दर सेना

(iii) हवन

(iv) इनमे से कोई नहीं

(6) इन्द्रसेना का यह कार्य लेखक को क्या लगता था?

(i) सच

(ii) अंधविश्वास

(iii) अनुचित

(iv) इनमे से कोई नहीं

(7) गुड़ धानी से क्या अभिप्राय है?

(i) बेसन का लड्डू

(ii) तिल का लड्डू

(iii) गुड़ और चने से बना लड्डू

(iv) बूंदी का लड्डू

(8) काले मेघा पानी दे पाठ में बोल गंगा मैया की जय का पहला नारा कौन लगाता था?

(i) ऋषि

(ii) पंडित

(iii) मेंढक मण्डली

(iv) लेखक मण्डली

(9) लेखक पर बचपन में किस के संस्कार थे?

(i) समाजवादी

(ii) राष्ट्रवादी

(iii) मार्क्सवादी

(iv) आर्यसमाजी

(10) काले मेघा पानी दे पाठ के लेखक को कुमार सुधार सभा का कौनसा पद दिया गया?

(i) महामंत्री

(ii) उपमंत्री

(iii) मंत्री

(iv) अध्यक्ष

उत्तरमाला- i – 1, ii – 4,iii –1, iv – 1, v – 2, vi – 2, vii – 3,viii –3, ix – 4, x – 2

8. 'वितान भाग-2' से पूछे जाने वाले प्रश्नोत्तर (पाठों के क्रम के अनुसार)

1. सिल्वर वैडिंग - मनोहर श्याम जोशी

पाठ का सार - सिल्वर वैडिंग कहानी की रचना मनोहर श्याम जोशी ने की है | यह लंबी कहानी लेखक की अन्य रचनाओं से कुछ अलग दिखाई देती है। आधुनिकता की ओर बढ़ता हमारा समाज एक ओर कई नई उपलब्धियों को समेटे हुए है तो दूसरी ओर मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने वाले मूल्य कहीं घिसते चले गए हैं।

जो हुआ होगा और समहाउ इंप्रापर के दो जुमले इस कहानी के बीज वाक्य हैं। जो हुआ होगा में यथास्थितिवाद यानी ज्यों-का-त्यों स्वीकार लेने का भाव है तो समहाउ इंप्रापर में एक अनिर्णय की स्थिति भी है। ये दोनों ही भाव इस कहानी के मुख्य चरित्र यशोधर बाबू के भीतर के द्वंद्व हैं। वे इन स्थितियों का जिम्मेदार भी किसी व्यक्ति को नहीं ठहराते। वे अनिर्णय की स्थिति में हैं।

इस पाठ के माध्यम से पीढ़ी के अंतराल का मार्मिक चित्रण किया गया है| आधुनिकता के दौर में, यशोधर बाबू परंपरागत मूल्यों को हर हाल में जीवित रखना चाहते हैं| उनका उसूलपसंद होना दफ्तर एवं घर के लोगों के लिए सरदर्द बन गया था| यशोधर बाबू को दिल्ली में अपने पाँव जमाने में किशनदा ने मदद की थी, अतः वे उनके आदर्श बन गए |

दफ्तर में विवाह की पच्चीसवीं सालगिरह के दिन ,दफ्तर के कर्मचारी, मेनन और चड्ढा उनसे जलपान के लिए पैसे माँगते हैं | जो वे बड़े अनमने ढंग से देते हैं क्योंकि उन्हें फिजूलखर्ची पसंद नहीं |

यशोधर बाबू के तीन बेटे हैं| बड़ा बेटा भूषण, विज्ञापन कम्पनी में काम करता है| दूसरा बेटा आई. ए. एस. की तैयारी कर रहा है और तीसरा छात्रवृति के साथ अमेरिका जा चुका है| बेटी भी डाक्टरी की पढ़ाई के लिए अमेरिका जाना चाहती है, वह विवाह हेतु किसी भी वर को पसंद नहीं करती |

यशोधर बाबू बच्चों की तरक्की से खुश हैं किंतु परंपरागत संस्कारों के कारण वे दुविधा में हैं| उनकी पत्नी ने स्वयं को बच्चों की सोच के साथ ढाल लिया है| आधुनिक न होते हुए भी, बच्चों के ज़ोर देने पर वे अधिक माडर्न बन गई है |

बच्चे घर पर सिल्वर वेडिंग की पार्टी रखते हैं, जो यशोधर बाबू के उसूलों के खिलाफ था | यशोधर बाबू को लगता है कि किशन दा आज भी उनका मार्गदर्शन करने में सक्षम हैं और यह बताने में भी कि मेरे बीवी-बच्चे जो कुछ भी कर रहे हैं, उनके विषय में मेरा रवैया क्या होना चाहिए?

सिल्वर वेडिंग की पार्टी के दिन संध्या पूजा कर रहे यशोधर बाबू की पत्नी ने वहाँ आकर झिड़कते हुए पूछा कि आज पूजा में ही बैठे रहोगे। मेहमानों के जाने की बात सुनकर वे लाल गमछे में ही बैठक में चले गए। बच्चे इस परंपरा के सख्त खिलाफ़ थे। उनकी बेटी इस बात पर बहुत झल्लाई। टेबल पर रखे प्रेजेंट खोलने की बात कही। भूषण उनको खोलता है कि यह ऊनी ड्रेसिंग गाउन है। सुबह दूध लाने के समय आप फटा हुआ पुलोवर पहनकर चले जाते हैं, वह बुरा लगता है। बेटी पिता का पाजामा-कुर्ता उठा लाई कि इसे पहनकर गाउन पहनें। बच्चों के आग्रह पर वे गाउन पहन लेते हैं। उनकी आँखों की कोर में जरा-सी नमी चमक गई। यह कहना कठिन है कि उनको भूषण की यह बात चुभ गई कि आप इसे पहनकर दूध लेने जाया करें। वह स्वयं दूध लाने की बात नहीं कर रहा।

पाठ से बहुविकल्पात्मक प्रश्न

1 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के लेखक कौन हैं ?

1. जैनेन्द्र कुमार
2. धर्मवीर भारती
3. मनोहर श्याम जोशी
4. ओम थानवी

2 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में किसके विवाह की 25 वीं वर्षगांठ मनाई गई है ?

1. किशन दा की

2. यशोधर बाबू की
3. चड्ढा की
4. इनमें से कोई नहीं

3 "सिल्वर वैडिंग" कहानी की मूल संवेदना क्या है ?

1. पीढी का अंतराल
2. हाशिये पर धकेले जाते मानवीय मूल्य
3. पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव
4. इनमें से सभी

4 यशोधर बाबू 'अपना रोल मॉडल' किसे मानते हैं ?

1. अपनी पत्नी को
2. किशन दा को
3. अपने बड़े बेटे को
4. इनमें से कोई नहीं

5 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में यशोधर बाबू की क्या भूमिका है ?

1. चरित नायक की
2. नए परिवेश में मिसफिट होते हुए व्यक्ति की
3. परंपरावादी की
4. इनमें से तीनों

6 यशोधर बाबू की पत्नी मूल संस्कारों से आधुनिक न होते हुए भी आधुनिकता में कैसे ढल गई ?

1. बच्चों की तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी के कारण
2. वक़्त को देखते हुए
3. मन की इच्छा से
4. उपर्युक्त में से कोई भी नहीं

7 किशन दा का व्यक्तित्व कैसा है ?

1. सरल हृदयी का
2. सहयोगी का
3. मार्गदर्शक का
4. इनमें से तीनों

8 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का सन्देश क्या है ?

1. नई पीढ़ी अपने पूर्वजों का सम्मान करे
2. परम्पराओं का आदर करे
3. चुनौतियों के अनुसार ढलना सीखे
4. इनमें से सभी

9 चड्ढा कौन हैं ?

1. यशोधर बाबू का नौकर
2. उनके अधीन काम करने वाला कर्मचारी
3. पड़ोसी
4. इनमें से कोई नहीं

10 यशोधर बाबू के जीवन को किसने सबसे अधिक प्रभावित किया ?

1. पत्नी ने
2. पुत्री ने

3. किशन दा ने
4. समाज ने

11 यशोधर बाबू कैसे जीवन के समर्थक हैं?

1. आडम्बरपूर्ण
2. भक्तिपूर्ण
3. सरल और सादगीपूर्ण
4. इनमें से कोई नहीं |

12 ‘समहाउ इम्प्रोपर’ वाक्यांश का प्रयोग किन सन्दर्भों में हुआ है ?

1. अपने से परायेपन का व्यवहार मिलने पर
2. वृद्धा पत्नी के आधुनिका स्वरुप को देखकर
3. केक काटने की विदेशी परंपरा पर
4. इनमें से सभी

13 सिल्वर वैडिंग कहानी में यशोधर पन्त का तकिया कलाम क्या है?

1. एनीवे
2. समथिंग
3. समहाऊ इम्प्रोपर
4. जो हुआ होगा

14 यशोधर दफ्तर से छूटते ही सीधे कहाँ जाते थे ?

1. अपने घर
2. बिडला मंदिर
3. पहाडगंज
4. राशन डिपो

15 यशोधर ने किशन दा की किन परम्पराओं को जारी रखा ?

1. होली गवाना
2. जनेऊ पूजन
3. रामलीला मंडली का सहयोग
4. ये सभी |

16 किशन दा की मृत्यु का कारण उनकी बिरदारी ने क्या बताया था?

1. दुर्घटना
2. गंभीर बीमारी
3. जो हुआ होगा
4. आत्महत्या

17 कहानी में “जो हुआ होगा” और “समहाउ इम्प्रापर” ये दो जुमले, जो कहानी के बीजवाक्य हैं, कहानी के किस पात्र में बदलाव को असंभव बना देते हैं ?

1. यशोधर बाबू
2. किशनदा
3. यशोधर की पत्नी
4. उपर्युक्त सभी

18 'नया उन्हें कभी-कभी खींचता तो है पर पुराना छोड़ता नहीं'-यह वाक्य किसके लिए कहा गया है ?

1. यशोधर की पत्नी के लिए

2. उनके बच्चों के लिए
3. किशन दा के लिए
4. यशोधर के लिए

19 वाई डी पंत को ऊनी ड्रेसिंग गाउन किसने गिफ्ट किया था ?
1. बेटे भूषण ने
2. उनके साले ने
3. पत्नी ने
4. बेटी ने

20 यशोधर पंत को भाऊ कौन कहता था ?
1. किशन दा
2. जनार्दन जोशी
3. भूषण
4. वाई. डी. पंत

21 यशोधर बाबू ने किस स्कूल से मैट्रिक की परीक्षा पास की थी ?
1. सरस्वती विद्यालय
2. रेम्जे स्कूल, अल्मोड़ा
3. शिष्यगण विद्यालय
4. अन्य

22 यशोधर बाबू की पत्नी के चचेरे भाई का क्या नाम है ?
1. भूषण
2. गिरीश
3. कृष्ण
4. चन्द्रदत्त

23 ज़िम्मेदारी सर पर पड़ेगी तब सब अपने ही आप ठीक हो जाएँगे – यह किसने कहा है ?
1. यशोधर बाबू ने
2. यशोधर बाबू के पिताजी ने
3. किसनदा ने
4. इनमें से कोई नहीं

24 यशोधर बाबू अपनी पत्नी को क्या कहकर उनका मज़ाक उड़ाते थे ?
1. शानयल बुढ़िया
2. चटाई का लँहगा
3. बूढी मुँह मुँहासे, लोग करें तमासे
4. उपर्युक्त सभी

25 रिटायरमेंट के समय यशोधर बाबू का वेतन कितना था ?
1. दो हज़ार रुपये
2. तीन हज़ार रुपये
3. डेढ़ हज़ार रुपये
4. पाँच हज़ार रुपये

26 चूनेदानी कहकर किस का मजाक उड़ाया जाता है ?
1. घड़ी का

2. साइकिल का
3. पोशाक का
4. चश्मे का

27 चंद्र दत्त तिवारी कौन थे ?

1. यशोधर पंत का भानजा
2. यशोधर पंत का मित्र
3. यशोधर पंत का ममेरा भाई
4. यशोधर पंत का अधीनस्थ कर्मचारी

28 'जनार्दन' शब्द सुनकर यशोधर पंत को किसकी याद आई ?

1. किशन दा की
2. भूषण की
3. अपने बहनोई जनार्दन जोशी की
4. चड्ढा की

29 यशोधर बाबू अपने बीमार बहनोई को देखने कहाँ जाना चाहते थे ?

1. राजस्थान
2. इलाहाबाद
3. अहमदाबाद
4. पटना

30 यशोधर बाबू का विवाह कब हुआ था ?

1. 6 फरवरी, 1947
2. 6 फरवरी, 1946
3. 5 फरवरी, 1947
4. 6 फरवरी, 1945

31 'सिल्वर वैडिंग' कहानी का प्रतिपाद्य विषय नहीं है ?

1. आधुनिक पारिवारिक परिस्थितियाँ
2. पीढ़ीयों का अंतर
3. सिद्धांत प्रियता
4. वैवाहिक जीवन में मतभेद

32 निम्न में से कौनसी विशेषता यशोधर बाबू की नहीं है ?

1. गंभीर
2. ईमान-दार
3. मिलनसार
4. लेटलतीफ

33 यशोधर बाबू अपने बच्चों की तरक्की से खुश तो हैं, पर उन्हें अनुभव होता है कि ऐसी खुशहाली किस काम की ?

1. जो पिता की उपेक्षा करे
2. जो भौतिकवाद की ओर ले जाए
3. जो गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा करे
4. जो विदेश गमन की लालसा जगाए

34 यशोधर बाबू का बेटा ना तो अपने पिता के हाथ में अपनी तनख्वाह रखता है, ना ज्वाइंट अकाउंट रखता है, ऐसा क्यों ?

1. वह यशोधर बाबू की जिम्मेदारियां अपने ऊपर लेना चाहता है
2. वह यशोधर बाबू से कम वेतन लेता है
3. वह अपने ढंग से अपनी कमाई खर्च करना चाहता है और इसे गैरजरूरी मानता है
4. वह एक साथ मोटी रकम यशोधर बाबू को देना चाहता है

35 यशोधर बाबू जल्दी घर लौटना पसंद नही करते, क्यों ?

1. वे अब मंदिर में कुछ समय बीताना पसंद करने लगे
2. पत्नी और बच्चो के साथ विवाद से, वे बचना चाहते थे
3. अब वे बंधन मुक्त जीवन जीना चाहते थे
4. ऑफिस के बाद वे किशनदा के टूटे फूटे घर के सामने से निकलकर स्मृतियाँ ताजा करने लगे थे

36 निम्न में कौनसी अपेक्षा यशोधर बाबू को अपने बच्चों से नही थी ?

1. कि वे अपने पिता को जिम्मेदारियों से मुक्त करते
2. कि वे गरीब रिश्तेदारों की सहायता करते
3. कि वे अपने पिता के अनुकूल सोचते
4. कि वे अपने पिता की आर्थिक मदद करते

37 "बब्बा आप भी हद करते हैं ,सिल्वर वैडिंग के दिन साढ़े आठ घर पहुंचे हैं " यशोधर बाबू के बेटे के कथन में कौनसा भाव है ?

1. उलाहना
2. पछतावा
3. झिड़की
4. दुःख

38 सिल्वर वैडिंग के दिन यशोधर बाबू ने संध्या में 25 मिनिट लगा दिए क्यों ?

1. वे अपने वैवाहिक जीवन की खुशहाली की कामना कर रहे थे
2. वे अपने देर से आने का पश्चाताप कर रहे थे
3. वे सिल्वर वैडिंग अवसर को बिलकुल तवज्जो नही देना चाहते थे और अप्रत्यक्ष रूप से अपना विरोध जताना चाहते थे
4. वे अपने खोते हुए सिद्धांतों के लिए किशनदा के प्रति पश्चाताप कर रहे थे

39 ड्रेसिंग गाउन लेकर यशोधर बाबू की आँखों में चमक आ गई पर उन्हें यह चुभ गया जब ?

1. जब बेटे ने दूध लाने को लेकर टिप्पणी की
2. जब रिश्तेदार ने बेटे के कमाने को लेकर टिप्पणी की
3. पत्नी ने ड्रेसिंग गाउन की फिटिंग को लेकर टीप्पणी की
4. उन्हें गाउन का कलर पसंद नही आया

40 यशोधर बाबू अपने परिवार के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रहे थे, क्योंकि उनके दृष्टिकोण में

1. महिलाओं की आजादी सामाजिक उपद्रवों का कारण बनती है
2. आधुनिकता हमारे संस्कारों ,मर्यादाओं को समाप्त कर देती है
3. बच्चो को माता-पिता की सलाह से ही काम करना चाहिए
4. भौतिकवाद जीवन में अशांति पैदा करता है

41 'सिल्वर वैडिंग' पाठ, साहित्य की कौनसी विधा में लिखा गया है?

1. निबंध

2. कहानी
3. आत्मकथा
4. यात्रावृत्त

42 निम्न में से कहानी में समहाउ इंप्रापर प्रयुक्त हुआ है-
1. दफ्तर में सिल्वर वैडिंग पर
2. स्कूटर की सवारी पर
3. केक काटने की विदेशी परंपरा पर
4. उपर्युक्त सभी

43 यशोधर पंत पदोन्नति के पश्चात किस पद पर थे-
1. असिस्टेंट
2. सेक्शन ऑफीसर
3. अवर सचिव
4. सचिव

44 सिल्वर वैडिंग का आयोजन हुआ-
1. शादी के पच्चास साल होने पर
2. शादी के पच्चीस साल होने पर
3. शादी के पाँच साल होने पर
4. शादी के प्रथम साल पर

45 यशोधर बाबू ने किशनदा से निम्न में से किन जीवन मूल्यों को पाया था?
1. अनुशासन
2. कार्यनिष्ठा
3. सिध्दांतप्रियता
4. उपर्युक्त सभी

46 यशोधर बाबू के चरित्र की विशेषता नहीं है-
1. समय के पाबंद
2. आधुनिक
3. मानवीय मूल्यों में विश्वास
4. परंपरावादी

47 निम्न में से गलत है-
1. यशोधर बाबू पर बचपन में ही जिम्मेदारियों का बोझ आ गया था।
2. यशोधर बाबू आधुनिक परिवेश में बदलते जीवन मूल्यों के विरुध्द थे।
3. यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ परिवर्तित हो गयी थी।
4. यशोधर बाबू ने भी अपने आप को समय के साथ ढाल लिया था।

48 यशोधर बाबू के बारे में सही नहीं है-
1. पुराने दिनों की याद से घिरे रहना
2. नयी पीढ़ी की सोच से दूरी
3. संयुक्त परिवार से दूरी
4. पुरानी पीढ़ी के मूल्यों को सही मानना

49 किशन दा और यशोधर बाबू के संबंधों के बारे में सही नहीं है-
1. दोनों के संबंध स्नेहपूर्ण, प्रगाढ़ व असीम
2. यशोधर दूर होने के बाद किशनदा को धीरे-धीरे भूल गए
3. किशन दा यशोधर बाबू के आदर्श
4. यशोधर बाबू किशन दा की प्रतिच्छाया

50 सिल्वर वैडिंग की विषय-वस्तु के आधार पर सही नहीं है-

1. यशोधर बाबू के न चाहने पर भी बच्चों द्वारा सिल्वर वेडिंग मनाना
2. सरकारी नौकरी पर अधिक बल देने के बावजूद बच्चों का प्राईवेट नौकरी करना
3. यशोधर बाबू को सेवानिवृत्ति पर दिल्ली में ही रहना पसंद
4. यशोधर दिखावे की प्रवृत्ति का विरोधी, बच्चों को दिखावा पसंद

उत्तरमाला-

1	(3)	13	(3)	25	(3)	37	(3)	49	(2)
2	(2)	14	(2)	26	(1)	38	(3)	50	(3)
3	(1)	15	(4)	27	(1)	39	(1)		
4	(2)	16	(3)	28	(3)	40	(2)		
5	(4)	17	(1)	29	(3)	41	(2)		
6	(1)	18	(4)	30	(1)	42	(4)		
7	(4)	19	(1)	31	(4)	43	(2)		
8	(4)	20	(1)	32	(4)	44	(2)		
9	(2)	21	(2)	33	(3)	45	(4)		
10	(3)	22	(2)	34	(3)	46	(2)		
11	(3)	23	(1)	35	(2)	47	(4)		
12	(4)	24	(4)	36	(4)	48	(3)		

2. जूझ-आनंद यादव

पाठ का सारांश-'जूझ' पाठ मराठी भाषा के लेखक आनंद रतन यादव द्वारा लिखित एक आत्मकथात्मक उपन्यास का अंश है। चूंकि यह लेखक के अपने जीवन की संघर्ष कथा है और उपन्यास के रूप में है इसलिए यह आत्मकथात्मक उपन्यास की श्रेणी में आता है। जूझ का तात्पर्य है -संघर्ष। कथा नायक आनंद पाठशाला जाना चाहता है परंतु पारिवारिक परिस्थितियों के कारण वह अपनी इच्छाओं की पूर्ति में बाधा महसूस करता है,अनेक तरह की मानसिक, शारीरिक और आर्थिक बाधाओं को दूर करते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति करता है। आनंद, मास्टर सौन्दलगेकर से प्रभावित होकर काव्य में रुचि लेने लगता है।आनंद की पढ़ने की लालसा, वचनबद्धता, आत्मविश्वास, कर्मठता और साहित्य के प्रति समर्पण उसे एक सफल साहित्यकार बना देता है। इस कहानी में एक किशोर के भोगे हुए ग्रामीण जीवन के खुरदरे यथार्थ और परिवेश की विश्वसनीय जीवन गाथा की प्रस्तुति है।

पाठ से बहुविकल्पात्मक प्रश्न

1.'जूझ' है-
(अ) कहानी (ब) आत्मकथात्मक उपन्यास
(स) संस्मरण (द) रेखा चित्र

2. 'जूझ' पाठ के लेखक हैं-
(अ) आनंद यादव (ब) मनोहर श्याम जोशी
(स) ओम थानवी (द) अमित यादव

3. 'जूझ' पर लेखक को कौन सा पुरस्कार मिला था?
(अ) ज्ञानपीठ पुरस्कार
(ब) साहित्य अकादमी पुरस्कार
(स) व्यास सम्मान
(द) भारत भारती पुरस्कार

4 'जूझ' शब्द का अर्थ क्या होता है ?
(अ) संघर्ष
(ब) परिश्रम
(स) दोनों सही हैं
(द) दोनों गलत है

5. “ पाठशाला जाने के लिए मन तड़पता था।"पंक्ति में आए मुहावरे 'मन तड़पना' का क्या अर्थ है?
(अ) मन प्रसन्न होना
(ब) मन बेचैन होना
(स) मन शांत होना
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6.लेखक पढ़ -लिख कर किस की तरह बनना चाहता था?
(अ) दादा की तरह
(ब) विठोबा आण्णा की तरह
(स) बाबा की तरह
(द) अध्यापक की तरह।

7. आनंद अपने पिता को क्या कहकर संबोधित करता था?
(अ) पिताजी
(ब) पापा
(स) दादा
(द) दद्दा

8. आनंदा अपने पढ़ने की बात अपने दादा से नहीं कर पाता है, क्यों?' जूझ' पाठ के आधार पर सटीक विकल्प चुनिए।
(अ) क्योंकि उसके पिता उससे बात नहीं करते थे।
(ब) क्योंकि उसके पिता परदेस गए हुए थे।
(स) क्योंकि उसके पिता अच्छे आचरण वाले व्यक्ति थे।
(द) क्योंकि उसके पिता अत्यधिक गुस्से वाले व्यक्ति थे।

9. 'जूझ'पाठ का शीर्षक किस संघर्ष की अभिव्यक्ति है?
(अ) आनंदा द्वारा जमींदारी के विरोध का संघर्ष।
(ब) आनंदा का शिक्षा के लिए संघर्ष।
(स) आनंदा का मां के अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष।
(द) सभी उत्तर सही है।

10. आनंदा और उसकी माँ ने दत्ता जी राव के पास जाने की क्यों सोची ? जूझ' पाठ के आधार पर सटीक विकल्प चुनिए-
(अ) ताकि दत्ता जी राव का लगान माफ कर दे।
(ब) ताकि दत्ता जी राव की आर्थिक सहायता करे।
(स) ताकि वे आनंदा को अपने खेत पर काम में लगा सके।
(द) ताकि वे आनंदा को पाठशाला भेजने के लिए दादा को समझाकर राजी कर सके।

11. सारे गांव में दादा का कोल्हू सबसे पहले शुरू होता था क्योंकि-
(अ) कोल्हू जल्दी शुरू करने से ज्यादा गुड़ निकलता है
(ब) कोल्हू जल्दी शुरू करने से अच्छे भाव मिलते हैं
(स) अ और ब दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं।

12. ईख से ज्यादा गुड निकालना हो तो-

(अ) ईख को खेत में देर तक खड़ी रखना चाहिए
(ब) ईख को जल्दी काट लेना चाहिए
(स) ईख को जल्दी काट कर कुछ दिन खलिहान में रखना चाहिए
(द) ब और स दोनों।

13. गुड़ के संबंध में दादा की क्या समझ थी?

(अ) गुड़ ज्यादा मिलना चाहिए।
(ब) भाव ज्यादा मिलना चाहिए।
(स) अ और ब दोनों।
(द) इनमें से कोई नहीं।

14. माँ ने लेखक के पिता की तुलना किससे की है?

(अ) मरियल बैल
(ब) खूंखार शेर
(स) आवारा सांड
(द) बरहेला सूअर

15. माँ के मन में जंगली सूअर बहुत गहराई में बैठा हुआ था, क्यों?

(अ) आनंदा का पिता जंगली सूअर पालता था।
(ब) उस इलाके में जंगली सूअर का डर था।
(स) आनंदा के पिता का व्यवहार हिंसक था।
(द) मां जंगली सूअर से बहुत डरती थी।

16. दादा लेखक को खेती के कार्य में क्यों व्यस्त रखना चाहता था?

(अ) वह लेखक को खेती-बाड़ी सिखाना चाहता था।
(ब) वह लेखक के भविष्य के बारे में सोचता था।
(स) वह स्वयं स्वतंत्र रहकर नगर में घूमना चाहता था।
(द) उपयुक्त सभी।

17. लेखक की माँ उसे किस कक्षा तक पढ़ाना चाहती थी?

(अ) पाँचवीं
(ब) सातवीं
(स) आठवीं
(द) दसवीं

18. लेखक ने अपनी पढ़ाई के संबंध में किस से सहायता लेने का सुझाव दिया?

(अ) शिक्षक की
(ब) पड़ोसी की
(स) मित्र की
(द) दत्ता जी राव की

19. किसने कहा- "उसके सामने ही तुझे कुछ पूछूंगा तो निडर होकर साफ-साफ बताना"

(अ) दत्ता जी राव ने।
(ब) आनंदा के पिता ने।
(स) आनंदा के मास्टर जी ने।
(द) आनंदा की मां ने।

20. देसाई के बाड़े का बुलावा दादा के लिए किस तरह की बात थी?

(अ) अपमान की।
(ब) सम्मान की।

(स) अभिमान की।
(द) बेफिजूल की।

21."अब तू जा, कहना जीमने बुलाया है।"यहाँ जीमने का क्या अर्थ है?
(अ) कोल्हू चलाना
(ब) गुड़ निकालना
(स) भोजन करना
(द) फसल काटना

22. लेखक का पिता अपना पूरा दिन कहाँ व्यतीत करता था?
(अ) खेतों में
(ब) बाजार में
(स) रखमाबाई के साथ
(द) घर में

23. लेखक के पिता का क्या नाम था?
(अ) गणपा
(ब) रत्नाप्पा
(स) दत्ता जी राव
(द) केशव

24. "खेती और घर के काम में इसका बिल्कुल ध्यान नहीं है।"यह कथन किसका है?
(अ) दत्ता जी राव का
(ब) आनंदा के दादा का
(स) आनंदा का
(द) आनंदा की मां का

25. लेखक के पिता द्वारा लेखक को पाठशाला न भेजे जाने का क्या कारण बताया ?
(अ) लेखक को खेत में पानी लगाने का काम करना होता है।
(ब) लेखक को बीमार माँ की सेवा करनी होती है।
(स) लेखक का पढ़ाई में मन नहीं लगता है
(द) लेखक रखमाबाई के यहाँ समय व्यतीत करता है।

26. दत्ता सरकार ने आनंदा के पिता को किस बात के लिए डांटा?
(अ) खेती पर ध्यान न देने के कारण
(ब) फसल में लागत न लगाने के कारण
(स) आनंदा को पाठशाला ना भेजने के कारण
(द) उपर्युक्त सभी

27. “इस समय उसका कोई बस नहीं चला था" यहाँ उसका किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?
(अ) आनंदा की माँ
(ब) आनंदा का दादा
(स) वसंत पाटिल
(द) चव्हाण का लड़का

28. "उस चक्की की अपेक्षा मास्टर की छड़ी की मार अच्छी"आनंदा के इस कथन का क्या तात्पर्य है?
(अ) उससे चक्की चलाना अच्छा नहीं लगता है।
(ब) उसे मास्टर के छड़ी की मार अच्छी लगती है।
(स) उससे खेत की अपेक्षा पाठशाला जाना अच्छा लगता है।
(द) उसे पाठशाला जाने से डर लगता है।

29. जूझ पाठ के अनुसार, "पढ़ाई लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था।"क्योंकि-
(अ) लेखक खेती-बाड़ी नहीं करना चाहता था।
(ब) दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है।
(स) लेखक का पढ़ लिखकर सफल होना बहुत आवश्यक था।
(द) लेखक का पिता नहीं चाहता था कि वह आगे की पढ़ाई करें।
30. लेखक के पिता ने दत्ता जी राव के सामने लेखक की किन गलत आदतों का जिक्र किया?
(अ) कंडे चुराने की
(ब) खेती और घर के काम में मदद ना कराने की
(स) सिनेमा देखने की
(द) उपर्युक्त सभी
31. 'हाँ | खेत में काम होगा तो गैर हाजिर रहना ही चाहिए' – यह कथन किसका है ?
(अ) दत्ता जी राव का
(ब) लेखक का
(स) लेखक के पिता का
(द) लेखक की माता का
32. लेखक को खेती के काम में -------------------- बजे तक पिसते रहने से छुटकारा मिल गया |
(अ) दस से चार
(ब) ग्यारह से पांच
(स) ग्यारह से चार
(द) दस से पांच
33. लेखक किस कक्षा में जाकर बैठने लगा ?
(अ) तीसरी
(ब) पाँचवी
(स) छठी
(द) सातवीं
34. लेखक को फिर से नाम लिखवाने की जरूरत क्यों नहीं पड़ी ?
(अ) दत्ता जी राव के प्रभाव के कारण
(ब) विद्यालय का पूर्व विद्यार्थी होने के कारण
(स) पाँचवी नापास की टिप्पणी नाम के आगे होने के कारण
(द) विद्यालय का होनहार विद्यार्थी होने के कारण
35. कक्षा में पहुँचने पर लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया था ?
(अ) लेखक के साथ के सभी लड़के आगे चले गए थे
(ब) लेखक को अपने से कम उम्र के लड़कों के साथ बैठना पड़ा
(स) कक्षा के लड़कों की शरारतों से
(द) उपर्युक्त सभी
36. लेखक अपनी पुस्तकों रुपी धरोहर को किस तरह संभाले रखता है ?
(अ) रेलवे स्टेशन पर कोई लड़का अपनी पोटली संभाले बैठा हो
(ब) बस अड्डे पर कोई लड़का अपनी पोटली संभाले बैठा हो
(स) कोई भिखारी अपनी झोली को संभाले बैठा हो
(द) अ और ब दोनों
37. " क्या नाम है मेहमान ? नया दिखाई देता है या गलती से इस कक्षा में आ बैठे हो ?" यह कथन किसका है?

(अ) रणनवरे मास्टर का
(ब) मंत्री मास्टर का
(स) चह्वान के लड़के का
(द) वसंत पाटिल का

38. पहले दिन ही किस घटना ने लेखक के दिल धड़कन बढ़ा दी थी ?
(अ) विद्यालय की पोशाक न पहनने की
(ब) लेखक का गमछा टेबल पर रखे जाने की
(स) पाँचवी की पुस्तकें न लेकर आने की
(द) उपर्युक्त सभी

39. लेखक का विद्यालय में क्या नाम था ?
(अ) गणप्पा
(ब) वसंत
(स) आनंदा
(द) जकाते

40. 'वामन पंडित' की कविता कौन पढ़ाने लगे ?
(अ) रणनवरे मास्टर
(ब) मंत्री मास्टर
(स) न.वा.सौन्दलगेकर
(द) वसंत पाटील

41. 'मेरी पाठशाला मुझे चोंच मार-मारकर घायल कर रही थी'- लेखक को ऐसा क्यों लगने लगा ?
(अ) पढाई में मन न लगने के कारण
(ब) अध्यापकों द्वारा मजाक उड़ाने के कारण
(स) कक्षा के लड़कों द्वारा मजाक उड़ाने के कारण
(द) ब और स दोनों

42. लेखक ने विद्यालय पहनकर जाने के लिए नई गणवेश माँ से कितने दिनों में मँगवा ली ?
(अ) दो दिन में
(ब) चार दिन में
(स) आठ दिन में
(द) दस दिन में

43. वसंत पाटील की नक़ल करने पर लेखक को क्या लाभ हुआ ?
(अ) वह गणित में होशियार हो गया
(ब) वह भी मॉनिटर जैसा सम्मान पाने लगा
(स) अध्यापक उसे शाबासी देने लगे
(द) उपर्युक्त सभी

44. लेखक के गणित विषय के शिक्षक कौन थे ?
(अ) रणनवरे मास्टर
(ब) मंत्री मास्टर
(स) न.वा.सौन्दलगेकर
(द) भा.रा. तांबे

45. किस शिक्षक की दहशत सभी लड़कों में थी ?
(अ) रणनवरे मास्टर

(ब) मंत्री मास्टर
(स) न.वा.सौन्दलगेकर
(द) भा.रा. तांबे

46. लेखक की कक्षा का मॉनिटर कौन था ?
(अ) जकाते
(ब) वसंत पाटील
(स) चह्वान का लड़का
(द) केशव कुमार

47. कक्षा में उसका सम्मान था | यहाँ ‘उसका’ किसके लिए आया है?
(अ) जकाते के लिए
(ब) वसंत पाटील के लिए
(स) चह्वान के लड़के के लिए
(द) केशव कुमार के लिए

48. न.वा.सौन्दलगेकर मास्टर कौनसा विषय पढ़ाते थे?
(अ) गणित
(ब) हिंदी
(स) मराठी
(द) अंग्रेजी

49. मास्टर लेखक को किस नाम से पुकारने लगे थे?
(अ) गणप्पा
(ब) आनंदा
(स) जकाते
(द) वसंत

50. लेखक का ऐसा कब लगा कि मास्टर की चाल पर दूसरी कविताएँ भी पढ़ी जा सकती हैं ?
(अ) कक्षा में कविताएँ सुनने पर
(ब) खेत में पानी लगाते और ढोर चराते अकेले में कविता गाने पर
(स) मराठी शिक्षक द्वारा कविता के भाव समझाने पर
(द) स्वयं द्वारा कविता रचने पर

51. ‘चाँद रात पसरिते पांढरी गाया धरणीवरी’ किसकी कविता की पहली पंक्ति है?
(अ) बा.भ.बोरकर
(ब) अनंत काणेकर
(स) कवि यशवंत
(द) केशव कुमार

52. लेखक ने ‘चाँद रात पसरिते पांढरी गाया धरणीवरी’ कविता को सिनेमा के एक गीत के तर्ज पर गाया | वह गाना किस छंद की तर्ज पर था?
(अ) मनोरम
(ब) सवैया
(स) केशव करणी जाति
(द) द्रुतविलंबित

53. मास्टर जी ने किस कक्षा के लड़कों के सामने लेखक से कविता गवायी ?

(अ) छठी
(ब) सातवीं
(स) अ और ब दोनों
(द) आठवीं

54. लेखक को कब यह लगने लगा कि कवि भी उसके जैसे हाड़- माँस के व्यक्ति हैं?

(अ) जब मराठी शिक्षक से कविताएँ सुनता
(ब) जब देखा कि खुद न.वा.सौन्दलगेकर एक कवि हैं
(स) जब कवि सम्मलेन में जाने लगा
(द) इनमें से कोई नहीं

55. लेखक को कब लगा कि अपने आस-पास के दृश्यों पर कविता लिखी जा सकती है ?

(अ) जब न.वा. सौन्दलगेकर ने कविता लेखन के बारे में बताया
(ब) अपने साथियों को कविता लिखते देखकर
(स) जब मास्टर के दरवाजे पर छाई मालती के बेल पर लिखी कविता पढ़ी
(द) उपर्युक्त सभी

56. लेखक कविता लिखने के लिए किन साधनों का उपयोग करता था ?

(अ) भैंस की पीठ पर रेखा खींचकर लिखना
(ब) कंकड़ पत्थर से शिला पर लिखना
(स) जेब में कागज़ और पेन्सिल रखना
(द) उपर्युक्त सभी

57. लेखक को अकेले में आनंद क्यों आने लगा ?

(अ) वह खुलकर गा सकता था
(ब) वह कविताएँ रच सकता था
(ग) वह कविता गाकर उसका अभिनय कर सकता था
(द) उपर्युक्त सभी

58. जूझ पाठ के अनुसार काविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ?

(अ) अकेलापन डरावना है
(ब) अकेलापन उपयोगी है
(स) अकेलापन अनावश्यक है
(द) अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है

59. मराठी अध्यापक के विषय में असत्य कथन है ?

(अ) वे कविता को सुरीले गले, छंद की बढ़िया चाल, रसिकता के साथ पढ़ाते थे
(ब) वे अभिनय के साथ पढ़ाते थे
(स) वे प्रसिद्ध कवियों के संस्मरण भी सुनाते थे
(द) वे विद्यार्थियों को छड़ी की बजाय हाथ से पीटते थे

60. आनंदा और उसकी माँ द्वारा झूठ का सहारा न लिए जाने की स्थिति में क्या होता ?

(अ) आनंदा के जीवन में अकेलापन ठहर जाता |

(ब) आनंदा अपनी कविता लिखने के गुण को बाहर नहीं निकाल पाता |

(स) वह शिक्षित होने से वंचित रह जाता
(द) उपर्युक्त सभी

61.लेखक के कक्षाध्यापक कौन थे ?

(अ) रणनवरे मास्टर

(ब) मंत्री मास्टर

(स) न.वा.सौन्दलगेकर

(द) भा.रा. तांबे

62. वसंत पाटील के संबंध में असत्य कथन है ?

(अ) शरीर से दुबला-पतला था

(ब) उसके सवाल हमेशा सही निकलते थे

(स) वह बड़ा होशियार था

(द) कक्षा के लड़के उससे ईर्ष्या रखते थे

63. 'यह चह्वान का लड़का बिना बात के उठक- पटक करता है'| यह कथन किसका है ?

(अ) रणनवरे मास्टर का

(ब) मंत्री मास्टर का

(स) न.वा.सौन्दलगेकर का

(द) भा.रा. तांबे का

64.' उस चक्की की अपेक्षा मास्टर की छड़ी की मार अच्छी लगती थी|' इसका क्या आशय है ?

(अ) उसे चक्की चलाना अच्छा नहीं लगता है |

(ब) उसे मास्टर की छड़ी की मार अच्छी लगती है |

(स) उसे खेती की अपेक्षा पाठशाला जाना अच्छा लगता है |

(द) उसे पाठशाला जाना अच्छा नहीं लगता है |

65. पहले आनंदा को अकेलापन बहुत खटकता था, अब अकेलेपन से कोई ऊब नहीं होती | इस परिवर्तन के क्या कारण हैं?

(अ) पढ़ाई में मन लगना

(ब) खेती में मन लगना

(स) कविता में मन लगना

(द) दोस्तों के साथ समय बिताना

उत्तरमाला-

1.	ब	12.	अ	23.	ब	34.	स	45.	ब	56.	द
2.	अ	13.	ब	24.	ब	35.	द	46.	ब	57.	द
3.	ब	14.	द	25.	स	36.	ब	47.	ब	58.	ब
4.	अ	15.	स	26.	द	37.	स	48.	स	59.	द
5.	ब	16.	स	27.	ब	38.	ब	49.	ब	60.	द
6.	ब	17.	ब	28.	स	39.	द	50.	ब	61.	ब
7.	स	18.	द	29.	ब	40.	अ	51.	ब	62.	द
8.	द	19.	अ	30.	द	41.	स	52.	स	63.	अ
9.	ब	20.	ब	31.	ब	42.	स	53.	स	64.	स
10.	द	21.	स	32.	ब	43.	द	54.	ब	65.	स
11.	ब	22.	स	33.	ब	44.	ब	55.	स		

9. आदर्श प्रश्नपत्र

आदर्श प्रश्नपत्र-1

2021-22 (प्रथम सत्र)

निर्धारित समय : 90 मिनट   विषय- हिन्दी (आधार) विषय कोड-302   अधिकतम अंक :40

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्न-पत्र में तीन खंड हैं।
- खंड 'अ' में तीस प्रश्नों में से केवल पंद्रह प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- खंड 'ब' में छह प्रश्नों में से केवल पाँच प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- खंड 'स' में बाईस प्रश्नों में से केवल बीस प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- इस प्रश्न-पत्र में वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में चार विकल्प दिए गए हैं।
- विकल्पों में से सबसे उचित का चयन सावधानीपूर्वक कीजिए।

खंड 'अ' अपठित बोध

(अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए: **10**

संवाद में दोनों पक्ष बोलें यह आवश्यक नहीं। प्राय: एक व्यक्ति की संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है। यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है। मन से हारे दुखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नहीं अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है।

बोलने वाले के हावभाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक – सामाजिक पृष्ठभूमि को पलभर में बता देते हैं। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े – बड़े मसले, अन्तर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं। पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक–दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ। श्रोता उन्हें कान से सुनें और मन से अनुभव करें तभी उनका लाभ है, तभी समस्याएँ सुलझने की संभावना बढ़ती है और कम-से-कम यह समझ में आता है कि अगले के मन की परतों के भीतर है क्या ?
सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्राय: अकुशल होते हैं। दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिए, हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता। हम तो बस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं। तब दूसरे पक्ष को झुँझलाहट होती है। वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला। रहीम ने ठीक ही कहा था – "सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।" ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है।

लोग तो पेड़–पौधों से, नदी–पर्वतों से, पशु–पक्षियों तक से संवाद करते हैं। राम ने इन सबसे पूछा था – 'क्या आपने सीता को देखा?' और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी। अत: संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए।

निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए:- **10x1=10**

1 संवादहीनता से आशय है-

1. वाचालता
2. परस्पर बोलचाल का अभाव
3. वार्तालाप
4. आपस में बातचीत करना

2 अवतरण के अनुसार मौन भागीदारी से क्या तात्पर्य है ?

1. संवाद में चुपचाप शामिल होना
2. संवाद में शामिल नहीं होना
3. संवादहीनता की स्थिति
4. संवाद के लिए उतावलापन

3 यह उतावलापन संवाद की"आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता ।-पंक्ति का भाव है "

1. बात को धैर्यपूर्वक सुनकर अंतराल से बोलने से संवाद की गंभीरता नष्ट हो जाती है
2. बात को धैर्यपूर्वक सुने बिना बोलने की शीघ्रता संवाद की गंभीरता को नष्ट कर देती है
3. बोलने में अधीरता से बात का गांभीर्य प्रकट होता है
4. बात को धैर्यपूर्वक सुनकर बोलने से संवाद का उद्देश्य प्रकट होता है

4 अवतरण के अनुसार संवाद की आत्मा क्या है ?

1. संवाद में मौन भागीदारी
2. परस्पर बोलचाल का अभाव
3. दो व्यक्तियों के बीच वार्तालाप
4. संवाद का मूल मंत्र या उद्देश्य

5 दुखी व्यक्ति से संवाद में दूसरा पक्ष कब अधिक लाभकर होता है ?

1. अच्छे श्रोता के रूप में
2. अच्छे वक्ता के रूप में
3. संवादहीनता में
4. स्वस्थ वार्तालाप में

6 अवतरण के आधार पर सुनना कौशल की विशेषता नहीं है-

1. धैर्यवान होना
2. मन से जुड़ना
3. उतावलापन
4. आत्मीयता

7 संवाद की आत्मा तक नहीं पहुँच पाने का कारण है ?

1. अधीरता
2. सजगता
3. धैर्य
4. संवादहीनता

8 रहीम के कथन के सन्दर्भ में असत्य है-

1. दुख – दर्द को सार्वजनिक करने का कोई लाभ नहीं
2. लोग दूसरे की समस्या सुनकर हँसते हैं
3. लोग दूसरे की परेशानी का मजाक बनाते हैं
4. लोग संवाद से दूसरे के दुख – दर्द को कम करते हैं

9 अवतरण में राम का उदाहरण दिया गया है-

1. मौन भागीदारी के महत्त्व को बताने के लिए
2. संवादहीनता व मौन भागीदारी में भिन्नता बताने के लिए
3. संवाद की अनंत संभावनाओं को समझाने के लिए
4. प्रकृति व पशु – पक्षियों की मौन भागीदारी समझाने के लिए

10 निम्न में से इस गद्यांश का उचित शीर्षक है-

1. संवादहीनता
2. मौन भागीदारी
3. संवाद की अनंत संभावना
4. प्रकृति व पशु पक्षी -

अथवा

(अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए: 10

बीसवीं शताब्दी में भारत ने ब्रिटिश साम्राज्यवादी- उपनिवेशवादी व्यवस्था को अपने ऊपर से उतार फेंका। महात्मा गाँधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की। गांधी जी ने राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष को भी स्वाधीनता संग्राम से जोड़ दिया। उनके लिए राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ लड़ना जितना महत्त्वपूर्ण था उतना ही महत्त्वपूर्ण था सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर के भेदभाव के विरुद्ध खड़ा होना। अपनी 'आत्मकथा' में गांधी जी लिखते हैं – "ऐसे व्यापक सत्यनारायण के प्रत्यक्ष दर्शन के लिए प्राणीमात्र के प्रति आत्मवत (अपने समान) प्रेम की भारी जरूरत है। इस सत्य को पाने की इच्छा करने वाला मनुष्य जीवन के एक भी क्षेत्र से बाहर नहीं रह सकता। यही कारण है कि मेरी सत्य-पूजा मुझे राजनैतिक क्षेत्र में घसीट ले गई। जो कहते हैं कि राजनीति से धर्म का कोई संबंध नहीं है, मैं निस्संकोच होकर कहता हूँ कि ये धर्म को नहीं जानते और मेरा विश्वास है कि यह बात कह कर मैं किसी तरह विनय की सीमा को लाँघ नहीं रहा हूँ"। आज राजनीति को धर्म से अलग मानने वालों को गांधी जी की यह बात जरूर सुननी चाहिए। अपने इसी विश्वास के कारण गांधी जी ने सामाजिक और धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता के संघर्ष को प्रमुखता से आगे बढ़ाया क्योंकि वे जानते थे कि केवल राजनीतिक मुक्ति से उनके सपनों का भारत नहीं बनेगा। उनका मानना था कि करोड़ों वंचितों की सामाजिक-आर्थिक मुक्ति ही स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए।

निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए:- 10x1=10

11 इस गद्यांश का निम्न में से उपयुक्त शीर्षक है-

1.स्वाधीनता की पहचान

2. राजनैतिक मुक्ति

3. गांधीजी की आत्मकथा

4. स्वाधीन भारत

12 अवतरण के अनुसार कौन लोग धर्म को नहीं जानते ?

1. जो राजनीति और धर्म के संबंध को मानते

2. जो राजनीति और धर्म के संबंध को नहीं मानते
3. जो राजनीति को धर्म से अलग नहीं मानते
4. जो राजनैतिक मुक्ति के लिए धर्म को मानते

13 गद्यांश के आधार पर बीसवीं शताब्दी में भारत में क्या बड़ी घटना हुई ?

1. अहिंसक ढंग से स्वतंत्रता की प्राप्ति
2. ब्रिटिश साम्राज्यवादी उपनिवेशवादी-व्यवस्था को उतार फेंका
3. उपर्युक्त दोनों सही है
4. राजनैतिक मुक्ति के साथ सामाजिक – आर्थिक मुक्ति

14 गद्यांश के आधार पर गांधी जी के सपनों का भारत कैसे बनेगा ?

1. राजनीतिक मुक्ति के साथ सामाजिक एवं धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता से
2. राजनीतिक मुक्ति के बिना सामाजिक एवं धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता से
3. राजनीतिक मुक्ति के साथ सामाजिक एवं धार्मिक ढाँचे के भीतर असमानता से
4. राजनीतिक मुक्ति के बिना सामाजिक एवं धार्मिक सन्दर्भों में भी मुक्ति से

15 महात्मा गांधी के लिए किस हेतु संघर्ष महत्त्वपूर्ण था?

1. सामाजिक सुधार हेतु
2. राजनैतिक और प्रशासनिक भेदभाव के खिलाफ
3. धार्मिक ढाँचे के भीतर भेदभाव के विरुद्ध
4. उपर्युक्त सभी के लिए

16 गांधीजी ने सत्यनारायण के दर्शन की पात्रता क्या मानी थी?

1. धर्म को मानने वाला
2. सभी प्राणियों के प्रति आत्मवत प्रेम भाव-
3. आर्थिक रूप से संपन्न
4. स्वाधीन

17 गद्यांश के आधार पर स्वाधीनता की व्यापक पहचान है-

1. राजनीतिक मुक्ति के साथसाथ सांस्कृतिक संदर्भों में भी मुक्ति-
2. राजनीतिक मुक्ति के साथधार्मिक - साथ सामाजिक- संदर्भों में भी मुक्ति
3. राजनीतिक मुक्ति के साथ साथ-सामाजिक -आर्थिक संदर्भों में भी मुक्ति
4. राजनीतिक मुक्ति के साथआर्थिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों में भी मुक्ति ,साथ सामाजिक-

18 महात्मा गाँधी की प्रेरणा से भारतीय जनता ने एक नए ढंग का संघर्ष कर अपनी स्वाधीनता प्राप्त की - यहाँ नए ढंग के संघर्ष से आशय है -

1. हिंसक संघर्ष
2. अहिंसक संघर्ष
3. आर्थिक संघर्ष
4. राजनैतिक संघर्ष

19 गांधीजी के विचार से स्वाधीन भारत की पहचान होनी चाहिए-

1. सामाजिकआर्थिक रूप से अब तक दबे हुए कमजोर व वंचितों की मुक्ति संभव हो-
2. साहित्यिक – राजनीतिक रूप से कमजोर वंचितों का कल्याण हो

3. स्वाधीन भारत में लोकतंत्र की स्थापना
4. धार्मिक – आर्थिक रूप से कमजोर व वंचितों की मुक्ति संभव हो

20 गांधीजी ने सामाजिक और धार्मिक ढांचे के भीतर समानता के संघर्ष को भी प्रमुखता से आगे बढ़ाया-क्योंकि ,
1. सपनों का भारत बनाने के लिए राजनीतिक मुक्ति जरूरी नहीं
2. केवल राजनैतिक मुक्ति से सपनों के भारत का निर्माण संभव नहीं
3. समानता के लिए संघर्ष के बिना राजनीतिक मुक्ति संभव नहीं
4. सामाजिक – धार्मिक समानता के बिना राजनीतिक मुक्ति संभव नहीं

(अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए : 5

सूख गई है झील रसवंती
मिट्टी ही बची है नरम, साँवली, सहस्रों दुख – दरारवाली
अब वे दिन याद आते हैं
इस किनारे से उस किनारे तक अछोर पानी और हवा
पुराने महलों से बातें करता, ढलता
पश्चिम का वर्षा सूर्य
झील तट के कंकाल पेड़ों पर
पछतावा करती बैठी होंगी चिड़ियाँ
स्त्रियाँ खिन्नमन घाटों से लौट रही होंगी ।
आगे देखने वाले भद्रजन झील की मिट्टी बेचने आएँगे
आएँगे उनके देशी – विदेशी परिजन
शोकाकुल झील – तट वासियों को धीरज देने ।
सुना है यहाँ गांधी की प्रार्थना सभा होगी
आएँगी सुब्बालक्ष्मी मीरा का पद गाने –
'हरि तुम हरो जन की पीर ।'

निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए:- 5x1=5

21 पहले झील का सौन्दर्य रहा होगा -
1. गांधी की प्रार्थना सभा का स्थल
2. हरे – भरे पेड़ – पौधों वाले घाट
3. जर्जर व ठूंठ पेड़
4. शोकाकुल लोगों का आवागमन

22 यह झील रसवंती सूख गई है –
1. अनावृष्टि के कारण
2. अतिवृष्टि के कारण
3. हवा न चलने के कारण
4. सूर्य की गर्मी के कारण

23 चिड़ियों को क्या पछतावा है ?
1. जल के अभाव का

2. हरे – भरे पेड़ – पौधे न दिख पाने का
3. खिन्नमन घाटों से लौट रही स्त्रियों का
4. सूखी रसवंती झील का

24 भद्रजन सूखी झील से भी कैसे लाभ कमा लेते हैं ?

1. हरे – भरे पेड़ – पौधों को काटकर
2. गांधीजी की प्रार्थना – सभा से
3. शोकाकुल झील – तट वासियों को धैर्य देकर
4. सूखी झील के संसाधनों को बेचकर

25 "स्त्रियाँ खिन्नमन घाटों से लौट रही होंगी ।" यहाँ स्त्रियों के खिन्नमन हैं-

1. जल के अभाव में जल आधारित दैनिक आवश्यकताएँ पूरी न होने के कारण
2. लोगों द्वारा झील की मिट्टी को बेचे जाने के कारण
3. इस किनारे से उस किनारे तक अछोर पानी और हवा देखकर
4. पछतावा करती चिड़ियों को देखकर

अथवा

(अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए : 5

ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में
मनुज नहीं लाया है
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है
प्रकृति नहीं डरकर झुकती है
कभी भाग्य के बल से
सदा हारती वह मनुष्य के
उद्यम से श्रम-जल से
ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा
करते निरुद्यमी प्राणी
धोते वीर कु-अंक भाल के
बहा भ्रुवों के पानी
भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र शोषण का
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का

निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:- 5x1=5

25 किसे 'शोषण का शस्त्र' कहा गया है ?

1. अकर्मण्यता को
2. भाग्यवाद को
3. पाप के आवरण को
4. भुजबल को

26 प्रकृति मनुष्य के आगे झुकती है :

1. भाग्य से
2. स्वयं से
3. परिश्रम से
4. निरुद्यम से

27 मनुष्य ने सुख पाया है :

1. भाग्य के बल से
2. दूसरों के बल से
3. स्वयं के भुजबल से
4. साथियों के सहयोग से

28 इस काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है?

1. आत्मविश्वासी बनने की
2. भाग्य पर विश्वास करने की
3. मेहनती प्राणी बनने की
4. समय के पाबंदी बनने की।

29 भाग्य का लेख कैसे लोग पढ़ते हैं?

1. उद्यम का महत्त्व समझने वाले
2. अकर्मण्य लोग
3. परिश्रम करने वाले लोग
4. ईश्वर में विश्वास रखने वाले

खंड 'ब' अभिव्यक्ति और माध्यम
(अभिव्यक्ति और माध्यम के पाठों पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए: 5

30 निम्न में से कौन सा सही है?

(अ) चार ककार क्या, कब, कहाँ व कौन- सूचनात्मक व तथ्यों पर आधारित होते हैं।

(ब) छह ककार क्या, कहाँ, कब, कौन, क्यों व कैसे के आधार पर समाचार तैयार होता है।

(स) समाचार के मुखड़े में आमतौर पर क्या, कहाँ, कब व कौन का जवाब दिया जाता है।

(द) दो ककार क्यों व कैसे में विवरणात्मक व व्याख्यात्मक पहलू पर जोर दिया जाता है।

1. उपर्युक्त सभी सही है
2. (अ) व (ब) सही है
3. (अ), (ब) व (स) सही है
4. (ब), (स) व (द) सही है

31 घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों या संबंधित व्यक्तियों का कथन दिखा और सुनाकर खबर की पुष्टि करना कहलाता है-

1. ड्राई एंकर
2. लाइव

3. एंकर बाइट
4. एंकर विजुअल

32 निम्न में से सही है-

1. उलटा पिरामिड शैली में क्लाइमेक्स बिलकुल आखिर में आता है।
2. कथात्मक शैली व उलटा पिरामिड शैली दोनों एक समान है।
3. उलटा पिरामिड शैली में महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना सबसे निचले हिस्से में होती है।
4. समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं।

33 निम्न में से समेकित माध्यम है-

1. टी.वी .
2. इंटरनेट
3. अखबार
4. रेडियो

34 भुगतान के आधार पर अलग? अलग अखबारों के लिए लिखने वाले पत्रकार को क्या कहते हैं-

1. पूर्णकालिक
2. फ्रीलांसर
3. अंशकालिक
4. अल्पकालिक

35 फ़ीचर के विषय में निम्न में से सही कौनसा है- ?

1. फ़ीचर पाठकों को तात्कालिक घटनाक्रम से अवगत कराता है।
2. फ़ीचर में वस्तुनिष्ठता पर विशेष जोर दिया जाता है।
3. फ़ीचर उलटा पिरामिड शैली में लिखा जाता है।
4. फीचर लेखन की भाषा सरल, आकर्षक, रूपात्मक और मन को छू लेने वाली होती है

खंड 'स' पाठ्यपुस्तक व अनुपूरक पुस्तक
(पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए: **5**

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे-
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है!
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!

निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए: - **5x1=5**

36 पद्यांश के अनुसार चिड़ियों के परों में चंचलता भर जाने का कारण नहीं है ?

1. बच्चों द्वारा प्रतीक्षा करने के कारण
2. बच्चे भूखे होंगे के कारण

3. दिन ढलने से पहले घर पहँचने की जल्दी के कारण

4. बच्चों के अकेलेपन के कारण

37 प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ निम्न में से किस कवि द्वारा रचित है ?

1. कुँवर नारायण
2. हरिवंशराय बच्चन
3. रघुवीर सहाय
4. शमशेर बहादुर सिंह

38 प्रस्तुत काव्यांश के भाव के सन्दर्भ में सही है ?

(अ) जीवन के अकेलेपन की पीड़ा की अभिव्यक्ति

(ब) हर परिस्थिति में उत्साहित रहने का भाव

(स) अकेलेपन का बोध लौटते कदमों को शिथिल कर देता है

(द) घर में प्रतीक्षा करने वाले परिजन के होने से चंचलता का बोध

1. सही है (स) व (ब) ,(अ)
2. सही है (द) व (स) ,(ब)
3. सही है (द) व (स) ,(अ)
4. उपर्युक्त सभी सही है

39 कवि के पद शिथिल और उर में विह्वलता क्यों है?

1. घर पर प्रतीक्षा करने वाला नहीं है
2. अकेलेपन के अनुभव के कारण
3. उपर्युक्त दोनों कारण
4. उपर्युक्त दोनों नहीं

40 'दिन जल्दी की आवृत्ति 'जल्दी ढलता है-से गीत में निम्न में से कौनस-ा प्रभाव उत्पन्न नहीं हो रहा है?

1. तुक एवं गेयता का प्रभाव
2. स्थिरता का
3. सुखद क्षणों का शीघ्र बीत जाना
4. समय की परिवर्तनशीलता

(पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए: **5**

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए: - **5x1=5**

41 भक्तिन और लेखिका के बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि-

1. दोनों के बीच भावनात्मक संबंध है

2. भक्तिन लेखिका के घर की सदस्या है
3. लेखिका का सेवक – स्वामी संबंध में विश्वास नहीं
4. लेखिका सेवक – स्वामी संबंधों से भक्तिन को खोना नहीं चाहती

42 लेखिका को अपने और भक्तिन के बीच सेवक-स्वामी सम्बन्ध होने में संदेह है क्योंकि

1. लेखिका भक्तिन को अपनी सेवा से हटाना नहीं चाहती है
2. लेखिका चाहकर भी भक्तिन को अपनी सेवा से हटा नहीं सकती
3. भक्तिन के निस्वार्थ सेवा भाव के कारण
4. लेखिका भक्तिन की व्यावहारिकता से प्रभावित

43 लेखिका ने भक्तिन को नौकर कहना असंगत क्यों माना है । इस संबंध में सही है -

(अ) भक्तिन अपनी इच्छा से और अपने ही तरीके से कार्य करती है जबकि नौकर स्वामी की इच्छानुसार कार्य करता है।

(ब) भक्तिन लेखिका की इच्छानुसार कार्य करती है इसलिए भक्तिन को नौकर नहीं कहा जा सकता है।

1. (अ) सही है
2. (ब) सही है
3. दोनों सही है
4. दोनों ही गलत हैं

44 गद्यांश के आधार पर लेखिका के स्वभाव की कौन सी विशेषता-नहीं है ?

1. उदार
2. मानवतावादी
3. सहिष्णु
4. स्वाभिमानी

45 इस गद्यांश में प्रकाश – अँधकार का उदाहरण क्यों दिया गया है?

1. लेखिका और भक्तिन के जीवन की अभिन्नता बताने के लिए
2. इन दोनों के जीवन की भिन्नता प्रकट करने के लिए
3. प्राकृतिक विविधताओं को प्रकट करने के लिए
4. लेखिका और भक्तिन के सेवक – स्वामी संबंधों को उद्घाटित करने के लिए

(‘आरोह’ पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए: - 5x1=5

46 कविता में कविता के खिलने और फूलों के ’कविता के बहाने’खिलने में क्या साम्य है?

1. दोनों ही मुरझा जाते हैं
2. दोनों हमेशा के लिए होते हैं
3. दोनों ही खिलते हैं, विकसित होते हैं
4. कल्पनाशीलता

47 लेखक जैनेन्द्र कुमार के अनुसार बाज़ार के जादू की जकड़ से बचने का क्या उपाय है?

1. मन खाली हो तब बाज़ार जाओ
2. जेब भरी हो तब बाज़ार जाओ
3. बाज़ार जाओ तो मन खाली न हो
4. मन लक्ष्य से भरा हो तो बाज़ार न जाओ

48 'कैमरे में बंद अपाहिज- में सही है कविता के अनुसार चैनल वालों की भूमिका के बारे '

(अ) सामाजिक संवेदनशीलता प्रकट करना

(ब) अपाहिज के प्रति करूणा की आड़ में प्रसिद्धि पाना

(स) सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम प्रसारित करना

(द) अपाहिज व्यक्ति की भावनाओं को ठेस पहुँचाते हुए व्यावसायिक लाभ कमाना

1. (अ) व (स) सही है
2. (ब) व (स) सही है
3. (ब) व (द) सही है
4. (स) व (द) सही है

49 निम्न में से भक्तिन की स्वभावगत विशेषता नहीं है-

1. स्वार्थरहित सेवा भाव
2. कर्तव्यपरायण
3. स्वाभिमानी
4. शिक्षित

50 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि द्वारा संबोध्य को भूल जाने का दंड माँगने का कारण है-

1. प्रिय की ममता और स्नेह से अपने को कमजोर मानकर
2. प्रिय से मिल न पाने के कारण (संबोध्य)
3. अपनी अतिशय भावुकता और संवेदनशीलता से स्वयं ही पीड़ित होकर
4. वर्तमान के एकाकी जीवन की निराशा के कारण

51 'काले मेघा पानी दे' पाठ में 'यथा प्रजा - तथा राजा' से जीजी का क्या आशय है?

1. राजा के अनुसार ही प्रजा को चलना होता है
2. प्रजा अपने अनुसार राजा को चलने के लिए बाध्य कर सकती है
3. राजा व प्रजा में कोई अंतर नहीं होता है
4. राजा अपने अनुसार प्रजा को चलने के लिए बाध्य कर सकता है

(अनुपूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित प्रश्न)

निम्नलिखित में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्प का चयन कीजिए: - 5x1=5

52 यशोधर बाबू ने किशनदा से निम्न में से कौन – सा जीवन मूल्य नहीं पाया था?

1. अनुशासन

2. कार्यनिष्ठा
3. सिद्धान्तप्रियता
4. परिवर्तनशीलता

53 यशोधर बाबू के चरित्र की विशेषता नहीं है-

1. समय के पाबंद
2. आधुनिक
3. मानवीय मूल्यों में विश्वास
4. परंपरावादी

54 सिल्वर वैडिंग कहानी के विषय में सही नहीं है-

1. यशोधर बाबू अनिर्णय की स्थिति में हैं।
2. जो हुआ होगा में ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव है।
3. सिल्वर वैडिंग के आयोजन में यशोधर बाबू की सहमति थी।
4. किशनदा के व्यक्तित्व का यशोधर बाबू पर बहुत ज्यादा प्रभाव था।

55 कविता के प्रति लगाव के बाद जूझ के लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ?

1. आशावादी एवं आत्मविश्वासी बन गया
2. अब उसे अकेले में रहना खटकने लगा
3. दूसरे विद्यार्थियों को कविता लेखन सिखाने लगा
4. उसके मन में कवियों के प्रति सम्मान बढ़ गया

56 जूझ पाठ के आधार पर बताइए कि पढ़ाई – लिखाई के संबंध में किसका रवैया सही नहीं था ?

1. लेखक का
2. दत्ताजी राव का
3. लेखक के पिता का
4. लेखक की माता का

57 जूझ पाठ के कथानायक की कौनसी चारित्रिक विशेषता नहीं है ?

1. काव्य प्रेमी
2. परिश्रमी
3. असंवेदनशील
4. जुझारू

58 जूझ पाठ के कथानायक की कौनसी चारित्रिक विशेषता नहीं है ?

1. काव्य प्रेमी
2. परिश्रमी
3. असंवेदनशील
4. जुझारू

अंक योजना

खंड 'अ' अपठित बोध		
प्रश्न	**(अपठित गद्यांश आधारित प्रश्न)**	**1x10=10**
1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10.	2. परस्पर बोलचाल का अभाव 1. संवाद में चुपचाप शामिल होना 2. बात को धैर्यपूर्वक सुने बिना बोलने की शीघ्रता संवाद की गंभीरता को नष्ट कर देती है 4. संवाद का मूल मंत्र या उद्देश्य 1. अच्छे श्रोता के रूप में 3. उतावलापन 1. अधीरता 4. लोग संवाद से दूसरे के दुख – दर्द को कम करते हैं 3. संवाद की अनंत संभावनाओं को समझाने के लिए 3. संवाद की अनंत संभावना	
अथवा (अपठित गद्यांश आधारित प्रश्न)		**1x10=10**
11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20.	1. स्वाधीनता की पहचान 2. जो राजनीति और धर्म के संबंध को नहीं मानते 3. उपर्युक्त दोनों सही है 1. राजनीतिक मुक्ति के साथ सामाजिक एवं धार्मिक ढाँचे के भीतर समानता से 4. उपर्युक्त सभी के लिए 2. सभी प्राणियों के प्रति आत्मवत प्रेम-भाव 4. राजनीतिक मुक्ति के साथ-साथ सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों में भी मुक्ति 2. अहिंसक संघर्ष 1. सामाजिक-आर्थिक रूप से अब तक दबे हुए कमजोर व वंचितों की मुक्ति संभव हो 2. केवल राजनैतिक मुक्ति से सपनों के भारत का निर्माण संभव नहीं	

(अपठित काव्यांश आधारित प्रश्न)			1x5=5
21.	2.	हरे – भरे पेड़ – पौधों वाले घाट	
22.	1.	अनावृष्टि के कारण	
23.	2.	हरे – भरे पेड़ – पौधे न दिख पाने का	
24.	4.	सूखी झील के संसाधनों को बेचकर	
25.	1.	जल के अभाव में जल आधारित दैनिक आवश्यकताएँ पूरी न होने के कारण	
अथवा (अपठित काव्यांश आधारित प्रश्न)			1x5=5
26.	2.	भाग्यवाद को	
27.	3.	परिश्रम से	
28.	3.	स्वयं के भुजबल से	
29.	3.	मेहनती प्राणी बनने की	
30.	2.	अकर्मण्य लोग	
खंड 'ब' अभिव्यक्ति और माध्यम			
(अभिव्यक्ति और माध्यम के पाठों पर आधारित प्रश्न)			1x5=5
31.	1.	उपर्युक्त सभी सही है	
32.	3.	एंकर बाइट	
33.	4.	समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं।	
34.	2.	इंटरनेट	
35.	2.	फ्रीलांसर	
36.	4.	फ़ीचर लेखन की भाषा सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाली होती है।	
खंड 'स' पाठ्यपुस्तक व अनुपूरक प्रश्न			
(पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न)			1x5=5
37.	4.	बच्चों के अकेलेपन के कारण	
38.	2.	हरिवंशराय बच्चन	
39.	3.	(अ), (स) व (द) सही है	
40.	3.	उपर्युक्त दोनों कारण	
41.	2.	स्थिरता का	

(पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न)		1x5=5
42.	1. दोनों के बीच भावनात्मक संबंध के कारण	
43.	2. लेखिका चाहकर भी भक्तिन को अपनी सेवा से हटा नहीं सकती	
44.	1. (अ) सही है	
45.	4. स्वाभिमानी	
46.	1. लेखिका और भक्तिन के जीवन की अभिन्नता बताने के लिए	
(पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न)		1x5=5
47.	3. दोनों ही खिलते हैं, विकसित होते हैं	
48.	3. बाज़ार जाओ तो मन खाली न हो	
49.	3. (ब) व (द) सही है	
50.	4. शिक्षित	
51.	2. प्रिय (संबोध्य) से मिल न पाने के कारण	
52.	2. प्रजा अपने अनुसार राजा को चलने के लिए बाध्य कर सकती है	
(अनुपूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित प्रश्न)		1x5=5
53.	4. परिवर्तनशीलता	
54.	2. आधुनिक	
55.	3. सिल्वर वैडिंग के आयोजन में यशोधर बाबू की सहमति थी।	
56.	1. आशावादी एवं आत्मविश्वासी बन गया	
57.	3. लेखक के पिता का	
58.	3. असंवेदनशील	

आदर्श प्रश्नपत्र-2

	खंड ' अ 'अपठित बोध	अंक 15
	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	**10**
	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-	10
	परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है । जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही प्राप्त होती है । कहा भी गया है – उद्यमी को सब कुछ मिलता है और भाग्यवादी को कुछ भी नहीं मिलता, अवसर उनके हाथ से निकल जाता है। कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम भाग्य है । प्रकृति को ही देखिए; सारे जड़	

	चेतन अपने काम में लगे रहते हैं, चींटी को पलभर चैन नहीं, मधुमक्खी जाने कितनी लंबी यात्रा कर बूँद- बूँद मधु जुटाती है। मुर्गे को सुबह बांग लगानी होती है,फिर मनुष्य को बुद्धि और विवेक मिला है, वह सिर्फ सफलता की कामना करता क्यों बैठा रहे ? विश्व में जो देश आगे बढ़े हैं उनकी सफलता का रहस्य कठिन परिश्रम ही है। जापान को दूसरे विश्वयुद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था । उसकी अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई थी लेकिन दिन-रात परिश्रम करके आज वह विश्व का प्रमुख औद्योगिक और विकसित देश बन गया है । चीन भी अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ा है । जर्मनी ने भी युद्ध की विभीषिका झेली पर परिश्रम के बल पर ही संभल गया। परिश्रम का महत्व वे जानते हैं जो स्वयं अपने बल पर आगे बढ़े हैं । संसार के इतिहास में अनेक चमकते सितारे केवल परिश्रम के ही प्रमाण हैं । हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री अब्दुल कलाम परिश्रम और मनोबल से ही देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए उनका कहना था- "भाग्य के भरोसे बैठने वाले को उतना ही मिलता है जितना मेहनत करने वाले छोड़ देते हैं"। हमारे बड़े-बड़े धनकुबेर व्यापारी टाटा,बिरला, अंबानी यह सब परिश्रम के ही उदाहरण है निरंतर परिश्रम और दृढ़ संकल्प हमारे लक्ष्य को हमारे करीब लाता है । गरीब परिश्रम करके अमीर हो जाता है और अमीर शिथिल बनकर असफल हो जाता है। भारतीय कृषक के परिश्रम का ही फल है कि देश में हरित क्रांति हुई। अमेरिका के सड़े गेहूँ से पेट भरने वाला भारत आज मजबूरी नहीं, बल्कि मजबूती से खड़ा है तो इसके पीछे इसके पीछे कठोर परिश्रम और धैर्य ही है । हमारे कारखाने दिन रात उत्पादन कर रहे हैं, विकासशील देशों में पिछड़े माने जाने वाले हम भारतवासी आज विकसित देशों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । अगर हम कहीं पिछड़े हैं तो उसका कारण परिश्रम का अभाव ही होगा । परिश्रम के बिना जीवन में कुछ नहीं मिलता | किसी ने सही कहा है- " सकल पदारथ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं |" यदि विद्यार्थी जीवन से ही परिश्रम की आदत पड़ जाएगी तो हम जीवन में कभी असफल नहीं हो सकते । विद्यार्थी जीवन तो परिश्रम की पहली पाठशाला है तो न सिर्फ हमारी शिक्षा बल्कि हमारा भविष्य भी सुरक्षित और मजबूत हो जाता है।	
*	**निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**10x1=10**
1	उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा – (1) भाग्य बलवान होता है (2) आलसी जीवन (3) परिश्रम का महत्व (4) देश का विकास	1
2	जीवन में सफलता पाने का सबसे बड़ा माध्यम क्या है? (1) पैसा (2) विद्वत्ता (3) चालाकी (4) पुरुषार्थ	1
3	जापान, जर्मनी,चीन जैसे देश विपरीत परिस्थितियों से बाहर कैसे निकले? (1) युद्ध से (2) व्यापार से (3) विदेश नीति से (4) परिश्रम से	1
4	हमारे लक्ष्य को हमारे करीब कौन लाता है? (1) प्रेम और विश्वास (2) सत्य और अहिंसा (3) परिश्रम और दृढसंकल्प (4) त्याग और स्नेह	1
5	आज हमारा देश बड़े-बड़े देशों के सामने किस रूप में खड़ा है? (1) याचक के रूप में (2) प्रतिस्पर्धी के रूप में (3) शत्रु के रूप में (4) पराक्रमी के रूप में	1
6	परिश्रम की पहली पाठशाला कहाँ मिलती है?	1

	(1) कार्यस्थल (2) घर- परिवार में (3) विद्यार्थी जीवन में (4) विदेश जाने पर	
7	हमारे किसानों के परिश्रम से देश में कौन सी क्रांति आयी? (1) हरित क्रांति (2) श्वेत क्रांति (3) लाल क्रांति (4) नील क्रांति	1
8	निम्नलिखित में से कौन सी पंक्ति पुरुषार्थ या परिश्रम के महत्त्व पर सटीक बैठती है? (1) करमगति टारे नाहीं टरे (2) पुरुष बली नहीं होता है समय होत बलवान (3) सबके दाता राम (4) सकल पदारथ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं	1
9	इनमें से कौन सा शब्द 'विभीषिका' का समानार्थी होगा- (1) दुष्प्रभाव (2) त्रासदी (3) हानि (4) अवसाद	1
10	'सुरक्षित ' शब्द में प्रत्यय है- (1) क्षित (2) त (3) इत (4) एत	1
	अथवा (अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न)	
प्रश्न	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-**	**10**
	दबाव में काम करना व्यक्ति के लिए अच्छा है या नहीं इस बात पर प्रायः बहस होती है | कहा जाता है कि व्यक्ति अत्यधिक दबाव में नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी कर लेता है, जिससे उसे अक्सर कार्य में असफलता प्राप्त होती है| वह अपना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी खो बैठता है| दबाव को यदि ताकत बना लिया जाए तो न सिर्फ सफलता प्राप्त होती है, बल्कि व्यक्ति कामयाबी के नए मापदंड रचता है | ऐसे बहुत सारे उदाहरण है जब लोगों ने अपने काम के दबाव को अवरुद्ध नहीं, बल्कि ताकत बना लिया| सुख-दुख, सफलता-असफलता शांति-क्रोध और क्रिया-कर्म हमारे दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है| जोस सिल्वा इस बात से सहमत होते हुए अपनी पुस्तक 'यू द हीलर' में लिखते हैं कि मन मस्तिष्क को चलाता है और मस्तिष्क शरीर को | इस तरह शरीर मन के आदेश का पालन करता हुआ काम करता है | दबाव में व्यक्ति यदि सकारात्मक होकर काम करें तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब होता है| दबाव के समय मौजूद समस्या पर ध्यान केंद्रित करने और बोझ महसूस करने की बजाय यदि वह सोचा जाए कि हम अत्यंत सौभाग्यशाली है जो एक कठिन चुनौती को पूरा करने के लिए तत्पर है तो हमारी बेहतरीन क्षमताएँ स्वयं जाग्रत हो उठती है| हमारा दिमाग जिस चीज पर भी अपना ध्यान केंद्रित करने लगता है वह हमें बढ़ती प्रतीत होती है| यदि हम अपनी समस्याओं के बारे में सोचेंगे तो वह भी बड़ी महसूस होगी | इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि जीतना एक आदत है, पर अफसोस ! हारना भी आदत ही है |	
*	**निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**10x1=10**
11	दबाव में काम करने से व्यक्ति: (1) कार्य में सफल नहीं होता है। (2) अपना मानसिक स्वास्थ्य खो देता है। (3) अपना शारीरिक स्वास्थ्य खो देता है। (4) उपर्युक्त सभी।	1
12	दबाव हमारी सफलता का कारण बनताहै, जब व्यक्ति	1

	(1) दबाव को ताकत बना लेता है (2) दबाव में नकारात्मक रूप से काम करता है (3) घबरा जाता है (4) उसी भाषा मेंजवाब देता है	
13	दबाव में सकारात्मक सोच है : (1) समस्या पर ध्यान केंद्रितकरना (2) कार्य को बोझ न समझना (3) कठिन से कठिन चुनौती के लिए तत्पर रहना (4) उपर्युक्त सभी ।	1
14	सफलता सुख-दुख शांति क्रोध सब किस पर निर्भर करता है? (1) मनुष्य के व्यक्तित्व पर (2)मनुष्य के दृष्टिकोण पर (3) मनुष्य की कार्यशैली पर (4) मनुष्य के विरोधी भाव पर	1
15	कार्य में असफलता प्राप्त होती है जब व्यक्ति : (1) नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी होने देता है। (2) कार्य के प्रति जागरूक होताहै। (3) संघर्ष के साथ आगे बढ़ता है। (4) साहस के साथ काम करते हैं।	1
16	'यू द हीलर' है : (1) एक व्यक्ति (2) एक पुस्तक (3) एक भवन (4) एक संस्थान	1
17	गद्यांश के अनुसार मस्तिष्क को कौन चलाता है? (1) व्यक्ति (2) मन (3) तन (4) दृष्टिकोण	1
18	व्यक्ति अपनासर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कब करता है? (1) सकारात्मक हो कर (2) दबाव में सकारात्मक होकर (3) अत्यधिक पूंजी लगाकर (4) तनाव में आकार	1
19	अपनी क्षमताओं को जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका किसकी होती है? (1) पूंजी की (2) अभिव्यक्ति की (3) सोच की (4) मार्गदर्शन की	1
20	'शारीरिक स्वास्थ्य' में ' शारीरिक'है : (1) संज्ञा (2) सर्वनाम (3) विशेषण (4) क्रिया	1
प्रश्न	**अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न**	**अंक 5**
	निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-	**5x1=5**
	वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो चट्टानों की छाती से दूध निकालो | है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो, पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो | चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे ! योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे !	

	छोडो मत अपनी आन, सीस कट जाए मत झुको अन्याय पर, भले व्योम फट जाए | दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है मरता है जो भी एक ही बार मरता है | नत हुए बिना जो अशनि घात सहती है स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है |	
*	**निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	5
21	इन पंक्तियों में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है ? (1) आन-बान की रक्षा करने की (2) जीवन की रक्षा करने की (3) धन संपत्ति की रक्षा करने की (4) साधना में लीन रहने की	1
22	कवि किसके समान जीने को कहता है ? (1) योगियों के (2) भोगियों के (3) विजयी व्यक्तियों के (4) राजाओं के	1
23	भले व्योम फट जाए' का भावार्थ है – (1) कितनी ही मुसीबत आ जाए (2) मूसलाधार वर्षा हो जाए (3) आसमान दो टुकड़ों में बंट जाए (4) आसमान से फूलों की वर्षा हो जाए	1
24	जो बिना झुके मुसीबतों का सामना करते हैं, वे किसका उपभोग करते हैं ? (1) दुखों का (2) सुखों का (3) परतंत्रता का (4) स्वतंत्रता का	1
25	कवि क्या छोड़ने की बात कर रहा है ? (1) मोह- माया (2) वैराग्य (3) सांसारिक सुख (4) बाँहों की शक्ति	1
	अथवा (अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न)	5
	निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-	5
	नए युग में विचारों की नई गंगा बहाओ तुम, कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफान में नहाओ तुम | अगर तुम ठान लो तो आँधियों को मोड़ सकते हो | अगर तुम ठान लो तो तारे गगन के तोड़ सकते हो, अगर तुम ठान लो तो	

	विश्व के इतिहास में अपने- सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो, तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है- उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम | पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे, तुम्हारी देह के श्रम सीकरों में शक्ति है इतनी- कहीं भी धूलमें तुम फूल सोने के खिला दोगे | नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है | इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम |	
*	**निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	5
26	यदि भारतीय नवयुवक दृढ़ निश्चय कर ले तो क्या- क्या कर सकते हैं ? (1) मुश्किल से मुश्किल कार्य कर सकते हैं (2) मुसीबत का सामना कर सकते हैं (3) विश्व के इतिहास में केवल अपना नाम लिख सकते हैं | (4) उपर्युक्त सभी ।	1
27	आशय स्पष्ट कीजिए- “कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के खिला दोगे |” (1) खून पसीना एक कर देना | (2) लोगों को नया जीवन दिला देना | (3) परिश्रम से सम्पन्नता हासिल करना | (4) मन मेंदृढ़ निश्चय कर लेना	1
28	प्रस्तुत काव्यांश में किस मुहावरे का प्रयोग किया गया है? (1) आसमान के तारे तोड़ना (2) एड़ी चोटी का जोर लगा देना (3) कलम तोड़ना (4) खून पसीनाएक करना	1
29	भारतीय नवयुवकों से क्या आग्रह किया जा रहा है? (1) पुराने विचारों पर विश्वास करने का (2) मन ही मन में कुंठित होने का (3) नए युग में नए विचार व सोच अपनाने का (4) नए-नए परिधान धारण करने का ।	1

30	"तुम्हारी देह के श्रम सीकरों में शक्ति है इतनी" पंक्ति में 'श्रम सीकर' का शब्दार्थ है- (1) पसीने का आनंद । (2) पसीने की बूंदे । (3) पसीने का आभास । (4) पसीने की मात्रा ।	1
प्रश्न	**खंड-ब: अभिव्यक्ति और माध्यम के पाठों पर आधारित प्रश्न**	**5 अंक**
प्रश्न	निम्नलिखित में से किन्हीं 05 प्रश्नो के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पो का चयन कीजिए:-	**5**
31	निम्न में से कौन-सा आधुनिकतम जनसंचार का माध्यम है? (1) समाचार पत्र (2) इन्टरनेट (3) टी. वी. (4) रेडियो	1
32	समाचार लेखन की प्रचलित शैली का क्या नाम है? (1) उल्टा पिरामिड (2) सीधा पिरामिड (3) कथात्मक शैली (4)इनमे से कोई नहीं	1
33	जनसंचार का पुराना व स्थायित्व वाला माध्यम कौनसा है? (1) टी. वी. (2) इन्टरनेट (3) रेडियो (4) समाचार पत्र	1
34	निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है? (1) संपादकीय में सम्पादक का नाम छापा जाता है? (2) सम्पादकीय में समसामयिक मुद्दों पर राय प्रकट की जाती है। (3) सम्पादकीय अखबार की आवाज होता है। (4) सम्पादकीय संपादक/ सम्पादक मंडल द्वारा लिखा जाता है।	1
35	वह पत्रकार जो एक से अधिक समाचार पत्रों के लिए निश्चित मानदेय पर काम करता है वह ....कहलाता है। (1) स्वतंत्र पत्रकार (2) अंशकालिक पत्रकार (3) स्थायी पत्रकार	1

	(4) इनमें से कोई नहीं	
36	फीचर लेखन का उद्देश्य नहीं है – (1) मनोरंजन करना (2) सूचना देना (3) ज्ञानवर्धक होना (4) कपोल कल्पना	
	खंड 'स' पाठ्य पुस्तक व अनुपूरक पुस्तक	22
	पठित कव्यांश पर आधारित प्रश्न	**अंक**
प्रश्न	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**	**5**
	जिंदगी में जो कुछ है, जो भी है सहर्ष स्वीकारा है; इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है वह तुम्हें प्यारा है| गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब यह विचार-वैभव सब दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब मौलिक है, मौलिक है इसलिए कि पल पल में जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है- संवेदन तुम्हारा है! !	
*	**निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**5**
37	इसलिए कि पल पल में जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है- संवेदन तुम्हारा है! !- पंक्तियों का आशय है – (1) कवि अहर्निश प्रियतम के इर्द-गिर्द होने का अहसास करता है| (2) कवि रात्रि का वर्णन करता है | (3) कवि अभावों से घिरा हुआ है | (4) कवि को अपने प्रियतम की पहचान करना कठिन लग रहा है|	1
38	सहर्ष स्वीकृति के क्या कारण है? (1) प्रियतम से समानुभूति (2) स्वयं से प्रीति (3) लोक में स्वीकृति (4) इनमे से कोई नहीं	1

39	कवि के जीवन में क्या मौलिक नहीं है? (1) भीतर की सरिता (2) दृढ़ता (3) विचार वैभव (4) वैचारिक द्वंद्व	1
40	कवि जीवन में प्राप्त को .... स्वीकार करता है| (1) संवेदना के स्तर पर| (2) सहर्ष (3) प्यारा होने के कारण (4) उपर्युक्त सभी	1
41	विचार-वैभव से क्या तात्पर्य है? (1) विचरों का क्रम (2) उच्च वैचारिक स्तर (3) विचारों की प्रचुरता (4) विचारों की अभिव्यक्ति	1
	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	**अंक**
प्रश्न	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**	5
	इन बातों को आज पचास से ज्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज हैं| कभी-कभी कैसे-कैसे सन्दर्भों में यह बातें मन को कचोट जाती है, हम आज देश के लिए करती क्या है? मांगे हर क्षेत्र में बड़ी बड़ी है पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है| अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है| हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के तो अंग नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?	
*	**निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	5
42	50 बरस बाद भी लेखक के मन पर दीदी की यह बातें ज्यों की त्यों दर्ज होने का कौनसा कारण नहीं है? (1) दीदी की त्याग की भावना के कारण (2) अधिकारों से अधिक कर्तव्य को महत्व देना के कारण (3) स्वार्थ की अधिकता के कारण (4) समाज में सहभागिता के कारण	1

43	वे कौनसी बातें है जो लेखक के मन को कचोटती हैं? (1) लोगों में स्वार्थ पूर्ति की भावना (2) अधिकारों की व्यापक मांग (3) देश हित में कुछ न करना (4) उपर्युक्त सभी	1
44	"काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं?" का आशय है – (1) अनुकूल समय होने पर भी सुन्दर भविष्य हेतु सक्रियता व दूरदृष्टि का अभाव| (2) संसाधनों की कमीं| (3) सरकारों द्वारा योजनाएं न बनाना | (4) ये सभी|	1
45	दूसरों के भ्रष्टाचार की बातों में रस आने के क्या कारण है? (1) बात करने वाला जनता है कि वह स्वयं भी भ्रष्टाचार में लिप्त है| (2) बात करने वाला स्वार्थरहित होता है | (3) बात करने वाला केवल यहीं काम जनता है| (4) बात करने वाला स्वयं भ्रष्टाचार का अंग है लेकिन वह इस तथ्य से अनभिज्ञ है|	1
46	दीदी कौन थी ? (1) लेखक की माँ | (2) लेखक की बहिन| (3) लेखक की रिश्तेदार| (4) मुँहबोली दीदी		1
	पाठ्य पुस्तकों के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न	
*	**निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**5**
47	भगतजी के व्यक्तित्व की कौनसी विशेषता नहीं है ? (1) वे सबका भला चाहते थे | (2) मन को मारकर रखते थे | (3) उनका चूरन आस पास सरनाम था | (4) सभी लोग उनके प्रति सद्भावना रखते थे		1
48	'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में प्रश्नकर्ता की किस मानसिकता का पता चलता है? (1) अपाहिज के प्रति संवेदनहीनता | (2) अपाहिजों का मसीहा | (3) अपाहिज के प्रति संवेदनशीलता		1

	(4) मानवीयता की भावना से परिपूर्ण I	
49	कविता और बच्चे को समान मानने का क्या कारण है? (1) दोनों एक दूसरे के पूरक होते हैं I (2) दोनों चिड़िया व फूल के स्वाभाव के होते है I (3) दोनों की सीमाएं निश्चित हैं| (4) दोनों में असीम रचनात्मक उर्जा होती है I	1
50	भक्तिन पाठ में भक्तिन को खोटे सिक्कों की टकसाल जैसी पत्नी कहे जाने का क्या कारण है? (1) जिद्दी होने के कारण I (2) भक्तिन के बेटा न होने के कारण| (3) तीन बेटियों को जन्म देने के कारण I (4) लीक छोड़कर चलने के कारण I	1
51	'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में है - (1) करुणा के मुखौटे में क्रूरता I (2) व्यावसायिक लाभ कमाने की लालसा I (3) सबल और श्रेष्ठ होने का दंभ I (4) उपर्युक्त सभी|	1
52	"मैं होऊं किसके हित चंचल?" में परिलक्षित होता है – (1) सामर्थ्यहीनता I (2) आलंबन का अभाव I (3) सबलता| (4) उत्साहहीनता I	1
	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित प्रश्न	5
*	**निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**5**
53	सिल्वर वेडिंग कहानी में यशोधर जी को हर बदलाव 'समहाऊ इम्प्रोपर' क्यों लगता है ? (1) आधुनिकता के प्रभाव के कारण| (2) बच्चों से तालमेल अधिक होने के कारण I (3) पत्नी के आग्रह के कारण I (4) अतीत से चिपके रहने के कारण I	1
54	यशोधर जी दुखी रहते थे| इनमें दुखी होने का कौनसा कारण नहीं है? (1) बच्चों की तरक्की I (2) बच्चों द्वारा रिश्तेदारों की उपेक्षा I (3) किशन दा की मृत्यु का अबूझ कारण I	1

	(4) बच्चों द्वारा पिता की बात को महत्त्व न देना ।	
55	जूझ पाठ में लेखक की सहायता करने में किनकी अहम भूमिका नहीं थी? (1) लेखक की माँ की। (2) दत्ताजी राव की। (3) पिता की । (4) न. वा. सौन्दल्गेकर की।	1
56	जूझ कहानी से प्रेरणा मिलती है – (1) प्रतिकूल परिस्थितियों में अवसर खोजने की। (2) कार्य से बचने की । (3) खेत पर काम करने की। (4) स्कूल जाने की।	1
57	आनंद यादव क्यों पढ़ना चाहते थे ? (1) खेती में कम फायदा कभी नहीं होता था। (2) खेती में करना अच्छा नहीं होता। (3) पीढ़ियों से खेती करते आ रहे थे लेकिन खेती उन्हें गड्ढे में डाल रही थी। (4) दत्ता जी राव की आज्ञा के कारण।	1
58	यशोधर जी का मन पूजा-पाठ, सत्संग आदि में क्यों नहीं लगता था? (1) क्योंकि वे इन सबको रिटायर होने के बाद के लिए सही मानते थे । (2) पारिवारिक द्वंद्व में उलझे रहने के कारण । (3) उनकी पत्नी को पूजा-पाठ आदि पसंद नहीं थे । (4) वे स्वयं पूजा-पाठ आदि को पसंद नहीं करते थे।	1

अंक योजना

प्रश्न	**खंड ' अ 'अपठित बोध**	अंक 15
	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	10
*	गद्यांश 1 के प्रश्नों के उत्तर	**10x1=10**
1	(3) परिश्रम का महत्व	1
2	(4) पुरुषार्थ	1
3	(4) परिश्रम	1
4	(3) परिश्रम और दृढसंकल्प	1
5	(2) प्रतिस्पर्धी के रूप में	1
6	(3) विद्यार्थी जीवन में	1

7	(1) हरित क्रांति	1
8	(4) सकल पदारथ है जग माहीं, कर्महीन नर पावत नाहीं	1
9	(2) त्रासदी	1
10	(3) इत	1
	अथवा (अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न)	
प्रश्न	गद्यांश -II के प्रश्नों के उत्तर	**10x1=10**
11	(4) उपर्युक्त सभी ।	1
12	(1) दबाव को ताकत बना लेता है	1
13	(4) उपर्युक्त सभी ।	1
14	(2) मनुष्य के दृष्टिकोण पर	1
15	(1) नकारात्मक भावों को अपने ऊपर हावी होने देता है	1
16	(2) एक पुस्तक	1
17	(4) दृष्टिकोण	1
18	(2) दबाव में सकारात्मक होकर	1
19	(3) सोच की	1
20	(3) विशेषण	1
प्रश्न	**अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न**	अंक 5
प्रश्न	पद्यांश -I के प्रश्नों के उत्तर	
21	(1) आन-बान की रक्षा करने की	1
22	(3) विजयी व्यक्तियों के	1
23	(1) कितनी ही मुसीबत आ जाए	1
24	(4) स्वतंत्रता का	1
25	(2) वैराग्य	1
	अथवा (अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न)	5
प्रश्न	पद्यांश -II के प्रश्नों के उत्तर	**5**
26	(1) उपर्युक्त सभी ।	1
27	(2) परिश्रम से सम्पन्न्ता हासिल करना |	1
28	(3) आसमान के तारे तोड़ना	1
29	(4) नए युग में नए विचार व सोच अपनाने का	1
30	(5) पसीने की बूंदे ।	1

	खंड-ब: अभिव्यक्ति और माध्यम के पाठों पर आधारित प्रश्न	
31	(2) इन्टरनेट	
32	(1) उल्टा पिरामिड	
33	(4) समाचार पत्र	
34	(1) संपादकीय में सम्पादक का नाम छापा जाता है	
35	(2) अंशकालिक पत्रकार	
36	(4) कपोल कल्पना	
	खंड 'स' पाठ्य पुस्तक व अनुपूरक पुस्तक	
	पठित कव्यांश पर आधारित प्रश्न	
37	(1) कवि अहर्निश प्रियतम के इर्द-गिर्द होने का अहसास करता है|	
38	(1) प्रियतम से समानुभूति	
39	(4) वैचारिक द्वंद्व	
40	(2) सहर्ष	
41	(2) उच्च वैचारिक स्तर	
	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	
	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-	
42	(3) स्वार्थ की अधिकता के कारण	
43	(4) उपर्युक्त सभी	
44	(1) अनुकूल समय होने पर भी सुन्दर भविष्य हेतु सक्रियता व दूरदृष्टि का अभाव|	
45	(4) बात करने वाला स्वयं भ्रष्टाचार का अंग है लेकिन वह इस तथ्य से अनभिज्ञ है|	
46	(4) मुँहबोली दीदी |	
	पाठ्यपुस्तकों के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न	
	निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	
47	(2) मन को मारकर रखते थे |	
48	(1) अपाहिज के प्रति संवेदनहीनता |	
49	(4) दोनों में असीम रचनात्मक ऊर्जा होती है |	
50	(3) तीन बेटियों को जन्म देने के कारण |	
51	(4) उपर्युक्त सभी|	
52	(2) आलंबन का अभाव |	
	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित प्रश्न	
	निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	
53	(4) अतीत से चिपके रहने के कारण |	

54	(1) बच्चों की तरक्की।	
55	(3) पिता की ।	
56	(1) प्रतिकूल परिस्थितियों में अवसर खोजने की।	
57	(3) पीढ़ियों से खेती करते आ रहे थे लेकिन खेती उन्हें गड्ढे में डाल रही थी।	
58	(2) पारिवारिक द्वंद्व में उलझे रहने के कारण ।	

आदर्श प्रश्नपत्र-3

खंड अ अपठित बोध (चिंतन क्षमता एवम् अभिव्यक्ति कौशल)

निर्देश- (प्रश्न संख्या 1 से 20) निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

शिक्षा जीवन के सर्वांगीण विकास हेतु अनिवार्य है। शिक्षा के बिना मनुष्य विवेकशील और शिष्ट नहीं बन सकता। विवेक से मनुष्य में सही और गलत का चयन करने की क्षमता उत्पन्न होती है। विवेक से ही मनुष्य के भीतर उसके चारों ओर घटते घटनाक्रमों के प्रति एक उचित दृष्टिकोण उत्पन्न होता है। शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है।

शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जाग्रत होकर कर्तव्याभिमुख हो जाता है। 'स्व' से 'पर' की ओर अग्रसर होने लगता है। निर्बल की सहायता करना, दुखियों के दुख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुख से दुखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती हैं। इतिहास, साहित्य, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान ही नहीं बनता; वरन उसमे एक विशिष्ट जीवन दृष्टि, रचनात्मकता और परिपक्वता का सृजन भी होता है। शिक्षित सामाजिक परिवेश में पला-बढा व्यक्ति अशिक्षित सामाजिक परिवेश में पले व्यक्ति की तुलना में सदैव ही उच्च स्तर का जीवन यापन करता है।

आज के आधुनिक युग में शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा भौतिक आकांक्षा की पूर्ति का साधन बनती जा रही हैं। व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण से छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे है, जिसके कारण रूस की क्रांति, फ्रांस की क्रांति, अमेरिकी क्रांति, समाजवाद, पूंजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं मिल पा रही है। यह शिक्षा का विशुद्ध रोजगारोन्मुखी रूप है।

शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टिकोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता। भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा रोजगार का साधन ना होकर साध्य हो गई है। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना आवश्यक है। जहां मानविकी के छात्रों को पत्रकारिता, साहित्य सृजन, विज्ञापन, जनसंपर्क इत्यादि कोर्स भी कराने चाहिए; ताकि उन्हें रोजगार के लिए भटकना ना पड़े। वही व्यावसायिक कोर्स करने वाले छात्रों को मानविकी के विषय; जैसे -- इतिहास, साहित्य, राजनीति विज्ञान, दर्शन आदि का थोड़ा बहुत अध्ययन अवश्य करना चाहिए, ताकि समाज को विवेकशील नागरिक प्राप्त होते रहे, तभी समाज में संतुलन बना रह सकेगा।

(1) मनुष्य में सही और गलत का चयन करने की क्षमता किससे उत्पन्न होती है ?

(क) शिक्षा से (ख) शिष्टाचार से

(ग) विवेक से (घ) सतर्कता से

(2) 'स्व' से 'पर, की ओर अग्रसर होने से क्या तात्पर्य है ?

(क) स्वयं को भूल जाना (ख) स्वयं से पराया हो जाना

(ग) परोपकार करना (घ) स्वार्थी हो जाना

(3) एक शिक्षित व्यक्ति में समाज कल्याण हेतु किन बातों का होना आवश्यक हैं ?

(क) निर्बल की सहायता करना (ख) दूसरों के दुख में दुखी हो जाना

(ग) दुखियों के दुख दूर करने का प्रयास करना (घ) उपर्युक्त सभी

(4) शिक्षा के द्वारा मनुष्य में कैसी भावना उत्पन्न होती है?

(क) भौतिक उन्नति की (ख) वसुधैव कुटुंबकम की

(ग) स्वार्थ पूर्ति की (घ) अनुशासन हीनता की

(5) 'शिक्षा भौतिक आकांक्षा की पूर्ति का साधन बनती जा रही है'- पंक्ति का क्या आशय है?

(क) व्यावसायिक शिक्षा मनुष्य को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं।

(ख) व्यावसायिक शिक्षा वर्तमान में मात्र धन कमाने का साधन बनती जा रही है।

(ग) व्यावसायिक शिक्षा मनुष्य के लक्ष्य प्राप्ति का साधन बन रही हैं।

(घ) व्यावसायिक शिक्षा मानवीय मूल्यों का विस्तार करने का साधन है।

(6) व्यावसायिक शिक्षा के अंधानुकरण का क्या परिणाम सामने आया है?

(क) छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं।

(ख) छात्रों का सर्वांगीण विकास तीव्र गति से हो रहा है।

(ग) छात्र सामाजिक होते जा रहे हैं।

(घ) छात्र अपना उत्तरदायित्व स्वयं उठा रहे हैं।

(7) व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को किस की जानकारी नहीं है?

(क) राजनीतिक व्यवस्था की (ख) सांस्कृतिक मूल्यों की

(ग) सामान्य इतिहास की (घ) यह सभी

(8) गद्यांश के अनुसार विवेकशील नागरिकों का निर्माण करने में किसे बाधक माना गया है?

(क) आधुनिक शिक्षा को (ख) शिक्षा के प्रति संकुचित दृष्टिकोण को

(ग) समतामूलक समाज को (घ) शिक्षा के प्रति व्यापक दृष्टिकोण को

(9) व्यावसायिक कोर्स करने वाले छात्रों को किसका अध्ययन करना चाहिए ?

(क) पूंजीवाद का (ख) समाज व्यवस्था का

(ग) मानविकी विषयों का (घ) मानव मूल्य का

(10) गद्यांश में किस कुप्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की बात की गई है ?

(क) शिक्षा सुनागरिक निर्माण का साधन ना होकर साध्य बनने की

(ख) शिक्षा के सर्वांगीण विकास की

(ग) शिक्षा के रोजगारोन्मुखी ना होने की

(घ) शिक्षा के बढ़ते मूल्य को कम करने की।

अथवा

मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य के बिना जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ ही है। एक बार एक दिशाहीन युवा आगे बढ़े जा रहा था, राह में महात्मा जी की कुटिया देख रूककर महात्मा जी से पूछने लगा कि यह रास्ता कहाँ जाता है। महात्मा जी ने पूछा "तुम कहाँ जाना चाहते हो ?". युवक ने कहा "मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है।" , महात्मा जी ने कहा "जब तुम्हें पता ही नहीं है ,कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए, इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा" ।. कहने का मतलब है कि बिना लक्ष्य के जीवन में इधर-उधर भटकते रहिये, कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाओगे । यदि कुछ करना चाहते तो पहले अपना एक लक्ष्य बनाओ और उस पर कार्य करो । अपनी राह स्वयं बनाओ । वास्तव में जीवन उसी का सार्थक है जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है ।

गाँधीजी कहते थे कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना । जो कुछ करता है वही सफल-असफल होता है। हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान की अपनी-अपनी क्षमता होती है और उसी के अनुसार वह लक्ष्य निर्धारित करता है । जैसे विद्यार्थी का लक्ष्य है सर्वाधिक अंक प्राप्त करना तो नौकरी करने वालों का लक्ष्य होगा पदोन्नति प्राप्त करना । इसी तरह किसी महिला का लक्ष्य आत्मनिर्भर होना हो सकता है । ऐसा मानना है कि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य बनाना चाहिए, किन्तु बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए । जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हम में आत्मविश्वास आ जाता है ।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो । स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए, उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए । बस सफलता आपको मिली ही समझो । सच तो यह है कि जब आप कोई काम करते हैं तो यह जरुरी नहीं कि सफलता मिले ही, लेकिन असफलता से भी घबराना नहीं चाहिए । इस बारे में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें तो एक बार पुनः उठें और प्रयास करें । हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए ।

11.जीवन को कब दिशा-हीन और व्यर्थ समझा जाता है ?

(1) लक्ष्य के न होने पर
(2) साहस के न होने पर
(3) धन के न होने पर
(4) शरीर के न होने पर

12.किस के जीवन को सफल और सार्थक कहाँ जा सकता है ?

(1) जिसमें साहस का अभाव है
(2) जो परस्थितियों का दास है
(3) जिसमें परस्थितियों को बदलने का साहस है
(4) जो परिस्थितियों के अनुसार बदल जाता है

13. "जब तुम्हें पता ही नहीं है कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए, इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा ".महात्मा जी के कथन का क्या आशय है ?

(1) युवक को रास्ते से भटका रहे हैं

(2) युवक को रास्ता बता रहें हैं

(3) युवक को जीवन के लक्ष्य का पता ही नहीं है

(4) युवक रास्ता जानना ही नहीं चाहता है

14. कुछ न करने से अच्छा है, कुछ करना. जो कुछ करता है वही सफल-असफल होता है.उपर्युक्त कथन किसका है ?

(1) गांधी जी का

(2) विवेका नन्द जी का

(3) महात्मा जी का

(4) गुरु जी का

15. बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास कब आ जाता है ?

(क) बड़ी सोच रखने से

(ख) बड़े विचार रखने से

(ग) बड़े काम करने से

(घ) छोटे लक्ष्यों में सफलता प्राप्त करने से

16.स्वामी विवेकानंद जी का जीवन के लक्ष्य के बारे में क्या कहना है ?

(क) जीवन में कोई भी लक्ष्य बनाने की आवश्यकता नहीं है

(ख) लक्ष्य हमेशा बदलते रहना चाहिए

(ग) जीवन का एक लक्ष्य होना चाहिए जो हमेशा हमें प्रेरित करता रहें

(घ) लक्ष्य का जीवन से कोई सम्बन्ध नहीं होना चाहिए

17.किसी भी लक्ष्य को कब प्राप्त किया जा सकता है ?

(क) जब हमारे जीवन का लक्ष्य आसान हो

(ख) जब कोई हमारा साथ दे रहा हो

(ग) जब हम लगातार उस दिशा में प्रयास कर रहे हो

(घ) जब हम बार-बार लक्ष्य बदल रहे हो

18. 'हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें, तो एक बार पुनः उठें और प्रयास करें।" यह कथन किसका है ?

(क) महात्मा गाँधी जी का

(ख) स्वामी विवेकानंद जी का

(ग) स्वामी दयानंद जी का

(घ) इनमें से किसी का भी नहीं

19.स्वामी विवेकानंद के अनुसार सफलता को कैसे प्राप्त किया जा सकता है ?

(क) उसके बारे में सोच-सोच कर

(ख) दूसरों की सहायता प्राप्त करके

(ग) दूसरों सफलता में सहायता प्रदान करके

(घ)नियमित अभ्यास एवं निरंतर प्रयास करके

20. 'सर्वाधिक' शब्द का संधि विच्छेद होगा --

(क) सर्व+अधिक

(ख) सर्वा+अधिक

(ग) सर्वधि+ इक

(घ) सर्व+ अधि+ ईक

प्रश्न 2. निर्देश – (प्रश्न संख्या 21 से 30) निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखें प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

देव भूमि युक्त भारत देश
माता ने पहना नया वेश
पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।
मेखलाकर पर्वत अपार
अपने सहस्त्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,
जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण सा फैला है जो विशाल!
गिरि का गौरव गाकर झर -झर
मद से दिग को उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों सी सुन्दर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!
गिरिवर के उर से उठ उठ कर
उच्चाकांक्षायों से तरुवर
है झॉक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंता पर।
उड़ गया, अचानक लो, भूधर
धँस गए धरा में सभय शाल!
उठ रहा धुआँ, जल गया ताल!
-यों जलद-यान में विचर- विचर
था इंद्र खेलता इंद्रजाल
धीरे-धीरे नीरद आए
सब के घट मे खुशियां लाए
इंद्र धनुष के सप्त रंगों से
प्रकृति को मनमोहक बनाए

21. रव-शेष शब्द से क्या तात्पर्य है ?

(क) निस्तब्ध वातावरण

(ख) झरनों की आवाज

(ग) नदी की आवाज

(घ) झरने का बहना

22. कवि ने मोतियों से किसकी तुलना की है ?

(क) मोतियों की लड़ी से

(ख) बिजली की चमक से

(ग) झरने के पानी से

(घ) पानी के झाग से

23. भूधर शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) झरना

(ख) बादल

(ग) पहाड़

(घ) नदी

24. पर्वतीय इलाकों में किस ऋतु में हमेशा वातावरण परिवर्तित होता है ?

(क) ग्रीष्म ऋतु

(ख) वर्षा ऋतु

(ग) शरद ऋतु

(घ) वसंत ऋतु

25.गिरिवर के उर से उठ -उठ कर पंक्ति में अलंकार बतायें ।

(क) उपमा

(ख) अनुप्रास

(ग) पुनरुक्ति प्रकाश

(घ) रुपक

अथवा

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए :

इस समाधि में छिपी हुई है, एक राख की ढेरी ।
जलकर जिसने स्वतंत्रता की दिव्य आरती. फेरी।।
यह समाधि एक लघु समाधि है, झाँसी की रानी की।
अन्तिम लीला स्थली यही है, लक्ष्मी मरदानी की।।
यहीं कहीं पर बिखर गई वह, भग्न विजयमाला सी।
उसके फूल यहाँ संचित हैं, है यह स्मृतिशाला सी।
सहे वार पर वार अन्त तक, बढ़ी वीर बाला सी।

आहुति सी गिर पड़ी चिता पर, चमक उठी ज्वाला सी।
बढ़ जाता है मान वीर का, रण में बलि होने से।
मूल्यवती होती सोने की, भस्म यथा सोने से ॥
रानी से भी अधिक हमें अब, यह समाधि है प्यारी ।
यहाँ निहित है स्वतंत्रता की, आशा की चिनगारी ।।
इससे भी सुन्दर समाधियाँ, हम जग में हैं पाते।
उनकी गाथा पर निशीथ में, क्षुद्र जन्तु ही गाते।

26. काव्यांश में किसकी समाधि की बात हो रही है ?
क. लक्ष्मीबाई की
ख. नौजवानों की
ग. राज नेताओं की
घ. शहीदों की
27. 'उसके फूल यहाँ संचित हैं'- पंक्ति में फूल का क्या तात्पर्य है ?
क. सूखे हुए फूल
ख. रानी की अस्थियाँ
ग. खिले हुए फूल
घ. चिता के अवशेष
28. वीर का मान कब बढ़ जाता है?
क. जब वह युद्ध लड़ता है।
ख. जब वह लड़ते हुए शहीद हो जाता है।
ग. जब वह युद्धभूमि से पलायन कर जाता है।
घ.. जब वह युद्ध नहीं लड़ता है।
29. रानी से अधिक उसकी समाधि प्रिय क्यों है?
क . क्योंकि उससे स्वतंत्रता की प्रेरणा मिलती है।
ख. क्योंकि उससे रानी कि याद आती है।
ग. क्योंकि उससे वीर का मान बढ़ता है।
घ. क्योंकि वह चिता स्थल है।
30. सोने की भस्म किससे मूल्यवान होती है?
क. सोने से
ख. चाँदी से
ग. राख से
घ. फूलों से

खंड ब अभिव्यक्ति और माध्यम

निर्देश प्रश्न संख्या (31 से 36) -- निम्नलिखित छह प्रश्नों में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए --

31- नेट साउंड किस माध्यम से संबंधित है -

(क)इंटरनेट से (ख) टेलीविजन से

(ग) रेडियो से (घ)सिनेमा से

32- निम्न में से कौन सा पत्रकारिता का भेद नहीं है -

(क) साहित्यिक पत्रकारिता (ख)वैकल्पिक पत्रकारिता

(ग)एडवोकेसी पत्रकारिता` (घ)पीत पत्रकारिता

33- निम्न में से किसके अंतर्गत लेखक को विषय के चुनाव की स्वतंत्रता प्रदान की जाती है -

(क) लेख (ख) स्तम्भ लेखन

(ग) साक्षात्कार (घ) विशेष लेखन

34- टेलीविजन और रेडियो है -

(क) सरल रेखीय माध्यम (ख) द्विरेखीय के माध्यम

(ग)एक रेखीय माध्यम (घ)उपर्युक्त में से कोई नहीं

35- एंकर बाइट किससे संबंधित है -

(क)रेडियो (ख) इंटरनेट

(ग) प्रिंट मीडिया (घ) टेलीविजन

36. समाचार पत्रों की डेड लाइन कितने अवधि की होती है?

(क) 24 घंटे (ख) एक सप्ताह (ग) 12 घंटे (घ) 15 दिन

खंड स पाठ्य पुस्तक

प्रश्न संख्या (37 से 41) निर्देश - निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए-

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !
हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं-
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

37. यह कविता किस युग की है?

(1) भक्तिकाल की (ख) रीतिकाल की

(2) छायावाद की (घ)छायावादोत्तर काल की

38. पथिक तेज क्यों चलता है ?

(क) उसके बच्चे इंतज़ार कर रहे होते हैं

(ख) कोई उसका पीछा कर रहा है

(ग) वह रात होने से पहले अपने लक्ष्य तक पहुँचना चाहता है

(घ) वह बहुत थक गया है

39. "जल्दी-जल्दी " में कौनसा अलंकार है-

(क) अनुप्रास (ख) पुनरुक्ति प्रकाश

(ग) यमक (घ) श्लेष

40. दिन जल्दी-जल्दी ढलने का क्या अभिप्राय है-

(क) दिन छोटे होते हैं (ख) सुख के पल जल्दी बीतते हैं

(ग) जीवन देखते-देखते बीत जाता है (घ) हमे हर कार्य जल्दी में करना चाहिए

41. पंथी का पर्याय नहीं है-

(क) राही (ख) यात्री

(ग) पथिक (घ) साथी

प्रश्न संख्या (42 से 46) निर्देश - निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए-

" जीवन के दूसरे परिच्छेद में भी सुख की अपेक्षा दुख ही अधिक है। जब उसने गेहूंए रंग और बटिया जैसे मुख वाली पहली कन्या के दो संस्करण और कर डाले तब सास और जेठानियों ने ओंठ बिचकाकर उपेक्षा प्रकट की। उचित भी था,क्योंकि सास तीन तीन कमाऊ वीरों की विधात्री बनकर मचिया के ऊपर विराजमान पुरखिन के पद पर अभिषिक्त हो चुकी थी और दोनों जेठाणियाँ काक -भुशंडी जैसे काले लालों की क्रमबद्ध सृष्टि करके इस पद के लिए उम्मीदवार थी। छोटी बहू के लीक छोड़ कर चलने के कारण उसे दंड मिलना आवश्यक हो गया।"

42- जीवन के दूसरे परिच्छेद से क्या आशय है -

(क) वैवाहिक जीवन (ख) अवैवाहिक जीवन

(ग) सन्यासी जीवन (घ) वैधव्य जीवन

43-- भक्तिन ने कितनी लड़कियों को जन्म दिया था-

(क) पांच (ख) दो

(ग) चार (घ) तीन

44- भक्तिन के पुत्र ना होने पर उसकी सास द्वारा उपेक्षा प्रकट करना किस कारण उचित था -

(क) वह लड़कियों को पसंद नहीं करती थी (ख) वह स्वयं तीन पुत्रों को जन्म दे चुकी थी

(ग) वह भक्तिन से घृणा करती थी (घ) वह और अधिक पुत्रियां चाहती थी

45- गद्यांश में प्रयुक्त छोटी बहू संबोधन किसके लिए प्रयुक्त हुआ है-

(क) महादेवी वर्मा (ख) सास

(ग) भक्तिन (घ) छोटी जिठानी

46- इस गद्यांश में लीक छोड़कर चलने से क्या अभिप्राय है -

(क) पुरानी परंपरा पर चलना

(ख) नए तरीकों को अपनाना

(ग) पुत्र जन्म करने वाली घर की परंपरा को छोड़कर लड़कियों को जन्म देना

(घ)इनमें से कोई नहीं

प्रश्न संख्या (47 से 52) निर्देश - निम्नलिखित प्रश्नो को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों मे से किन्हीं पाँच के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए-

(47) पाठ "भक्तिन" में सेवक धर्म में भक्तिन की तुलना किससे की गई है-

(क) महादेवी वर्मा से (ख) हनुमानजी से

(ग) लक्ष्मण से (घ) छात्रावास की छात्राओं से

(48) कविता "दिन जल्दी-जल्दी ढलता है" में जीवन के किस सत्य की और संकेत किया गया है ?

(क) समय गतिशील है (ख) जीवन क्षणभंगुर है

(ग) प्रेम के बिना जीवन रिक्त है (घ) उक्त सभी

(49) बाज़ार की सार्थकता किसमें है?

(क) लोगों की आवश्यकतानुसार सामान खरीदने में (ख) लोगों के पैसे बचाने में

(ग) ग्राहकों को लुटाने में (घ) ग्राहकों को लूटने में

(50) कविता की उड़ान चिड़िया क्यों नहीं जान सकती?

(क) सीमित संभावनाओं के कारण (ख) सीमित शक्ति के कारण

(ग) कल्पना शक्ति के आभाव के कारण (घ) अपनी सीमित सीमाओं के कारण

(51) पाठ "काले मेघा पानी दे" में मेढ़क मंडली किनको कहा गया है?

(क) पानी माँगते बच्चों को (ख) पानी में उछलते मेढकों को

(ग) पानी डालती महिलाओं को (घ) वानर सेना को

(52) "कैमरे में बंद अपाहिज"कविता में मीडिया का दिव्यांगजनों के प्रति कैसा व्यवहार बताया गया है-

(क) संवेदनशील (ख) स्वार्थी

(ग) संवेदनहीन व क्रूर (घ) सहानुभूति का

प्रश्न संख्या (53 से 58) निर्देश – वितान पुस्तक पर आधारित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के सही उत्तर वाले विकल्प का चुनाव कीजिए-

53- यशोधर बाबू को किशनदा के संदर्भ में किस बात का दुख था -

(क) उनका विवाह न होना

(ख) उनका बुढ़ापा सुखी न होना

(ग)उनके कोई पुत्र ना होना

(घ)उनकी पत्नी का रूढ़ीवादी होना

54- यशोधर बाबू के व्यक्तित्व निर्माण में किशनदा ने कैसे योगदान दिया -

(क) नौकरी लगाने के साथ जीवन के विभिन्न प्रसंगों पर दिशा निर्देश देकर

(ख) रूढ़ीवादी विचारों को अपनाकर

(ग) अपने अनुभवों का वर्णन करके

(घ)जीवन के केवल सुखद समय में साथ लेकर

55 - यशोधर बाबू का बड़ा लड़का कहां नौकरी करता था -

(क) विज्ञापन कंपनी में

(ख)नगर पालिका में

(ग)कृषि विभाग में

(घ)चिकित्सा विभाग में

56- लेखक पढ़ लिखकर किस की तरह कारोबार करना चाहता था -

(क)दादा की तरह

(ख) राव दत्ता की तरह

(ग)विठोबा आण्णा की तरह

(घ) पिताजी की तरह

57-'जूझ' कहानी में आनंदा के उच्च स्तर का कवि बनने तक का सफर किस बात का प्रमाण है -

(क) उसकी झूठ बोल कर पढ़ाई करने का

(ख) पिता की बात को महत्व ना देने का

(ग)उसके परिश्रम व लगनशीलता की प्रवृत्ति का

(घ) केवल अपने मन की बात करने का

58.जूझ कहानी में आनंदा के पिता उसकी किस बात से नाराज होते है?

(क) खेत में काम करने की बात से

(ख) पढाई करने की बात से

(ग) पशुओं को चराने की बात से

(घ) ये सभी

अंक योजना

उत्तर पत्र गद्यांश 1 (शिक्षा जीवन के सर्वांगीण ....)

(1) ग -- विवेक से

(2) ग -- परोपकार करना

(3) घ -- उपर्युक्त सभी

(4) ख — वसुधैव कुटुंबकम की

(5) ख -- व्यावसायिक शिक्षा वर्तमान में मात्र धन कमाने का साधन बनती जा रही हैं।

(6) क -- छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं।

(7) घ -- यह सभी

(8) ख -- शिक्षा के प्रति संकुचित दृष्टिकोण को

(9) ग -- मानविकी विषय का

(10) क -- शिक्षा सुनागरिक निर्माण का साधन ना होकर साध्य बनने की

अथवा

उत्तर पत्र गद्यांश 1 (मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना ....)

11. (क) लक्ष्य के न होने पर

12. (ग)जिसमें परस्थितियों को बदलने का साहस है

13. (ख) युवक को रास्ता बता रहें हैं

14. (क) गांधी जी का

15.(घ) छोटे लक्ष्यों में सफलता प्राप्त करने से

16. (ग) जीवन का एक लक्ष्य होना चाहिए जो हमेशा हमें प्रेरित करता रहें

17.(ग) जब हम लगातार उस दिशा में प्रयास कर रहे हो

18.(ख) स्वामी विवेकानंद जी का

19.(घ) नियमित अभ्यास एवं निरंतर प्रयास करके

20. (क) सर्व+अधिक

अपठित काव्यांश (प्रश्न संख्या 21 से 30)

प्रश्न 1:- 21 (क) निस्तब्ध वातावरण

22. (घ) पानी के झाग से

23 (ग) पहाड़

24. (ख) वर्षा ऋतु

25. (ग) पुनरुक्तिप्रकाश

अथवा

26. (क) लक्ष्मीबाई की

27. (ख) रानी की अस्थियाँ

28 (ख) जब वह लड़ते हुए शहीद हो जाता है।

29 (क) क्योंकि उससे स्वतंत्रता की प्रेरणा मिलती हैं।

30. (क) सोने से

प्रश्न अभिव्यक्ति और माध्यम से (प्रश्न 31 से 36)

31-(ख) टेलीविजन से

32- (क) साहित्यिक पत्रकारिता

33 -(ख) स्तम्भ लेखन

34 - (ग) एक रेखीय माध्यम

35 -(घ) टेलीविजन

36. (क) 24 घंटे

प्रश्न पठित काव्यांश (प्रश्न संख्या 37 से 41)

(37)- (घ) छायावादोत्तर काल की

(38)- (ग) वह रात होने से पहले अपने लक्ष्य तक पहुँचना चाहता है

(39)- (ख) पुनरुक्ति प्रकाश

(40)- (ग) जीवन देखते-देखते बीत जाता है

(41)- (घ) साथी

प्रश्न पठित गद्यांश (प्रश्न 42 से 46)

42- (क)वैवाहिक जीवन

43 -(घ)तीन

44 -(ख) वह स्वयं तीन पुत्रों को जन्म दे चुकी थी

45 -(ग)भक्तिन

46 -(ग) पुत्र जन्म करने वाली घर की परंपरा को छोड़कर लड़कियों को जन्म देना

पठित पाठों पर आधारित प्रश्न (प्रश्न 47 से 52)

(47)- (ख) हनुमानजी से

(48)- (घ) उक्त सभी

(49)- (क) लोगों की आवश्यकतानुसार सामान खरीदने में

(50)- (घ) अपनी सीमित सीमाओं के कारण

(51)-(क) पानी माँगते बच्चों को

(52)- (ग) संवेदनहीन व क्रूर

प्रश्न वितान पाठ्यपुस्तक -(प्रश्न 53 से 58)

53 -(ख) उनका बुढ़ापा सुखी न होना

54 - (क) नौकरी लगाने के साथ जीवन के विभिन्न प्रसंगों पर दिशा निर्देश देकर

55 - (क) विज्ञापन कंपनी में

56 - (ग)विठोबा आन्णा की तरह

57 - (ग)उसके परिश्रम व लगनशीलता की प्रवृत्ति का

58 – (ख) पढ़ाई करने की बात से

आदर्श प्रश्नपत्र-4

खंड अ अपठित बोध

प्रश्न- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 1 x 10 =10

एकांत ढूंढने के कई सकारात्मक कारण है | एकांत की चाह किसी घायल मन की आह भर नहीं, जो जीवन के काँटों से बिंध कर घायल हो चुका है, एकांत सिर्फ उसके लिए शरण मात्र नहीं | यह उस इंसान की ख्वाइश भर नहीं, जिसे इस संसार में फेंक दिया गया हो और वह फेंक दिए जाने की स्थिति से भयभीत होकर एकांत ढूंढ रहा हो | हम जो एकांत में होते हैं , वही वास्तव में होते हैं | एकांत हमारी चेतना की अंतर्वस्तु को पूरी तरह उघाड़ कर रख देता है |

अंग्रेजी का एक शब्द – `आइसोनोफिलिया` इसका अर्थ है अकेलेपन, एकांत से गहरा प्रेम |पर इस शब्द को गौर से समझें तो इसमें अलगाव की एक परछाई भी दिखती है | एकांत प्रेमी हमेशा ही अलगाव कि अभेद दीवारों के पीछे छिपना चाह रहा हो, यह जरुरी नहीं | एकांत की अपनी एक विशेष सुरभि है और जो भीड़ के अशिष्ट प्रपंचों में फंस चुका हो , ऐसा मन कभी इसका सौंदर्य नहीं देख सकता | एकांत और अकेलेपन में थोड़ा फर्क समझना जरुरी है | एकांतजीवी में कोई दोष या मनोमालिन्य नहीं होता। वह किसी व्यक्ति या परिस्थिति से तंग आकर एकांत की शरण में नहीं जाता। न ही आतातायी नियति के विषैले बाणों से घायल होकर वह एकांत की खोज करता है। अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ऐसे एकांत की बात करते हैं। वे कहते हैं कि ऐसा नहीं कि वेइंसान से कम प्रेम करते हैं , बस प्रकृति से ज्यादा प्रेम करते हैं। | बुद्ध अपने शिष्यों से कहते हैं कि वे जंगल में विचरण करते हुए गैंडे की सींग की तरह अकेले रहे। वे कहते हैं- ' प्रत्येक जीव जन्तु के प्रति हिंसा का त्याग करते हुए किसी की भी हानि की कामना न करते हुए , अकेले चलो - फिरो , वैसे ही जैसे किसी गैंडे का सींग। हक्सले ' एकांत के धर्म ' या ' रिलीजन ऑफ सोलीट्यूड ' की बात करते हैं। वे कहते हैं जो मन जितना ही अधिक शक्तिशाली और मौलिक होगा , एकांत के धर्म की तरफ उसका उतना ही अधिक झुकाव होगा। | धर्म के क्षेत्र में एकांत , अंधविश्वासों , मतों और धर्मांधता के शोर से दूर ले जाने वाला होता है। इसके अलावा एकांत धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में नई अंतर्दृष्टियों को भी जन्म देता है। ज्यां पॉल सार्च इस बारे में बड़ी ही खूबसूरत बात कहते हैं। उनका कहना है- ' ईश्वर एक अनुपस्थिति है। ईश्वर है इंसान का एकांत। क्या एकांत लोग इसलिए पसंद करते हैं कि वे किसी को मित्र बनाने में असमर्थ हैं ? क्या वे सामाजिक होने की अपनी असमर्थता को छिपाने के लिए एकांत को महिमामंडित करते हैं ? वास्तव में एकात एक दुधारी तलवार की तरह है। लोग क्या कहेंगे इसका डर भी हमें अक्सर एकांत में रहने से रोकता है यह बड़ी अजीब बात है , क्योंकि जब आप वास्तव में अपने साथ या अकेले होते हैं , तभी इस दुनिया और कुदरत के साथ अपने गहरे संबंध का अहसास होता है इस संसार को और अधिक गहराई और अधिक समानुभूति के साथ प्रेम करके ही हम अपने दुखदाई अकेलेपन से बाहर हो सकते हैं।

स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई हुई पड़ी है | दुनिया कि आधी से बड़ी ताकत उनके पास है | आधी से बड़ी ताकत इसलिए कि स्त्रियां आधी तो हैं ही दुनिया में , आधी बड़ी इसलिए कि बच्चे – बच्चियाँ उनकी छाया में पलते हैं और वे जैसा चाहें उन बच्चे और बच्चियों को परिवर्तित कर सकती हैं | पुरुषों के हाथ में कितनी ही ताकत हो , लेकिन पुरुष एक दिन स्त्री कि गोद में होता है वहीँ से वह अपनी यात्रा शुरू करता है |

(1.) उपर्युक्त गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है |

(क.) अकेलेपन पर (ख) एकांत पर (ग) जीवन पर (घ) अध्यात्म पर

(2.) एकांत हमारे जीवन के लिए क्यों आवश्यक है?

(क.) परेशानी से भागने के लिए (ख.) आध्यात्मिक चिंतन के लिए

(ग.) स्वयं को जानने के लिए (घ) अशांत मन को शांत करने के लिए

(3.) बायरन मनुष्य से अधिक प्रकृति से प्रेम क्यों करते थे?

(क) प्रकृति की सुंदरता के कारण (ख) मनुष्य से घृणा के कारण

(ग) एकांत प्रेम के कारण (घ) अकेलेपन के कारण

(4.) दुखद अकेलेपन से कैसे बाहर आया जा सकता है?

(क) संसार से प्रेम करके (ख) सच्चे दोस्त बनाकर

(ग) संसार की वास्तविकता को समझ कर (घ) संसार से मुक्त होकर

(5.) एकांत की खुशबू को कैसे महसूस किया जा सकता है?

(क) संसार से अलग होकर (ख) भीड़ में नहीं रहकर

(ग) एकांत से प्रेम करके (घ) अकेले रहकर

(6.) गैंडे के सींग की क्या विशेषता होती है?

(क) वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता (ख) वह सींग नहीं वरन सींग का अपररूप होता है ।

(ग) गैंडे अकेले रहते हैं इसलिए सींग भी अकेला रहता है। (घ) अपनी दुनिया में मस्त रहना

(7.) धर्म के क्षेत्र में एकांत का क्या योगदान है?

(क) समर्पण की भावना (ख) पूजा और साधना

(ग) धर्मांधता से मुक्ति (घ) धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान

(8.) नई अंतर्दृष्टि से आप क्या समझते है?

(क) नई खोज (ख) नया अनुसंधान

(ग) नई संकल्पना (घ) नया सिद्धांत ।

(9.) ईश्वर एक अनुपस्थिति है- कैसे?

(क) ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते (ख)ईश्वर कभी उपस्थित नहीं होता

(ग) एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं (घ) ईश्वर होते ही नहीं हैं

(10.) एकांत में रहने का अर्थ है?

(क) दोस्त नहीं बना सकना (ख) संसार को जानने का अवसर मिलना

(ग) अपने प्रिय लोगों को जानने का अवसर मिलना (घ) संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना

अथवा

"नम्रता ही स्वतंत्रता की जननी है" यह कथन उचित है। लोग भ्रमवश अहंकार को स्वतंत्रता की जननी मान लेते हैं, किंतु उन्हें इस बात का उचित ज्ञान नहीं होता कि अहंकार स्वतंत्रता का गला ही घोंट सकता है। स्वतंत्रता में स्वाभिमान अवश्य अनिवार्य तत्व है किंतु स्वाभिमान को अहंकार तक संकुचित करना उचित नहीं है।

स्वतंत्रता में स्वाभिमान तथा नम्रता दोनों का संयोग जरूरी है। यह बात निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है, उसके लिए स्वाभिमान तथा नम्रता जरूरी है। इससे निर्भरता आती है तथा हमें अपने पैरों पर खड़े होना आता है। आज युवा वर्ग अपनी आकांक्षाओं तथा योग्यताओं के कारण बहुत आगे निकल गया है, लेकिन उसे ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे तथा बराबर के लोगों से कोमलता का व्यवहार करे । यह आत्म मर्यादा के लिए आवश्यक है।

इस संसार में जो कुछ हमारा है, उसमें बहुत से अवगुण तथा थोड़े गुण, सब इस बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए। नम्रता से अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह देखता है, जिससे उसका संकल्प क्षीण तथा उसकी प्रज्ञा मंद पड़ जाती है, जिसके कारण आगे बढ़ने के समय भी हम पीछे रह जाते हैं और अवसर आने पर उचित निर्णय नहीं कर पाते हैं। इस प्रकार मनुष्य का जीवन उसके हाथों में है। सच्ची आत्मा वही है जो विपरीत परिस्थितियों में स्वाभिमान को बनाए रखने में सफल होती है।

निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए

11.कथन- दब्बूपन से संकल्प क्षीण तथा उसकी प्रज्ञा मंद पड़ जाती है।

कारण-नम्रता के कारण दब्बूपन आता है जिससे ऐसा होता है।

(क) कथन और कारण दोनों सही हैं।

(ख) कथन गलत और कारण सही है।

(ग) कथन सही है और कारण गलत है।

(घ) कारण सही है और कथन गलत है।

12.. स्वतंत्रता का नम्रता तथा स्वाभिमान से क्या संबंध है ?

(क) स्वाभिमान के बिना नम्रता का होना व्यर्थ है

(ख) स्वतंत्रता में स्वाभिमान तथा नम्रता दोनों का संयोग जरूरी नहीं है

(ग) स्वतंत्रता में स्वाभिमान तथा नम्रता दोनों का संयोग जरूरी है

(घ) केवल स्वाभिमान का होना ही आवश्यक है

13. निम्नलिखित में से कौन सा कथन असत्य है ?

(क) स्वतंत्रता के लिए नम्रता और स्वाभिमान आवश्यक है

(ख) नम्रता के कारण ही स्वतंत्रता आती है

(ग) दब्बू व्यक्ति अवसर आने पर उचित निर्णय नहीं कर पाते

(घ) स्वतंत्रता के लिए स्वाभिमान अनिवार्य तत्व नहीं है

14. लेखक नम्रता से संबंधित किस गलत धारणा का खंडन करता है ?

(क) नम्रता के कारण मनुष्य दूसरों से बहुत आगे निकल जाता है

(ख) नम्रता से अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है कि हमें दूसरों का मुँह देखना पड़े

(ग) नम्रता के कारण हम कई उचित निर्णय ले पाते हैं

(घ) आज के समय में नम्रता अनिवार्य है

15. हमें अपनों से बड़ों तथा बराबर वालों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए ?

(क) हमें अपनों से बड़ों के साथ कोमलता का व्यवहार करना चाहिए तथा बराबर वालों का सम्मान करना चाहिए

(ख) हमें अपनों से बड़ों का सम्मान करना चाहिए तथा बराबर वालों के साथ कोमलता का व्यवहार करना चाहिए

(ग) उपर्युक्त दोनों विकल्प सही है

(घ) उपर्युक्त दोनों विकल्प गलत है

16. “स्वतंत्रता” और “दब्बूपन” में प्रयुक्त प्रत्यय लिखें।

(क) स्वतंत्रता में “स्व” और दब्बूपन में “दब्बू”

(ख स्वतंत्रता में “तंत्र” और दब्बूपन में “पन”

(ग) स्वतंत्रता में “ता” तथा दब्बूपन में “पन”

(घ) कोई भी विकल्प सही नहीं है

17. उपर्युक्त गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है ?

(क) अहंकार ही स्वतंत्रता की जननी है

(ख) नम्रता ही स्वतंत्रता की जननी है

(ग) अहंकार स्वतंत्रता के लिए आवश्यक है

(घ) कोई भी विकल्प सही नहीं है

18. मनुष्य का जीवन किसके हाथ में है ?

(क) मनुष्य का जीवन अहंकार के हाथ में है

(ख) मनुष्य का जीवन स्वाभिमान के हाथ में है

(ग) मनुष्य का जीवन उसके अपने हाथों में है

(घ) मनुष्य का जीवन किसी के हाथ में नहीं है

19. मर्यादापूर्वक जीवन जीने के लिए क्या आवश्यक है ?

(क) नम्रता और अभिमान दोनों

(ख) केवल स्वाभिमान

(ग) स्वाभिमान और नम्रता दोनों

(घ) इनमें से कोई भी नहीं

20. लोग भ्रमवश क्या उचित मान लेते हैं ?

(क) लोग भ्रमवश अहंकार को स्वतंत्रता की जननी मान लेते हैं

(ख) लोग भ्रमवश स्वतंत्रता को अहंकार की जननी मान लेते हैं

(ग) दोनों विकल्प सही है

घ) दोनों विकल्प सही नहीं हैं

प्रश्न- निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- **1 x 5 = 5**

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुन्दर है,
सूर्य-चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है,
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं,
बंदीजन खग-वृंद शेषफन सिंहासन है,
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की,
हे मातृभूमि तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।
जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं

घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए,
हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में।
हे मातृभूमि तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में?

निम्नलिखित 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए।

21. कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है ?

(क) मातृभूमि

(ख) ईश्वर

(ग) देवभूमि

(घ) नीलांबर

22. **कथन-**कवि मातृभूमि को देख कर मुदित हो रहा है।

कारण- मातृभूमि की प्राकृतिक सुषमा अनाकर्षक है।

(क) कथन पूर्णत: गलत है और कारण सही है

(ख) कथन पूर्णत:सही है और कारण गलत है

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं

(घ) कथन और कारण दोनों गलत हैं

23. धूलभरे हीरे किसे कहा गया है ?

(क) मातृभूमि की अमूल्य संतान को

(ख) धूल मिट्टी उड़ाने वाले

(ग) धूल से भरे हीरे

(घ) इनमें से कोई नहीं

24. 'परमहंस सम बाल्यकाल' पंक्ति में अलंकार है ?

(क) यमक

(ख) उपमा

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) रुपक

25.'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द है ?

(क) नीलांबर

(ख) रत्नाकर

(ग) बंदीजन

(घ) सिंहासन

अथवा

रोटी उसकी जिसका अनाज, जिसकी जमीन, जिसका श्रम है,
अब कौन उलट सकता, स्वतन्त्रता सुसिद्ध सीधा क्रम है |
आजादी है अधिकार, परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आजादी है अधिकार, शोषण की धज्जियाँ उड़ाने का
गौरव की नई भाषा सीख, भिखमंगों सी आवाज बदल,
सिमटी बाँहों को खोल गरुड़, उड़ने का अब अंदाज बदल |
स्वाधीन मनुज की इच्छा के आगे पहाड़ हिल सकते हैं,
रोटी क्या? ये अंबर वाले सारे सिंगार मिल सकते हैं |

(26.) कविता में किस अधिकार की बात कही गई है?

(क) जीने के अधिकारों की बात (ख) रोटी पाने की बात

(ग) आजादी के अधिकारों की बात (घ) परिश्रम करने की

(27.) कैसे मनुष्य की इच्छा के आगे पहाड़ हिलते है?

(क) आलसी मनुष्य के आगे (ख) बेकार मनुष्य के आगे

(ग) स्वाधीन मनुष्य के आगे (घ) कोई नही

(28.) रोटी पर सबसे पहला अधिकार किसका है?

(क) किसान का (ख) जिसकी जमीन है उसका

(ग) जो परिश्रम करता है उसका (घ) उक्त सभी का

(29.) “सिमटी बाहों को खोल” से कवि क्या कहना चाहता है?

(क) अपनी शक्तियों को पहचानना (ख) अपनी कमियो को जानना

(ग) अपने काम से काम रखना (घ) उक्त में से कोई नही

(30.) स्वाधीन शब्द का विलोम शब्द है:-

(क) आधीन (ख) पराधीन

(ग) अधीन (घ) कोई नही

खंड ‘ ब ’ अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न

प्रश्न – निम्नलिखित में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए: 1 x 5 = 5

(31.) उल्टा पिरामिड शैली में समाचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को कहां लिखा जाता है?

(क) सबसे पहले (ख) बीच में (ग) आखिर में (घ) कहीं भी

(32.) इंटरनेट क्या है?

(क) लोकल एरिया नेटवर्क का एक इंटरकनेक्शन (ख) एक सिंगल नेटवर्क

(ग) विभिन्न नेटवर्क का एक विशाल कनेक्शन (घ) इनमें से कोई भी नहीं

(33.) इनमें से कौन सा एक इंटरनेट नेटवर्क है?

(क) मैन (ख) लेन (ग) वैन (घ) उपर्युक्त सभी

(34.) फोन इन क्या है?

(क) कम से कम समय और शब्दों में सूचना दी जाती है

(ख) एंकर, रिपोर्टर से मिली जानकारी के आधार पर सूचनाएं पहुंचाता है

(ग) घटनास्थल से सीधा प्रसारण

(घ) एंकर, रिपोर्टर से फोन पर बात करता है

(35.) किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाले पत्रकार को क्या कहते हैं?

(क) स्वतंत्र पत्रकार (ख) पूर्णकालिक पत्रकार (ग) स्ट्रिंगर (घ) फ्रीलांसर पत्रकार

(36.) समाचार माध्यमों में किसी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित होने के लिए पहुंचने की आखिरी समय-सीमा किस नाम से जानी जाती है?

(क.) पूर्णलाइन (ख.) हाफलाइन (ग) डेडलाइन (घ.) संपूर्ण लाइन।

खंड 'स' पाठ्यपुस्तक व अनुपूरक पुस्तक

प्रश्न - निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :- 1 x 5 = 5

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं, भूलूँ मैं
तुम्हें भूल जाने की
दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर मे पा लूँ मैं
झेलूँ मैं उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है|
नहीं सहा जाता है|
ममता के बादल की मँडराती कोमलता-
भीतर पिराती है
कमजोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है
बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है!!

(37.) उपर्युक्त पद्यांश में 'भूलूँ मैं भूलूँ मैं तुम्हे भूल जाने की' पंक्ति का क्या आशय है?

(क) कवि उसे भूल जाना चाहता है (ख) कवि अपनी प्रेयसी से कहता है कि वह उसे भूल जाए

(ग) कवि उसे कभी भी नहीं भूलने का दंड पाना चाहता है (घ) इनमें से कोई भी नहीं

(38.) दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या से कवि का क्या अभिप्राय है?

(क) दक्षिण ध्रुव का अंधकार (ख) दक्षिण ध्रुव में अमावस्या की रात का अंधकार

(ग) बहुत अधिक और गहरा अंधकार (घ) वह अपनी प्रेयसी के प्रेम को भूलना चाहता है

(39.) उपर्युक्त काव्यांश में कवि के लिए क्या असहनीय हो गया हैं?

(क) अंधकार (ख) स्नेह का उजाला (ग) ममता के बादल (घ) कोमलता

(40.) उपर्युक्त काव्यांश में आत्मा कैसी हो गई है?

(क) प्रेम से भरी हुई (ख) ममता से भरी हुई (ग) छटपटाती हुई (घ) कमजोर और अक्षम

(41.) उपर्युक्त काव्यांश में कवि को क्या बरदास्त नहीं होता है?

(क) भवितव्यता (ख) बहलाती सहलाती आत्मीयता

ग) ममता के बादल की मँडराती कोमलता (घ)दिल में बहता प्रेम का झरना

प्रश्न - निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :- (1x5=5)

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो. और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता हैं। जेब खाली पर मन भरा न हो तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी ले वह भी लें। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। यह भी लूँ वह भी लूँ , सभी समान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी को और खुराक ही मिलती है जकड़ रेशमी डोरी की हो तो मुलायम रेशम के स्पर्श के कारण क्या वह जकड़ कम होगी?

(42.) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक और पाठ का क्या नाम है?

क) धर्मवीर भारती- काले मेघा पानी दे (ख) महादेवी वर्मा - भक्तिन

ग) जैनेंद्र कुमार - बाज़ार दर्शन (घ) फणीश्वर नाथ रेणु -पहलवान की ढोलक

(43.). लेखक के अनुसार, बाज़ार के जादू की क्या मर्यादा है?

क) वह केवल उन लोगों पर असर करता है, जिनके मन खाली होते हैं

ख) वह केवल उन लोगों पर असर करता है, जो वस्तु खरीदने आते हैं

ग) वह केवल अमीर लोगों पर असर करता है

(घ) वह केवल गरीब लोगों पर असर करता है

(44.) गद्यांश के अनुसार, बाज़ारवाद को बढ़ावा कौन देता है?

क) मन का खालीपन (ख) मन का भरा होना

ग) जेब का खालीपन (घ) धन का अधिक होना

(45.) बाज़ार का जादू उतरने पर क्या पता चलता है?

क) आकर्षक चीजें उपयोगी होती हैं

ख) आकर्षित करने वाली चीजें हमारे जीवन में महत्त्व नहीं रखती हैं

ग) आकर्षित करने वाली चीजें स्वाभिमान को बचाती हैं

घ) आकर्षण ही व्यक्ति को जीना सिखाता है।

(46.) बाज़ार के जादू के आकर्षण की तुलना किससे की गई है?

क) धन से (ख) चुंबक से

ग) रेशमी डोरी से (घ) सवारी से

प्रश्न - निम्नलिखित में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :- 1 x 5 = 5

(47.) दिन जल्दी- जल्दी ढलता है – किस तथ्य की ओर संकेत करता है ?

(क) संसार में सुख और दुख दोनों रहते हैं (ख) यह संसार स्वार्थी है

(ग) इस संसार में कई तरह के लोग रहते हैं (घ) जीवन का समय बहुत जल्दी निकल जाता है

(48.) जीजी सभी धार्मिक अनुष्ठान लेखक से क्यों करवाती थीं?

(क) क्योंकि लेखक उन अनुष्ठानों को अच्छे से करना जानता था

(ख) क्योंकि लेखक उन अनुष्ठानों में होने वाले मंत्रों को जानता था

(ग) क्योंकि वे चाहती थीं कि उनका पुण्य लेखक को मिले

(घ) क्योंकि वो लेखक की रुचि उन अनुष्ठानों में जगाना चाहती थीं

(49.) भक्तिन पाठ के आधार पर पंचायतों की क्या तस्वीर उभरती है?

(क) पंचायतें गूंगी,लाचार और अयोग्य है (ख) वे सही न्याय नहीं कर पाती

(ग) वे दूध का दूध और पानी का पानी करती हैं (घ) वे अपने स्वार्थों को पूरा करती हैं

(50.) कैमरे में बंद अपाहिज कविता में दूरदर्शन कर्मियों की किस मनोवृत्ति को दर्शाया गया है ?

(क) संवेदनशीलता (ख) संवेदनहीनता (ग) करुणा (घ) दुर्बलता

(51.) 'कविता के बहाने'कविता में किसका महत्व बताया गया है ?

(क) चिड़िया की उड़ान का (ख) फूल के खिलने का

(ग) बच्चों के खेल का (घ) रचनात्मक ऊर्जा या सृजन शक्ति का

(52.) "बाजार के जादू" की पकड़ से बचने का सीधा-सा उपाय क्या हैं?

(क) जब ग्राहक बाजार में जाए तो उसके मन में भटकाव नहीं होना चाहिए।

(ख) उसे अपनी जरूरत के बारे में स्पष्ट पता होना चाहिए।

(ग) उपर्युक्त दोनों विकल्प सही हैं | (घ) उपर्युक्त सभी विकल्प असत्य हैं |

प्रश्न - निम्नलिखित में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :- 1 x 5 = 5

(53.) सिल्वर वैडिंग कहानी की मूल संवेदना क्या है ?

(क.) पीढ़ियों का अन्तराल (ख) हाशिये पर धकेले जाते मानवीय मूल्य

(ग.) पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव (घ.) उपर्युक्त सभी

(54.) यशोधर बाबू कैसे जीवन के समर्थक हैं?

(क) आडम्बरपूर्ण (ख) भक्तिपूर्ण (ग) सरल और सादगीपूर्ण (घ) इनमें से कोई नहीं

(55.) आनंदा के पिता 'ईख पेरने ' का काम जल्दी क्यों आरम्भ करते थे?

(क.) ताकि जल्दी खेती के काम से मुक्त हो सकें। (ख.)ताकि जल्दी गुड़ बाजार में लाकर अच्छे दाम वसूल कर सकें।

(ग.) ताकि दूसरों की मदद के लिए समय निकाल सकें। (घ.)इनमें से कोई नहीं।

(56.) 'जूझ' कहानी का शीर्षक किस संघर्ष की अभिव्यक्ति है?

(क.) आनंदा द्वारा जमींदारी के विरोध का संघर्ष | (ख.) आनंदा का शिक्षा के लिए संघर्ष |

(ग.) आनंदा का माँ के अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष | (घ.) सभी उत्तर सही हैं |

(57.) 'जूझ' कहानी में लेखक के पिता ने उसे विद्यालय भेजने के लिए क्या शर्त रखी?

(क) पाठशाला जाने से पहले ग्यारह बजे तक खेत में काम करना होगा तथा पानी लगाना होगा।

(ख) अगर किसी दिन खेत में ज्यादा काम होगा तो उसे पाठशाला नहीं जाना होगा।

(ग) छुट्टी होने के बाद घर में बस्ता रखकर सीधे खेत पर आकर घंटा भर ढोर चराना होगा।

(घ) उपर्युक्त सभी

(58.).'नया उन्हें कभी कभी खींचता तो है पर पुराना छोड़ता नहीं ' – सिल्वर वैडिंग पाठ के आधार पर बताइए कि यह वाक्य किसके लिए कहा गया है?

क) यशोधर की पत्नी के लिए (ख) उनके बच्चों के लिए

ग) किशन दा के लिए (घ) यशोधर बाबू के लिए

अंक योजना

खंड `अ` (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न- अपठित गद्यांश :- **1 x 10 =10**

(1.) (ख) एकांत पर

(2.) (ग.) स्वयं को जानने के लिए

(3.) (ग) एकांत प्रेम के कारण

(4.) (क) संसार से प्रेम करके

(5.) (ग) एकांत से प्रेम करके

(6.) (क) वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता

(7.) (घ) धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान

(8.) (ग) नई संकल्पना

(9.) (ग) एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं

(10.) (घ) संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना

अथवा

(11) (ग) कथन सही है और कारण गलत है ।

(12.) (ग) स्वतंत्रता में स्वाभिमान तथा नम्रता दोनों का संयोग जरूरी है

(13.) (घ) स्वतंत्रता के लिए स्वाभिमान अनिवार्य तत्व नहीं है

(14.) (ख) नम्रता से अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है कि हमें दूसरों का मुँह देखना पड़े

(15.) (ख) हमें अपनों से बड़ों का सम्मान करना चाहिए तथा बराबर वालों के साथ कोमलता का व्यवहार करना चाहिए

(16.) (ग) स्वतंत्रता में "ता" तथा दब्बूपन में "पन"

(17.) (ख) नम्रता ही स्वतंत्रता की जननी है

(18.) (ग) मनुष्य का जीवन उसके अपने हाथों में है

(19.) (ग) स्वाभिमान और नम्रता दोनों

(20.) (क) लोग भ्रमवश अहंकार को स्वतंत्रता की जननी मान लेते हैं

प्रश्न – अपठित काव्यांश :- **1 x 5 = 5**

(21.) मातृभूमि

(22) (ख) कथन पूर्णत:सही है और कारण गलत है

(23.) (क) मातृभूमि की अमूल्य संतान को

(24.) (ख) उपमा

(25.) (ख) रत्नाकर

अथवा

(26.) (ग.) आजादी के अधिकारों की बात

(27.) (ग.) स्वाधीन मनुष्य के आगे

(28.) (घ.) (घ) उक्त सभी का

(29.) (क.) अपनी शक्तियों को पहचानना

(30.) (ख.) पराधीन

प्रश्न – खंड 'ब' अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न **1 x 5 = 5**

(31.) (क) सबसे पहले

(32.) (ग) विभिन्न नेटवर्क का एक विशाल कनेक्शन

(33.) (घ) उपर्युक्त सभी

(34.) (घ) एंकर, रिपोर्टर से फोन पर बात करता है

(35.) (ग) स्ट्रिंगर

(36.) (ग). डेडलाइन

खंड 'स' पाठ्यपुस्तक व अनुपूरक पुस्तक

प्रश्न – निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :- 1 x 5 = 5

(37.) (क) कवि उसे भूल जाना चाहता है

(38.) (ग) बहुत अधिक और गहरा अंधकार

(39.) (ख) स्नेह का उजाला

(40.) (घ) कमजोर और अक्षम

(41.) (ख) बहलाती सहलाती आत्मीयता

प्रश्न- निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :- (1x5=5)

(42.) (ग) जैनेंद्र कुमार - बाज़ार दर्शन

(43.) (क) वह केवल उन लोगों पर असर करता है, जिनके मन खाली होते हैं

(44.) (क) मन का खालीपन

(45.) ख) आकर्षित करने वाली चीजें हमारे जीवन में महत्त्व नहीं रखती हैं

(46.) (ख) चुंबक से

प्रश्न- निम्नलिखित में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-1 x 5 = 5

(47.) (घ) जीवन का समय बहुत जल्दी निकल जाता है

(48.) (ग) क्योंकि वे चाहती थीं कि उनका पुण्य लेखक को मिले

(49.) (घ) वे अपने स्वार्थों को पूरा करती हैं

(50.) (ख) संवेदनहीनता

(51.) (घ) रचनात्मक ऊर्जा या सृजन शक्ति का

(52.) (ग) उपर्युक्त दोनों विकल्प सही हैं

प्रश्न-7. निम्नलिखित में से किन्हीं 05 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-1 x 5 = 5

(53.) (क.) पीढ़ियों का अन्तराल

(54.) (ग) सरल और सादगीपूर्ण

(55.) (ख.) ताकि जल्दी गुड़ बाजार में लाकर अच्छे दाम वसूल कर सकें।

(56.) (ख.) आनंदा का शिक्षा के लिए संघर्ष |

(57.) (घ) उपर्युक्त सभी

(58.) (घ) यशोधर बाबू के लिए

आदर्श प्रश्नपत्र-5

प्रश्न सं.	खंड 'अ' अपठित बोध	अंक 15
	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	10
प्रश्न (1)	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-	10
	दुनिया शायद अभी तक के सबसे बड़े संकट से जूझ रही है| मौजूदा दौर की महामारी ने हर किसी के जीवन में हलचल मचा दी है| इस पर महामारी ने जीवन की सहजता को पूरी तरह बाधित कर दिया है | भारत में इतनी अधिक आबादी है कि इसमें किसी नियम कायदे को पूरी तरह से अमल में लाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है | इसमें महामारी के संक्रमण को रोकने के मकसद से पूर्ण बंदी लागू की गई और इसे कमोबेश कामयाबी के साथ अमल में भी लाया गया | लेकिन यह सच है कि जिस महामारी से हम जूझ रहे हैं, उससे लड़ने में मुख्य रूप से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की ही बड़ी भूमिका है| लेकिन असली चिंता बच्चों और	

	बुजुर्गों की हो आती है| इस मामले में ज्यादातर नागरिकों ने जागरूकता और सहज बोध की वजह से जरूरी सावधानी बरती है| लेकिन इसके समानान्तर दूसरी कई समस्याएँ खड़ी हुई हैं| मसलन आर्थिक गतिविधियाँ बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, उसने बहुत सारे लोगों के सामने संकट और उहापोह की स्थिति पैदा कर दी है| एक तरफ नौकरी और उसकी तनख्वाह पर निर्भर लोगों की लाचारी यह है कि उनके सामने यह आश्वासन था कि नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, वेतन नहीं रोका जाएगा, वही उनके साथ हुआ उल्टा | नौकरी गई, कई जगहों पर तनख्वाह नहीं मिली या कटौती की गई और किराए के घर तक छोड़ने की नौबत आ गई| इस महामारी का दूसरा असर शिक्षा जगत पर पड़ा है, उसका तार्किक समाधान कैसे होगा, यह लोगों के लिए समझना मुश्किल हो रहा है| खास तौर पर स्कूली शिक्षा पूरी तरह से बाधित होती दिख रही है| यों इसमें किए गए वैकल्पिक इंतजामों की वजह से स्कूल भले बंद हों, लेकिन शिक्षा को जारी रखने की कोशिश की गई है| स्कूल बंद होने पर बहुत सारे शिक्षकों को वेतन की चिंता प्राथमिक नहीं थी, बच्चों के भविष्य की चिंता उन्हें सता रही है| हालांकि एक खासी तादात उन बच्चों की है, जो लैपटॉप या स्मार्टफोन के साथ जीते हैं, लेकिन दूसरी ओर बहुत सारे शिक्षक ऐसे भी हैं, जिन्हें कंप्यूटर चलाना नहीं आता| उन सबके सामने चुनौती है ऑनलाइन कक्षाएँ लेने की| सब ने हार नहीं मानी और तकनीक को खुले दिमाग से सीखा| इस तरह फिलहाल जो सीमाएँ है, उसमें पढ़ाई-लिखाई को जारी रखने की पूरी कोशिश की जा रही है।	
	निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	10×1
1	उपर्युक्त गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है? 1. बेरोजगारी | 2. शिक्षा की समस्या | 3. आर्थिक संकट | 4. महामारी का प्रभाव |	1
2	पूर्ण बंदी लागू क्यों गई की गई है? 1. संक्रमण को रोकने के लिए | 2. लोगों की आवाजाही रोकने के लिए | 3. नियम लागू करने के लिए | 4. लोगों द्वारा नियम नहीं मानने के कारण |	1
3	हमें बच्चों और बुजुर्गों की चिंता क्यों है? 1. कमजोर और अक्षम होने के कारण | 2. प्रतिरोधक क्षमता के अभाव के कारण | 3. अधिक बीमार रहने के कारण | 4. बीमारी का अधिक प्रभाव पड़ने के कारण |	1
4	स्कूली शिक्षा को जारी रखने की कोशिश क्यों की जा रही है? 1. प्राइवेट स्कूल के दबाव के कारण | 2. शिक्षा जारी रखने के लिए | 3. बच्चों की चिंता के कारण | 4. शिक्षकों के वेतन के लिए |	1
5	ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती कैसे है? 1. शिक्षक की अकुशलता के कारण | 2. तकनीकी रूप से योग्य नहीं होना | 3. साधन नहीं होने के कारण | 4. अभिभावकों की रुचि नहीं होना |	1

6	शिक्षकों ने तकनीकी को खुले दिल से क्यों सीखा है? 1. ऑनलाइन पढ़ाई की मजबूरी के कारण | 2. अपनी सैलरी के कारण | 3. बच्चों की चिंता के कारण | 4. अभिभावकों के भय से |	1
7	महामारी के समय में भी शिक्षकों ने शिक्षक होने का बोध कराया है- कैसे? 1. बच्चों की शिक्षा की चिंता द्वारा | 2. अपनी नौकरी की चिंता द्वारा | 3. अपनी सैलरी की चिंता द्वारा | 4. तकनीक सीखने की हिम्मत द्वारा |	1
8	जीवन की सहजता के बाधित होने से आप क्या समझते हैं? 1. जीवन में कठिनाई उत्पन्न हो जाना | 2. जीवन में संकट उत्पन्न हो जाना | 3. जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना | 4. जीवन में आराम नहीं होना |	1
9	भारत में नियम-कानून लागू करना चुनौती क्यों है ? 1.लोग अधिक होने से | 2. अनपढ़ होने से | 3. नियम नहीं मानने से | 4. नियम-कानून की समझ नहीं होने से |	1
10	लोगों के जीवन में उहापोह की स्थिति कैसे आ गई है? 1. महामारी आ जाने से | 2. आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो जाने से | 3. नौकरी चले जाने से | 4.तनख्वाह नहीं मिलने से |	1
	अथवा (अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न)	
प्रश्न	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-	
	एकांत ढूँढने के कई सकारात्मक कारण हैं| एकांत की चाह किसी घायल मन की आह भर नहीं, जो जीवन के काँटों से बिंध कर घायल हो चुका है, एकांत सिर्फ उसके लिए शरण मात्र नहीं| यह उस इंसान की ख्वाहिश भर नहीं, जिसे इस संसार में ‘फेंक दिया गया’ हो और वह फेंक दिए जाने की स्थिति से भयभीत होकर एकांत ढूँढ रहा हो| हम जो एकांत में होते हैं, वही वास्तव में होते हैं| हमारी चेतना की अंतर्वस्तु को पूरी तरह उखाड़ कर रख देता है| अंग्रेजी का एक शब्द है- ‘आइसोनोफीलिया’| इसका अर्थ है अकेलेपन, एकांत से गहरा प्रेम | पर इस शब्द को गौर से समझे तो इसमें अलगाव की एक परछाई भी दिखती है| एकांत प्रेमी हमेशा ही लगाव की अभेद्य दीवारों के पीछे छिपना चाह रहा हो, यह जरूरी नहीं| एकांत की अपनी एक विशेष सुरभि है और जो भीड़ के अशिष्ट प्रपंचों में फँस चुका हो, ऐसा मन कभी इसका सौंदर्य नहीं देख सकता| एकांत और अकेलेपन में थोड़ा फर्क समझना जरूरी है| एकांतजीवी में कोई दोष या मनोमालिन्य नहीं होता| वह किसी व्यक्ति या परिस्थिति से तंग आकर एकांत की शरण में नहीं जाता| न हीं आततायी नियति के विषैले बाणों से घायल होकर वह एकांत की खोज करता है| अंग्रेजी कवि लार्ड बायरन ऐसे एकांत की बात करते हैं| वे कहते हैं कि ऐसा नहीं कि वह इंसान से कम प्रेम करते हैं, बस प्रकृति से ज्यादा प्रेम करते हैं| बुद्ध अपने शिष्यों से कहते हैं कि वे जंगल में विचरण करते हुए गेंडे की सींग की तरह	

	अकेले रहें| वे कहते हैं- 'प्रत्येक जीव जंतुओं के प्रति हिंसा का त्याग करते हुए किसी की भी हानि की कामना न करते हुए, अकेले चलो- फिरो, वैसे ही जैसे किसी गेंडे का सींग| हक्सले 'एकांत के धर्म' या 'रिलीजन ऑफ सॉलिट्यूड' की बात करते हैं| वे कहते हैं जो मन जितना ही अधिक शक्तिशाली और मौलिक होगा, एकांत के धर्म की तरफ उसका उतना ही अधिक झुकाव होगा; धर्म के क्षेत्र में एकांत, अंधविश्वासों, मतों और धर्मांधता के शोर से दूर ले जाने वाला होता है| इसके अलावा एकांत धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में नई अंतर्दृष्टियों को भी जन्म देता है| ज्यां पॉल सार्त्र इस बारे में बड़ी ही खूबसूरत बात कहते हैं| उनका कहना है- 'ईश्वर एक अनुपस्थिति है| ईश्वर है इंसान का एकांत| क्या लोग एकांत इसलिए पसंद करते हैं कि वह किसी को मित्र बनाने में असमर्थ हैं? क्या वह सामाजिक होने से अपनी असमर्थता को छिपाने के लिए एकांत को महिमामंडित करते हैं? वास्तव में एकांत एक दुधारी तलवार की तरह है| लोग क्या कहेंगे? इस का डर भी हमें अक्सर एकांत में रहने से रोकता है| यह बड़ी अजीब बात है, क्योंकि जब आप वास्तव में अपने साथ या अकेले होते हैं, तभी इस दुनिया और कुदरत के साथ अपने गहरे संबंध का एहसास होता है| इस संसार को और अधिक गहराई और अधिक समानुभूति के साथ प्रेम करके ही हम अपने दुखदाई अकेलेपन से बाहर हो सकते हैं|	
	निम्नलिखित 10 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	10×1
11.	उपर्युक्त गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है? 1. अकेलेपन पर | 2. एकांत पर | 3. जीवन पर | 4. अध्यात्म पर |	1
12.	एकांत हमारे जीवन के लिए क्यों आवश्यक है? 1. परेशानी से भागने के लिए | 2. आध्यात्मिक चिंतन के लिए | 3. स्वयं को जानने के लिए | 4. अशांत मन को शांत करने के लिए |	1
13.	बायरन मनुष्य से अधिक प्रकृति से प्रेम क्यों करते थे? 1. प्रकृति की सुंदरता के कारण | 2. मनुष्य से घृणा के कारण | 3. एकांत प्रेम के कारण | 4. अकेलेपन के कारण |	1
14.	दुखद अकेलेपन से कैसे बाहर आया जा सकता है? 1. संसार से प्रेम करके | 2. सच्चे दोस्त बनाकर | 3. संसार की वास्तविकता को समझ कर | 4. संसार से मुक्त होकर |	1
15.	एकांत की खुशबू को कैसे महसूस किया जा सकता है? 1. संसार से अलग होकर | 2. भीड़ में नहीं रह कर | 3. एकांत से प्रेम करके | 4. अकेले रहकर |	1
16.	गेंडे के सींग की क्या विशेषता होती है? 1. वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता |	1

	2. वह सींग नहीं वरन सींग का अपरूप होता है | 3. गेंडे अकेले रहते हैं इसलिए सींग भी अकेला रहता है| 4. अपनी दुनिया में मस्त रहना |	
17.	धर्म के क्षेत्र में एकांत का क्या योगदान है? 1. समर्पण की भावना | 2. पूजा और साधना | 3. धर्मांधता से मुक्ति | 4. धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान |	1
18.	नई अंतर्दृष्टि से आप क्या समझते हैं? 1. नई खोज | 2. नया अनुसंधान | 3. नई संकल्पना | 4. नया सिद्धांत |	1
19.	ईश्वर एक अनुपस्थिति है- कैसे? 1. ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते | 2. ईश्वर कभी उपस्थित नहीं होते | 3. एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं | 4. ईश्वर होते ही नहीं है |	1
20.	एकांत में रहने का अर्थ है? 1. दोस्त नहीं बना सकना | 2. संसार को जानने का अवसर मिलना | 3. अपने प्रिय लोगों को जानने का अवसर मिलना | 4. संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना |	1
प्रश्न	अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न	अंक 5
प्रश्न (2)	निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-	5
	दूर-दूर से आते हैं घन लिपट शैल में छा जाते हैं मानव की ध्वनि सुनकर पल में गली-गली में मंडराते हैं जग में मधुर पुरातन परिचय श्याम घरों में घुस जाते हैं, है ऐसी ही कथा मनोहर उन्हें देख गिरिवर गाते हैं! ममता का यह भीगा अंचल हम जग में फिर कब पाते हैं अश्रु छोड़ मानस को समझा इसलिए विरही गाते हैं सुख-दुख के मधु-कटु अनुभव को उठो हृदय, फुहियों से धो लो, तुम्हें बुलाने आया सावन, चलो-चलो अब बंधन खोलो पवन चला, पथ में है नदियाँ,	

	उछल साथ में तुम भी हो लो, प्रेम-पर्व में जगा पपीहा, तुम कल्याणी वाणी बोलो! आज दिवस कलरव बनाया, केली बनी यह खड़ी निशा है; हेर-हेर अनुपम बूंदों को जगी झड़ी में दिशा-दिशा है! बूँद-बूँद बन रही है यह मेरी कल्पना मनोहर, घटा नहीं प्रेमी मानस में प्रेम बस रहा उमड़-घुमड़ कर भ्रांति-भांति यह नहीं दामिनी, याद हुई बातें अवसर पर, तर्जन नहीं आज गूँजा है जड़-जग का गूँजा अभ्यंतर! इतने ऊँचे शैल-शिखर पर कब से मूसलाधार झड़ी है; सूखे वसन, हिया भीगा है इसकी चिंता हमें पड़ी है! बोल सरोवर इस पावस में, आज तुम्हारा कवि क्या गाए, कह दे श्रृंग सरस रूचि अपनी, निर्झर यह क्या तान सुनाएं; उठाकर मिलो शाल, ये दूर देश से झोंके आए रही झड़ी की बात कठिन यह, कौन हठीली को समझाएँ ! अजब शोख यह बूँदा-बाँदी पत्तों में घनश्याम बसा है झाँके इन बूंदों से तारे, इस रिमझिम में चाँद हँसा है! जिय कहता है मचल-मचल कर अपना बेड़ा पार करेंगे यह कहता है, जागो लोचन, पत्थर को भी प्यार करेंगे ||	
	निम्नलिखित 5 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	
21.	उपर्युक्त काव्यांश का वर्ण्य विषय क्या है? 1. प्रकृति | 2. बादल | 3. पावस ऋतु | 4. ऋतु जनजीवन |	1
22.	कवि बार-बार किससे प्रश्न कर रहा है? 1. बादल से |	1

	2. प्रकृति से | 3. पहाड़ से | 4. नदी से |	
23.	'मानव की ध्वनि सुनकर पल में गली-गली में मँडराते हैं'- पंक्ति में निहित अलंकार है? 1. उपमा | 2. उत्प्रेक्षा | 3. मानवीकरण | 4. अनुप्रास |	1
24.	'सूखे वसन, हिया भीगा है' का अर्थ है? 1. पैर भीगे हैं किंतु हाथ सूखे हैं | 2. अभ्यंतर हृदय भीग गया है किंतु कपड़े सूखे हैं | 3. तन ऊपर से भीग गया है किंतु मन सूखा ही रह गया है | 4. मैदान भीगे हैं परंतु पहाड़ों पर मूसलाधार वृष्टि हो रही है |	1
25.	'केली बनी यह खड़ी निशा' का अर्थ है? 1. रजनी उपहास व क्रीड़ा कर रही है | 2. रात्रि केले के वृक्ष की भाँति रास्ता रोके खड़ी है | 3. रात्रि अपनी छटा के चरम पर पहुंच कर खड़ी है | 4. विभावरी फूलों के हार की भांति खड़े हो स्वागत कर रही है |	1
	अथवा (अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न)	
प्रश्न	निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-	5
	मैं तो सांसो का पंथी हूं साथ आयु के चलता मेरे साथ सभी चलते हैं बादल भी, तूफान भी कलियां देखी बहुत, फूल भी लतिकाएँ भी, तरु भी उपवन भी, वन भी, कानून भी घनी घाटियां, मरू भी टीले भी, गिरि-शृंग-तुंग भी नदियां भी, निर्झर भी कल्लोलिनियाँ, कुल्याएँ भी देखें सरी-सागर भी इनके भीतर इनकी-सी ही प्रतिमाएँ मुस्कातीं हर प्रतिमा की धड़कन में अनगिनत कलाएँ गातीं अनदेखी इन आत्माओं से परिचय जन्म-जन्म का मेरे साथ सभी चलते हैं जाने भी, अनजाने भी सूर्योदय के भीतर मेरे मन का सूर्योदय है किरणों की लय के भीतर	

	मेरा आश्वस्त हृदय है मैं न सोचता कभी कौन आराध्य, किसे आराधूं किसे छोड़ दूं और किसे अपने जीवन में बांधूं दृग की खिड़की खुली हुई प्रिय मेरा झांकेगा ही मानस-पट तैयार, चित्र अपना वह आंकेगा ही अपनों को मैं देख रहा हूं अपने लघु दर्पण में मेरे साथ सभी चलते हैं प्रतिबिंबन, प्रतिमान भी दूर्वा की छाती पर जितने चरण-चिह्न अंकित हैं उतने ही आंसू मेरे सादर उसको अर्पित हैं जितनी बार गगन को छूते उन्नत शिखर अचल के उतनी बार हृदय मेरा पथ में एकाकीपन मिलता वही गीत है हिय का पथ में सूनापन मिलता है वही पत्र है प्रिय का दोनों को पढ़ता हूं मैं दोनों को हृदय लगाता दोनों का सौरभ-कण लेकर फिर आगे बढ़ जाता मेरा रक्त, त्वचा यह मेरी और अस्थियाँ बोले मेरे साथ सभी चलते हैं आदि और अवसान भी|	
	निम्नलिखित 5 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए:-	
26.	सांसों का मुसाफिर किसे कहा गया है? 1. कवि | 2. मनुष्य | 3. प्रकृति | 4. जीवन |	1
27.	‘देखे सरि- सागर भी’- पंक्ति में ‘सरि- सागर’ का अर्थ है ? 1. समस्त सागर | 2. सरिता सागर | 3. नदी-नीरनिधि | 4. सूरसागर |	1

28.	‘मन का सूर्योदय’ से आप क्या समझते हैं? 1. खिन्नता। 2. प्रसन्नता। 3. आसन्नता। 4. भिन्नता।	1
29.	‘अपनों को मैं देख रहा हूं,- अपने लघु दर्पण में’ पंक्ति में लघु दर्पण किसे कहा गया है? 1. हृदय। 2. आँखें। 3. मस्तिष्क। 4. जीवन।	1
30.	जीवन में एकांत को कवि किस रूप में देखता है? 1. हृदय का रूप। 2. आँखों के सपने। 3. लघुता के रूप में। 4. महानता के रूप में।	1
	खंड ‘ब’ अभिव्यक्ति और माध्यम के पाठों पर आधारित प्रश्न	5अंक
प्रश्न (3)	निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए	5
31.	किसी भी माध्यम के लेखन के लिए किसे ध्यान में रखना होता है? 1. माध्यमों को। 2. लेखक को। 3. जनता को। 4. बाजार को।	1
32.	निम्न संचार माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है? 1. अखबार। 2. रेडियो। 3. टेलीविज़न। 4. सिनेमा।	1
33.	नेट साउंड किस माध्यम से संबंधित हैं? 1. इंटरनेट। 2. टेलीविजन। 3. रेडियो। 4. सिनेमा।	1
34.	हिंदी में नेट पत्रकारिता का आरंभ किस समाचार पत्र से हुआ? 1. भास्कर। 2. जागरण। 3. वेबदुनिया। 4. प्रभासाक्षी।	1

35.	समाचार लेखन के कितने ककार होते हैं? 1. चार | 2. पांच | 3. छह | 4. तीन |	1
36.	उल्टा पिरामिड शैली में समाचार कितने भागों में बांटा जाता है? 1. तीन | 2. चार | 3. पांच | 4. दो |	1
	खंड 'स' पाठ्यपुस्तक व अनुपूरक पुस्तक	20अंक
प्रश्न (4)	निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :-	
	बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता हैं। जेब खाली पर मन भरा न हो तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ वह भी लूँ , सभी समान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी को और खुराक ही मिलती है जकड़ रेशमी डोरी की हो तो मुलायम रेशम के स्पर्श के कारण क्या वह जकड़ कम होगी?	
37 .	प्रस्तुत गद्यांश के लेखक और पाठ का क्या नाम है? 1. धर्मवीर भारती- काले मेघा पानी दे 2. महादेवी वर्मा - भक्तिन 3. जैनेंद्र कुमार - बाज़ार दर्शन 4. फणीश्वर नाथ रेणु- पहलवान की ढोलक	
38.	लेखक के अनुसार, बाज़ार के जादू की क्या मर्यादा है? 1. वह केवल उन लोगों पर असर करता है, जिनके मन खाली होते हैं 2. वह केवल उन लोगों पर असर करता है, जो वस्तु खरीदने आते हैं 3. वह केवल अमीर लोगों पर असर करता है 4. वह केवल गरीब लोगों पर असर करता है	
39.	गद्यांश के अनुसार, बाज़ारवाद को बढ़ावा कौन देता है? 1. मन का खालीपन 2. मन का भरा होना 3. जेब का खालीपन 4. धन का अधिक होना	

40.	बाज़ार का जादू उतरने पर क्या पता चलता है? 1. आकर्षक चीजें उपयोगी होती हैं 2. आकर्षित करने वाली चीजें हमारे जीवन में महत्त्व नहीं रखती हैं 3. आकर्षित करने वाली चीजें स्वाभिमान को बचाती हैं 4. आकर्षण ही व्यक्ति को जीना सिखाता है।	
41.	बाज़ार के जादू के आकर्षण की तुलना किससे की गई? 1. धन से 2. चुंबक से 3. रेशमी डोरी से 4. सवारी से।	
प्रश्न (5)	निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़ कर प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए:-	
	फिर हम परदे पर दिखलाएँगे फूली हुई आँख की एक बडी तसवीर बहुत बड़ी तसवीर और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी (आशा हैं आप उसे उसकी अपंगता की पीड़ा मानेंगे) एक और कोशिश दर्शक धीरज रखिए देखिए हमें दोनों एक संग रुलाने हैं आप और वह दोनों (कैमरा बस करो नहीं हुआ रहने दो परदे पर वक्त की कीमत है) अब मुसकुराएँगे हम आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम (बस थोड़ी ही कसर रह गई) धन्यवाद!	
42.	कार्यक्रम-संचालक परदे पर फूली हुई आँख की तसवीर क्यों दिखाना चाहता हैं? 1. वह लोगों को उसके कष्ट के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर बता सके। 2. वह लोगों को उसकी अपंगता दिखाना चाहता है 3. वह अपंग व्यक्ति की आँख दिखाना चाहता है 4. इनमें से कोई नहीं	
43.	एक और कोशिश '-इस पंक्ति का क्या तात्पर्य हैं? 1. वे अपाहिज को रोती मुद्रा में दिखाकर अपने कार्यक्रम की लोकप्रियता बढ़ाना चाहते हैं 2. वे अपाहिज को लेकर एक सफल कार्यक्रम बनाना चाहते हैं	

	3. वे अपाहिज के प्रति सहानुभूति प्रकट करना चाहते हैं 4. उपर्युक्त सभी	
44.	संचालक किस बात पर मुस्कराता हैं? 1. उसे अपने कार्यक्रम के पूरा होने की खुशी है। 2. उसे अपने कार्यक्रम के सफल होने की खुशी है। 3. उसे अपने कार्यक्रम की लोकप्रियता की खुशी है | 4. उसे अपने कार्यक्रम के पात्र पर गर्व है |	
45.	अपाहिज क्या नहीं बता पाएगा? 1. अपना सुख 2. अपना दुःख 3. अपना सामर्थ्य 4. अपनी शक्ति	
46.	प्रस्तुतकर्ता 'बस करो, नहीं हुआ, रहने दो' क्यों कहता है? 1. अपाहिज और दर्शक नहीं रोए 2. प्रस्तुतकर्ता और दर्शक नहीं रोए 3. अपाहिज और प्रस्तुतकर्ता नहीं रोए 4. कैमरा खराब हो गया	
	पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न (6)	निम्नलिखित में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिये-	
47.	'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी अक्सर किस नेता की बात करती थी? 1. नेहरू जी की 2. सुभाष चंद्र बोस जी की 3. लाला लाजपत राय जी की 4. गाँधी जी की	
48.	भक्तिन लेखिका की सहायता कैसे करती थी? 1. कभी उत्तर - पुस्तकों को बांधकर 2. अधूरे चित्रों को कोने रखकर 3. कभी रंग की प्याली धोकर 4. क, ख और ग तीनों	
49.	'सहर्ष स्वीकारा है' कविता का मूल भाव क्या है? 1. प्रेम 2. समर्पण 3. सभी भैतिक और अभौतिक वस्तुओं को प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करना 4. दर्द	

50.	"कविता के बहाने "कविता हमें अवसर देती है – 1. कविता की अपार संभावनाओं को टटोलने का 2. कविता की कमियों को ढूँढने का 3. कविता को जटिल बनाने का 4. कविता के बढ़ते प्रभाव को जानने का	
51.	'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' – कथन की आवृत्ति क्या संकेत करती है ? 1. समय के रुकने का संकेत किया गया है | 2. समय के तेजी से व्यतीत होने का संकेत किया गया है | 3. समय रुक सा गया है | 4. समय व्यतीत कर पाना मुश्किल हो रहा है |	
52.	भक्तिन का पति उसे किस कारण अधिक चाहता रहा होगा? 1. वह बड़े बाप की बड़ी बात वाली बेटी थी। 2. वह परिश्रमी, तेजवास्विनी तथा रोम - रोम से सच्ची पत्नी थी। 3. 'क' और 'ख ' दोनों 4. इनमें से कोई नहीं।	
	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न (7)	निम्नलिखित में से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए-	
53.	सिल्वर वैडिंग कहानी का सन्देश क्या है ? 1. नई पीढ़ी अपने पूर्वजों का सम्मान करे 2. परम्पराओं का आदर करे 3. चुनौतियों के अनुसार ढलना सीखे 4. उपर्युक्त सभी	
54.	यशोधर ने किशन दा की किन परम्पराओं को जारी रखा ? 1. होली गवाना 2. जनेऊ पूजन 3. रामलीला मंडली का सहयोग 4. ये सभी |	
55.	'जूझ' कहानी में लेखक के पिता ने उसे विद्यालय भेजने के लिए क्या शर्त रखी? 1. पाठशाला जाने से पहले ग्यारह बजे तक खेत में काम करना होगा तथा पानी लगाना होगा। 2. अगर किसी दिन खेत में ज्यादा काम होगा तो उसे पाठशाला नहीं जाना होगा। 3. छुट्टी होने के बाद घर में बस्ता रखकर सीधे खेत पर आकर घंटा भर ढोर चराना होगा। 4. उपर्युक्त सभी	
56.	'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और बाद में अकेलेपन के प्रति लेखक की	

	धारणा में क्या बदलाव आया? सही विकल्प छाँटकर बताइये। 1. अकेलापन डरावना है 2. अकेलापन उपयोगी है 3. अकेलापन अनावश्यक है 4. अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है	
57.	आनंदा अपने पढ़ने की बात अपने दादा से नहीं कर पाता है, क्यों? 'जूझ' कहानी के आधार पर सटीक विकल्प चुनिए। 1. क्योंकि उसके पिता उससे बात नहीं करते थे। 2. क्योंकि उसके पिता परदेश गए हुए थे। 3. क्योंकि उसके पिता अच्छे आचरण वाले व्यक्ति थे। 4. क्योंकि उसके पिता अत्यधिक गुस्से वाले व्यक्ति थे।	
58.	आनंदा अपने पढ़ने की बात अपने दादा से नहीं कर पाता है, क्यों? 'जूझ' कहानी के आधार पर सटीक विकल्प चुनिए। 1. क्योंकि उसके पिता उससे बात नहीं करते थे। 2. क्योंकि उसके पिता परदेश गए हुए थे। 3. क्योंकि उसके पिता अच्छे आचरण वाले व्यक्ति थे। 4. क्योंकि उसके पिता अत्यधिक गुस्से वाले व्यक्ति थे।	

अंक योजना

खंड 'अ' के वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर				
प्रश्न क्र. सं.		उत्तर		अंक विभाजन
प्रश्न (1)	1.	4	महामारी का प्रभाव		1
	2.	1	संक्रमण को रोकने के लिए		1
	3.	2	प्रतिरोधक क्षमता के अभाव के कारण		1
	4.	3	बच्चों की चिंता के कारण		1
	5.	1	शिक्षक की अकुशलता के कारण		1
	6.	3	बच्चों की चिंता के कारण		1
	7.	1	बच्चों की शिक्षा की चिंता द्वारा		1
	8.	3	जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना		1
	9.	1	लोग अधिक होने से		1
	10.	2	आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो जाने से		1
			अथवा	

	11.	2	एकांत पर।	1
	12.	3	स्वयं को जानने के लिए।	1
	13.	3	एकांत प्रेम के कारण।	1
	14.	1	संसार से प्रेम करके।	1
	15.	3	एकांत से प्रेम करके।	1
	16.	1	वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता।	1
	17.	4	धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान।	1
	18.	3	नई संकल्पना।	1
	19.	1	ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते।	1
	20.	4	संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना।	
			अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न(2)	21.	3	पावस ऋतु की सुन्दरता।	1
	22.	2	प्रकृति से।	1
	23.	3	मानवीकरण।	1
	24.	2	अभ्यंतर हृदय भीग गया है,किन्तु कपड़े सूखे हैं	1
	25.	3	रात्रि अपनी छटा के चरम पर पहुँच कर खड़ी है	1
			अथवा	
	26.	4	जीवन।	1
	27.	2	सरिता-सागर।	1
	28.	1	प्रसन्नता।	1
	29.	4	जीवन।	1
	30.	4	महानता के रूप में।	1
			अभिव्यक्ति एवं माध्यम के पाठों पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न 3	31.	1	माध्यमों को।	1
	32.	1	अख़बार।	1
	33.	2	टेलीविज़न।	1
	34.	3	वेब दुनिया।	1
	35.	3	छह।	1
	36.	1	तीन।	1
			खंड 'स' पाठ्यपुस्तक व अनुपूरक पुस्तक	
प्रश्न 4	37.	3	जैनेंद्र कुमार - बाज़ार दर्शन	
	38.	1	वह केवल उन लोगों पर असर करता है, जिनके मन खाली होते हैं	

	39.	1	मन का खालीपन	
	40.	2	आकर्षित करने वाली चीजें हमारे जीवन में महत्त्व नहीं रखती हैं	
	41.	2	चुंबक से	
प्रश्न 5	42.	1	वह लोगों को उसके कष्ट के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर बता सके।	
	43.	1	वे अपाहिज को रोती मुद्रा में दिखाकर अपने कार्यक्रम की लोकप्रियता बढ़ाना चाहते हैं	
	44.	2	उसे अपने कार्यक्रम के सफल होने की खुशी है।	
	45.	2	अपना दुःख	
	46.	1	अपाहिज और दर्शक नहीं रोए	
			पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न 6	47.	1	गाँधी जी की	
	48.	4	क, ख और ग तीनों	
	49.	3	सभी भैतिक और अभौतिक वस्तुओं को प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करना	
	50.	1	कविता की अपार संभावनाओं को टटोलने का	
	51.	2	समय के तेजी से व्यतीत होने का संकेत किया गया है।	
	52.	3	'क' और 'ख ' दोनों	
			अनुपूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न	
प्रश्न 7	53.	4	इनमें से सभी	
	54.	4	ये सभी।	
	55.	3	समहाऊ इम्प्रोपर	
	56.	4	उपर्युक्त सभी	
	57.	2	अकेलापन उपयोगी है	
	58.	4	क्योंकि उसके पिता अत्यधिक गुस्से वाले व्यक्ति थे।	

10. प्रथम सत्र के आतंरिक मूल्यांकन हेतु निर्देश

श्रवण - वाचन परीक्षा हेतु दिशा- निर्देश

श्रवण (सुनना)-5 अंक

वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थ ग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना।

वाचन (बोलना)-5 अंक

भाषण ,सस्वर कविता पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम प्रस्तुति, कथा, कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना भावानुकूल संवाद वाचन ।

टिप्पणी - वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय ही होगा। निर्धारित 10 अंकों में से पांच श्रवण कौशल के मूल्यांकन के लिए और पांच वाचन कौशल के मूल्यांकन के लिए होंगे ।

वाचन (बोलना) एवं श्रवण (सुनना) कौशल का मूल्यांकन

■ परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा । अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए।

या

■ परीक्षक दो-तीन मिनट का श्रव्य अंश (ऑडियो क्लिप) सुनाएगा। अंश रोचक होना चाहिए। कथ्य घटना पूर्ण एवं स्पष्ट होना चाहिए। वाचक का उच्चारण शुद्ध, स्पष्ट एवं विराम चिन्हों के उचित प्रयोग सहित होना चाहिए।

■ परीक्षार्थी ध्यानपूर्वक परीक्षक/ ऑडियो क्लिप को सुनने के पश्चात परीक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अपनी समझ से मौखिक उत्तर देंगे।(1× 5 =5)

■ किसी निर्धारित विषय पर बोलना:- जिससे विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभवों का प्रत्यास्मरण कर सके।

■ कोई कहानी सुनाना या किसी घटना का वर्णन करना।

■ परिचय देना ।(स्व/परिवार /वातावरण /वस्तु/ व्यक्ति/ पर्यावरण/ कवि/ लेखक आदि)

■ परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाए।

■ विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।

■ निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव जगत के हो।

■ जब परीक्षार्थी बोलना आरंभ करें तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

(इस बात का निश्चय करना कि क्या विद्यार्थी में श्रवण और वाचन की निम्नलिखित योग्यताएं हैं)

क्र.	श्रवण (सुनना)	क्र.	वाचन (बोलना)
1	परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है।	1	केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है।
2	छोटे सुसंबद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	2	परिचित संदर्भों में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।

3	परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	3	अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है।
4	दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने के ढंग और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।	4	अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है।
5	जटिल कथनों के विचार -बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है।	5	उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है।